

RASHTRADHAN

2019



15  YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA

"BE THE CHANGE YOU WANT TO SEE IN THE WORLD"



Shiksha Mandal, Wardha's

G. S. COLLEGE OF COMMERCE & ECONOMICS

Civil Lines, Amravati Road, Nagpur - 440 001

Tel: 0712-2531760, Fax: 0712 - 2528747

e-mail: gscollegenagpur@rediffmail.com website: www.gscen.shikshamandal.org

NAAC Accredited 'A'-Grade Autonomous College

OUR TRIBUTES



Principal Dr. N.Y. Khandait garlanding the bust of late Shri Jamnalal Bajaj on his Birth Anniversary



Members of teaching and non-teaching staff offering tributes to Late Shri Jamnalal Bajaj on his Death Anniversary



शिक्षा मंडल, वर्धा, द्वारा संचालित
गो. से. अर्थ-वाणिज्य महाविद्यालय, नागपुर
(नेक (NAAC) द्वारा मानांकित "A")
(स्वायत्त दर्जा प्राप्त)

राष्ट्रधन

२०१८ - २०१९

❖ संपादक मंडल ❖

मार्गदर्शक

प्राचार्य डॉ. एन.वाय. खंडाईत

डॉ. डी.व्ही. चव्हाण (मुख्य संपादक)

प्रा. एस.एस. कठाळे

डॉ. पी.एम. पराडकर (विशेष आमंत्रित)

प्रा. आकाश जैन (विशेष आमंत्रित)

डॉ. सोनाली गादेकर, डॉ. नेहा कल्याणी

छात्र संपादक मंडल

शुभम चाफले, (M.Com. IV Sem-M) समीक्षा भूसारी, (B.Com. II Sem-E2)

भावेश हेमनानी, (B.Com. IV Sem-E3) अभिषेक मालू, (BCCA IV Sem.)

सय्यद आरजू करीना (BBA II Sem)

प्रकाशक

प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खंडाईत

गो. से. अर्थ वाणिज्य महाविद्यालय

अमरावती रोड, नागपूर

सम्पादकीय

“त्रस्त, दुर्बल विश्व को सुख, शक्ति के उपहार हो तुम
मनुज जीवन जब जटिल, गतिहीन होकर रुक गया है,
शृंखलाएं बंधनों की तोड़ता जब थक गया है,
दमन, अत्याचार, हिंसा से प्रकम्पित हो झुक गया है,
एक सिहरन, नव-प्रगति के, शांति के अवतार हो तुम।”

सत्य, अहिंसा, प्रेम, भ्रातृत्व, अपरिग्रह जैसे नैतिक मूल्यों को समाज में स्थापित करने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी के मानस पुत्र एवं इस संस्था के संस्थापक श्री जमनालालजी बजाज के सपनों के मूर्त रूप में परिणित मातृ संस्था शिक्षा मण्डल वर्धा के गौरवपूर्ण इतिहास ने विकास के स्वर्णिम शिखरों को छुआ है। वर्ष २०१८-१९ महात्मा गाँधी जी की १५० वीं जयन्ती के स्मरणीय अवसर पर जब विश्व गाँधी जी के अस्तित्व और योगदान को एक नई दृष्टि से देखने लगा है।

महात्मा गाँधी एक व्यक्ति नहीं अपितु विचार का नाम हैं और विचार कभी नष्ट नहीं हुआ करते। विचारों का विरोध हो सकता है, उसे तर्क-वितर्क के सहारे नया रूप दिया जा सकता है। ऐसे ही नये विचारों से समाज, देश एवं विश्व का विकास होता है। वास्तव में गाँधी जी जिस सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं, वह मनुष्य को मनुष्य बनाने की सोच है। ऐसी ही सोच को साकार करने के लिए मार्टिन लूथर किंग, नेल्सन मंडेला, गाँधी जी आदि की परम्परा विश्व के लिए अनुकरणीय बनती है। अनैतिकता के संकट से जूझ रही मानवता और नई पीढ़ी को आज एक ऐसी राह पर चलने की आवश्यकता है, जो चेतना के रूपान्तरण के लक्ष्यों की ओर ले जाये। सुविधावाद और उपभोक्तावाद के शोर के बीच एक ऐसे स्वर को साधने की आवश्यकता है, जो नैतिक मूल्यों के प्रति अनास्था भाव के संकट से उबरने की प्रेरणा दे सके। ऐसे भ्रमित समय में जब हम २१ वीं सदी को आकार देने में लगे हैं, तब गाँधी नाम का यह अनूठा व्यक्तित्व दुनिया के समक्ष नैतिकता, समता, प्रतिष्ठा, न्याय के सपनों और आदर्शों से मंडित एक ऐसी व्यवस्था देने की संभावना बना हुआ हैं, जो एक बेहतर विश्व का दरवाजा खोलता हैं। गाँधीजी ने धार्मिकता व सर्वधर्म समभाव का संतुलन साधा। पूँजीवाद और साम्यवादी दर्शन से अलग एक नयी आर्थिक व्यवस्था दी। वास्तव में गाँधी जी एक बौद्धिक चुनौती के रूप में हमारे समक्ष हैं। उन्होंने देश के विकास के लिए केवल स्वप्न ही नहीं दिखाया अपितु उन स्वप्नों को साकार करने की राह पर स्वयं चलकर भी दिखाया। विचार चेतना पुंज राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की पावन स्मृतियों को राष्ट्रधन का यह अंक समर्पित हैं।

इस सत्र में देश ने अनेक वीर जवानों और विशिष्ट व्यक्तित्वों को भी खोया है। शिक्षा मण्डल वर्धा के उपाध्यक्ष श्री चन्द्रशेखर धर्माधिकारी जी के काल के गाल में समाने से हुई अपूरणीय क्षति से पीड़ित जी. एस. परिवार उनको एवं अन्य विराट व्यक्तित्वों को श्रंदाजलि अर्पित करता है।

वार्षिकांक 'राष्ट्रधन' विद्यार्थियों को साहित्य, समाज एवं कर्तव्य से जोड़ने का एक लघु प्रयास है। विद्यार्थियों की कलाकृतियों, सामाजिक एवं समसामयिक ज्वलंत विषयों पर उनके वैचारिक मंथन को शब्दाभिव्यक्ति देकर उनको संवेदनशील, सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना ही इस पत्रिका का लक्ष्य है। इस पत्रिका के कलेवर में सिमटे लेख, विराट व्यक्तित्वों का मूल्यांकन, मतदान, साहित्यकारों के व्यक्तित्व, जल संवर्धन, जनजागृति, पर्यावरण वृक्ष संवर्धन, शिक्षा व्यवस्था, आदि विषयों पर व्यक्त विद्यार्थियों के विचार समाज के प्रति उनकी सजगता व सतर्कता को इंगित करते हैं।

‘राष्ट्रधन’ समिति, मातृसंस्था शिक्षा मण्डल, वर्धा की प्रबंधन समिति विशेषतः सभापति श्री संजय जी भार्गव और प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत के निरन्तर सहयोग के लिए उनके प्रति कृतज्ञ हैं। गाँधी जी की १५० वीं जयन्ती के अवसर पर ‘राष्ट्रधन’ का यह विशेषांक हम विद्यार्थियों को सहर्ष प्रदान करते हैं।

“राष्ट्रधन के सृजन से नई रोशनी आती है,
नई चेतना, नए स्वरो को अक्षरों में गाती है।
नए लेखक है, नए कवि है
नया सृजन है, नई उमंगे, नए लेखों की थाती है।”

- संपादक मण्डल

‘विद्यापीठ गीत’

या भारतात बंधुभाव नित्य वसू दे ।
दे वरची असा दे ।
हे सर्व पंथ-संप्रदाय एक दिसू दे,
मतभेद नसू दे ॥४॥

नांदोत सुखे गरिब-अमिर एकमतानी ।
मग हिंदू असो, ख्रिश्चन, वा हो इस्लामी ।
‘स्वातंत्र्यसुखा’ या सकलांमाजि वसू दे ।
दे वरची असा दे ॥१॥

सकळांस कळो, ‘मानवता, राष्ट्रभावना’ ।
हो सर्वस्थळी मिळूनि ‘समुदाय-प्रार्थना’ ।
उद्योगि तरुण वीर शीलवान दिसू दे ।
दे वरची असा दे ॥२॥

हा जातिभाव विसरुनिया एक हो आम्ही ।
अस्पृश्यता समूळ नष्ट हो जगातुनी ।
खळ निंदका मनीहि ‘सत्य न्याय’ वसू दे ।
दे वरची असा दे ॥३॥

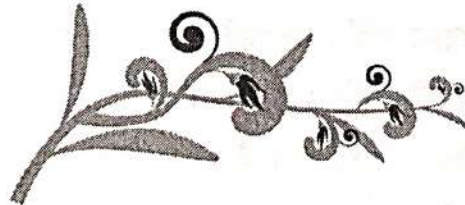
सौंदर्य रमो घर-घरांत स्वर्गि ज्यापरी ।
ही नष्ट होऊ दे विपत्ति, भीती बोहरी ।
तुकड्यास सदासर्वदा सेवेस कसू दे ।
दे वरची असा दे ॥४॥

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज



CONTENTS

	Page No.
• ENGLISH SECTION	E1 - E34
• HINDI SECTION	H1 - H31
• MARATHI SECTION	M1 - M39
• ACTIVITY AND COMMITTEE REPORTS	01 - 60



Our Inspiration



Shri Rahul Bajaj
President
Shiksha Mandal, Wardha

Shiksha Mandal Office Bearers



Shri Rahul Bajaj
President & Trustee



Shri Sanjay Bhargava
Chairman & Trustee



Shri Shekhar Bajaj
Trustee



Shri Madhur Bajaj
Trustee



Shri Sanjiv Bajaj
Trustee



Shri Bharat Mahodaya
Vice-President



Shri P.D. Khemuka
Joint Secretary



From the Principal's Desk

2018-19 shall always remain a historical session in the annals G. S. College of Commerce and Economics, Nagpur. Already granted an A-Grade by NAAC, the college began its journey as the first Autonomous Commerce College in RTM Nagpur University in 2018-19 and successfully installed and implemented all autonomy systems by the end of the session.

New syllabi, new examination systems, new activities and rigorous curricular and co-curricular regimen. Novelties galore coupled with new excitement that is writ large on the faces of students.

But also some disappointment.

Some students could not accept these new challenges of tough courses and hard work and dropped out mid-way.

But congratulations to those students who relished the autonomy set-up and proved equal to the task. Importantly, they are demanding more.

Well, we shall oblige. So, 2019-20 shall see the introduction of two new UG courses under autonomy: B.Com. (Hons.) and B.Com. (Finance & Accountancy), again the firsts in RTM Nagpur University.

At the end of 2018-19, therefore, we can say that the college, too, is equal to the task of meeting the demands of students.

Besides academics, we are now growing infrastructurally as well. Girl's hostel is almost complete, and a new building is coming up to host new courses courtesy RUSA grants. The IT infrastructure is being strengthened and there are going to be a lot of smart classrooms.

So dear students, the best possible quality education and best possible facilities await you. You only have to be willing recipients.

I take this opportunity to congratulate all our teachers and staff members who worked ceaselessly for realizing our goal of autonomy and thank all students and parents for their unflinching faith in our educational ventures. Together, we grow.

I also congratulate those who figured in the RTM Nagpur University merit lists and also won prizes in co- and extra curricular activities at the college and university levels. I also congratulate all those students, over 175 of them, who earned placements during the session.

I congratulate all the contributors to this issue of Rashtradhan which commemorates Gandhiji's 150th Birth Anniversary and appreciate the efforts of Rashtradhan Committee for bringing out another excellent issue.

Finally, dear students, I wish you good luck for your Autonomy and University examinations. God is with you and you will fare well.

Dr. N. Y. Khandait
Principal

ACHIEVERS



Dr. Neeta Dharmadhikari honoured with late Mama Kshirsagar Smriti Acharya Award



Dr. Afsar Sheikh
Best Paper Presenter in the
30th National Conference
of Maharashtra Commerce Association.



Dr. Ranjana Sahu
Published a book on
Management Process



Winners of Gandhi Vichar Sanskar Pariksha.



Gold Medal winning students & Faculty in GANDHI VICHAR SANSKAR PARIKSHA 2018-19

RBI Policy Challenge 2019

Best Entry from Regional Round; Participated in Zonal Round at
RBI College of Agricultural Banking, Pune.



Kailesh M. Jaitwar
M.Com Sem - II (Eng.)
also PG Level University Representative
at Inter University Research Convention.



Jayantkumar V. Rane
M.Com Sem - II (Eng.)



Raja S. Sanodiya
M.Com Sem - II (Eng.)



Miss Prathana Bayes
B.Com. III (E1)
National Accounting Talent Search 2018-19,
Centre Topper.



Abhishek Maloo
B.C.C.A. - II



Bhavesh Hemnari
B.COM - II (E3)



Syed Arzoo Karina
BBA - II



Shraddha Singh
XII (E1)

2nd Prize of Rs. 31,000/- winner at district
Level in essay competition organised by Sahajin Vichar Manch

ACHIEVERS



Ishu A. Gidwani
MBA - Rank - 01



Simran M. Chawla
MBA - Rank - 06



Mrunmayee P. Kanetkar
M.Com. - Rank - 07



Pinky R. Kumar
M.Com. - Rank - 07



Sonika S. Jana
M.Com. - Rank - 08



Ankita V. Junde
BCCA - Rank - 05



Poonam H. Asole
BCCA - Rank - 06



Roshni K. Nagpure
BCCA - Rank - 09



Shivani V. Vairagade
BCCA - Rank - 10



Ritesh Pillare
B.Com. - I E2
Won 2nd Prize at Quiz Competition held in RTMINU - "YUVARANG"



Prince Kumar
M.Com. - I



Vivek Vaswani
XII (E1)
Won Best Delegate Award at Model United Nations Assembly organised by Rotary Club, Nagpur Vision



Shubhamkar Kale
XII (E1)

Students Cleared NET/SET Examinations



Ravina Nikhar
NET Exam - July 2018



Shubham Suryavanshi
NET Exam - December 2018



Raunak Shah
SET Exam - May 2018

SHINING STARS (N.S.S.)



Pravin Sakhare
State Level NSS Best Volunteer Award 2017-18.
Participated in NSS - NIC Camp at BHU, Varanasi.



Kamdeo D. Bhoge
University Level Best Volunteer
(NSS) Award



Shubham B. Chafle
Participated in NSS-NIC Camp at
BHU, Varanasi.



Ashish C. Singh
Participated in NSS-NIC Camp
at BHU, Varanasi.



Ashutosh Kunte
Participated in SRD Parade
(2019) at Mumbai



Gaurav Chaudhari
Participated in NSS - NIC Camp at
BHU, Varanasi



Khushboo Dakhole
Participated in NSS National Adventure
Camp at Himachal Pradesh



Mohita Jaitwar
Participated in State RD Selection
Camp



Anjali G. Tiwari
Participated in National Gandhian
Leadership Camp



Ruchi Priya Dutta
Participated in National Gandhian
Leadership Camp



Nikhil Raut
Participated in Gandhi Vichar Parishad
Camp at Wardha



Rehan Pariyar
Participated in State Level
Prema Camp at Amravati



Manisha Pendam
Participated in State Level Avahan
Camp at Aurangabad



Rohan Dofode
Participated in State Level Avahan
Camp at Aurangabad



Irfana Sheikh
Participated in State Level
Prema Camp at Amravati

SPORTS : COLOUR HOLDERS 2018-19



Mr. Manish S. Bisen
B.Com. I (E2)
Selected in R.T.M.N.U.
Archery Team



Ms. Tina S. Menghar
M.Com. I (E)
Selected in R.T.M.N.U.
Archery Team



Ms. Diva N. Kishore
B.Com. II (E1)
Selected in R.T.M.N.U.
Archery Team



Ms. Sandhya D. Sharma
B.Com. II (E1)
Selected in R.T.M.N.U.
Archery Team



Mr. Rahul R. Prasad
B.Com. I (E1)
Selected in R.T.M.N.U.
Archery Team



Ms. Bhakti D. Dahasastra
M.Com. II (E)
Selected in R.T.M.N.U.
Badminton Team



Mr. Rahul Y. Kohale
B.Com. III (M)
Selected in R.T.M.N.U.
Ball Badminton Team



Ms. Ashwini V. Chaudhari
B.Com. III (M)
Selected in R.T.M.N.U.
Ball Badminton Team



Mr. Devendrakumar M. Shahu
B.B.A. III
Selected in R.T.M.N.U.
Yogasana Team



Ms. Kajal R. Thakur
B.B.A. III
Selected in R.T.M.N.U.
Yogasana Team



Ms. Aiswarya B. Nair, B.Com. III (E1)
SILVER MEDAL in Javelin Throw BRONZE MEDAL in Discus Throw in
R.T.M.N.U. Inter-collegiate Athletics



Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University Inter-Collegiate
Ball Badminton Girls Team- Runner-up: 2018-19



Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University Inter-Collegiate Ball
Badminton Boys Team- Third Position: 2018-19



Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University Inter-Collegiate
Yogasana Girls Team- Third Position: 2018-19

STUDENTS' FEEDBACK ON AUTONOMY

- An autonomous institute reflects efforts for excellence in the Academic performance as well as in the enhancement of the quality of education.
- The syllabus is up to date with the requirements of the present needs of Academic system, the results were announced in time.
- We also have the opportunity to choose from the value-added courses which help as in further enhancement in the quality of performances.



Rajshree Tambekar
MBA - Sem. II

- Autonomy status has enabled the college to exercise the privilege to modernise the curriculum as per the current industry standards. It makes the syllabi more relevant to today's times.
- Courses like NISM, BEC and other relevant courses which are possible due to the autonomy help in enhancing and developing the personalities of students and make us industry ready.
- Autonomous colleges have the potential for offering programmes of higher standards tailor-made for the students.
- Examination reforms prove beneficial for students with weightage given to soft skills development rather than only theoretical knowledge.
- Autonomy grants academic freedom to colleges ensuring academic development of students and overall development of the college as well.



Harshal Maske
MBA, Sem II

- Autonomous colleges have their own syllabus which is generally far better and useful than that of university.

Due to customised syllabus and evaluation patterns, students generally tend to become more knowledgeable (practically and academically) efficient and credible.

Overall, Autonomus college is great for better student output, placement and wholesome development of students.



Shruti Sharma
BBA - Sem. II

STUDENTS' FEEDBACK ON AUTONOMY

- We have been given 6 subjects which are two more from Nagpur University. Our syllabus is so vast that sometimes our 1st year syllabus matches with third year. Teachers encourage and motivate us for making a better version of ourselves. Concluding here, we are not here to just to get a decent job but to be the next global leaders.



Shreya Chakraborty
BBA Sem. II

- I am the student who can compare the pre autonomy situation with post autonomy situation in the college because I have done my graduation in the University pattern but now I am pursuing my post graduation in the college which is autonomous now.
- As compared to pre autonomy phase college is now more concentrated towards quality education which may be by updated syllabus, more campus placement opportunities and better exposure to students in co-curricular activities.
- After autonomy the vision has changed because now there is not just exam oriented studies but quality oriented.
- College analyzes the industry demand and comprehends the students' qualification with the same for making students industry ready.
- Administration work of the college has now become faster than the last year because within 30 days of exams college declares the results.
- Many new and updated topics are incorporated in the syllabus which were not in the University syllabus, making the same informative and qualitative improving the level of knowledge of students. There were various subjects, which were not covered by University syllabus though these subjects are part of (UGC) National Eligibility Test. Now, in autonomous syllabus college is covering the missing topics as well.
- Much more to say, in short span the autonomy experience has helped in improving the education system of college by which as a student I feel that I am very lucky to be a part of it.



Kailesh Jaitwar
M.Com. II Sem.

STUDENTS' FEEDBACK ON AUTONOMY

- Currently I am studying in M.Com. 2nd Sem., It was my first year under autonomy.
- I think autonomy has proven beneficial for the skill development of students as it aims to impart qualitative education.
- Under autonomy 75% attendance has been made mandatory to be eligible to appear for exam. The participation of students in extra & co-curricular activities being organized in the college leads to skill development & confidence building among students.
- System of ranking has been changed from percentage basis to CGPA basis which makes it mandatory to get more & more credit points which encourages the students to participate in various activities & value addition courses which adds to knowledge enhancement & growth of students.
- Syllabus & contents of various subjects are framed or changed as per requirement of industries which makes students competitive to get job after completion of their studies, means it makes them employable.
- So, in my view autonomy has brought positive changes as far as our institution is concerned & it is the major contributor in the overall development of students.



Rajeshwari Sharma
M. Com. II Sem

- We are made available with quality syllabus which is continuously being updated.
- Also, commerce and IT subjects gain equal importance in BCCA. Due to this we don't lag behind in any of the subjects.
- The college also encourages participation in various extra curricular activities which enhances the overall personality development.
- Attendance is given a lot of importance which develops good habits like regularity, punctuality, etc. in students.
- Various necessary resources such as library, study room, e-books, labs, etc. are provided by college.
- Autonomous G.S. College is one of the best colleges in Nagpur University. So, I am glad to be in this college.



Sumit Telkhende
BCCA 1s year

STUDENTS' FEEDBACK ON AUTONOMY

- The biggest benefit of an autonomous college is that we get to know about the latest in technology compared to the university.
- We also have a reference section for students, to study and deal with latest technology, with a peaceful and cheerful environment.
- The college also focuses and encourages us to participate in co-curricular activities like sports, value added courses like GS SUN, Tally, BEC, GS Com Next etc.
- The teachers are motivating and help the students to overcome their fears.
- Good Learning environment with proper discipline is there.



Vaishnavi Nadagouda
BCCA 1st Year

- Under Autonomy, the college provided us upgraded courses which helps us to grab the knowledge in bulk. It also added the interest of book reading in students.
- The compulsion of attending college regularly builds discipline in us and also maintains uniformity in studies and other activities.
- The value added courses such as GS-SUN, competitive Cell, CAT, BEC, CPBFI, NSE etc. gives us credit points which will be beneficial for us in future.
- Syllabus provide to us is the best not only in quantity but the contents are very beneficial for us.



Khushboo Mitkari
B.Com I (E2)

- खदान से कोयला कोई भी निकाल सकता है, परन्तु खदान से हीरा ढूँढकर उसे कोहिनूर बनाना आसान कार्य नहीं है, कुछ इस तरह से ही स्वायत्त पाठ्यक्रम से युक्त हमारा जी.एस. महाविद्यालय हम विद्यार्थियों के लिए प्रयास करता है। मुझे गर्व है खुद पर की मैं जी.एस. महाविद्यालय का छात्र हूँ।



Tejas Patel
B.Com I (E1)



Amitav Ghosh

Amitava Ghosh (born - 11th July 1956) is a very famous Indian Writer of English fiction, who won the prestigious 54th Gyanpith Award in 2018 for his outstanding contribution to English Literature. He is the recipient of many other prestigious awards like the Sahitya Akademi Award, Ananda Puraskar, Padma Shri and David Prize.

Amitav Ghosh was born in Calcutta in 1956. He had his education in Calcutta, Delhi and Oxford.

Amitava Ghosh has written copiously in English, both fiction and non-fiction. His novels include the *Circle of Reason* (1986), *The Shadow Lines* (1988), *The Calcutta Chromosome* (1995), *The Glass Palace* (2000), *The Hungry Tide* (2004) and *Sea of Poppies* (2008). He has also written 'The Ibis Trilogy' under which the novels are '*Sea of Poppies*' (2008), '*The River of Smoke*' (2011), *Flood of Fire* (2015).

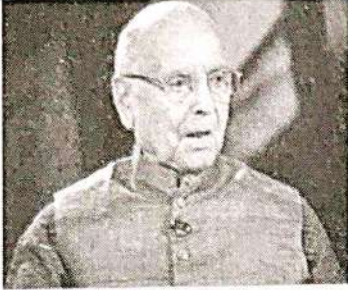
Themes in his novel highlight the historical and social issues like communal violence, diaspora issues, history and memory, political colonialism & post colonialism struggle, love and loss etc. His fictional and non-fictional work cuts across the boundaries of our nation and are trans-national in sweep.

India is proud to have such a talented writer.

Expressions
ENGLISH
SECTION

Tributes to

Shri C.S. Dharmadhikari



Justice Shri C.S. Dharmadhikari (20th Nov 1927- 3rd Jan 2019) was a great legal luminary, government pleader, freedom fighter, lawyer and author. We lost this great soul on 3rd January 2019.

He served the High Court of Bombay, Nagpur Bench from 1965 to 1972. He was appointed as a Judge of High Court at Bombay w.e.f. 13th July 1972 & acted as Chief Justice of Bombay High Court. He retired on 26th November 1989. He served as Chairman of Maharashtra Administrative Tribunal from 7th July 1991 to 20th November 1992. He also worked as Chairman of Dhanu Taluka Environment Protection Authority.

He completed his M.A.L.L.B from Nagpur University & served as lawyer from 1954 to 1972.

The government of Maharashtra in recognition of his services as freedom fighter included his name in list of freedom fighters. He was also associated with students movement & worked as secretary of National Union of Students. In addition to this he was actively associated with many educational, social & cultural organizations like Maharashtra Vyassan Mukti Movement, Council for Fair Business Practices etc.

He was one of the great authors & wrote many books.

Some of his famous books are :

A book on constitution of India entitled as " Bhartiya Sanvidhanache Adhishthan" which received government of Maharashtra literary award for year 1976-77.

Other books are Reflections of Indian Constitution- Religion & Rule of Rule; Shodh Gandhinchad; Gandhi Prachar Aur Prabhav etc.

He was also a good orator & delivered number of talks in lecture series. He was invited to deliver key note address in Bruhan - Maharashtra Mandal 1999 convention, San Jose, Silicon Valley USA & delivered many lectures at various places like Japan, Singapore etc.

He received many prestigious Awards : Padma - Bhushan, Bharti Gaurav Purskar, Dhamankar Prerna purskar & many more.

We are proud that such a multifaceted personality was the part of management of our parent institution Shiksha Mandal, Wardha , where he served as Vice President. His sad demise has left a huge void. We pay our sincere tributes to him.

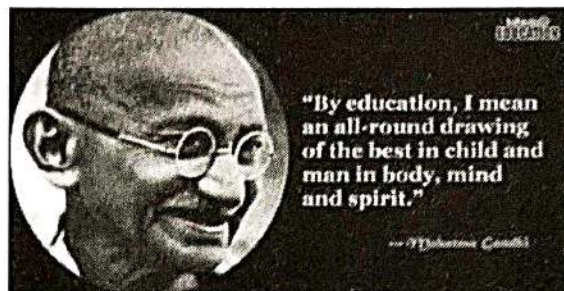
Rajeshwari D. Sharma

M.Com 1st Year (English)



GANDHIJI'S VIEWS OF EDUCATION

Introduction :- The Father of the nation, a revolutionary and a man of Learning, Mahatma Gandhi moved entire India with the sway of his thoughts. His deep understanding of everything made him ponder upon various issues to which he offered several effective and practical solutions. Focus around the fact that education is not merely a means to achieve status or earn money, rather it should be bring freedom to the individual. He advocated the fact that kind of education must be imparted with vocational education which is a good way to learn and know things.



Views of Gandhiji :- Education should be able to let people know the difference between good and bad. The highest development of the mind and soul is possible under the education system. Literacy itself is not education, it is not end of education or even the beginning. But by education Gandhiji meant that - an all round drawing out of the best in the child and man, body, mind and spirit.

Gandhiji believed in an education system that brought best out of the person's being. He was aware of the problems of dissemination of education in English medium. He wanted such type of education which would make the students original, give them courage to think themselves and innovate based on their ability to research and application. He argued that such type of education system in English Medium could not let the English Speaking Indians influence the masses. The aim of Basic Education is development of total personality of child. In his views higher education should be self supporting "Education helps in cultivation of absolute purity of heart". Gandhiji laid more stress on environment than books. Because man can easily understand the practical things than the written things.

He wanted to raise the social status of the teachers, so that their qualities would be improved. Gandhiji advised that only way of putting an End to exploitation is for every individual to do his own work. They should give importance to manual labour. He also remarked that a teacher who always complains about the behavior of the students, should take the responsibility on their own shoulders. Writing and solving sums help in Mental Development of a child.

He worked towards promoting education in India. He believed that every individual has the right to be educated and that education must be made compulsory for everyone. Gandhiji believed that merely theoretical knowledge is not enough. It is essential to render practical knowledge to the student in order to develop proper understanding of the subject.

Gandhiji believed that education is the key to better living. He promoted the right to

basic knowledge. He was always aware about the social and economic condition of fellow Indians. He also knew that even though there are many people who want to send their child to school, they cannot afford the same. He also believed that every child in India must be educated as education is the key to good living. He wanted every child to attend school and seek education. He left no chance to propagate the importance of education. However, he did not conform to the Indian education system. He wanted that schools must work upon invoking the feeling of patriotism among students.

M. K. Gandhi knew that education is one of the most important ingredients in the development of an individual as well as society and the nation as a whole. A nation with educated citizens can develop at a far better speed compared to that of uneducated population. He also knew that every child in India must be educated. While the government stressed upon being literate and increasing the literacy rate and does that even today, Mahatma Gandhi felt that even literate is not enough, it is also important to be educated and develop skills. It would not only help in that person's growth & development but also prove to be good for the society.

What is really needed to make democracy function is not knowledge of facts, but right education. National education to be truly national must reflect the national condition for time being. I believe that religious education must be the sole of concern of religious associations. By spiritual training they mean education of heart. Experience gained in two schools under his control has taught him that punishment does not purify, if anything, it hardens the child. The emphasis laid on the principle of spending every minutes of one's life usefully is the best education for citizenship. Gandhiji gave up his polished career to join the Indian Struggle for independence and gave his heart and soul to it.

Conclusion : Gandhi's educational view was quite progressive. Adopting his view can bring a positive change in the Indian education system. He suggested ideas to mould the education system in such a way that it ensured the all round development of an individual.

Seema Sharma
BCCA - III

QUOTES

No motivational Quote can motivate you
if you are demotivated from inside.
Before blaming others, Be able to take blame.
The most precious thing in this world is "Trust"



Gayatri Sharma
B.Com. II, E-1

BANKING SECTOR IN INDIA CHALLENGES & OPPORTUNITIES

Introduction : The banking industry in India has had a very rich and varied history. It spans from the traditional banking practices from the time of Britishers to the newer reforms period, nationalization to the privatization of banks and now more recently the increasing number of foreign banks in India. Banking in India has come a long way. Changing times has also led the banking



sector to achieve new heights and advancements in technology, have revolutionized the way banks work. However, the fundamental aspects of banking i.e. trust and the confidence of the people on the institution remain the same. The majority of the banks are still successful in keeping with the confidence of the shareholders as well as other stakeholders. However, with the changing dynamics of the banking business brings new kind of risk exposure.

The present-day banking scenario in India is nothing less than dynamic. Earlier in the pre-liberalization era, the Indian Banking was completely different than we know it to be nowadays. The government of India initiated to take an active role in the economic life of the nation. This resulted in the greater involvement of the state in different segments of the economy including banking and finance.

Challenges :

Asset quality : On the whole, the banking system has remained resilient but asset quality has seen sustained pressure due to continued economic slowdown. The levels of gross non-performing advances (GNPAs) and net NPAs (NNPAs) for the system have been elevated.

Capital adequacy of banks : There have been concerns regarding the ability of our banks to raise additional capital to support their business, especially for the public sector banks. The higher level of capital adequacy is needed due to higher provisioning requirements resulting from deterioration in asset quality, kicking in of the Basel III Capital norms, capital required to cover additional risk areas under the risk-based supervision framework as also to sustain and meet the impending growth in credit demand, going forward.

LCR framework : Liquidity Coverage Ratio (LCR) regime has been introduced from January 1, 2015, with a minimum requirement of 60%, which is to be gradually increased to 100% by January 1, 2019, in a phased manner. The LCR is a ratio of High-Quality Liquid Assets (HQLA) to the Total Net Cash Outflows prescribed to address the short-term liquidity risk of banks and the banks would be required to maintain a stock of HQLAs on an ongoing basis equal to the Total Net Cash Outflows.

Unhedged forex exposures : The wild gyrations in the forex market have the potential to inflict significant stress in the books of Indian companies who have heavily borrowed abroad, besides impacting repayment of forex liabilities this will eventually hamper their debt repayment capability to the domestic lenders as well.

Balance Sheet Management : Over the past few years we have witnessed an increasing propensity to defer or delay provisions in an apparent attempt to post higher net profits. Making higher provisions would not only add strength to the balance sheet but also lead to better control over tax out-go and the dividend pay-out, besides adding credibility to the bank's financial statements. The savvy long-term investors/analysts do not read too much into the lower net profits in the short term.

Management of Risks : The growing competition increases the competitiveness among banks. But, existing global banking scenario is seriously posing threats for Indian banking industry. We have already witnessed the bankruptcy of some foreign banks.

Financial Inclusion : Financial inclusion has become a necessity in today's business environment. Whatever is produced by business houses, that has to be under the check from various perspectives like environmental concerns, corporate governance, social and ethical issues.

Social and Ethical Aspects : There are some banks, which proactively undertake the responsibility to bear the social and ethical aspects of banking. This is a challenge for commercial banks to consider these aspects in their working. Apart from profit maximization, commercial banks are supposed to support those organizations, which have some social concerns.

ESG (Environment, Social & Governance) : Banks in India can better establish and communicate focused ESG metrics and targets aligned with their identified material issues. While banks are providing detailed ESG information in multiple reports and using the GRI standard, the key strategic metric and associated target often integrated with company performance result so far have been sustainable financing performance. Hopefully, we will continue to see more, new ESG metrics integrated with standard company results, internally and externally.

Communicating Commitments : Increasingly, banks are communicating major long-term sustainable financing commitments, which provide an opportunity to link products and services to corporate responsibility; however, they will increasingly need to be transparent about these initiatives.

Block-Chain : Block-chain is a technology that uses distributed databases, math and cryptography to record transactions. Think of it as a system composed of many giant accounting ledger databases all synced with identical transaction information. Each new financial transaction gets copied or stacked in sequence like Lego blocks. This means that it is virtually impossible to hack since it would be necessary to hack millions of databases.

Risk Management : Practice of Risk Management in Banks is newer in Indian banks but

due to the growing competition, increased volatility and fluctuations of markets the risk management model has gained importance. Due to the practice of risk management, it has resulted in increased efficiency in governing Indian banks and has also increased the practice of corporate governance. The essential feature of risk management model is to minimize or reduce the risks of the products and services which are offered by the banks, therefore, in order to mitigate the internal & external risks, there can be a need of efficient risk management framework.

LCR framework : Banks have been asking for reduction in SLR citing the implementation of the LCR framework. To a certain extent their request has merit. SLR essentially serves the same purpose as the LCR. However, SLR does not assume certain outflow rates for liabilities while outflow and inflow rates under the LCR framework are based on certain assumptions of stress. Presently, apart from maintaining LCR at 60%, the banks have to maintain SLR of 21.5% of the NDTL.

Expansion of Branches : Expansion of branch size in order to increase market share is another tool to combat competitors. Therefore, Indian nationalized and private sector banks must spread their wings towards global market as some of them have already done it. Indian banks are trustworthy brands in the Indian market; therefore, these banks must utilize their brand equity as it is a valuable asset for them.

Suggestions

Recapitalization is playing a vital role to make the banking system powerful but on the other hand, it is a huge question mark on the abilities of PSUs bank which are not able to earn and survive and whereas receiving money on account of recapitalization. Hence, the central bank should make norms to improve the efficiency of banks with the view of profitability and also cost efficiency so that public will get service at affordable rates and banks will also be able to increase the revenue competitively.

With the above-mentioned points, it is clear that the biggest challenge that our Banking Industry faces is to cater to the masses that make up the huge market in India. Banks have become customer-centric than product-centric.

Another aspect that can lessen the challenges is product differentiation. Apart from traditional banking services, Indian banks must adopt some product innovation so that they can compete in a gamut of competition.

One important factor to the alleviation of these challenges is Technology up-gradation. Nowadays the level of consumer awareness is significantly higher as compared to previous years, they need internet banking, mobile banking and ATM services.

Financial inclusion has also become a necessity in today's business environment. It is necessary to bridge the gap between rich and poor, the poor people of the country should be given proper attention to improving their economic condition.

With recent cases of banks frauds, Indian banks' vulnerabilities are being exposed, especially in the public sector.

It is important for banks to continuously improve operational efficiency by making the right investments in technology and human resources.

Some banks show favors to certain companies in advancing the loans which should not be done as it can lead to an increase in NPAs.

Conclusion

India is one of the top 5 economies in the world, where the banking sector has tremendous potential to grow, but we know that the PSUs in India are not in a better condition hence all the challenges & opportunities should be taking a course of actions.

These all challenges can be overcome, opportunities can be grabbed and suggestions can be implemented only when the management becomes efficient and improper conducts are supervised & controlled.

Kailesh Jaitwar
Jayantkumar Vijay Rane
Raja Sanodiya

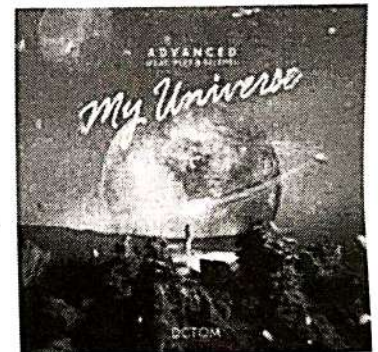
MY UNIVERSE

Mom, Mummy, mother, maa, aai
You are a mother, wife and daughter,
a sister, a friend, a mentor, a learner, a teacher,
Still you are someone's special
May be for a child, husband, father, brother,
But you are a role model

You walked every step with me,
Climbed every hill with me,
It was your care which was with me,
You awoke me with a kiss and a bliss,
with a deep ocean of love,
You are a forest of care,
You are a magical fairy for me,
And God's boon to me.

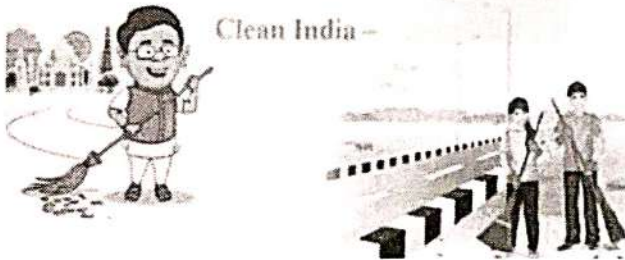
May every child have their 'Personal God' as 'Mother'

Because with mother-
Every moment is an Experience.



Karishma Shende
BCCA - I

CLEAN INDIA MISSION



On 2nd October 2014, The Indian Prime Minister, Narendra Modi, launched a Nation Wide Cleanliness Campaign on the occasion of Mahatma Gandhi Birth Anniversary. The concept of Swachh Bharat is to provide sanitation facilities to every family, including toilets, Solid and liquid waste disposal systems. Village cleanliness and safe and

adequate drinking water supply. We have to achieve this by 2019 as a befitting tribute to the father of nation, Mahatma Gandhi on his 150th birth anniversary.

The PM said that the Swachh Bharat Mission is beyond politics inspired by patriotism and not politics. He also asked people to pledge "Na main gandagi karoonga, na main gandagi karne doonga" (I shall not litter and won't allow anyone to do so.) He further flagged off a walkathon as part of the Swachh Bharat Campaign, which is not just a slogan, but our responsibility. This turned the people's thoughts to Gandhi's idea of cleanliness. What is the need of it? How did Gandhiji's influence and communicate this idea to the nation? To answer these questions it is necessary to know Mahatma Gandhi's views about cleanliness.

Indians gained freedom under leadership of Gandhiji, but his dream of a Clean India is still unfulfilled. Mahatma Gandhi said "Sanitation is more important than independence." He made cleanliness and sanitation an integral part of the Gandhian way of living. His dream was total Sanitation for all. Cleanliness is the most important thing for physical well being and a healthy environment. It has bearing on public and personal hygiene. It is essential for everyone to learn about cleanliness hygiene, sanitation and the various diseases that are caused due to poor hygienic conditions. The habits learnt at a young age get embedded into one's personality. Even if we inculcate certain habits like washing hands before meals, regular brushing of teeth and bathing from a young age. Majority of our diseases will vanish. We are not bothered about cleanliness of public places. Mahatma Gandhi said "I will not let anyone walk through my mind with their dirty feet."

Gandhiji dwelt on cleanliness and good habits and pointed out its close relationship to good health. No one should spit or clean his nose on streets. In some cases the sputum is so harmful that the germs infect others. In some countries spitting on the streets made is a criminal offence. Those who spit after chewing betel leaves and tobacco have no consideration for the feelings of others.

Mahatma Gandhi never compromised on cleanliness. He gave us freedom. We should give him a Clean India", read a tweet from the Prime Minister Office. This Gandhi Jayanti, Mr. Narendra Modi is all set to kick-start the Swachh Bharat or Clean India Campaign. The campaign envisions cleaning the country and Making India open-defecation free by 2019.

This vision of a clean India is not alien to us. Many schemes have been made, implemented, and fall way short of reaching the targets. Swachh Bharat is an extension of Nirmal Bharat Abhiyan (NAB), which was operational since 2012 (preceded to Total Sanitation

Campaign and centrally sponsored Rural Sanitation Programme).

But it is different this time around. Narendra Modi has given this initiative a new lease of life. The manner in which he has reached out to people and urged them to take up the mantle of making our country clean is heart-warming and more than welcome. Although it remains to be seen how well his rhetoric will impact the public participation in this 'Swachhata' mission. He has roped in schools, colleges, and government employees to participate in the inauguration, by cleaning their premises on October 2. Modi who had ascertained to "Set out with a broom" himself has urged the public to take the pledge and actively participate in the mission.

As many as 1,34,000 crores have been allocated for building 11.11 crore toilets in the scheme. The cost of Individual household latrine has been enhanced from Rs. 10,000 to Rs. 12,000 Urban and Rural Missions have been made exclusive, and budgetary allocation will thus be provided separately. Some other policy changes to the NBA have been also introduced. But the problem with NBA has been at the implementation level, not so much at the policy level. A report by the UNICEF India and centre for Budget and Governance Accountability (CGA) revealed that only 49% of the budget had been utilised between 1999 and 2011. Poor utilisations of funds, delay in the reach of funds and the lack of funds have been identified as some of the problems with the whole Nirmal Bharat Campaign.

Poor implementation of sanitation schemes is the reason that India is plagued with health and hygiene issues. Open defecation is rampant in India. According to a report by the WHO, India is ranked highest when it comes to the no. of people practicing open defecation. The percentage reduction is also nominal and we fall behind countries like Nigeria, Bangladesh, Sri Lanka, Pakistan, Ethiopia and so on. Open defecation does not only, threaten health, hygiene and environment, but lack of toilets is a road block in education of girls in our country & a threat to security of women who go out in the open to relieve themselves. Many female students leave schools when they hit puberty due to the absence of separate toilets for boys and girls. The evil of manual scavenging still exists in our society due to absence of toilets. Inadequate sanitation even has implication on the economy according to report by the world bank, it has cost the economy Rs. 2.4 trillion.

The urgency of the issue and the need to cater to it is quite transparent. The problem is multidimensional. An unclean India is a threat to the environment, health & hygiene of the people, safety of women, and economy of the country.

The policy level framework has been laid out ; it is the implementation that needs to be taken care of for that, the bureaucracy at the second and third level need to be more efficient and the citizens must also take the pledge to maintain cleanliness and contribute in making India clean by the 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi.

Responsibility of people towards cleanliness to protect the Environment :

Gandhi said "so long as you do not take the broom and the bucket in your hands, You cannot make your towns and cities clean."

When he inspected a model school, he told the teachers : "You will make your institution ideal, if besides giving the students literacy education. You make cooks and sweepers of them."

To the students his advice was, "If you become your own scavengers your will make your surroundings clean. It needs no less courage to become an expert scavenger than to win a victoria cross."

The villagers near his ashram refused to cover excreta with earth. They said : "Surely this is bhangi's work. It is sinful to look at faeces more so to throw earth on them" Gandhi personally supervised the scavenging work in villages. To set an example he for some months himself used to go the villages with a bucket and a broom. Friends and guests went with him. They brought bucketfuls of dirt and stool and buried them in pits.

All scavenging in his ashram was done by the inmates. Gandhi guided them. People of different races, religions & colours lived there.

No dirt could be found anywhere on the ashram ground. All rubbish was buried in pits peelings of vegetables and leftover food was dumped in a seperate manure pit. The hightsoil too, was buried and later used as manure. Waste water wasused for gardening.

Gandhi and his co-workers undertook sweepers' work by turns. He introduced bucket-latrines and bicameral trench latrines. Gandhi showed his new innovation to all visitors with pride, rich and poor leaders & workers, Indians & foreigners all had to use these latrines. This experiments slowly removed aversion for scavenging from the minds of orthodox co-workers and women inmates of the ashram.

The right of bhangi carrying a night soil-basket on his/her head made him sick. He explained how with the use of proper instruments, Cleaning would be done heartily. Scavenging is a fine art and he did it without becoming filthly himself.

He wrote "Village tanks are used for bathing, washing clothes and drinking and working purposes. Many village tanks are also used by cattle, Buffaloes are often seen wallowing in them. The wonder is that in spite of this sinful misuse of village tanks village have not been destroyed by epidemics. Medical evidence show that lack of pure water supply in villages is responsible for many of the diseases suffered by the villagers".

Conclulsion :

We can conclude that cleanliness is important in our life as well as for a nation. It is well known that the Mahatma Gandhi personally took the efforts to achieve the change that he wanted to see. It is of course too much to expect our present day leaders to go around the cities with their rising number of slums and initiate a genuine drive to clean up the surrounding. It is even less probable that they will pull themselves away from their market forced pursuits and ineffectual, exclusive pursuit of GDP growth to focus on the task of nation building.

Teachers and students role is very important to create awarenss on cleanliness in today's world the role of social media is important to create awareness among them. Cleanliness is not only the responsibility of the 'Safari Kaamngar' (Sanitation Worker) or local government. It is the responsibility of all Indians.

It is the responsibility of government officers. NGO's and local community to make india complently clean. It is a need of present, all should actively participate to clean India to fulfill the dream of Mahatma Gandhi for the protection of the environment for our safety.

Sakshi Gupta
BCCA - I

SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOAL



Sustainable development can be defined in many ways but the most famous definition is "Sustainable Development is the Development that meets the needs of the present without compromising the ability of future generations to meet their own needs."

Sustainable Development is a challenge as well as an opportunity for citizens all over the world, but in my article I will cover the sustainable development in India and for India in my vision the sustainable India is one where the economy, society and environment of our country generally run out of energy resources because population is growing and increasing rapidly but the resources are very scarce in accordance to the population. So far making India a sustainable country we have to construct the buildings integrated with solar panels, solar heat cells and insulation; an India where green energy is a major player. India with sustainable development would value parks and community spaces and would build with an eye towards the future, leaving space for new Infrastructure, improvement and renovations. We hope to see India that is representative of all identities, merging into an Indian Identity offering space for inclusion and acceptance of different people from various backgrounds. Which will work towards building trust and bridges between divided communities for the better functioning of the society. In so doing it erases the risk of radicalism rising due to marginalised and alienated communities. It would be an India that would value and protect its rich biodiversity, natural beauty and resources and all its citizens, their culture and their history, while safeguarding their future.

Biggest Challenges for Implementing a Sustainable India

Political Will : One of the biggest challenge for implementing a sustainable India is political will if sustainability is not seen as urgent, driving issue then it will not stay on the agenda of policy market.

Social Inclusion : For implementing a sustainable India we also need to look at social inclusion. India is becoming a more diverse society. It means that such a society needs to be reflected at a national level and international level while maintaining its core values and dignity. As mentioned earlier a society that lacks inclusion is one that is preparing to fail at all levels. The more diverse we become the less we can afford to exclude certain groups in the movement of change for better India.

Education : In Developing countries like India, Education is the backbone of development for development firstly we have to make people educated. Education about sustainable development must be provided at the primary level. We should not only aim to educate people but also prepare people to face the real world. We the young people could start by taking positive actions in our daily lives and extending it from our family and

community. Lastly and most important, we have to believe the way to achieve this social, economic and environment sustainability is through sustainable policies enacted, implemented and enforced by governments legislating for fair living and working conditions, a public education system that gives students the tools to engage and success, measures to address climate change, stricter building and development regulations and improved waste management system. These are all the things that can be taken up with relative immediacy and would go a long way towards making our cities and towns more sustainable places to live.

Vishwajeet Shandilya
BCCA III

THEN YOU ARE STRONG...!!

If you stand up above all the
intolerable situation,

Then you are strong.

If you arise from all the
negativity and defeats,

Then you are strong.

If you fight against all the
critics and grow,

Then you are strong.

If you fight against your weaknesses,
Then you are strong.

If you are confident about yourself,
Then you are strong.

If you know how to shine in darkness,
Then you are strong.

If you grab the chance
to show what you are,

Then you are strong.

If you think positive in a
negative situation,

Then you are strong.



Gayatri Sharma
B.Com. II, E-1

INDIA VISION 2020

This idea is a brainchild of former president of India i.e A.P.J. Abdul Kalam, to transform India into a developed country by 2020. Besides, India has not been affected as severely as the US Entrepreneurship will take off in a big way unleashing the dormant energies of the nation. There will be a powerful way to improve services and products.



But economic meltdown has been something of a dampener but many experts feel that the world will emerge from it's worst effect in two years. The treatment for major diseases and new cures are the small steps to become a developed country. As the script is planned according to the views of experts, if all things will go as such in the script then no one can stop India by becoming a developed country.

As we all know that India is famous for it's productivity. Agriculture of India is a witness a revolution in productivity. There will be more employment opportunities for the people who live in the rural areas so, the urban economy will improve because rural affluence will spur the demand for goods and services.

There will be advances in the fields of IT, Bio-technology, medicine and other areas. This will create more jobs for educated youth and non educated people also. The inequalities and disparities between various groups, regions and communities will disappear. There will be more equitable distribution of wealth and resources as well. The infrastructure will be modernized as compared with global standards. There will be more investment in Public transport, people will use clearer fuels and conserve energy. Renewable energy will be much in demand like solar, wind power etc. There will be much participation of young classes in politics will lead to better governance.

India will also become a formidable military force to counter the threats from across the border. India will also be more integrated with the global economy, Technology and investment will play an important role in India, and it will become strength of India while leading with developed countries.

India's name would be put forward world wide due to efforts of education and new scientific research and technology. It will become a real digital country, we will be a healthy prosperous and successful nation and would be put forward by many leaders. Now there is a group or private organization called visionaries organization in service to society (VOISS) and their page names in social-networking sites as "Let's Complete Vision 2020". A nation where the best of healthcare is available to all citizens of India. A nation where governance is responsive, transparent and corruption free. A nation where poverty has been totally eradicated, illiteracy removed, crime against women and children is absent, and no one in the society feels alienated. A nation that is one of the best places to live in and is proud of its leadership.

A nation that is prosperous, healthy, secure, devoid of terrorism, peaceful and happy and continue on a sustainable growth Path, should be develop as places like an visit pilgrims in India and Capable leadership which is best destination for the most talented scholars, scientists and investors from around the world. Where agriculture, industry and the service sector work together with symphony. In India rural - urban divide has been reduced to a thin line. All parts of India will become developed. A nation where there will be an equitable distribution of and adequate access to, energy or quality water education will be a good value system is not denied to any meritorious candidates because of societal or economic discrimination.

Targeted approach to bring millions of families above the poverty line. Achieving Vision 2020 would require unshakable commitment from the political leadership for an enhanced quality of life vision 2020, planning implementation should be integrated as a part of the national agenda and de-linked from political party.

Conclusion - If this will work according to the planned strategy, then our country will become one of the developed countries after one year in 2020. Indian population will survive without having any problem with good healthcare systems, agriculture, technology, education and overall development of our country India. At the end I want to say that future planning of India for the year 2020 will develop country by overall means every state of country will be developed state without having any weakness it will be strength of India to stand along with top 10 developed countries and complete with these all developed countries like U.S. and others.

Seema Sharma
BCCA III

INDIA VISION 2020



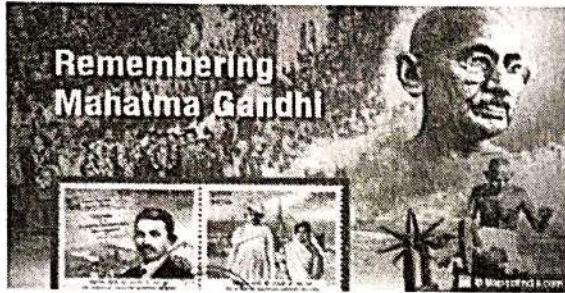
India Vision 2020 is a master plan to transform India into a developed country by 2020. This idea was the brain child of former president of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam.

By the year 2020, if things go according to the script, India would have become a force to reckon with of course, the economic meltdown has been something of a dampener but experts feel that the world would have emerged from its worst effects within two years.

Besides, India has not been affected as severely as the US; Entrepreneurship will take off in a big way unleashing the dormant energies of the nation. There will be a flood of innovation aimed to improve services and products. Illiteracy might be a thing of the past. Longevity of people will increase thanks to new cures and treatments for major diseases.

Amisha Chand
B.Com II

"RELEVANCE OF GANDHIAN TEACHINGS IN THE PRESENT CONTEXT"



Mohandas Karamchand Gandhi is one such person who echoes around the world and also in and around the place we live in. Gandhi is the Mahatma who is the Father of our nation and whom we simply call as Bapu. All these names of one person are significant in their own way. Mahatma Gandhi was a freedom fighter and a politician. Mahatma Gandhi was a saint and a

philosopher. But above all these he was a humanist he could see and had seen the one path that can pressure the entire human race, the path of non-violence.

I shall not take the plunge into the past to narrate the story though it is worth telling as many times as you like. It is the relevance and resonance of Mahatma Gandhi in the present that has become another story worth understanding. Everyday we come across stories of hope and hopelessness, fight and loss, love and hate, ordinary and morbid. Gandhian Philosophy is one whole of many parts. Some of these parts give us solution to some of our problems. Some of us have accepted waste and filth that keep piling up in our neighbourhood as part of our 'Lifestyle'.

October 2, 2014, marked the 145th birth anniversary of Mahatma Gandhi and on this day the Prime Minister of India Narendra Modi has started the cleanliness drive. This Gandhi Jayanti has become the starting point of Swachhata Abhiyan or Andolan. Yes, cleanliness is a movement that has become relevant to all of us and also the generation after us. It is our duty to fight for cleanliness as Mahatma Gandhi fought for independence. Gandhian thoughts can act as our guiding force in realising this dream. The Prime Minister has given an enthusiastic and passionate call for Swachh Bharat Mission to realise Mahatma Gandhi's dream of cleanliness. The Mahatma's visualisation of cleanliness was three pronged: a clean mind, a clean body and clean surroundings holding that 'Cleanliness is next to godliness' he emphatically wrote in Young India in 1925, 'We can no more gain God's blessing with an unclean body than with an unclean mind. A clean body cannot reside in an unclean city'.

Satyagraha is achieved through refusal to co-operate with the authority in question. Disobeying the law laid down by the ruler in a non-violent way is one form of satyagraha. Civil-disobedience is the term that Mahatma applied to fight against the tyranny of the British. Satyagraha literally means "hold onto the truth". The word satyagraha is the philosophy of non-violent resistance most famously employed by Gandhiji in forwarding an end to the British Raj and also against apartheid in South Africa. Satya is Sanskrit for Truth, and Agraha is used to describe an effort, endeavour, or, The term itself may be construed to mean an effort to discover, discern, obtain or apply truth. But satyagraha is more richly nuanced than "hold onto the truth" implies. It could be called "truth force", and because

Gandhi is associated truth with love satyagraha could also be translated as "the force of love".

In the modern context Gandhi is more relevant than ever. In the 21st century, the abundance of terrorist movement means that the world is both tired of the Cycle of Violence and will refuse to listen to anyone with arms. There are 3 key elements of Gandhian Philosophy, Satyagraha always. Fight for truth, no matter what, Ahimsa - be nonviolent in your fight. Let your mouth and deeds to the fighting, and sarvodaya - upliftment of everyone - all classes, all castes, all religions, all regions, all genders. These are all very relevant in the 21st Century. But we can be a cynic by saying that peaceful protests don't work in most places. The problem is that there are few leaders of moral repute and patience who could utilize the tools of the satyagraha. This is where we need better leadership who can use Gandhian tools. Gandhi was a politician as well as a saint and he could take full command of people around him. Most modern Gandhians don't have those abilities and are resigned to small movements. There are a few followers of Gandhian principles who have become extremely successful.

I conclude this essay on Gandhi by a quote from Martin Luther king Jr. who has remained one of the greatest exponents of Gandhian formula of one for all and all for one. Martin Luther King Jr. Says, "Non-violence is the answer to the crucial political and moral questions of our time : the need for man to overcome oppression and violence. Man must evolve for all human conflict, a method which rejects revenge, aggression and retaliation. The foundation for such method is love."

Anagha Deshpande
MBA - 1st year

EASY & DIFFICULT



Easy is to Judge the Mistake of others,
Difficult is to recognize our own mistakes

Easy is to hurt someone who loves you,
Difficult is to heal the wound

Easy is to set rules,
Difficult is to follow them

Easy is to dream every night,
Difficult is to fight for a dream.

Easy is to say we love,
Difficult is to show it everyday.

Easy is to make mistakes,
Difficult is to learn from them.

Shubham Mishra
BCCA - II

AMITAVA GHOSH : A GREAT LITERARY JOURNEY

Amitav Ghosh a great personality who ruled all over the literary world by his writing. "I know nothing of this silence except that it lies outside the reach of my intelligence, beyond words - that is why this silence must win, must inevitably defeat me, because it is not a presence at all" This shadow lines quotes are of Amitav Ghosh.



Amitav Ghosh a great Indian writer and the winner of the 54th Jnanpith Award" best known for his work in English fiction. Amitav Ghosh is a Bengali Indian Author best known for his work. He was born in Calcutta on July 11, 1956 in a Bengali Hindu family. He completed his schooling from India, and college from Delhi University and St. Edmund Hall, Oxford where he was awarded a D.Phil in social anthropology under the supervisor of Peter Lienhardt.

Amitav Ghosh's best writing "Shadow Lines" is a best book to read in which he states his thought. He is the novelist and story writer and who won the Sahitya Academy Award and was also short-listed two times for "Man Booker Prize" for his novels "Sea of Poppies" and "River of Smoke". Of his books I read "Shadow Lines" such a beautiful book and trust me his all books and novels are unique in themselves and increase the awareness of the reader about their environment and society problems. Amitav Ghosh's all novels and books contribute towards the Indian English Fiction and as he focuses on the true quality of education in Indian Society, problems of poverty and illiteracy in India, Modern Man-Woman's fascination for western dresses, education and culture, orphan-children's problem, drug means in our society, language problem, caste-system in Indian Society, modern man-woman relationship, human values in modern India, protection of environment, cause of alienation in India and problems faced by Diasporic people, faith of Indian People on God and his power, how ritual, rites and civilization of Indian people moralize them for doing good and also attract other westerners.

Some of the fiction of Amitav Ghosh is - The circle of Reason (1986) debut novel, The Shadow Lines (1988), The Calcutta Chromosome (1995), The Glass Palace (2000), The Hungry Tide (2004) and Sea of Poppies (2008). All these fictions are in English and all fictions were awarded.

"The Government is to you what God is to agnostics - only to be invoked when your own well-being is at stake".

Pratibha Tiwari
M.Com I

RURAL ECONOMY : GANDHIAN VIEWS



Gandhiji was very keen to use about maximum regional self-sufficiency in regard to food, clothing & shelter in rural areas. To solve rural poverty, he emphasized not only on agriculture but also cottage and small scale industries. He focused his attention on non agriculture aspect of rural economy. He wanted diversified economic activities in the villages and thus

stood for all round development of rural india.

Mahatma Gandhi has a vision of India, had a very clear perception of its villages and made an emphatic assertion that "India Lives in her seven and half lacs of villages". He held this conviction, by saying that "If villages perish, India will perish too". He found that the progress of country lies in the development of majority of its rural villages, develop rural economy, industry & rural skill. He wanted rural reconstruction on scientific and spiritual values. Through his 18 point constructive program, Gandhiji successfully implemented his rural reconstruction activities in Sevagram Center, Wardha in 1935.

His idea of constructive program which included concepts such as the use of Khadi, promotion of village Industry, Basic and Adult Education, Rural Sanitation, Upliftment of backward classes. The welfare of women education in Health & Hygiene, preservation & propagation of mother tongue.

The constructive program otherwise and more fittingly we called construction of purna swaraj or complete independence by truthful and non violence means. The 18 point constructive program included following items :

1. Communal Unity 2. Removal of Untouchability 3. Prohibition 4. Khadi 5. Other Village Industries 6. Village Sanitation 7. New or Basic Education 8. Adult Education 9. Women Education in Health and Hygiene 10. Provincial Language 11. National Language 12. Economic Equality 13. Kisans 14. Labour 15. Adivasis 16. Lepers 17. Students

Gandhiji was very much critical of economic plans. He was not interested in planning as a system of development and it was natural that he should have disapproved the system of planning economy. His conception or vision of development was altogether different from planned development which has taken place in India.

Gandhiji marked that, 'It is like a foolish person who tried to ford a tribulent river after calculating the average by finding out the depth at the bank and the mid-string and got drowned in the process.' His main point was that at national planning, we should try to locate the felt needs of each segment of the population, particularly the weakest category and try to improve their economic standard in the direct fashion without depending on the figures of per capita income which always proved to be illusory.

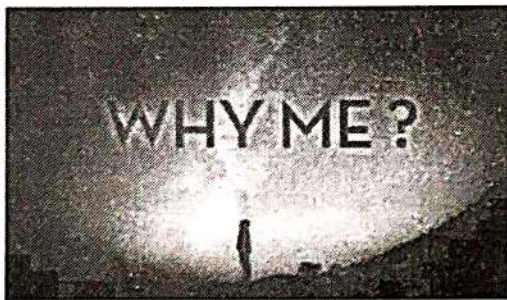
The Gandhian programs and the ideals can be materialised only outside the framework of National or Central. 'Five Year Plans', as the centralised organisation is inherently incapable of implementing his ideals.

"Gandhiji's sublime vision gives us a rare insight into the future of mankind ! Gandhiji belongs to the future and not the past. He is not dead, his message is eternal and shall live as long as sunshines in the vast open skies."

Apoorva Bhusari
M.Com II



WHY ME ?



If you have to ask why me ?
When you're feeling really blue,
When the world has turned against you
And you don't know what to do,
When it pours colossal raindrops
And the road's winding mess,
And you're feeling more confused
than you ever could express,

When the saddened sun won't shine,
when the stars will not align,
when you'd rather be
Inside your bed,
The covers pulled
Above your head,
when life is something
that you dread
and you have to ask why me ?.....

Then when the world seems right and true,
when rain has left a gentle dew,
when you feel happy being you,
please ask yourself why me ? then too.



Divesh Amghore
BCCA

BLOCKCHAIN

Blockchain is a technology, which enables the movement of cyptocurrency from one individual to another. We need this to create a common language across business and technology.

Suppose 'A' wants to transfer money to 'B' say, from Israel to Japan, it is typically done through a third trusted party. Usually, this process takes up a lot of time, also, the third trusted party will charge some fee for transfuring the money.



Blockchain attempts to simplify this process firstly by transferring the money without any third party, the transaction is done immediately and it does the task at a cheaper rate than the third party.

There are three basic concepts of blockchain - open ledger, distributed ledger and miners. Open ledger is a chain of transactions, which is open and public to everyone. Every person on the network can see where the money is and how much money each one has in its pocket. Everyone can decide whether a transaction is valid or not.

Secondly, blockchain attempts to decentralise the ledger so that every participant in the chain of transactions can have a copy of ledger and can hold it in their node. Since, everyone has a copy of the ledger, there is a need to lynchrorige the ledger after evvey transaction and here comes the role of miners, which is the third concept of blockchain.

Suppose, B wants to pay \$ 5 to C, then B will broadcast the intended transaction on the network. Then anyone in the network will see immediately that B wants to move \$ 5 to C. Since, B has only \$ 2 with him, so this will be an unvalidated transaction. And so, miners will complete amongst themselves to take this unvalidated transaction, validate it and put it into the ledger. The first miner to do that will get a financial reward, in this case, it is digital money. For that, miners need to find a special key that will enable them to take the previous transaction and lock it with the new transaction. In order to find that key, miner needs to interest computational power and time, because, the search for the key it random.

Rising popularity of cryptocurrency is resulting in the blockchain moving into the mainstream.

Medha G.S.N.
BCCA - II

SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOALS



Sustainable development is the organizing principal for meeting human development goals while at the same time sustaining the ability of natural resources and ecosystem services upon which the economy and society depends. The desired result is a state of society where living conditions and resources used continue to meet human needs without undermining the integrity and stability of the natural system. sustainable development can be classified as development that meets the needs of the present without compromising the ability of future generations. While the modern concept of sustainable development is derived mostly from the 1987 Brundtland report, It is also rooted in earlier ideas about sustainable forest management and twentieth century environmental concerns.

Sustainable Development Goals are a collection of 17 global set by the United Nations general assembly in 2015. The SDGs are part of Resolution 70 of the United Nations general assembly transforming our world the 2030 Agenda for sustainable Development" That has been shortened to "2030 Agenda". The goals are broad and interdependent, yet each has a separate dist of targets would signal accomplishing all 17 goals. The SDGs cover social and economic development issues including poverty, hunger, health, education, global warming, water sanitation, energy etc.

History : In 1978, governments met in stockholm, Sweden for the United Nations Conference on the Human Environment, to consider the rights of the family to a healthy and productive environment. In 1983, the United Nations created the World Commission on Environment and Development, Which defined sustainable development as "meeting the needs of the present without compromising the ability of future generations to meet their own needs." 1992, the first united nations conference on Environment and Development or Earth Summit was held in Rio de Janeiro, where the first agenda for Environment and development, also known as Agenda 21, was developed and adopted.

Ratification :

Negotiations on the Post-2015 Development Agenda began in January 2015 and ended in August 2015. The negotiations ran in parallel of united Nations negotiations on financing for Development, which determined the finanacial means of implementing the Post-2015 Development Summit in September 2015 in New York city, USA.

Sustainable Development Goals are as follows :

Goal 1 : No Poverty :

While global poverty rates have been cut by more than half since 2000, one in ten people in developing regions are still living with their families on less than the

international poverty indices.

Goal 2 : Zero Hunger

It is time to rethink how we grow, share and consume our food. If done right, agriculture, forestry and fisheries can provide nutritious food for all and generate decent incomes while supporting people centered rural development and protecting the environment.

Goal 3 : Good Health and well being

Ensuring healthy lives and promoting the well-being at all ages is essential to sustainable development. Significant strides have been made in increasing life expectancy and reducing some of the common killers associated with child and maternal mortality, but working towards achieving the target.

Goal 4 : Quality Education

Obtaining a quality education is the foundation of creating sustainable development, In addition to improving quality of life, access to inclusive education can help equip locals with the tools required.

Goal 5 : Gender Equality

While the world has achieved progress towards gender equality and women's empowerment under the Millennium Development Goals (Including equal access to primary education between girls and boys). Women and girls continue to suffer discrimination and violence in every part of the world.

Goal 6 : Clean Water and Sanitation

Clean accessible water for all is an essential part to the world we want to live in and there is sufficient fresh water on the planet to achieve this.

Goal 7 : Affordable and clean Energy

Energy is central to nearly every major challenge and opportunity the world faces today. Be it for jobs, security, climate change, food production or increasing incomes, access to energy for all is essential.

Goal 8 : Decent work and Economic Growth

Roughly half the world's population still lives on the equivalent of about, a day with global unemployment rates of 57% and having a job doesn't guarantee the ability to escape from poverty in many places.

Goal 9 : Industry, Innovation and Infrastructure

Investments in infrastructure - transport, irrigation, energy and information and communication technology are crucial to achieving sustainable development.

Vaishnavi Nasre
B.Com II

CLEAN INDIA MISSION-WILL GANDHIJI'S DREAMS COME TRUE?

Yes! why not? Our dear Mahatma Gandhiji had seen a dream few decades back, that our India should be a clean nation. As an Indian, we have to think about it, how we will fulfill Gandhiji's dream. But it is a very simple task, It doesn't require any thinking. We can start this campaign, in our house. We have to make aware our family members to start this campaign. We have to keep our house clean and beautiful. Every member of House should take initiative in it, whether a small child or any elderly person of family. If each family in India has started this campaign. Actually it seems to be very great and it will be became a great tribute to our "bapu".



Acutally, one very famous English saying is "The world is my family", As a Indian, as a citizen I think, each and every citizen should treat their cities as their homes and their members as their family members. I am sure, this campaign will get a great sucess at a higher extent. In short, I would say that, clean India mission is not just cleaning our house, but also includes roads, parks, schools. In Japan school kids, clean their classrooms at their own. No peon, No other person are supposed to clean. I think we can implement this, every school / college student should think, it is our responsibility to clean and make beautiful our school/college. Our clean India is not just about our clean surroundings, apart from this our mind is also to be clean. If our mind and surrounding and our whole nation is clear. Then I will absolutely sure, this campagin will get huge success. And those days will come very soon, that our India will again be declared as Golden Bird. Our Prime Minister of India Shri Narendra Modi has started clean India mission, in order to give a true tribute to our 'Father of Nation'. And he has also started international Yoga Day. Because Yoga gives us peace of mind, which will keep you always positive, cleanness is not just responsibility of Government it is responsibility of Government employee, and each and every Indian. Our Mahatma Gandhi was revolutionary leader, he has re awared to we have to give freedom from uncleaniness. And there is one and only solution to defeat uncleaniness. Because "Cleaniness is next to Godiness". In short, if we keep clean our mind, if we keep clean our sourroundings it will give God's blessings. Our Gandhiji has personally visted each and very residence, tell the people about the importance of Cleaniness. And he also kept his house and surroundings clean. As a result A huge number of people has started following Gandhiji's views and his work. If we clean our house, surroundings, dieases will not came our way. Very few will fall ill, now a days our Government of India has organised swach - Sarvekshan. In tis even, it is competition, or we can say that it is surely between all the cities, Those cities will be clean get top ranking and felicitated. So if Gandhiji can do it why not we clean our surroundings ?

Swachh Bharat Abhiyan or clean India mission or swachh Bharat Mission, which was launched in 2014, is a nation-wide campaign in India. Which aims to clean up the streets, roads and infrastructure of India's cities, towns and rural areas. The campaign's official name is in Hindi and translates to "Clean India Mission" in English. Here it is important measure and but our it is basic. That building toilets. And in some parts of India, there is no toilets as a results diseases are spread, a lot of people getting various diseases so, it is very important to have a toilet in our house, and it is not just to keep clean and hygienic our society, but also for safety of girls and women and children. Our another basic measure is to keep two dustbins in our houses, one dustbin for dry garbage, and another one for wet garbage. And you never burn garbage, because burning garbage leads to release of posinons gases, and especially plastic, please don't never ever and ever burn plastic. It will leads to air as well as land pollution. And make sure, that garbage which you are depositing in dustbin, that should putting in garbage van which is coming to your locality. And if garbage van is not coming then you should give an application letter to municipal corporation. These are the simple measures, which will give us a happy, hygienic, clean and green India.

Thank You!

Rashi Naidu
BCCA III (Sem VI)

TRUE EDUCATION : VIEWS OF GANDHIJI

An education which does not teach us to discriminate between good and bad, to assimilate the one and eschew the other, is a misnomer. Education in the understanding of citizenship is a short-term affair if we are honest and earnest. Basic education links the children, whether of cities or the villages, to all that is best and lasting in India.

Literacy in itself is no education : Literacy is not the end of education not even the beginning. Literacy, education should follow the education of the hand - the one gift that visibly distinguishes man from beast.

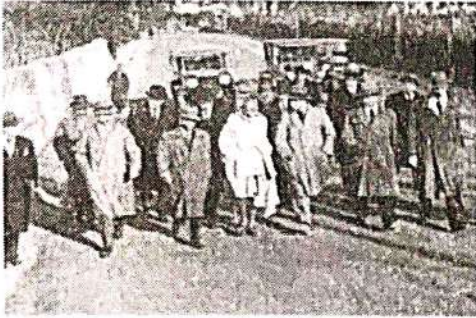
Real education has to draw out the best from the boys and girls to be educated.

National education to be truly national must reflect the national conditions for the time being. By education I mean on all-round drawing out of the best in the child and man-body mind & spirit. By spiritual training mean education of the heart. I consider writing as a fine art. We kill it by imposing the alphabet on little children and making it the beginning of learning. A balanced intellect presupposes a harmonirous growth of body, mind and soul.



Anjali Upadhyay
B.Com II (E3)

RELEVANCE OF GANDHIJI'S PRINCIPLES IN PRESENT



Gandhian principles or value system is some thing that stirred the entire India at one point of time. It ignited a revolution that took the whole of nation in its stride & lasted till we were able to force the Britishers to leave India. This value system gave the nation the principle of truth, non-violence, satyagraha. Which paved way to people's heart. We are still awed by the uniqueness of Gandhiji's principled approach. He endorsed simple living & high thinking while practising.

Gandhiji preached "truth" or "satya" which made us not to withstand a lie. This, helped the British empire to think about leaving India. This methodology appealed to the conscience of mankind and was based on the assumption that peaceful protests are a very powerful tool.

If the question is asked whether Gandhian principles are relevant even today? The answer is yes, to some extent they are relevant & are followed not only in India but also by many leaders all over the world. In Indian context, principles of Satyagraha still holds good. Example is Jessica Lal's case. Even India's foreign policy is based on peaceful co-existence and is reflected in not indulging in aggression first though India remains prepared as the security threats accumulate.

We must remember that Gandhiji was a strategist, a genius & he moulded his movements according to situation. He could visualise the mood of the nation & strategically took each step in a well defined way.

So there is need to understand that same set of principles are very much relevant. Just that they have to be moulded according to the present times & its requirements.

Gandhiji's views about sanitation or decentralisation of power or women empowerment or need for basic education for all views holds good & is followed presently. Make in India is nothing but self-sufficiency as emphasised by Gandhiji. Individuality & economic independence were two things very close to Gandhiji's heart.

Women empowerment was one of Gandhiji's main goals. Today Indian women are forerunners in about every field. Gandhiji's dream of creating a global India a country which encompasses technical & intellectual advancements & maintain its identity is blooming true day by day. Toady be it IT, medicine or research, India is upgrading its skill to remain in limelight.

Even outside India, Gandhian principles hold relevance & are followed by eminent leaders. The phenomenal success Gandhiji registered in far away South Africa fighting for human rights & civil liberties has great significance & later his teachings were adopted by Nelson Mandela, the great South African freedom fighter.

Even former president of US Barack Obama sees Mahatma Gandhi as an inspiration.

Gandhiji is alive & active in the modern world. Thich Nhat Hanh, the Vietnamese Buddhist leader lays emphasis on Gandhian principles when he says "I think we have failed in our attempt to do things, yet we may succeed in correct action when the action is authentically non-violent, based on understanding, based on love".

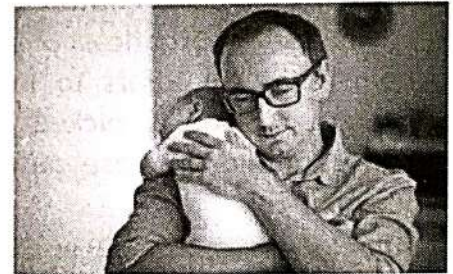
To conclude we can say that most of the teachings of Mahatma Gandhi hold relevance even in today's world. In today's scenario, "Eye for an Eye" is no solution as it only aggravates the situation. Peaceful coexistence, economic independence, respect for women, child centered education & basic education for every one, universal brotherhood- all these principles should serve as a beacon of light to guide humanity to a better world.

Gandhiji was leader of the past, runs into present & marches towards the future. He had always been a leader of the time ahead. No leader either today nor in future can match him with the charkha, calibre & wisdom that he had.

Divya Pathak
BCCA-III

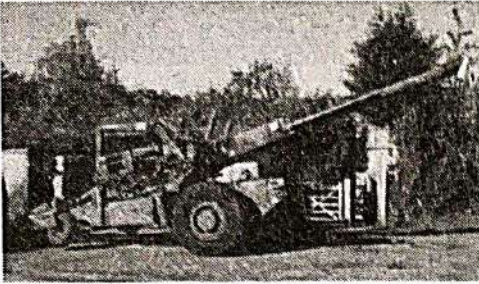
DAD

You taught me that darkness
can be beautiful by loving me
when I was in it.
You stay like rock through
all the thick and thins and
harsh and scary swings of my journey,
given me a feel even a bit of that
you have, given all what you have
with you in your journey.
soul is forever and so can feel
the presence of your soul within me
And my heart and soul till my last breath,
love and peace for your soul dad,
always thinking about you
and yourself....



Pranati Jayanti
B.Com I (E)

BOFORS SCAM



What is Bofors ?

Bofors is an iron works, cannon maker, and defence industry located in Karlskoga, Sweden. The name Bofors is strongly associated with a 40 mm anti-aircraft gun based on a Bofors design.

Bofors Scandal :-

The Bofors Scandal was a major corruption Scandal in Weapons Contract (Political Scandal) that occurred between India and Sweden during the 1980s and 1990s, initiated by Indian National Congress (Congress Party) politicians and implicating the Indian Prime Minister, Rajiv Gandhi, and several other members of the Indian and Swedish governments who were accused of receiving kickbacks from Bofors AB, the scale of the corruption was far worse than any other that India had seen before. The Scandal relates to illegal Kickbacks paid in a US \$ 1.4 billion deal between Swedish arms manufacturers. Bofors dealt with the government of India for the sale of 410 field howitzer guns, and a supply contract almost twice that amount. It was the biggest arms deal ever in Sweden so they wanted to secure this contract at any cost.

On 16th April 1987, a Swedish newspaper broke out a story based on a whistleblower in the Swedish police, alleging that the reputed Swedish police artillery manufacturer Bofors had paid kickbacks to people in several countries including Sweden and India, to secure a Rs. 1500 crore contract. However, none of the newspapers in India were aware of this. In May 1986, a broadcast of a Swedish Radio station revealed that bribes of Rs. 60 crore had been paid by Bofors to Indian Politicians, members of the Congress Party and bureaucrats. This was picked up by a young journalist from 'The Hindu', Chitra Subramaniam and this case came into light during Vishwanath Pratap Singh's tenure as defence minister.

Allegations against CBI and its role :-

CBI has been criticised by experts, social workers, political parties and people at large for the manner in which it has handled this case.

CBI made delay in lodging an FIR.

CBI made delay in sending letter to logatories.

CBI did not appeal against the judgement of the Delhi High Court in 2004.

CBI withdrew the Interpol Red Conxnet Notice.

CBI spent more than 250 crores for Investigation.

Political Effects :-

The Bofors scandal was a major issue that was highlighted in subsequent elections, which led to the Congress losing power.

- Indian National Congress bungled and lost the general election in 1989.
- The Scandal broke Rajiv Gandhi's honest, corruption free image in public.

● V.P. Singh was dismissed as defence minister as well as from the congress party.

● Formation of Joint Parliamentary Committee to Investigate the case.

Bofors become synonymous with the top level bureaucratic corruption.

Unethical Issues :-

Bofors scam was totally an unethical practice :-

Taking or giving bribe :

The Prime Minister Rajiv Gandhi and several others were accused of receiving kickbacks from Bofors AB (Aktiebolaget) for winning a bid to supply India's 155 mm field howitzer.

Using Political Power :-

The HC Ruled that the prosecution has failed to prove that the Hinduja Brothers were linked to the kickbacks in the Bofors Deal and the court later gave Rajiv Gandhi a clean chit.

Covering up incidents :-

No case could proceed against the Hinduja or the Bofors company in the absence of original documents.

Taking Advantage of Official Position :-

Former defense secretary has been taking advantages of his position and abusing his official authority as the Defence Secretary.

Wasting Public Money and Time :-

Political party wasted Country's money for their benefit as well as public time.

Thus, in my opinion Bofors scam was totally a wrong practice for countries and it was an unethical issue.

Himanshi Singh

B.Com I (E1)

MY DAD

I am an Angel for you
You are a superhero for me.
I feel safe when you are with me.
Your love is immortal for me.
Dad, you are in one million for me.
You always care for me
You are always there for me when I need you
I am in the world only because for you
Your Wisdom and knowledge
have shown me the way,
And I am thankful to you as I live day by day...



Mohini Ukey

M.Com. I (M)



INDIA VISION 2020



INDIA VISION 2020



India vision 2020 was initially a document prepared by the Technology Information, forecasting and Assessment Council (TIFAC) of India's Department of Science and Technology under the chairmanship of A.P.J. Abdul Kalam and a team of 500 experts. The plan 95 further detailed in the book India 2020: A vision for the New Millennium, which Kalam co authored with V.S.

Rajan.

"Transforming the nation into a developed country, five areas in combination have been identified based on India's core competence, natural resources and talented manpower for integrated action to double the growth rate of GDP and realize the vision of Developed India." Now there is a group or private organization called "Visionaries Organization In service to Society (VOISS)" and their page names in social-networking sites as "Lets complete his vision 2020" to promote his vision 2020 after the death of Dr. A.P.J. Abdul Kalam on 27th July 2015.

A nation where the rural-urban divide has been reduced to a thin line. All parts of India will become developed. A nation where the best of healthcare is available to all citizens of India. A nation where governance is responsible, transparent and corruption free. A nation that is one of the best places to live in and is proud of its leadership. A nation where poverty has been totally eradicated, illiteracy removed, crime against women and children is absent.

Ankita Nagrale
B.Com II



LIFE

Life Is And Opportunity, Benefit From It

Life Is A Beauty, Admire It.

Life Is A Dream, Realize It

Life Is A Challenge, Meet It.

Life Is A Duty, Complete It.

Life Is A Promise, Fulfill It.

Life Is A Sorrow, Overcome It.

Life Is A Song, Sing It.

Life Is A Struggle, Accept It.

Life Is A Tragedy, Confront It

Life Is An Adventure, Dare It.

Life Is A Luck, Make It.

Life Is Too Precious, Do Not destroy It.

Life Is Life, Fight For It



MOHINI UKEY
M.Com I (M)

PU LA DESHPANDE



One of the Maharashtra's beloved personality, Purushottam Lakshman Deshpande (8 Nov. 1919 - 12 June 2000) was born in Gamdevi area (Krupa Hemraj Chawl) Mumbai, and he was popularly known by his initials ("Pu. La.") or as P.L. Deshpande. He was a Marathi writer and humorist from Maharashtra, India. He was also an accomplished film and stage actor, script writer, author, composer, musician (he played the harmonium), singer. Deshpande's works have been translated into several languages including English and Kannada. His maternal grandfather, Vaman Mangesh Dubhashi, was a poet and connoisseur of literature. He had translated Rabindranath Tagore's Gitanjali into Marathi under the title "Abhang Gitanjali".

Pu. La attended Ismail Yusuf College after high school and then government law college for LLB. Later he attended Fergusson College in Pune and obtained his Masters in Arts in 1950. He worked for some years as a college professor in Rani Parvati Devi College, Belgium, Karnataka and Kirti College, Mumbai. He worked for newly founded Doordarshan, the state owned Indian T.V. He was the first to interview the then Prime Minister Jawaharlal Nehru on Indian Television.

Most of Deshpande's Literary contributions are deeply rooted in Marathi Language and culture. He was particularly well-known for his humorist literature. He produced several original works and also adapted prominent works from other language into Marathi.

He was a successful Actor, Writer, Music Director, Story Writer, Narrator and Play Back Singer and worked in many films like Kuber - 1947, Bhagyaresha - 1948, Vandemataram - 1948, Jaga Bhadyane dene ahe - 1949, Manache Part - 1949, Mothi Manase - 1949, Gokulcha Raja - 1950. He was Pandharichi - 1950, Nawara Bayako - 1950, Maisahas - 1952 and many other films.

He was awarded with Padma Bhushan - 1990, Punyabhusnan - 1993, Maharashtra Gaurav (Bahurupi) Award, Padma Shri - 1966, Maharashtra Bhushan Award in 1996 and Sahitya Academic Award in 1965.

The P.L. Deshpande Maharashtra Kala Academy was established by the Government of Maharashtra in Mumbai to honour his contributions to Marathi Literature - 2002.

Pu. Lu. Deshpande donated and participated in several philanthropic causes. Such as Donation to Neehar, a hostel for the children of prostitutes, Donation for closed-door auditorium and an open theatre for the blind students at Baba Amte's Anandvan and also a supporter of Andhashradha Nirmoolan Samiti.

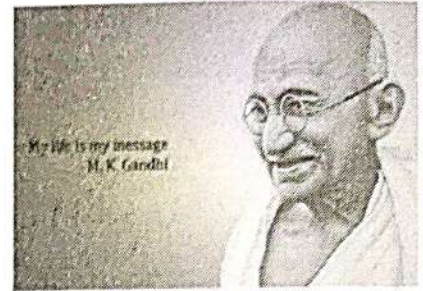
Pu. La Deshpande was a proficient Hindusthani classical musician. He went on to gain fame as author, screenplay writer, actor, director, music director and singer. He participated in several philanthropist activities.

At the age of 80, Deshpande died in Pune, Maharashtra on 12 June 2000 due to complications from Parkinson's Disease.

Rocky Jibne
B.Com I

TRUE EDUCATION : VIEWS OF GANDHIJI

Mahatma Gandhi believed that education is one of the most important ingredients in the development of an individual as well as the society and the nation as a whole. A nation with educated citizens can develop at a far better speed compared to that with uneducated population. He believed that every child in India must be educated as education is the key to a good living.



Gandhi did not conform to the Indian education system. Mahatma Gandhi wanted every child to attend school and seek education. He left no chance to propagate the importance of education. However, he did not conform to the Indian education system.

His philosophy on education differed a great deal from the education system being followed in our country. While the schools focused on theoretical knowledge, Gandhiji suggested laying emphasis on practical knowledge. He believed that it is a better way to invoke interest and create through understanding of the subject. He also believed that the students must be taught social skills and the needs to support each other to grow as a nation. He believed that schools must work upon inoking the feeling of patriotism among students.

Gandhiji Aimed for free and Compulsory Education : Gandhiji believed that education leads to better way of living. He promoted the right to basic knowledge. He was well aware about the social and economic condition of fellow Indians. He knew that even though there are many people who want to send their children to school however, they cannot afford the same.

Thus, he appealed to make education free for students till the age of 14. He also wanted education to be made compulsory for all so that no one suffers due to lack of knowledge. And Gandhiji wanted to see our country bloom with educated youth as he believed education has the power to show the right path to an Individual.

Drupad Kumar
BCCA - I

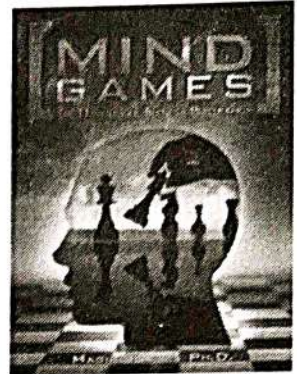
*Education is the most powerful weapon
which you can use to change the world.*

- Nelson Mandela



MIND GAMES

Humans are gifted by nature with 5 sense organs. These sense organs guard the human body as well as actively favor to explore the world. These 5 sense organs-eyes, ears, tongue, skin and nose, helps in perceiving someone or something right there. These five sensory organs play a part of warriors in guiding the brain and supplies particular information, hence they are called sensory organs, isn't it ? The top most organ of human body, Brain, collects required knowledge from the five sensory organs and operates the whole human body. To give a brief description, the brain is the king and 5 sensory organs of the human body are the trustworthy combatants.



But I feel that what if the human brain should have had a 6th sensory thinking ability ? This ability would have had the power of reading the 'thought processes'. Sanjay Rao, prominent psychologist says "Human brain is the most complex organ found, human although use only 10 percent efficacy of it according to neurologists". If human brains had the capability of reading thoughts or to culminate other human brainwork then this earth would have developed into a peaceful planet or paradise. A person would have known what the other is thinking. There would have been no need of protecting forces like the army because then every nation, state city and human would have fulfilled their demands and requirements in a genial manner as there wouldn't be use of the words, true and false. Everything would be true'

A selective person on this planet has developed the potency of reading minds and as they were not able to digest strange thoughts of fore coming human they quit mundane life and turned their path towards spirituality and immateriality. So if one day human brain discovers sixth sense of reading minds of each other then every human will be shocked and horrified, isn't it ?

A Thought is the king or master of each activity we perform and it is the most private policy of a human. No one can ever steal thoughts, do they ? What if 1 fine day a gadget is invented which could type your thoughts ? Shobhana Shastri, news channel reporter in Assam, "Every human has his own choice but reveals some specific choices. It shall be hopeless and pathetic if unwanted and personal thoughts are revealed. Thoughts are the safest treasure, it has no keys but still it's accessible only by the owner. Thoughts are the safest disc to store any kind of information regarding anything. If this disc turns out to be corrupt or all the thoughts are accessible by others then what will happen to the noun 'privacy'? Feelings will be like an open book, which would be easily invaded by anyone. Most importantly, the word 'Politics' will have no existence. Every game played by the ministers and the chiefs will be revealed and the news reporters like us will have no job vacancies as mind reading art will be possessed by everyone' Other sensory organs will be dealing with minor work as everything or every command given by the brain to various organs will be known already. As a result there will be no change of crime, murder and anything vulnerable. So mind reading will bring prosperity and safety to human race, wont it ?

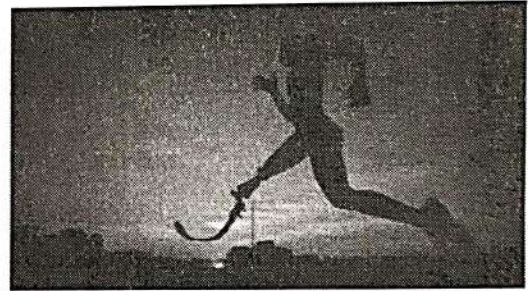
Dr. Ravi Kantha, astrophysicists and author of 'Cosmology & Physics' in the year of 1955, most used brain power of the era was dead, Albert Einstein, he used maximum thinking capacity and became one of the ruler of inventions and physics. A particular time will come when science will dominate human thinking and thinking will be a mechanical process. An era is not far when Reading thoughts will be better than injecting thoughts. Secrecy would have lost its origin till then. But human race will also find a solution for it. The invented thesis then will be based on extrasensory perception (ESP). Then there will be keys or passwords allotted or chosen by each human for accessing his own thoughts and ideas. Afterall, it is wisely said that human brain has an original vigorous strength of crossing bounds'

It is said by great scientists and researchers that type of thinking ability of a human develops his physic and health. What if thinking ability gets exposed ? This day is far away and I wish it never comes, till then everyone reading this article start using your immense brainpower and make this world a better place to live in, wont you ?

Vedashree Abhyankar
BCCA-I

ONE LIFE

One song can spark a moment
One flower can wake the dream
One Tree can start a forest
One Bird can herald spring
One smile begins a friendship
One handclasp lifts a soul
One star can guide a ship at sea
One word can frame the goal
One vote can change a nation
One sunbeam light a room
One candle wipes out darkness
One laugh will conquer gloom
One step must start a journey
One word must start a prayer
One hope will raise our spirits
One touch can show you care
One voice can speak with wisdom
One heart can know what is true
One life can make a difference.



Abhishek Maloo
BCCA - II Year

THE VISION OF 2020

India Vision 2020 was initially a document prepared by the Technology Information, Forecasting and Assessment Council (TIFAC) of India's Department of Science of Technology under the chairmanship of A.P.J. Abdul Kalam and team of 500 experts.

- Agricultural and food processing aimed at doubling the present production of agricultural and food processing.

- Infrastructure with reliable electric power providing urban amenities to rural areas, and increasing solar power operations.

Education and Healthcare : Directed towards literacy, social security and overall health for the population.

Information and Communication Technology for increased governance to promote education in remote areas.

India to become a developed nation by 2020. Keen on seeing India transform into a developed nation by 2020. President APJ Abdul Kalam that said no religion or individual fanaticism should be allowed to endanger the country.

Standard reports forecast China GDP to hit \$ 24.6 trillion in 2020 up from \$ 5.7 trillion 2010. Meanwhile the US economy should register GDP growth of \$ 23.3 trillion up from \$ 14.6 trillion in 2010. according to standard characterized economist. India is seen rounding out the top three taking the place of Japan. Currently GDP of India is around 2.6 trillion USD. Going by conservative estimates India's GDP will be around 3.5 trillion by 2020 and more than 5 trillion USD by 2025. However, policies of current Modi government and introduction of GST will have positive impact on GDP it will be above 10 trillion before 2030.

The GDP calculation process : The GDP in India is calculated using two different methods leading to different figures that are close in range. The first method is based on economic activity. The GDP calculation therefore, also accounts for spending on exports and imports.

The Gross Domestic product measures the value of economic activity within a country strictly defined, GDP is the sum of the market values, or prices, of all final goods and services produced in an economy during a period of time.

Gross Domestic Product (GDP) is the broadest quantitative measure of a nation's total economic activity. More specifically, GDP represents the monetary value of all goods and services produced within a nation's geographic borders over a specified period of time.

A developing country or a low and middle income country (LMIC). Less developed country less economically developed country (LEDC) or undeveloped country is a country with a less developed industrial base and low Human Development Index (HDI) relative to other countries.

GVA taxes on products - subsidies on products GDP. As the total aggregates of taxes on products and studies on product are only available at whole economy level. Gross value added is used for measuring gross regional domestic product and other measures of the output of entities smaller than a whole economy.

Net national product (NNP), referse to gross national product (GNP) i.e. the total market value of all final goods and services produced by the factors of production of a country or other polity during a given time period.

The sum of the gross value added in the various economic activities is known as "GDP at factor cost" GDP at factor cost plus indirect taxes less subsidies on products = 'GDP at producer price.' For measuring output of domestic product.

In economics, depreciation is the gradual elecrease in the economic value of the capital stock of a firm, nation or other entity, either through physical depreciation, obsolescence or changes in the demand for the services of the capital.

Surveys and reports all over world predict that by 2030, India could be the rising economic powerhouse of the world as china is seen today. As the world's largest economic power. China is expected to remain ahead of India, but the gap could begin close by 2030.

Pradnyesh Khobragade
B.Com I

ACCEPTANCE

Sometimes you need to accept things whole heartedly. Accepting mistakes and correcting it, would give a lot of relief to yourself living a peaceful life is the ultimate goal of life. Being satisfied in what you have and not worrying about the things which you cannot change is acceptance, i.e. accepting everything as it is and if you are not okay with the existing situation you can have positive solutions without blaming things on anyone or yourself.



"You can have a positive sight to every single thing happening around you.

Thinking negative leads to acting negative."

There are atleast two aspects to situations and thinking about another aspect would give you a broader picture and help you find a middle solution.

Acceptance does not mean that you are accepting things which are not healthy in any way for anyone.

It is responsibility of every person to think about the another being just to keep ourselves peaceful.

Ruttika Moharil
B.B.A. III



अभिव्यक्ति हिंदी विभाग

श्रद्धांजलि

मैं गुल्क की हिफाजत करूँगा
ये गुल्क मेरी जान है
इसकी रक्षा के लिए
मेरा दिल और जान कुर्बान है

भारत जमीन का टुकड़ा नहीं,
जीता जागता राष्ट्रपुरुष है।
हिमालय मस्तक है, कश्मीर किरीट है,
पंजाब और बंगाल दो विशाल कंधे हैं।
पूर्वी और पश्चिमी घाट दो विशाल जंघायें हैं।
कन्याकुमारी इसके चरण हैं,
सागर इसके पग पखारता है।
यह तर्पण की भूमि है, यह अर्पण की भूमि है।
इसका कंकर-कंकर शंकर है,
इसका बिन्दु-बिन्दु गंगाजल है।
हम जियेंगे तो इसके लिये
मरेंगे तो इसके लिये।

पारदर्शी नील जल में सिहरते शैवाल
चाँद था, हम थे, हिला तुमने दिया भर ताल
क्या पता था, किन्तु, प्यारे को मिलेंगे आज
दूर ओटों से, दृगों में संपुटित दो नाल।

चल दिए दुनिया छोड़ा के मनोरंजी पारीकर
देश की सेवा जिसने की थी जीवन भर
सादगी था उनके जीवन का आचरण
और यही था उनकी महानता का विवरण

क्रान्ति ही क्रान्ति
इस में कोई नहीं भ्रान्ति
पवित्रता के नाम की
यह वैदिक क्रान्ति
क्रान्ति ही क्रान्ति
कोई नहीं है भ्रान्ति
ॐ शान्ति शान्ति
और

न कचहरी
न पुलिस
इत्ते अच्छे दिन
इस देश पर
फिर कब आयेंगे !

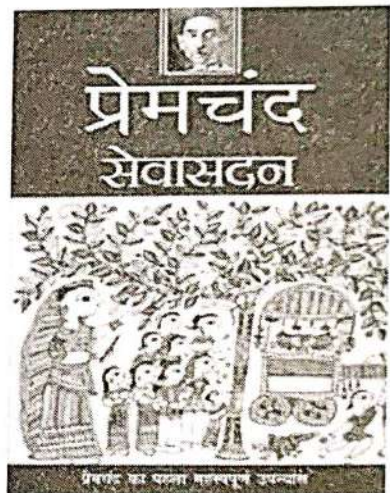
खिड़कियाँ खोल दो
शीशे के रंग भी मिटा दो
परदे हटा दो
हवा आने दो
धूप भर जाने दो
दरवाजा खुल जाने दो
मैं आजाद हुई हूँ

हार न अपनी मानूँगा मैं !
चाहे पथ में शूल विछाओ
चाहे ज्वालामुखी बसाओ,
किन्तु मुझे जब जाना ही है
तलवारों की धारों पर भी, हँस कर पैर बढ़ा लूँगा मैं !

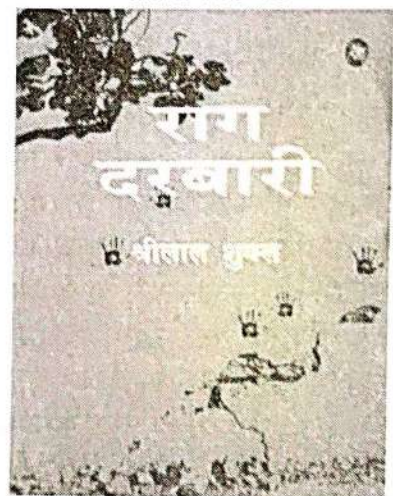
साहित्य के विशिष्ट पल



छायावादी युग
(१९१८ से १९३६)



प्रकाशन वर्ष १९१८
शताब्दी वर्ष २०१८



प्रकाशन वर्ष १९६८
शताब्दी वर्ष २०१८

श्रद्धांजली - देश के शहीदों को



पूस का महीना था। इस पूस की कड़कती सर्द में वो सुबह-सुबह उठता। उसके लिए यह कोई नई बात नहीं थी। न जाने उसने कितने वर्षों से यह आदत अपना ली थी। अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भला कभी देश का जवान अपने वतन के अलावा कुछ और सोच सकता है ? सबकी सब ख्वाहिशें, उसका यह जीवन, सब वतन पर कुर्बान है।

प्रातः ५ बजे का समय था। जिस प्रकार वर्षों बाद किसी स्थान पर मेला लगता है और सभी व्यक्ति उत्साह के साथ उस मेले में शरीक होते हैं, उसी प्रकार आज इस स्थान में सभी जवान उत्साह के साथ इकट्ठा हुए थे। यही वह दिन था जिसका इंतजार कोई जवान बड़ी बेसब्री से करता है। कदाचित यही वह दिन है, जिस दिन कोई माता अपने माता होने पर गर्व करती है।

अचानक एक तीव्र ध्वनि सुनाई दी। एक व्यक्ति जिसे वह अपना आदर्श मानता था, वह कुछ कह रहा था। सभी जवान कतार में खड़े थे एवं बड़ी उत्सुकता से उसकी बातें सुन रहे थे। वह कह रहा था, "जवानों, आज हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है, कि आज हमें यह मिशन मिला है। सूत्रों से खबर मिली है कि ५०० से कम न होंगे। हम चार गुटों में बंटेंगे। २ गुट उत्तर पूर्व से और २ गुट दक्षिण से धावा बोलेंगे। यकीन मानो, वे इसके लिए कतई तैयार न होंगे।" उस व्यक्ति की अंतिम लाइनें, जिसने हमारे अंदर एक ज्वाला सी जगा दी थी। उसने कहा, "जवानों, आज हम में से शायद कोई वापस न लौटे, किन्तु किसी भी जवान के लिए, अपने वतन, अपने सरजमीं, अपने भारत माता के लिए अपना सब कुछ यहाँ तक कि अपने प्राण दांव पर लगा देना ही हमारा धर्म है।"

"भारत माता की जय, भारत माता की जय" यह नारे लगाते हुए सभी जवान उस रणभूमि की ओर चल दिये। उन्हें पता था कि शायद यह उनके जीवन का आखरी दिन हो, किन्तु वे सब उस मृत्यु, उस भय को ललकार रहे थे कि आज, तुझे जो करना है कर, मैं तुझसे नहीं डरने वाला।

जिस प्रकार बहुत दिनों से भूखा व्यक्ति खाने पर टूट पड़ता है, उसी प्रकार ये जवान, जिन्हें मृत्यु का कोई भय न था, उनपर टूट पड़े। गोलियां चलीं, बारूद फटे खून की होली खेली गई।

वो भी बड़ी वीरता के साथ दुश्मनों का मुकाबला कर रहा था। उसने दुश्मनों को गोली खाकर गिरते हुए देखा, मित्रों को मरते हुए देखा जो कि वर्षों से उसके साथ थे। जिन्होंने न जाने कितने ऐसे ही मिशन में फतेह हासिल की थी। एक बहुत ही करीबी मित्र, जो बचपन से साथ था, साथ ही में भर्ती हुआ था, अचानक गिर पड़ा। उसको शायद किसीने पीछे से गोली मारी थी। जिस प्रकार किसी वृक्ष से कोई पत्ता गिरकर अचेत हो जाता है एवं उसका रिश्ता सदा सदा के लिए उस वृक्ष से टूट जाता है, वैसे ही इसके प्राण पखेरू उड़ गए। अंतिम सांस में भी जुबान पर एक ही नारा था, "भारत माता की जय, भारत माता की जय"।

किंतु इससे उसके पैर डगमगाने वाले न थे। वह बड़ी ही वीरता के साथ मुकाबला कर रहा था। कई दुश्मनों को उसने घायल कर दिया, कड़ियों को मौत के घाट उतार दिया।

आह ! उसके मुख से आवाज आयी। गोली सीधा सीने पर लगी थी। गंगा की तेज़ धार की भांति खून बहने लगा। यह खून भी उसी गंगा के जल की तरह पवित्र था। अचानक सभी दृश्य उसकी आँखों के सामने आने लग गए। उसका गरीबी से भरा हुआ बचपन उसके पिता की छवि जो

कि शायद ऐसे ही रणभूमि में शहीद हो गए थे जब वह ३ साल का था। उसकी माता, उसके बचपन के मित्र। उसकी कड़ी ट्रेनिंग जिसके बलबूते पर वो सेना में भर्ती हुआ था। उसकी चैत में शादी होनेवाली थी। उसने इसको लेकर न जाने कितने सपने संजोये थे।

उसके चेहरे पर एक संतोष वाली मुस्कान थी। एक वाक्य याद आ रहा था, "जवानों, आज हम में से शायद कोई वापस न लौटे, किन्तु किसी भी जवान के लिए, अपने वतन, अपने सरजमीं, अपने भारत माता के लिए अपना सब कुछ यहां तक कि अपने प्राण दांव पर लगा देना ही हमारा धर्म है।"

उसके मुख से कुछ ध्वनि सुनाई दे रही थी। "भारत माता की जय, भारत माता की जय..."

निखील त्रिपाठी

एम.कॉम. २ (E)

‘गांव क्यों छोड़ा’



शहर का दर्द जहाँ हृदय से गुजर जाता है,
गांव क्यों छोड़ा यही मुझको ख्याल आता है,
झूमते पेड़ खुले दिल—सी हवा मस्तानी,
याद आता है, बहुत मुझको नदी का पानी,
सुबह उठते ही कभी नल जो चला जाता है,
गांव क्यों छोड़ा.....

साथ बरसों का, न पर कोई किसी को जाने,
अजनबीयत वो, न खुद को भी कोई पहचाने,
आकर शहर में आईना भी बेगाना लगता है।
गांव क्यों छोड़ा.....

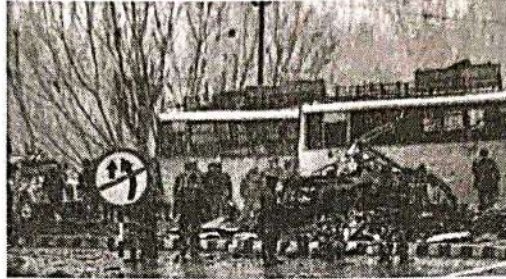
बूढ़े माँ—बाप का, भाई का, बहन का चेहरा,
दिल तो तड़पाये जब ईद चांद किरण सा चेहरा
दर्द सारों के खिलौने मुझे दे जाता है,
गांव क्यों छोड़ा....

साल—दर—साल अभावों की कहानी है वही,
पेट की आग है, अशकों ख्यानी है वही,
फिर भी इस शहर से वापस न कोई जाता है,
गाँव क्यों छोड़ा....

अपना मुंह धोते को बस खून के आंसू है यहाँ,
हक में जल्लादों के सारे ही तराजू हैं यहाँ,
शहर में भी कोई इंसान कहां पाता है,
गाँव क्यों छोड़ा.....

अंजली पांडे
बी.कॉम. २ (E1)

पुलवामा मे आतंकी हमले में शहीद हुये वीर जवानो को समर्पित



आसमान भी रोया था
धरती भी थर्रायी थी
किसी को न मालुम था यारो
किस घड़ी मौत ये आयी थी।

हर माँ का एक चेहरा था
आँखों मे बहते आँसू थे
पुत्र थे उनके शहीद हुये
जो मातृभूमि के नाते थे।

पत्नी का तड़पना-चिल्लाना
सीने मे तीर चुभाता था
एक मात्र सहारा था उनका
वह भारत माँ का बेटा था।

बेटे के सिर से हाथ गया
चलना वह जिनसे सीखा था
कंधों का भी जब राज गया
जहाँ बैठ उसने जग देखा था।

माँ की सूनी गोद हुयी
पत्नी का भी सिन्दुर मिटा
पिता के दिल मे आह उठी
पुत्र का साथ भी छूट गया।

गर्व है इन परिवारों को
अपनी उन संतानो पर
मातृभूमि के लिये समर्पित
हुये वीर बलिदानो पर।

नेताओ क्यो बैठे हो
बदला लो गद्दारो से
गर खून मे गर्मी बाकी है
सर बिछाओ तुम तलवारो से।

बदला लो इस वार का तुम
उन वीरो का सम्मान रखो
मात-पिता और पुत्र के सर
मातृभक्ती का ताज रखो।

कुणाल भोयर
एम.कॉम. प्रथम वर्ष (M)

नामवर सिंह



नामवर सिंह (जन्म : २८ जुलाई १९२६, जीयनपुर, बनारस) भारतीय साहित्य के गौरव पुरुष थे। सन् १९५६ में बीएचयू से पी.एच.डी. करने के बाद वे बनारस, सागर, जोधपुर, आगरा में अध्यापन कार्य करते हुए १९७४ में जेएनयू आए और १८ वर्षों तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में : हिंदी के प्राध्यापक रहे हैं। भारतीय भाषा केंद्र, जेएनयू के संस्थापक व प्रथम अध्यक्ष रहे। प्रो. नामवर सिंह अपनी सेनानिवृत्ति, इतिहास और आलोचना, छायावाद, कविता, के नए प्रतिमान कहानी : नई कहानी, पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, दूसरी परंपरा की खोज, वाद-विवाद संवाद जैसी महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखक प्रो. नामवर सिंह को साहित्य अकादमी पुरस्कार, भारत भारती सम्मान जैसे कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है और हैद्राबाद विश्वविद्यालय में उन्हें डी. लिट की मानद उपाधि से अलंकृत किया है। महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के वर्तमान कलाधिपति प्रो. नामवर सिंह आलोचना पत्रिका को प्रधान संपादक भी हैं। १९ फरवरी २०१९ की रात्री में नयी दिल्ली स्थित एम्स में उनका निधन हो गया। उनके जाने से हिन्दी साहित्य को अत्यधिक हानि हुई है। हम उन्हें शत-शत नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

मंथन राऊत
बी.कॉम. २ (H)

कृष्णा सोबती.....!

श्रद्धांजली



१९२० में ग्रामीण पंजाब की पृष्ठभूमि में लिखा गया जिंदगीनामा का जब पहला ड्राफ्ट पूर्ण हो गया तो कृष्णा सोबती ने अपनी आदतानुसार उसे जोर जोर से पढ़ना शुरू कर दिया। इससे उन्हें अहसास हुआ कि शुरुवात थोड़ी कमजोर हैं।

कृष्णाजी को सत्य की तलाश थी लेखिका के सत्य की और यही सत्य की खोज की प्रक्रिया है, जिसमें मानव मूल्यों की प्रकृति की अनवरत जांच भी शामिल हैं और यही कृष्णाजी के लिए

साहित्य है।

कला, संगीत व सिनेमा के विपरीत साहित्य ने अपनी कहानियों से स्वतंत्र होने के प्रयास की संतोषजनक घोषणा नहीं की है। लेकिन साहित्य कला भी हो सकता है और लेखक के लिए कला का मार्ग भाषा है। कृष्णाजी ने लोकलिपि को अपने हथियार के रूप में चुना।

कृष्णाजी का मानना था किसी भी विचार को पहले अपने भीतर विकास के लिए शक्तिशाली कृति के रूप में प्रकट करना होता है। जहां वह बिना कैमरा के ही सिर्फ शब्दों से २० वी शताब्दी के शुरु की दिल्ली की तस्वीर खींच देती हैं। उस समय पाठक 'पढ़' नहीं रहा होता बल्कि 'देख' रहा होता है।

कृष्णाजी जैसे आध्यात्मिक गहराई वाले लेखिका ने कहा था कि आज जो लेखक व लेखन के समक्ष चुनौतियां हैं, उरमे यह दोहराना आवश्यक है कि लेखन हमेशा लेखक से बड़ा होता है।

साहित्य के क्षेत्र में दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार वर्ष २०१७ के लिए हिंदी के कथाकारों में कृष्णा सोबती को दिया गया, यह पुरस्कार साहित्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया।

१८ फरवरी १९२५ में इस दुनिया में आने कृष्णाजी ने 'जिंदगीनामा', 'मित्रो मरजानी' 'डार से बिछुड़ी' 'सुरजमुखी अंधेरे के 'दिनो दानिश' जैसी महान कृतियाँ दी और साथ ही अपने लेखन से औरत को उसका सही मुकाम व पहचान दिलाने का प्रयास किया। कृष्णाजी की रचनाएँ जिस वजह से भीड़ से अलग व नुमाया हैं, वह उन्हीं के शब्दों में कि "नश्वरता का गहरा दर्द जो इंसान की धमनियों में बराबर बहता आया है। वह उनकी रचनाओं में लफज बनकर जाहिर होता है।"

कृष्णाजी में जो गांठों को खोलकर विचारधाराओं के बंधन से मुक्त होते हुए बहुत ऊँची उड़ान भरने की क्षमता थी, उससे वह अपने चरित्रों को अपने आप एक निश्चित फासले पर रखती थी, इतना करीब नहीं कि वह उनका ही प्रतिबिम्ब बन जाए और इतना दूर भी नहीं कि उसके दर्द के महसूस न कर सके यही उनके जीवन का सिद्धांत था।

२५ जनवरी २०१६ को इस दुनिया-ए-फानी से रुखसत हो गई।

कोमल शाह
बी.कॉम. २ (H)

श्रद्धांजली कवि गोपालदास नीरज

परिचय :-

गोपालदास 'नीरज' का जन्म ४ जनवरी १९२४ को इटावा उत्तरप्रदेश में हुआ। हिन्दी गीतों का पर्यायवाची बन चुके नीरज महाविद्यालय में प्राध्यापक रह चुके हैं।



राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने उन्हें हिन्दी की वीणा का नाम दिया था।

नीरज जब मंच पर झूम कर काव्यपाठ करते थे तो श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते थे। भारत सरकार के पद्मश्री और पद्म भूषण जैसे अलंकरणों से अलंकृत गोपालदास 'नीरज' हिन्दी काव्य जगत् की गरिमा हैं।

गीतकार व कवि गोपालदास 'नीरज' का १९ जुलाई की सायं दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में देहांत हो गया। 'नीरज' ९३ वर्ष के थे।

गोपालदास 'नीरज' ने कई फिल्मों गीतों की रचनाएँ की हैं वे कवि सम्मेलनों में जाते रहे हैं और अपनी उपस्थिति से हिंदी जगत को उपकृत करते रहे हैं। गोपालदास नीरज ने अपने गीतों जैसे :-

कारवाँ गुजर गया, जीवन की बगिया महकेगी,
लिखे जो खत तुझे, वो तेरी याद में।
ये भाई जरा देख के चलो। दिल आज शायर है।
फूलों के रंग से, दिल की कलम से।

से हिंदी फिल्म संगीत को समृद्ध किया है उनके अधिकांश गीतों को सचिव दा वर्मन ने अपने संगीत से सजाया और उसे अमर कर दिया। उनके लिखे हुए गीत आज भी श्रोताओं को उतने ही पसंद हैं।

प्रमुख रचनाएँ : बादल बरस गए (१९८८), वमस सुनता है (१९९४), नीरज रचना बली, नीरजा की गीत कायम (१९८७), गीत को गाए नहीं, बादलों से सलाम लेता हूँ, साँसों के सितार पर, काव्यांजलि, गीतों दखेश, कारवाँ गुजर गया, कुछ दोहे नीरज के, छिप-छिप अश्रु बहाने वालों, तमाम उम्र के साथी, नीरज के नगमें, नीरज की पाती, नीरज के प्रेमगीत।

प्रमुख उपलब्धियाँ - पद्म श्री भूषण २००७ में फिल्म फेयर अवार्ड अच्छी पंक्ति १९७० (कल का पहिया राम कृष्णा हरि) पद्म विभूषण इत्यादि !

ऐसे विराट व्यक्तित्व के धनी नीरजजी को हम शत-शत नमन करते हैं।

पुजा कनोजिया
बी.कॉम. २ (H)

‘सेवासदन’ सुवर्ण वर्ष



प्रेमचंद का जन्म ३१ जुलाई १८८० को वाराणसी के निकट लामजी गांव में हुआ था। माता जी का नाम आनंदी और पिता मुंशी अजायबराय लाम्ही में डाकमुंशी थे। १९९८-१९१९ तक मुंशी जी ने अलग-अलग भाषाओं में अपना शिक्षा पूर्ण किए उनकी विवाह परंपरा के अनुसार पंद्रह साल की उम्र में हुआ जो सफल नहीं रहा। उनकी दो बार शादी हुई है। ८ अक्टूबर १९३६ को उनका निधन हो गया।

प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी कहानी के पितामह और उपन्यास सम्राट माने जाते हैं। उनके साहित्यिक जीवन का आरंभ १९०१ से हो चुका था। प्रेमचंद ने सेवासदन उपन्यास जब १९१६ में उर्दू भाषा में लिखा था। बाद में सन् १९९९ में उन्होंने इसका हिंदी अनुवाद स्वयं किया।

उनके जीवन पर उनका पहला उपन्यास (प्रेमाश्रम) १९२१ आया। इसके बाद ‘रंगभूमि’ (१९२५), ‘कायाकल्प’ (१९२६), ‘निर्मला’ (१९२७), ‘गबन’ (१९३१), कर्मभूमि (१९३२) से होता हुआ यह सफर गोदान (१९३६) तक पूर्णता को प्राप्त हुआ।

सेवासदन प्रेमचंद द्वारा रचित उपन्यास है। प्रेमचंद ने सेवासदन उपन्यास सन् १९१६ में बाजारे हुस्न नाम से उर्दू भाषा में लिखा था। बाद में सन् १९१९ में उन्होंने इसका हिंदी अनुवाद स्वयं किया। और इस उपन्यास को पूरे १०० साल हो चुके हैं।

इस उपन्यास में नारी समस्याओं के साथ-साथ समाज के धर्माचार्यों, मठाधीशों, दहेज प्रथा, बेमेल विवाह, रिश्वत खोरी, वेश्यागमन, साम्प्रदायिक द्वेष आदि विकृतियों का विवरण मिलता है। उपन्यास की कथानायिका सुमन अतिरिक्त सुख भोग की अपेक्षा में अपना सर्वस्व गँवा लेने के बाद सामाजिक गुणसुत्रों की समझ प्राप्त कर दुनिया के प्रति उदार होती है। उनका यह उपन्यास वर्तमान युग में भी प्रासंगिक है।

पुष्पा ठाकुर
बी.कॉम. २ (H)

आशीर्वाद

स्वामी विवेकानंद अमेरिका जाने से पूर्व मां शारदा से आशीर्वाद लेने पहुंचे। माँ रात का भोजन बनाने की तैयारी कर रही थी। आशीर्वाद देने के स्थान पर उन्होंने विवेकानंद से सब्जी काटने का चाकू उठाकर देने को कहा। स्वामी विवेकानंद के चाकू उठाकर देने पर माँ बोली, ‘मेरा आशीर्वाद सदा तेरे साथ है, जाओ, खूब प्रगति करो और अमेरिका जाकर अपने गुरु और भारत का नाम उजागर करो।’



स्वामी विवेकानंद ने पूछा ‘माँ, इस आशीर्वाद का चाकू देने से क्या संबंध है?’ मां बोली, ‘जब सामान्य व्यक्ति से चाकू मांगा जाता है, तो वह मूठ अपने हाथ में रखकर धार की तरफ से चाकू दूसरे को देता है, परंतु तुमने धार अपने हाथ में रखी और मूठवाला भाग मेरी तरफ किया। सत्पुरुष का यही लक्षण करता है और दूसरों के कल्याण की कामना करता है, इस छोटी-सी बात ने एक बड़े कार्य के लिए तुम्हारी पात्रता सिद्ध कर दी और तुम इस आशीर्वाद के अधिकार बने।’

नेहा शाहु
बी.कॉम. २ (E2)

श्रीलालशुक्ल रचित रागदरबारी - 50 वर्ष

श्रीलाल शुक्ल का जीवन और साहित्य उसका एक अनिवार्य हिस्सा था। ३१ दिसंबर १९२५ से २८ अक्टूबर २०११ के बीच का समय भाषा और साहित्य के लिये एक जरूरी अध्याय की तरह है।

श्रीलाल शुक्ल को लखनऊ जनपद के समकालीन कथा-साहित्य में उद्देश्यपूर्ण व्यंग्य लेखन के लिये विख्यात साहित्यकार माने जाते थे।

‘राग दरबारी’ यह उनके अनेक उपन्यासों में मुख्य उपन्यास है आज ५० वर्षों के बाद भी इस उपन्यास के पात्र जीवन्त प्रतीत होते हैं।

‘राग दरबारी’ एक ऐसा उपन्यास है जो गांव की कथा के माध्यम से आधुनिक भारतीय जीवन की मूल्यहीनता को सहजता निर्ममता से अनावृत्त करता है। यह उपन्यास एक आदर्श विद्यार्थी की कहानी कहता है, जो सामाजिक, राजनीतिक बुराईयों से अपने विश्वविद्यालय में मिली आदर्श शिक्षा के मूल्यों को स्थापित करने के लिए संघर्ष करता है। शुरू से अन्त तक इतने निस्संग और सोद्देश्य व्यंग्य के साथ लिखा गया हिंदी का शायद यह पहला वृहत् उपन्यास है।

“राग दरबारी” का लेखन १९६४ के अन्त में शुरू हुआ और अपने अंतिम रूप में १९६७ में समाप्त हुआ। १९६८ में इसका प्रकाशन हुआ और १९६९ में इस पर श्रीलाल शुक्ल को साहित्य अकादमी का पुरस्कार मिला। १९८६ में एक दूरदर्शन-धारावाहिक के रूप में इसे लाखों दर्शकों की सराहना प्राप्त हुई।

राग दरबारी व्यंग्य-कथा नहीं है। इसमें श्रीलाल शुक्ल जी ने स्वतंत्रता के बाद के भारत के ग्रामीण जीवन की मूल्यहीनता को परत-परत उधाड़ कर रख दिया है। राग दरबारी की कथा भूमि एक बड़े नगर से कुछ दूर बसे गाँव शिवपालगंज की है जहाँ की जिंदगी प्रगति और विकास के समस्त नारों के बावजूद निहित स्वार्थों और अनेक अवांछनीय तत्वों के आघातों के सामने घिस रही है। शिवपालगंज की पंचायत, कॉलेज की प्रबन्ध सीमित और को-ऑपरेटिव्ह सोसायटी के सूत्रधार वैद्यजी साक्षात् वह राजनीतिक संस्कृति है जो प्रजातंत्र और लोकहित के नाम पर हमारे चारों ओर फल-फूल रही है।

प्रस्तुत उपन्यास के द्वारा श्रीलाल शुक्ल के आज के विद्यार्थी की दुर्दशा को प्रकट किया, आज विद्यार्थी मजबूरी और नियमों में सिमट के रह गया है उसे आजादी चाहिए। अपने निर्णय के निर्धारित करने का और उसे अपने अनुसार उपयोग करने की। अगर आज देश की स्थिति को बदलना है तो हमें अपनी युवा पीढ़ी को पंख देकर उड़ने की आजादी देना चाहिए, इसी तथ्य को श्रीलाल ने बताया है।



नेहा पटेल
बी.कॉम. ३ (E1)

छायावादी युग शताब्दी वर्ष

हिंदी कविता में छायावाद का युग द्विवेदी युग के बाद आया। छायावाद को ही 'भारत का स्वर्ण युग' कहा जाता है। क्योंकि उस समय देश में शांति, विकास और समृद्धि थी। भारत में गुप्त साम्राज्य के शासन के समय गणित, विज्ञान, खगोल विज्ञान और धर्म आदि जैसे कई क्षेत्रों का विकास हुआ जबकि चोल वंश के समय वास्तुकला, तमिल साहित्य और काँस्य जैसे कार्यों में भी बहुत विकास हुआ।

छायावादी युग भाषा और भावों के स्तर पर अपने दौर के बंगला के सुप्रसिद्ध कवि और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ ठाकुर की गीतांजली से बहुत प्रभावित है। इसमें बौद्ध दर्शन और सूफी दर्शन का भी प्रभाव लक्षित होता है। छायावाद युग उस सांस्कृतिक और साहित्यिक जागरण का सार्वभौम विकासकाल था जिसका आरंभ राष्ट्रीय परिधि में भारतेन्दु युग से हुआ था।

द्विवेदी युग में कविता का ढाँचा पद्य का था। किन्तु भाषा गद्यवत् हो गई थी। छायावाद ने पद्य का ढाँचा तोड़कर खड़ी बोली को काव्यात्मक बना दिया। ब्रजभाषा के बाद छायावाद द्वारा गीतकाव्य का पुनरुत्थान हुआ। छायावाद युग के प्रतिनिधि कवि हैं – प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी आदि।

छायावाद की मुख्य विशेषताएँ नारी-सौंदर्य और प्रेम चित्रण है। छायावादी कवियों ने नारी को प्रेम का आलंबन माना है जिसमें धरती का सौंदर्य और स्वर्ग की काल्पनिक सुषमा समन्वित हैं कामायनी में प्रसाद ने श्रद्धा के चित्रण में जादू भर दिया है। छायावाद के प्रकृति प्रेम की पहली विशेषता है कि वे प्रकृति के भीतर नारी का रूप देखते हैं, उसकी छवि में किसी प्रेयसी के सौंदर्य वैभव का साक्षात्कार करते हैं। प्रकृति की चाल-ढाल में किसी नवयौवना की चेष्टाओं का प्रतिबिंब देखते हैं। उसके पत्ते के मर्मर में किसी बाला-किशोरी का मधुर आलाप सुनते हैं।

महादेवी पीड़ा की निराला ओज के, सुमित्रा नन्दन पंत सौन्दर्य के तथा प्रसाद कल्पना और इतिहास के रचयिता थे। छायावाद की विविधताओं के कारण यह हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का स्वर्ण युग माना जाता है।

रुचिका बोंदाडे
बी.कॉम. २ (E2)

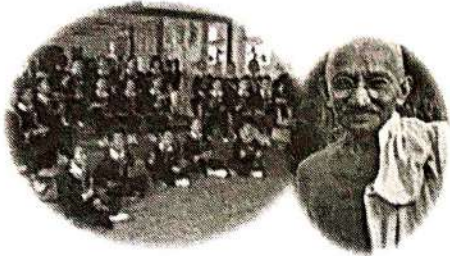


पायल जैस्वाल
एम.कॉम. (२) E

मैं भी नेता बन जाऊँ।

2G, 3G, CWG सब कुछ चट कर जाऊँ
एक चुनाव मुझे जीता दे बस संसद में चढ़ जाऊँ,
देश का सारा रूपया पैसा लूट कर घर ले आऊँ
गांधी को फोटो लटका कर दफ्तर बड़ा बनाऊँ,
काले धन से फिर चंदन की माला उस पर चढ़ाऊँ,
मोबाइल की घंटी में फिर देश भक्ति गीत सुनाऊँ,
रिश्वत की बहती गंगा में डुबकी रोज लगाऊँ,
गाडी बडी सी ले आऊँ, सैर विदेश की कर आऊँ,
बस एक मुझे तु मौका दे दे, पीढी तक तर जाऊँ,
माँ एक खादी की चादर दे दे, मैं भी नेता बन जाऊँ।

महात्मा गांधी और आधुनिक शिक्षा एवं शिक्षा प्रणाली



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का व्यक्तित्व और कृतित्व आदर्शवादी रहा है। उनका आचरण प्रयोजनवादी विचारधारा से ओत-प्रोत था। संसार के अधिकांश लोग उन्हें महान राजनीतिज्ञ एवं समाज सुधारक के रूप में जानते हैं। पर उनका यह मानना था कि सामाजिक उन्नति हेतु शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उनका मूलमंत्र था – “शोषण-विहीन समाज की स्थापना करना।” उसके लिए

सभी को शिक्षित होना चाहिए। क्योंकि शिक्षा के अभाव में एक समाज का निर्माण असंभव है। अतः गांधीजी ने जो शिक्षा के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों की व्याख्या की उनको एक शिक्षाशास्त्री के रूप में भी समाज के सामने प्रस्तुत करता है। उनका मानना था कि मेरे भारत में बच्चों को 3H की शिक्षा अर्थात् Head, Hand, Heart की शिक्षा दी जाए। शिक्षा उन्हें स्वावलंबी बनाए और वे देश को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

गांधीजी भारतीय शिक्षा को “द ब्यूटीफूल ट्री” (The Beautiful Tree) कहा करते थे। इसके पीछे कारण यह था कि गांधीजी ने भारत की शिक्षा के बारे में जो कुछ पढ़ा था, पाया था कि भारत में शिक्षा सरकारों के बजाए समाज के अधीन थी। स्व. डॉ. धर्मपाल प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक रहे हैं। उन्होंने भारतीय ज्ञान, विज्ञान, समाज, राजनीति और शिक्षा को लेकर बहुत ही महत्वपूर्ण शोध किया था। गांधीजी के वाक्य ‘द ब्यूटीफूल ट्री’ को यथावत लेकर डॉ. धर्मपाल ने अपना शोध शुरू किया और अंग्रेजों और उससे पूर्व के समस्त दस्तावेज खंगाले, जो कुछ भारत में मिला उन्हें संग्रहालयों और ग्रंथालयों से लिया और जो जानकारी भारत से बाहर ईस्ट इंडिया कंपनी और यहाँ तक की, इंग्लैंड में उपलब्ध थी, उसे वहाँ जाकर खोजा। इसके कारण लोगों ने न केवल हमारे अर्थशास्त्र और कुटीर उद्योगों को समाप्त कर हमारे पूरे अर्थतंत्र को डस लिया, बल्कि भारत का सांस्कृतिक, साहित्यिक, नैतिक और आध्यात्मिक विखंडन भी किया जिससे भारत अपना भारतपन ही भूल गया और अंग्रेजी शिक्षा से आच्छन्न यहाँ के कुछ बड़े घरानों के लोग भारत भाग्य विधाता बन गए। गांधीजी ने शिक्षा के अधोलिखित आधारभूत सिद्धांतों का प्रतिपादन किया है।

- १) ६ से १४ वर्ष की आयु के बालकों की निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा हो।
 - २) शिक्षा का माध्यम मातृभाषा हो।
 - ३) साक्षरता को शिक्षा नहीं कहा जा सकता।
 - ४) शिक्षा बालक के मानवीय गुणों का विकास करना है।
 - ५) शिक्षा ऐसी हो जिससे बालक के शरीर, हृदय, मन और आत्मा का सामाजिकपूर्ण विकास हो।
 - ६) सभी विषयों की शिक्षा स्थानीय उत्पादन उद्योगों के माध्यम से दी जाए।
- शिक्षा ऐसी हो जो नवयुवकों की बेरोजगारी से मुक्त कर सके। अतः गांधीजी के अनुसार

आधुनिक शिक्षा का अर्थ बालक और मनुष्य के शरीर, मस्तिष्क और आत्मा में जाये, जानेवाले सर्वोत्तम गुणों का चहुंमुखी विकास करना है। अतः बालके के सर्वांगीण विकास हेतु उसके शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक गुणों का विकास करना। गांधीजी ने आधुनिक शिक्षा को उद्देश्यों की पाँच भागों में विभाजित किया है :-

१) **जीविकोपार्जन का उद्देश्य** :- गांधीजी के अनुसार शिक्षा ऐसी हो जो आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। बालक आत्मनिर्भर बन सके तथा बेरोजगारी से मुक्त हो।

२) **सांस्कृतिक उद्देश्य** : गांधीजी ने संस्कृति को आधुनिक शिक्षा का आधार माना। उसके अनुसार मानव के व्यवहार में संस्कृति परिलक्षित होनी चाहिए।

३) **पूर्ण विकास का उद्देश्य** : उनके अनुसार सच्ची आधुनिक शिक्षा वह है जिसके द्वारा बालकों का शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास हो सके।

४) **नैतिक अथवा चारित्रिक विकास** - गांधीजी ने चारित्रिक एवं नैतिक विकास को आधुनिक शिक्षा का उचित आधार माना है।

५) **मुक्ति का उद्देश्य** : गांधीजी का आदर्श 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् शिक्षा ही हमें समस्त बंधनों से मुक्ति दिलाती है अतः गांधीजी आधुनिक शिक्षा के द्वारा आत्मविकास के लिये आध्यात्मिक स्वतंत्रता देना चाहते थे। आधुनिक शिक्षा के सर्वोच्च उद्देश्य के अंतर्गत वे सत्य अथवा ईश्वर की प्राप्ति पर बल देते थे। अतः मनुष्य अंतिम एवं सर्वोच्च उद्देश्य आत्मानुभूति करना है।

अविनाशलिंगम के शब्दों में "बुनियादी शिक्षा हमारे राष्ट्रपिता का अंतिम और संभवतः महानतम उपहार है।" सन १९३७ में गांधीजी ने वर्धा में हो रहे 'अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन' जिसे 'वर्धा सम्मेलन या वर्धा शिक्षा सम्मेलन' कहा गया था। उसमें बेसिक शिक्षा की नयी योजना को प्रस्तुत किया, जो कि मैट्रिक स्तर पर अंग्रेजी रहित तथा उद्योगों पर आधारित थी। गांधीजी के आधुनिक शिक्षा संबंधी विधायें तथा सम्मेलन द्वारा पारित किये गये प्रस्तावों के आधार पर नई आधुनिक शिक्षा की योजना तैयार की गई तथा १९३८ में हरिपुर के अधिवेशन ने इन रिपोर्ट को स्वीकृति दी। जो कि 'वर्धा-आधुनिक-शिक्षा-योजना' के नाम से प्रसिद्ध हुआ और आधुनिक शिक्षा का आधार है। इस योजना में बालकों एवं बालिकाओं का समान पाठ्यक्रम रखा जाए। छटवी और सातवीं कक्षाओं में बालिकाएँ आधारभूत शिल्प के स्थान पर गृहविज्ञान ले सकती हैं। पाठ्यक्रम का स्तर आधुनिक मैट्रिक के समकक्ष हो। पाठ्यक्रम में अंग्रेजी और धर्म की शिक्षा नहीं दी गई है। आधुनिक शिक्षा राष्ट्रीय सभ्यता, संस्कृति के नजदीक थी साथ ही साथ सामुदायिक जीवन के आधारभूत व्यवसायों से जुड़ी हुई थी तथा सीखे हुए आधारभूत शिल्प के द्वारा व्यक्ति अपने जीवन का निर्वाह कर सकता था। अतः यह शिक्षा हमारे जीवन के बुनियाद या आधार से जुड़ी हुई थी इसलिए इसका नाम आधुनिक शिक्षा रखा गया। इसके आधारभूत में कृषि, कताई-बुनाई, लकड़ी, चमड़े, मिट्टी का काम, पुस्तक कला, मछली पालन, फल व सब्जी की बागवानी बालिकाओं हेतु गृहविज्ञान तथा स्थानीय एवं भौगोलिक आवश्यकताओं के अनुकूल शिक्षाप्रद, हस्तशिल्प इसके अलावा, मातृभाषा, गणित, सामाजिक, अध्ययन एवं सामान्य विज्ञान, कला, हिंदी, शारीरिक शिक्षा आदि रखा। शिक्षण विधि को शिक्षण का वास्तविक कार्य-क्रियाओं और अनुभवों पर अनिवार्य रूप

से आधारित किया। बालकों को विभिन्न विषय की शिक्षा किसी आधारभूत शिल्प के माध्यम से दी जाए। करके सीखना, अनुभव द्वारा सीखना तथा क्रिया के माध्यम से सीखने पर बल दिया गया। गांधीजी की आधुनिक शिक्षा संबंधी विचारधारा की प्रासंगिकता वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उपर्युक्त व्याख्या का मूल्यांकन किया जाए तो इस तथ्य पर पहुँचते हैं कि गांधीजी का शिक्षादर्शन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी प्रासंगिक हैं।

सर्वप्रथम गांधीजी द्वारा भारतीय जीवन को दृष्टिगत रखते हुए वातावरण के अनुसार ऐसी शिक्षा योजना प्रस्तुत किया गया जिसको कार्यरूप में परिणत करने में भारतीय समाज में एक नया जीवन आने की संभावना है। गांधीजी हृदय से आदर्शवादी थे क्योंकि वे जीवन के अंतिम लक्ष्य सत्य को प्राप्त करने की प्रेरणा प्रदान करता है। गांधीजी को प्रयोजनवादी भी कह सकते हैं कि क्योंकि वे बालक की रुचि के अनुसार क्रिया करने पर बल देते हैं। उनको प्रकृतिवादी इसलिए कह सकते हैं कि वे बालक को उसकी प्रकृति के अनुसार विकसित करना चाहता है। वर्तमान में हम देखते हैं कि आज युवाओं के पास कई तरह की डिग्री है परंतु रोजगार नहीं है। इन कुछ स्थितियों से सामना महात्मा गांधी का होता तब उनकी क्या प्रतिक्रिया होती, यह सवाल है जो संवेदनशील, चेतनाशील और ईमानदार भारतीय को आंदोलित करेगा। पिछले ६०-६५ सालों से लगातार दो सवाल हैं स्वतंत्र भारत का प्रेत बन कर पीछा कर रहे हैं। एक, हम गांधी को क्यों याद करें? दो, आज गांधीजी होते तो क्या करते? जो यह जानता है कि मैं कुछ नहीं जानता वही दरअसल ज्ञानी है, जिस दिन हम इतने नम्र हो जाएंगे की अपने आपको शून्यवत बना लेंगे उसी दिन हमारी शक्ति बढ़ेगी। इस बात पर मतभेद हो सकते हैं कि भारत को आजादी गांधीजी की वजह से मिली या दूसरे कारणों से लेकिन इसमें कोई मतभेद नहीं हो सकता कि उन्होंने अपने प्रयासों से भारत को अंग्रेजी के खिलाफ एक सूत्र में बाँध दिया था और राष्ट्रीय पहचान कायम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

गांधीजी ने हमेशा शिक्षा को शांति से जोड़कर देखा शिक्षा जब तक लोगों को समाज के हित में काम करने और अन्य लोगों के साथ जीने की सीख ना दे सके तब तक उसमें अधुरापन रहेगा। आज कई विद्यार्थियों में शांति-शिक्षा चलती भी है तो उसे बड़े-बड़े संस्थानों के बारे में शांति के दार्शनिक तत्वों को बताने तक सीमित कर दिया जाता है। पर बच्चों के रोजमर्रा के जीवन और अपने कार्यों में उसको समाहित करने में कही तो कर्म जरूर हो। विद्यार्थी पढ़ जरूर लेते हो और बड़ी बड़ी डिग्री भी ले लेते हैं। पर सामाजिक सरकारों से कई बार कटे से रह जाते हैं। यही नहीं अपने साथी के साथ कैसे व्यवहार करना हो कैसे सद्भाव और समन्वय के साथ लोगों के कारण साथ रहना है इससे अनजान पढ़े लिखे लोगों के उदाहरण अनेकों मिल जायेंगे।

बच्चों के अंदर विभिन्न संस्कृतियों के प्रति सम्मान की भावना को आज मुख्यतः तौर पर जगाने ओर विकसित करने की जरूरत है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए गलत को पहचानने का विद्यार्थियों में हुनर विकसित नहीं होगा तब तक शायद शिक्षा का मुख्य उद्देश्य अधूरा ही रहेगा।

पुजा कनोजिया
बी.कॉम. २ (H)

मतदान और युवा पीढ़ी

मैं इस बात से सहमत हूँ कि हमारे देश के विकास में युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान है युवा शक्ति समाज तथा राष्ट्र की रीढ़ है।

युवा ही समाज और देश को नए शिखर पर ले जाते हैं। युवा देश के वर्तमान तो है ही, साथ ही वह भविष्य और भुतकाल के भी सेतु है।

इस हेतु मतदान में युवाओं की सहभागिता एक महत्वपूर्ण योगदान है। देश के युवाओं की जिम्मेदारी बनती है कि वह अशिक्षित लोगों को निष्क्रिय वोट का महत्त्व बताकर वोट देने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें।



लेकिन हमारे देश की विडंबना है कि इस काम के लिए वह खुद जागरूक नहीं हैं। उन्हें मतदान का महत्त्व पता होने के बावजूद भी वह खुद इसके प्रति जागरूक नहीं हैं।

एक मत राष्ट्र, समाज, गाँव तथा देश का भविष्य बदल सकता है क्योंकि जनता के एक-एक मत से हमारे नेता विजय होकर राजनीति में आते हैं और देश का संचालन करते हैं।

इसलिए एक विवेकी मत से कितना प्रभाव पड़ता है, युवाओं को इस बात को समझना होगा।

हमारी युवा पीढ़ी को आज मोबाईल तथा मनोरंजन के साधनों के अलावा कुछ नज़र नहीं आता। युवा पीढ़ी दिनभर फेसबुक, वाट्सएप, इन्स्टाग्राम तथा अनेक प्रकार के है। विडियो गेमों में विलुप्त हो चुकी है। मतदान करने हेतु सरकार द्वारा दिए गए अवकाश के दिन को ये लोग मनोरंजन करने का तथा घुमने फिरने का दिन समझते हैं। फिर यही लोग सरकार पर उँगली उठाते हैं। सरकार को तथा राजनेताओं को भला-बुरा कहते हैं।

इसलिए मेरा अनुरोध है कि यह है कि आप मतदान के प्रति स्वयं जागरूक होकर तथा राष्ट्र, समाज गाँव तथा देश के अशिक्षित तथा निष्क्रिय एवं आलसी लोगों को मतदान हेतु जागरूक करें जिससे देश का विकास हो।

बनाओ मर्जी की सरकार
मिटाओ देश से भ्रष्टाचार
करे जो राष्ट्र का उत्थान
करें उसी को हम मतदान
मतदान है सबका धर्म
पूरा करे सब अपना कर्म

रेबन्त परिहार
बी.कॉम. १ (H)

कम्प्यूटर पर हिन्दी कार्य

अनुनाद सिंह कौन हैं, कहाँ रहते हैं, कैसे दिखते हैं, कोई नहीं जानता। लेकिन इंटरनेट में हिन्दी क्षेत्र में उनके योगदान इतने हैं कि उनको सूचीबद्ध किया जाना शायद असंभव है। यूनिकोड हिन्दी से ब्रेल लिपी परिवर्तक भी तैयार किया, जिससे हिन्दी के किसी भी पन्ने का ब्रेल प्रिंटर पर प्रिंट आउट लिया जा सकता है।



अब हिन्दी कम्प्यूटिंग के विकास का अधिकांश कार्य कॉर्पोरेट जगत में होने लगा है, क्योंकि हिन्दी भाषा की व्यापक पहुंच और लोकप्रियता पर उनकी निगाह पड़ चुकी है। बहुत पहले ही लिनक्स हिन्दी ऑपरेटिंग सिस्टम जारी कर दिया गया था। हिन्दी का परिपूर्ण, पहला ब्लॉग आलोक कुमार ने नौ-दो-ग्यारह नाम से बनाया था।

सब सरल और सुलभ है

हिन्दी-प्रेमियों की तपस्या का फल है कि अब नवीन टेक्नोलॉजी हिन्दी-मित्र होती जा रही है। हिन्दी में काम करने के लिए तमाम कम्प्यूटिंग उपकरणों में चाहे वे पर्सनल कम्प्यूटर हों, लैपटॉप, टैबलेट या स्मार्टफोन हो, कई तरह की सुविधाएँ मिलने लगी हैं।

बस आपको उसे सेटिंग में जाकर एनेबल करना होगा। चाहे विडोज हो, लिनक्स, एंड्रायड या एप्पल आई आएस सभी वातावरण में अब हिन्दी पूर्ण समर्थित हैं।

एंड्रायड उपकरणों पर आप बोलकर हस्तलिपि से और स्वाइप से भी द्रुत गति से हिन्दी लिख सकते हैं। हिन्दी में सर्च कर सकते हैं हिन्दी में निर्देश देकर अपना स्मार्टफोन चला सकते हैं।

रवि रतलामी इंटरनेट पर हिन्दी के संसाधन विकसित करने और उपलब्ध कराने वाले शुरूआती लोगों में शामिल हैं।

वे इंटरनेट पर हिन्दी साहित्य का दस्तावेजी भी कर रहे हैं।

ईशा साखरे
बी.कॉम. १ (H)

लोकतंत्र का दुरुपयोग

कोई भी मानव-संस्था, ऐसी नहीं है, जिसके अपने खतरे न हो, संस्था जितनी बड़ी होती है, उसके दुरुपयोग की संभावनाएँ उतनी ही ज्यादा रहती हैं, लोकतंत्र एक महान संस्था है, इसलिए इस के दुरुपयोग की संभावनाएँ उतनी ही अधिक हैं। इलाज यही है कि दुरुपयोग की संभावनाएँ कम से कम की जाए, यह नहीं कि लोकतंत्र ही न बनाये जाये।
संदर्भ — महात्मा गांधी



सुबेदा गोपाल धमगाये
बी.कॉम. १ (H)

विकलांगता और समाज

मनुष्य इस संसार का सर्वश्रेष्ठ प्राणी माना जाता है। उसके पास सोचने, समझने और कुछ करने की क्षमता है। वह किसी अन्य प्राणी की योजना की कारण वह अद्भुत कार्य कर सकता है। अपने सामर्थ्य से तथा अपनी शक्ति के सदुपयोग से वह दूसरों के अभाव को दूर करता है। वह जैसे मानवीय गुणों परोवृत्ति से दूसरों में आत्मविश्वास जगाकर उनकी हीनभावना को दूर करता है। विकलांग भी हमारे समाज का एक अंग है। इसकी सहायता करना हमारा परम कर्तव्य है।



प्रत्येक वर्ष ३ दिसंबर को विश्वभर में "अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस" मनाया जाता है। जिसके मुख्य उद्देश्य है, शारीरिक और मानसिक रूप से अशक्त लोगों की सोच को सकारात्मक करके उनके साथ-साथ समाज के सभी वर्गों के भागीदारी एवं सहयोग को प्रोत्साहन देकर उनका विकास करना है।

विकलांग व्यक्ति को घृणा की दृष्टि से देखा जाता है। विकलांग हीनभावना का शिकार होते हैं। उनमें निराशा उत्पन्न हो जाती है। इस तरह का दृष्टिकोण विकलांग के लिए एक अभिशाप बन जाता है।

आवश्यकता है विकलांगजनों को प्रोत्साहन देने की, उन्हें उनकी योग्यताओं का एहसास कराने की, उनकी सुप्त शक्तियाँ ही उन्हें समाज में सम्मान दिलवा सकती है।

हमारे देश की सरकार, समाज के विकलांग व्यक्तियों के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएँ बनाती है। उनका भी वह लाभ नहीं उठा पाते हैं। कुछ भ्रष्टाचारी अफसर उन तक इसका लाभ पहुँचने ही नहीं देते हैं। सरकार द्वारा विकलांग व्यक्तियों के लिए कई सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाती है। देश में आज भी बस, ट्रेन, एयर लाईन, आदि वाहनों, सार्वजनिक भवनों, शिक्षण संस्थाओं, कार्यालयों इत्यादि क्षेत्र में उनके प्रवेश हेतु समुचित सेवाएँ नहीं हैं।

कोई व्यक्ति गूंगा या बहरा हैं तो उसे स्कूल एवं महाविद्यालय में प्रवेश मिलना, कठिन होता है। जबकि सरकार विकलांग व्यक्ति को ३% आरक्षण और मुफ्त शिक्षा देती है। इनका वे लाभ नहीं उठा पाते हैं। जिससे वह निराश होकर आत्महत्या जैसा गलत कदम उठाते हैं।

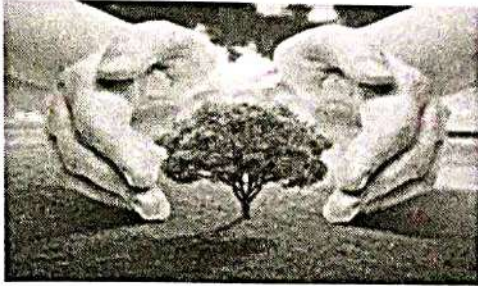
हमें विकलांग व्यक्ति को हर आवश्यक एवं उचित सुख-सुविधाएँ प्रदान करनी चाहिए। जिसके कारण उनके मनोबल और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। जिससे विकलांग व्यक्ति और समाज का विकास हो सके।

विकलांगों को दया नहीं सहानुभूति की आवश्यकता है। उन्हें दान नहीं बल्कि अन्य मानवों की तरह अधिकार चाहिए। यह समस्या केवल कानून से हल नहीं होती। इसके लिए समाज के व्यवहार में परिवर्तन करना आवश्यक है।

हमारा यह कर्तव्य है, कि हम विकलांगों के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलकर उन्हें मानवीय दृष्टि से देखें। उनमें आत्मविश्वास जगाएँ। उनके पुनर्वास में प्रयत्नशील रहे। वे विकलांग व्यक्ति भी अपनी उपलब्धियों का पुरस्कार पाने का अधिकारी है।

हर्षिका मुखी
एम.कॉम. २ (H)

प्रकृति, पर्यावरण और गांधीजी



महात्मा गांधीजी यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि अन्य मनुष्यों तथा प्रकृति को कम से कम हानि पहुंचाकर किस प्रकार सामाजिक परिवर्तन लाया जा सकता है।

क्या महात्मा गांधीजी को २१ वीं सदी का पर्यावरणविद कहा जा सकता है? हिंसा और नफरत के दौर से गुजर रही दुनिया को गांधीजी रास्ता दिखाते हैं।

पर्यावरण के संबंध उन्होंने उन अधिकांश पर्यावरणीय समस्याओं का अनुमान लगा लिया था, जिनका वर्तमान में दुनिया सामना कर रही है।

पर्यावरण संरक्षण के सम्बन्ध में हम कह सकते हैं कि गांधीजी का जीवन ही उनका संदेश था उन्होंने अपने जीवन में नैसर्गिक सिद्धान्तों को अपनाया तथा प्रकृति के प्रतिकूल किसी भी अवधारणा को अनुचित ठहराया। यहाँ तक कि गांधीजी ने प्राकृतिक उपचारों को ही शारीरिक रोगों से मुक्ति पाने का सर्वोत्तम उपाय माना।

गांधीजी के जीवन में सफाई और स्वच्छता को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। उनका विचार था कि जो व्यक्ति जहाँ चाहे और जिस तरह चाहे उस तरह थुककर, कुड़ा-करकट डालकर गंदगी फैलाकर या दूसरे तरीके से हवा को गंदा करता है, वह प्रकृति और मनुष्य के प्रति अपराध करता हो।

उन्होंने यह भी कहा था कि जो मनुष्य पर्यावरण बिगाड़ता है तो उसे नरक से कोई नहीं बचा सकता। गांधीजी ने सत्य, अहिंसा तथा अपरिग्रह पर आश्रित एक नये धर्म और नई नैतिकता को जन्म दिया था जिसमें संसाधनों का बँटवारा न्यायपूर्ण था और प्राणी मात्र के लिए प्रेम आधार था।

अनियन्त्रित औद्योगिकीकरण के प्रति गांधीजी का विरोध सर्वविदित हो, उन्होंने यह कभी नहीं कहा कि औद्योगिकीकरण निरर्थक है। उनका आग्रह केवल इतना था कि यंत्रीकरण ही सारी योजनाओं में मनुष्य का स्थान सर्वोपरि होना चाहिये। उनका प्रधान उद्देश्य या श्रमशक्ति की महत्ता को बनाये रखना और आर्थिक शोषण का विरोध करना। विदित हो कि उनके इस चिन्तन में एक महत्वपूर्ण परिस्थितिकीय सिद्धांत का बीज निहित है।

मशीनों ने न केवल सारे देश में अत्यधिक संख्या में लोगो को बेरोजगार किया हो वरन् पर्यावरण प्रदूषण को भी चरम सीमा पर पहुँचा दिया है। गाँधीजी प्रकृति को मानसिक शक्ति व शान्ति का आधार मानते थे। उत्तराखण्ड के कोसानी जिले का प्राकृतिक सौन्दर्य देखकर गाँधीजी ने वहाँ "अनासवित योग" पुस्तक भी लिखी।

ऑचल आगरकर
बी.कॉम. २ (E1)

स्वामी विवेकानंद और उनका धर्म भाषण

भारत के महानायक — स्वामी विवेकानंदजी। स्वामीजी के जीवन का हर एक क्षण प्रेरणास्त्रोत है। स्वामीजी का जन्म १२ जनवरी १८६३ को कोलकाता में हुआ। उनका मूल नाम नरेंद्रनाथ दत्त था। उनके पिताजी विश्वनाथ दत्तजी एक बहुत बड़े वकील थे तथा उनकी माताजी भुवनेश्वरी देवी एक गृहिणी थी। स्वामीजी एक बहुत ही संपन्न परिवार से थे।



नरेंद्रनाथ आध्यात्म से इतने जुड़ गए कि अपने धार्मिक व आध्यात्मिक संशयों के निवारण हेतु अनेक लोगो से मिले किंतु उन्हें कहीं भी शंकाओं का समाधान न मिला। तब उन्हें श्री रामकृष्ण परमहंस गुरु के रूप में मिले।

स्वामीजी वेदांत और योग को पश्चिम संस्कृति में प्रचलित करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान देना चाहते थे। स्वामीजी वेदांत के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु थे। उन्होंने अमेरिका स्थित शिकागो में १९८३ में आयोजित विश्व धर्मसभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। भारत का वेदांत दर्शन अमेरिका और युरोप के हर एक देश में स्वामीजी के कारण ही पहुँचा।

धर्मसभा के विशाल भवन में हजारों नर-नारी श्रोता उपस्थित थे। सभी वक्ता अपना-अपना भाषण लिखकर लाए थे परंतु स्वामीजी की ऐसी कोई तैयारी नहीं थी। वहाँ स्वामीजी को कोई नहीं जानता था। जिसके कारण उनको सबसे अंत में बोलने का अवसर मिला। स्वामीजी की राष्ट्रीय वेशभूषा पहने हुए देख श्रोता उन पर हँसे, परंतु जब उन्होंने श्रोताओं को संबोधित किया, “अमेरिकावासी बहनों और भाईयों” सभा भवन तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा। पूर्व के सभी वक्ताओं ने अपने-अपने धर्म को श्रेष्ठ बताया। परंतु स्वामीजी ने सभी धर्मों को समान बताया और कहा कि यदि कोई व्यक्ति यह समझता है कि वह दूसरे धर्म का विनाश कर अपने धर्म की विजय कर लेगा तो बंधुओं! उसकी आशा कभी भी पूरी नहीं होने वाली, सभी धर्म हमारे अपने हैं इस भाव से उन्हें अपनाकर ही हम अपना और संपूर्ण मानव जाति का विकास कर पायेंगे। यदि भविष्य में कोई ऐसा धर्म उत्पन्न हुआ जिसे संपूर्ण विश्व का धर्म कहा जायेगा तो वो अनन्त और निर्बाध होगा। वह न तो हिन्दू होगा, ना मुसलमान, न बौद्ध, न ईसाई बल्कि वह इन सबके मिलन और समाजस्य से होगा।

स्वामीजी के इन्हीं विचारों ने संसार को यह मानने पर विवश कर दिया कि भारत ‘विश्वगुरु’ है।

प्राची डोनेकर
बी.कॉम. २ (E1)

राष्ट्रसंत तुकडोजी ग्रामोन्नति विचार



परम पुजनीय राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का जन्म ३० अप्रैल १९०६ को महाराष्ट्र राज्य के अमरावती जनपद के यावली नामक गाँव के एक बहुत ही निर्धन परिवार में हुआ था। उनका मुल नाम मानिक बान्डोजी इंगळे था वे आडकोजी महाराज के शिष्य थे। हालांकि वह अविवाहित थे, परंतु उनका पुरा जीवन जाति, वर्ग, पंथ या धर्म से परे समाज की सेवा के लिए समर्पित था। उनमें सहानुभूति की भावना थी, उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय रामटेक, सालबर्डी, रामदिधी और गोंदोडा के बीहड़ जंगलों में बिताया था। आष्टि-चिमुर् स्वतंत्रता संग्राम इसके चलते अंग्रेजों द्वारा उन्हें चंद्रपुर में गिरफ्तार कर नागपुर और फिर रायपुर के जेल में १०० दिनों (२८ अगस्त से ०२ दिसंबर १९४२ तक) के लिए डाल दिया गया।

कारागृह से छुटने के बाद तुकडोजी ने सामाजिक सुधार आंदोलन चलाकर अंधविश्वास, अस्पृश्यता, मिथ्या धर्म, गोवध एवं अन्य सामाजिक बुराईयों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने नागपुर से १२० किमी दूर मोझरी नामक गाँव में गुरुकुंज आश्रम की स्थापना की, आश्रम के प्रवेश द्वार पर ही उनके सिद्धांत इस प्रकार अंकिता “इस मन्दिर का द्वार सबके लिए खुला है”,

“हर धर्म और पंथ के व्यक्ति का यहाँ स्वागत है” “देश और विदेश के हर व्यक्ति का यहाँ स्वागत है”। महिलान्ति भी तुकडोजी महाराज का एक लक्षणीय और महत्वपूर्ण उद्देश्य था। उनका दावा था की उनकी सामूहिक प्रार्थना समाज को प्रेम और भाईचारे की श्रृंखला में बांधे रखने में सक्षम है। १९५५ में उन्हें जापान में होने वाले विश्व धर्म संसद और विश्वशांति सम्मेलनों के लिए आमंत्रित किया गया। तुकडोजी महाराज के ग्राम उन्नति विचार संचालित विदर्भ साक्षरता सम्मेलन, विश्व हिंदु परिषद के संस्थापक थे। उनके द्वारा राष्ट्रीय विषय के कई सारे मोर्चों जैसे बंगाल का भीषण अकाल (१९४५) चिन से युद्ध (१९६२) और पाकिस्तान आक्रमण (१९६५) इत्यादि मुसीबतों पर निर्वाह तत्परता से किया गया। कोयना भुकंप त्रासदी के समय राष्ट्रसंत ने प्रभावित होकर त्वरित सहायता के आदेश दिया और संकट से मुक्ति पाने को मदद की। अपनी अनुभवी अंतर्दृष्टि के आधार पर राष्ट्रसंत ने “ग्रामगीता” की रचना जिसमें उन्होंने वर्तमानकालिक स्थितियों का निरूपण करते हुए ग्रामीण विकास के लिए एक सवर्था नूतन विचार का प्रतिपादन किया। उनका साहित्यिक योगदान बहुत अधिक और उच्च श्रेणी का है। वह काव्य की कलाओं और कौशल के ज्ञाता थे।

अंतिम दिनों में तुकडोजी महाराज को कैंसर हो गया था। कैंसर पर हर संभव उपाय किये गये, परंतु कोई प्रयास सफल न हुआ अंत में ११ अक्टुबर १९६८ को सायं ८.५९ बजे गुरुकुंज आश्रम में राष्ट्रसंत अपने नश्वर शरीर का त्याग कर ब्रम्हलीन हो गये। उनकी महासमाधि गुरुकुंज आश्रम के ठीक सामने स्थित है, जो सभी लोगों को कर्तव्य और निस्वार्थ मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करती है।

समीक्षा वंजारी

बी.कॉम. १ (E1)

विकलांगता और समाज

विकलांग व्यक्ति पूर्ण रूप से सक्षम नहीं होते कि वह हर कार्य को आसानी से कर सके। शारीरिक रूप से असक्षम लोग कमाई के लिए दूसरे पर निर्भर होते हैं इसके साथ ही विकलांग व्यक्ति खाने एवं अन्य कार्यों के लिए भी दूसरों के ऊपर निर्भर हो जाते हैं। अगर वह किसी प्रकार का कार्य नहीं करता तो वह परिवार वालों पर भी बोझ बन जाता है। जिसके कारण परिवार वाले उसका साथ नहीं देते। इस तरह विकलांग व्यक्ति अपने आप को बड़ी ही हीन भावना से देखता है।



निजी क्षेत्र में विकलांग व्यक्तियों को योगदान प्रदान करने के लिए नियोकताओं को प्रोत्साहन प्रदान करने की योजना वर्ष २००८-०९ में शुरू की गयी थी। इस स्कीम के अंतर्गत निजी क्षेत्र में नियोजित विकलांग व्यक्तियों को ऐसे पद पर नियोजित करना जिसमें २५००० रुपये तक की उपलब्धियाँ प्रदान हो। प्रथम तीन वर्ष के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम में कर्मचारी के अंशदान का भुगतान भारत सरकार द्वारा किया गया है।

प्रथम पेंशन योजना :- इसी को देखते हुए बिहार की राज्य सरकार ने विकलांगों के उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिए पेंशन योजना को शुरू किया गया है। इस योजना को शुरू करने का उद्देश्य ही विकलांगों को आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना में विकलांगों को राज्य सरकार द्वारा एक निश्चित राशि पेंशन के रूप में हर माह प्रदान की जाती है।

विकलांगों को प्रदान किए गए योगदान

- १) बच्चे जो भी अपंग हो और ६ वर्ष से १८ वर्ष की आयु के हो इस योजना के तहत दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन सहायता राशि इस योजना के तहत दी जाती है।
- २) जिला कल्याण विभाग ने यह योजना के अंतर्गत ४८५०० रुपये अनुदान दिया गया है।
- ३) इसके अलावा जिला बिलासपुर में अपंग विवाह अनुदान के अंतर्गत १०% लोगों को ९२००० रुपये का अनुदान प्रदान किया गया है।
- ४) अब तक विकलांगों के विवाह के लिए भी प्रोत्साहन योजना का लाभ मुख्यमंत्री अपंग विवाह प्रोत्साहन के तहत दिया जायेगा।
- ५) विकलांग वर-वधु के खाते में ५० हजार रुपये की राशि जमा की जाएगी।
- ६) बिहार विकलांग सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत विकलांग व्यक्ति को सरकारी बस में निशुल्क सेवा प्रदान की जाती है। इसके साथ ही उन्हें शिक्षा व रोजगार के नए अवसर प्रदान किए जाते हैं।

विकलांगों के बारे में समाज का रवैया भी बदले

तारे जमीन पर और ऐसी फिल्मों से ऐसे बच्चों के प्रति समाज में संवेदनशीलता तो बढ़ी है पर इसे अभी और व्यवहारिक बनाने की जरूरत है।

सरकार की इस पहल से विकलांगों की दशा में काफी सुधार की उम्मीद है हालांकि यह आसान नहीं है। इससे ज्यादा जरूरी है कि विकलांगों के बारे में समाज अपनी राय बदले इससे विकलांगों को आत्मनिर्भर बनकर जीवन जीने का प्रोत्साहन बढ़ेगा। इसलिए समाज में विकलांगों के प्रति संवेदनशीलता व्यवहारिता अधिक बनाने की जरूरत है।

खूशबु जैस्वाल
बी.कॉम. २ (H)

कव्वाली : (तर्ज : तुम तो ठहरे परदेसी)

स्व. जमनालाल बजाज जी को हम न भूल पायेंगे

दोहा :— दुनिया में दान बहुत होता है, कोई खाना खिलाता है,
तो कोई पानी पिलाता है। कोई मंदिर बनाता है,
तो कोई मस्जिद बनाता है। मगर ज्ञान दान तो
महादान है, जो जिंदगी भर काम आता है।



शिक्षा लेने आये है, शिक्षा लेके जायेंगे।

स्व. जमनालाल बजाज जी को हम न भूल पायेंगे ॥ धृ ॥

नागपूर जैसे शहर में, अर्थ—वाणिज्य शिक्षा की न सुविधा थी।
फिर भी सन् १९४५ में शिक्षा संस्था खुलवाई थी।

(सात एकड़ जमीन दान देकर यह संस्था खुलवाई गई।
श्री कृष्णदा जाजू, सेठ गोविंदराम सेकसरिया आदि लोगो
ने भी इस संस्था में अपना योगदान दिया। यही शिक्षा
मंडल संस्था आज ऊँचे स्थान पर कार्यरत है।)

‘उद्योगिनम्: पुरुषसिंहम् उपैतिलक्ष्मी’ मिशन को आगे लेके जायेंगे।
इस शिक्षा मंडल के पौधे को हम, कल्पवृक्ष निश्चय ही बनायेंगे ॥ १ ॥

महाविद्यालय में आकर हम, ज्ञान को बढ़ायेंगे।
खेलों के जरिये से, तंदुरुस्ती अपनी बनायेंगे।
देशसेवा का व्रत लेकर सबको आगे बढ़ायेंगे ॥ २ ॥

शिक्षा लेके कोई अकाउंटेंट बनेंगे, व्यावसायिक बनेंगे।
कोई कंपनी सचिव बनेंगे, कोई वकील बनेंगे।
उद्योजक बनेंगे, कोई नेता बनेंगे।
किसान बनके धरती की सेवा करेंगे।
पढ़ाई आप सबने की है। पढ़ाई हम भी करेंगे।
स्व. जमनालाल बजाजजी को हम न भूल पायेंगे ॥ ३ ॥



कु. समिक्षा म. भूसारी
बी.कॉम. १ (E2)



देखो ! नया साल आया



देखो ! आ गया नया साल
करो गुरुजनों को प्रणाम
नए विचारधारा से
करो देश का सम्मान
देखो ! आ गया नया साल

नई उमंगें, नई तरंगें,
भरो बच्चों के मस्तिष्क में,
सिखाओ नया ज्ञान,
करो देश का सम्मान
देखा ! आ गया नया साल

नए अविष्कार कर,
देश को विकसित बनाना
यही चाहिए वैज्ञानिकों को
तकनीकी नवीनता लाना
बनाओ भारत को महान
यही नव वर्ष का पैगाम
करो देश का सम्मान

आपसी मतभेद करो खत्म
जियो जिंदगी आनंदित होकर
क्या रखा पछतावें में
गिर गये खाकर ठोकर
बनाओ जिंदगी को आसान
करो देश का सम्मान
यही है, नव वर्ष का
नए विचारों का ज्ञान

सचिन शाहु
बी.कॉम. १ (H)

यादें.....!



लौट आएंगे क्या मेरे वो दिन,
मेरे वो स्कूलवाले दिन।

आज भी याद आते हैं मुझे,
मेरे स्कूल वाले दिन।
जहाँ न किसी से कोई गिला था,
और न कोई शिकवा था
जहाँ सब अपने थे,
न कोई बेगाना था।

क्या लौट आएंगे मेरे वो दिन,
मेरे वो स्कूल वाले दिन।
होते थे झगड़े हम दोस्तों में भी,
पर मिल बैठते थे कुछ समय बाद ही।
करते थे शरारते अपने ही कक्षा में,
लेते थे पंगे बाजुवाले कक्षा से,
क्या लौट आएंगे मेरे वो दिन,
मेरे वो स्कूलवाले दिन।

क्या लौट आएंगे मेरे वो दिन,
मेरे वो स्कूलवाले दिन।
होते थे झगड़े हम दोस्तों में भी,
पर मिल बैठते थे कुछ समय बाद ही।
करते थे शरारते अपने ही कक्षा में,
लेते थे पंगे बाजुवाले कक्षा से।
क्या लौट आएंगे मेरे वो दिन,
मेरे वो स्कूलवाले दिन।

क्या लौट आएंगे मेरे वो दिन,
मेरे वो स्कूलवाले दिन,
शरारतों के साथ होती थी पढ़ाई
बढ़े ही प्यार से,
करते थे हर पिरियड बढ़े ध्यान से।
बहुत ही याद है मुझे मेरे वो दिन,
मेरे वो स्कूल वाले दिन।

ऋतु साव
बी.कॉम. १ (E1)

मानव प्रतिकरूपण

(Human Clouing)



मानव प्रतिकरूपण किसी जीवित अथवा पूर्व में जीवित मानव की जेनेटिक रूप से समान प्रतिलिपि का निर्माण करने को कहा जाता है। सामान्यतः इस शब्द का उल्लेख कृत्रिम मानव प्रतिकरूपण के रूप में किया जाता है कृत्रिम मानव तैयार करने की यह संकल्पना व संभावना, एक विवादास्पद मुद्दा है। मानव प्रतिकरूपण के पहले जानवरों और आदि जीव जंतुओं का प्रतिकरूपण किया गया था। सन १९५८ में रॉक

मेंढक पर इसका प्रयोग किया गया। उसके बाद १९६६ में वैज्ञानिकों द्वारा 'डॉली' शीप का प्रतिकरूपण किया और बस तभी से मानव प्रतिकरूपण का प्रयास शुरू हुआ।

नवम्बर, १९९८ में पहला मानव प्रतिकरूपण किया गया। यह प्रतिकरूपण दो प्रकार से होता है, पहला अगर शरीर का कोई हिस्सा खराब हो जाए तो उसे बनाकर सुरक्षित रूप से शरीर में जोड़ देना और दुसरा प्रकार है, जिसमें एक नया जीवित कृत्रिम मानव बनाना। इन दोनों प्रक्रिया के लिए मानव शरीर से (DNA) अंश लिया जाता है।

प्रतिकरूपण जानवरों तक ठीक था, पर जब बात मानव प्रतिकरूपण की थी, तो वैज्ञानिकों ने यह सोचा था कि अगर उनकी यह खोज कामयाब हो जाए तो वह किसी के शरीर में होने वाले रोगों को रोककर उसके अंश से एक नया मानव बना सकते हैं। जिसके कारण बीमारियों की संख्या कम हो जाएगी।

इस प्रक्रिया में वैज्ञानिक मानव शरीर से अंश (DNA) लेकर प्रतिकरूपण करते गया और इस प्रक्रिया पर कोई भी परिसिमाएँ नहीं थी। अर्थात् वैज्ञानिक किसी भी मानव के जितने चाहे उतने प्रतिकरूपण कर सकता था। यह सचमुच एक खतरनाक बात है। जितने भी प्रतिकरूपण करने के लिए प्रक्रिया की जाती थी, उसमें से सिर्फ ५ ही काम करती थी। उसमें भी अनेक कमियाँ पायी गईं। जैसे कि प्रतिकरूपण करने के लिए रोक विकसित अंश (DNA) की जरूरत होती थी। अगर हम सोचे कि जिसका अंश लिया गया है उसकी उमर ३० साल है और मानव की अपेक्षित जीवन का कालावधि ८० साल है तो उस अंश से निर्माण किया गया प्रतिकरूपण ५० साल जियेगा ना कि ८० साल। वह एक उमर की बाद किसी ना किसी बिमारी से मर जाता था।

मानव प्रतिकरूपण ७० देशों में बंद करवा दिया है, क्योंकि यह उचित नहीं है, इसके कई कारण हैं जो निम्नलिखित हैं।

१) सबसे पहला कारण यही है कि यह प्रक्रिया कृत्रिम मानव बनाने की है, जिसमें एक ही अंश के दो व्यक्ति बना सकते हैं, परंतु यह निसर्ग और धर्मों के विरुद्ध है। हमारे धर्म ऐसा करने की अनुमति नहीं देते।

२) दूसरा कारण यह हो सकता है कि, हम एक ही व्यक्ति के बहुत से प्रतिकरूप बना सकते हैं, जिसका गैरउपयोग हो सकता है।

३) इस प्रक्रिया में अंशों की कुछ नैसर्गिक विविधतायें नष्ट हो जाती हैं।

४) प्रतिकरूपण को अपनाना मुश्किल होता है।

५) मानव प्रतिरूपण से निर्मित कृत्रिम मानव की उमर तेजी से बढ़ती है, और वह किसी ना किसी बीमारी से मर जाता है।

६) इसके अलावा वह कृत्रिम मानव होने के कारण उनमें कुछ खामियाँ हो सकती है, जो साधारण मनुष्य में ना हो।

७) प्रतिरूपण का इलाज करना बहुत कठिन होता है।

उपर्युक्त कारणों के परे अमेरिका और इजरायल में ऐसी कुछ जगह है जहाँ मानव प्रतिरूपण आज भी मौजूद है। वह यह मानव जंग/युद्ध लड़ने के लिए सिपाईयों की तरह इस्तेमाल करने का सोच रहे है, परंतु वह यह नहीं जानते कि इससे विश्व कितनी मुश्किलों का सामना कर पड़ सकता है।

मेरे ख्याल से वैज्ञानिक खोज करना और मानव बनाना अच्छी बात है। परंतु वह खोज अगर कभी नुकसान देने वाली हो, तो उस पर रोक लगाना जरूरी है। अगर इस दुनिया में सबका प्रतिरूपण हो तो इस संसार का विनाश होने में देर नहीं लगेगी।

विधी कदमखड
बी.कॉम. १ (E1)

अंजान परिदे

परिदे होते हैं, अंजान... कुछ आता नहीं समझ में...

क्या—तेरा, क्या—मेरा न जाने वो जीवन में...

परिदों को होते, पर.....किंतु कभी अपनी ऊँचाई से
जाते न दूर...!!

परिदो को समझ न होने पर भी, वे होते समझदार
किंतु इंसान समझदार होते हुए भी होते बेईमान.....!!!

परिदो को होती है, किसी की फिक्र, पर

बयान करते है, उनकी आवाज में....क्यों ? अंजान होते

हुए भी जी लेते है, इंसानों जैसे, 'खुशहाल'....

कहते है, एक—दूजे को जो कुछ है, मेरा... वो है सब तेरा.....

एक पल की खुशियों से धन्य मान लेते है, जीवन को.....

अंजान परिदो को होती नहीं समझ, पर नासमझ

में बना लेते है, मित्र.....

जिससे होता है, एहसास किसी के होने का.....

ना जाने क्यों लगते है, ये अंजान परिदे प्यारे — प्यारे

कुछ कहे बिना ही कह देते है, सबकुछ !!

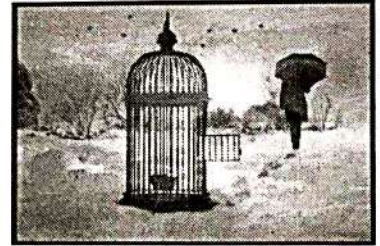
जीवन में होती है, कठिनाईयाँ इनके...

किंतु हँसते—हँसते काट लेते है, जीवन

एक—दूजे के सहारे.....!!

सच.....!! क्या होते है, ये अंजान परिदे

जो बिना कुछ कहें, कह देते है, सबकुछ.....!!!!



लक्ष्मी मिश्रा
बी.कॉम. २ (H)

पिता



मेरा साहस मेरी इज्जत
मेरा सम्मान है पिता
मेरी ताकत मेरी पुंजी
मेरी पहचान है पिता,
घर की एक एक ईंट में
शामिल उनका खुन पसीना,
सारे घर की रौनक उनसे
सारे घर की शान पिता,
मेरी शोहरत मेरा रूतबा
मेरा मान है पिता,
मुझको हिम्मत देने वाले
मेरा अभिमान है पिता,
सारे रिश्ते उनके दम से
सारे नाते उनसे है,
सारे घर की धडकन,
सारे घर की जान पिता,
शायद रब ने देकर भेजा,
फल ये अच्छे कर्म का,
उसकी रहमत उसकी नैमत
उसका वरदान है पिता



सोनु घोडे
एम.कॉम. १ (M)

शिक्षा से लाभ उठाओ



शिक्षा में ध्यान लगाओ,
यह अच्छा मौका है ।
समय है कुछ बन जाओ,
यह अच्छा मौका है ।
माता-पिता की तरफ देखो,
कितनी मुश्किल है उनको ।
हर खुशियों को छोड़ा उन्होंने
खुश रखते हैं तुमको ।
अच्छा नाम कमाओ
यह अच्छा मौका है ।
यह विद्या का जीवन देखो,
बहुत ही सुंदर होता हैं ।
इसकी कीमत जो न समझे,
बाद में वह फिर रोता है ।
शिक्षा से लाभ उठाओ,
यह अच्छा मौका है ।
समय है कुछ बन जाओ,
यह अच्छा मौका है ।



कोमल चव्हाण
बी.कॉम. १ (E1)

भ्रष्टाचार

जब भी आते हैं चुनाव देश में,
तुम बदल से जाते हो और आ जाते हो नए भेस में,
कि हर बार दिखलाते हो कई नए सपने,
कहते हो कर दुँगा सब साकार,
फिर क्यों भुल जाते हो सरकार,
बंद करो ये भ्रष्टाचार.. बंद करो ये भ्रष्टाचार ।।



तुम आम जनता की चौखट पर आते हो,
मंच पर खड़े होकर कई सारे वादे कर जाते हो,
हम लोगों को कई सुनहरे ख्वाब दिखलाते हो,
कहते हो गरीबी हटाएँगे,
फिर क्यों हम गरीबों को भी भुल जाते हो यार,
बंद करो ये भ्रष्टाचार... !!

हर बार कहते हो महंगाई कम करेंगे,
पेट्रोल, सब्जी, बिजली के दाम कम करेंगे,
देश की कई समस्याओं का समाधान करेंगे,
कितने सालों से यही भाषण देते हो हर बार,
क्यों नहीं करते अपने वादे पुरे यार...
बंद करो ये भ्रष्टाचार... ।।।

चलो माना कि तुम कुछ वादे पुरे करते हो,
रोड, सड़क, पुल, मकान यही कुछ बनवा देते हो,
पर झूठ मत बोलना, इस में भी कई घोटाले करते हो,
देश के गरीब मजदूरों, किसानों पर भी तरस नही खाते हो,
क्यों इतने मतलबी हो जाते हो सरकार,
बंद करो ये भ्रष्टाचार.. ।।

अब पल-पल जनता जाग चुकी है,
देश के विकास के लिए ठान चुकी है,
कैसे बेचे वोट अपने पाँच सौ में और हजार,
जब गधे भी बिकते हैं बाजार में बीस हजार,
अब नही बनने वाली है जनता बेवकूफ मेरे यार,
बंद कर दो ये भ्रष्टाचार...

गुरुदेव ज्ञा
बी.कॉम. १ (E1)

आखिर पाया तो क्या पाया ?

जब तान छिड़ी मैं बोल उठा
जब थाप पड़ी, पग डोल उठा
औरो के स्वर में स्वर भर कर
अब तक गया तो क्या गया ?
सब लुटा विश्व को रंक हुआ
रीता तब मेरा अंक हुआ
दाता से फिर याचक बनकर
कण-कण पाया तो क्या पाया ?
जिस ओर उठी उंगुली जग की
उस ओर मुड़ी गति भी पग की
जग के अंचल से बंधा हुआ
खिंचता आया तो क्या आया ?
जो वर्तमान ने उगल दिया
उसको भविष्य ने निगल लिया
है ज्ञान, सत्य ही श्रेष्ठ किंतु
जूठन खाया तो क्या खाया ?

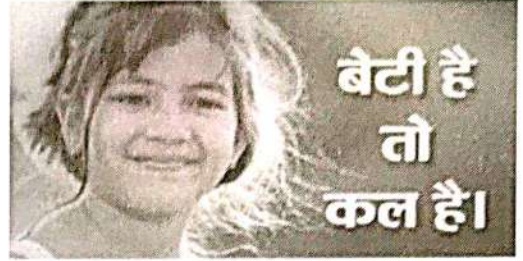
इन्द्रजीत मुखी
बी.कॉम. २ (H)

क्योंकि हम हैं

एक बार अफ्रीकी समाज के अध्येता अमेरिकी मानव-विज्ञानी गैब्रिएला कॉलमेन कुछ अफ्रीकी बच्चों के साथ खेल रहे थे। उन्होंने एक पेड़ के नीचे फलों की टोकरी रखी और बच्चों से कहा, जो दौड़कर पहले टोकरी तक पहुँचेगा सारे फल उसके बच्चे एक-दूसरे का उद्धोष करते हुए दौड़ पड़े। सबके सब एक साथ टोकरी तक पहुँचे। कॉलमेन के पूछने पर उन्होंने बताया कि साथियों को उदास करके एक बच्चा कैसे खुश हो सकता है। कॉलमेन को यह भी पता चला कि "उबंतू" अफ्रीकी जनजातियों का जीवन-दर्शन है। इसका मतलब होता है "मैं इसलिए हूँ, क्योंकि हम हैं" यह प्रसंग कॉलमेन के लिए सामूहिकता का पाठ बन गया।

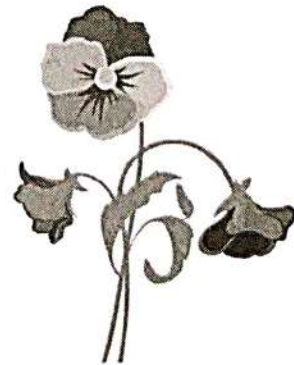
इन्द्रजीत मुखी
बी.कॉम. २ (H)

बेटियाँ



पापा के हाथ लगाते ही खिलजाती है बेटियाँ,
आँखे दिखाने पर, डर जाती है बेटियाँ,
मुश्किलों में ना डगमगाती है बेटियाँ,
पापा की परि होती है बेटियाँ,
फिर क्यों बेटियों को, बोझ समझे ये दुनियाँ
खुशियाँ देनेवाली होती है बेटियाँ,
कलियों की तरह होती है बेटियाँ,
थोड़ा सा प्यार पाने की लिए, तरस जाती है बेटियाँ,
मायके में भी समझा जाता है इन्हे अपना,
पर ससुराल में भी, ना समझ पाएँ इन्हे अपना,
लोगों को खुशियाँ देती है बेटियाँ,
सभी के गम ले लेती है बेटियाँ,
वैसे तो बेटियों को समझा जाता है बोझ,
पर आज उठा रही है, ये अपने परिवार का बोझ,

सोनू डहारे
बी.कॉम. २ (H)



अधुरा पन्ना

क्या भरोसा है इस जिंदगी का
साथ देती नहीं है किसी का।
जिसने हमें जीवन दिया
आज वही हमारे जीवन से ओझल हो गया
खुद भुखे रहकर हमें खिलाया
उंगली थामे चलना सिखाया
हौसला बनकर लड़ना सिखाया
सभ्यता, संस्कृति का ज्ञान बताया।

अधुरा पन्ना

आज अचानक कैसे इस संसार से नाता तोड़ दिया
आखिर क्यों आपने आंखों पर पल्को का परदा डाल दिया
अधूरे सफर में हमारा हाथ छोड़ दिया
आपने तो हमसे हमारा गुरुर ही छिन लिया
कैसे कहूँ कि आप इस संसार में नहीं है
जाने कहाँ गए हो आप
जहाँ चिट्ठी ना कोई संदेश होगा
आपके याद में दिल नम होगा।

सेवाल सी जिंदगी है जवाब नहीं कोई
दर्द बहुत है मगर इलाज नहीं कोई
सुबह होती है शाम होती है
उम्र यही तमाम होती है
कोई रोककर दिल बहलाता है
कोई मुस्कुराकर गम छिपाता है।

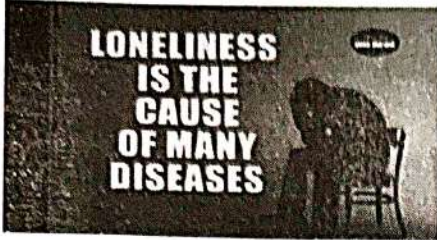
ये जिंदगी भी अजीब है ना दोस्तो ?
दुनिया सुख में आगें और दुख में पिछे होती है,
जिंदगी कागज बन हमें क्याही बना देती है
जन्म से मौत की कहानी लिखा देती है।
अचानक वह स्याही दम तोड़ देती है
जिंदगी की कहानी अधूरी रह जाती है
कागज और स्याही का नाता टूट जाता है
जिंदगी का सफर अधुरा रह जाता है।

वह कागज भी कही लुप्त हो जाता है,
दुनिया से हमारा किस्सा ही खत्म हो जाता है,
हम तो दिलों में याद बनकर रह जाते हैं
मुट्ठी बाँध आये, मुट्ठी खोल चले जाते हैं
क्या भरोसा है जिंदगी का
साथ देती नहीं किसी का।।



मोहिता जैतवार
बी.कॉम. २ (H)

छिप-छिप अश्रु बहाने वालो



छिप छिप अश्रु बहानेवालो, मोती व्यर्थ
बहाने वालो
कुछ सपने के मर जाने से,
जीवन नहीं मरा
करता है

सपना क्या है, नयन सेज पर,
सोया हुआ आँख का पानी
और टुटना है उसका ज्यो
जागो कच्ची नींद जवानी
गीली उमर बनाने वालो,
डुबे बिना नहानेवालो
कुछ पानी के वह जाने से,
सावन नहीं
मरा करता है

माला बिखर गई तो क्या है
खुद ही हल हो गई समस्या
आंसू गर नीलाम हुए तो
समझो पूरी हुई तपस्या
रूठे दिवस मनाने वालो,
फटी कमीज सिलाने वालो
कुछ दीपो के बुझ जाने से,

आँगन नहीं
मरा करता है,

खोता कुछ भी नहीं यहाँ पर
केवल जिल्द बदलती पोथी
जैसे रात उतार चांदनी
पहने सुबह धूप की धोती
वस्त्र बदलकर आनेवालो !
चाल बदलकर जाने वालो !
चन्द खिलौनों के खोने से बचपन
नहीं मरा करता है ।

लाखों बार गगरिया फुटी,
शिकन न आई पनघट पर,
लाखों बार किशतिया डुबी,
चहल-पहल अब भी है तट पर,
तम की उमर बढ़ाने वालो !
लौ की आयु घटाने वालो ।
लाख करे पतझर कोशिश
पर उपवन नहीं मरा करता है ।

लूट लिया माली ने उपवन,
लूटी न लेकिन गन्ध फूल की,
तूफानों तक ने छेड़ा पर,
खिड़की बंद नहीं हुई धूल की
नफरत गले लगानेवालो ! सब पर धूल
उडाने वालो !
कुछ मुखड़ों की नाराजी से
दर्पन नहीं मरा करता है ।

प्रिया शाहु
बी.कॉम. २ (E1)

माँ और बेटा

९ दिन ९ माह से ज्यादा मुझे पहचानती है मेरी माँ
फिर मैं कैसे तुम्हे समझ नहीं सका हूँ माँ
खुद भुखी रहकर सबको खाना खिलाती थी माँ
लेकिन मैं तुम्हारे लिए कभी भूखा नहीं रहा हूँ माँ ।।१।।



मेरे लिए सबसे लड़ती-झगड़ती थी माँ
लेकिन मैं ही तुम्हारी लिए किसी से झगड़ नहीं सकता माँ
तुम्हे अपनी इज्जत से ज्यादा मैं प्रिय था माँ
लेकिन मुझे तो तुमसे भी ज्यादा मेरी इज्जत प्रिय है माँ ।।२।।

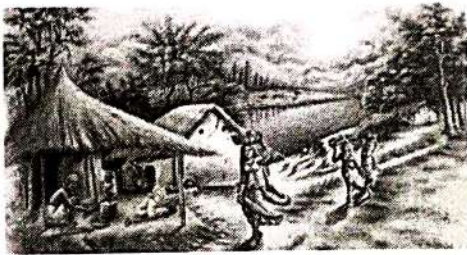
मेरी हर कमियों को आपने स्वीकार कर लिया माँ
लेकिन मैं तुम्हारे कमियों को कभी स्वीकार नहीं कर सकता हूँ
मेरे ऊपर तुम्हारे इतने अहसान है माँ
मैं उसे भी अभी फेड़ नहीं सकता हूँ माँ ।।३।।

हम तुमसे बचपन में साथ रहने के लिए झगड़ते थे माँ
लेकिन अब तुमसे दूर रहने के लिए झगड़ते है माँ
बचपन में हम तुम्हारा प्यार बाँटते थे माँ
लेकिन अब हम अपना बोझा एक दूसरे से बाँटते है माँ ।।४।।

बचपन में तुम्हारे साथ रहना हमारी आदत बन गयी थी माँ
अब तुमसे दूर रहना हमारी आदत बन गयी है माँ
जैसे हम तुम्हारी राह देखते थे माँ
अब तुम भी अनाथ आश्रम में हमारी राह देखती होगी ना माँ ।।५।।



दिव्या ना. पानबुडे
बी.कॉम. १ (E1)



ये दुनिया तेरी कैसी है,
जो दिन को रात बनाती है।
मुल्को की खींचातीनी में,
मासूम किधर जाएंगे।
दाना-पानी तो मिलता है,
पर धीरज कैसे ले आएँ।

दुनिया

मन की तृष्णा भी झिलमिल है,
संतोष कहाँ से ले आए।
ये दुनिया तेरी कैसी है,
जिसमें तेरा ही वास नहीं।
ये मानव तेरे कैसे है,
कोमल दिल जिसके पास नहीं।
मैं रोकर कैसे दिखलाऊँ
आसूँ सुख गए नैनो से।
ये दुनिया तेरी कैसी है,
ये दुनिया तेरी कैसी है।

प्रगती शेवडे
बी.कॉम. २ (H)

रिश्ता दिसंबर और जनवरी का

दिसंबर और जनवरी का रिश्ता ?

जैसे पुरानी यादों और नए वादों का किस्सा....

दोनों काफी नाजुक है
दोनों में गहराई है,
दोनों वक्त के राही है,
दोनों ने ठोकर खायी है...
यूँ तो दोनों का है
वही चेहरा-वही रंग,
उतनी ही तारीखें और
उतनी ही ठंड...
पर पहचान अलग है दोनों की
अलग है अंदाज और
अलग है ढंग...
एक अंत है,
एक शुरुआत
जैसे रात से सुबह,
और सुबह से रात...
एक में याद है
दूसरे में आस,
एक को हे तर्जुबा,
दूसरे को विश्वास....
दोनों जुड़े हुए हैं ऐसे
धागे के दो छोर हों जैसे,
पर देखों दूर रहकर भी
साथ निभाते हैं कैसे...

जो दिसंबर छोड़ के जाता है

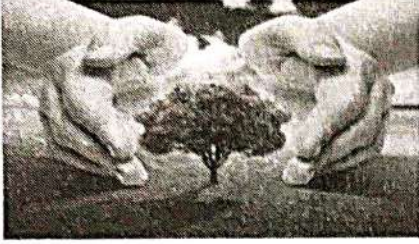
उसे जनवरी अपनाता है,

और जो जनवरी के वादे हैं
उन्हें दिसंबर निभाता है....
कैसे जनवरी से
दिसंबर के सफर में
ग्यारह महिने लग जाते हैं...
लेकिन दिसंबर से जनवरी बस
एक पल में पहुँच जाते हैं !!
जब ये दूर जाते हैं
तो हाल बदल देते हैं
और जब पास आते हैं
तो साल बदल देते हैं..
देखने में ये साल के महज
दो महीने ही तो लगते हैं,
लेकिन....
सब कुछ बिखेरने और समेटने
का वो फायदा भी रखते हैं...
दोनों ने मिलकर ही तो
बाकी महीनों को बांध रखा है,
अपनी जुदाई को
दुनिया के लिए
एक त्यौहार बना रखा है... !

पूजा कनोजिया
बी.कॉम. २ (H)



पर्यावरण



आओ—आओ पर्यावरण बचाएं,
सभी का जीवन बेहतर बनाएं।
पल—पल बिखेरता रहा हरियाली,
तुम्हारे जीवन के हर पल।
पर्यावरण की करो सुरक्षा,
यही है, सबसे बड़ी तपस्या।
बच्चों को दो यह शिक्षा,
पर्यावरण की करो रक्षा।
हम सब का एक नारा,
प्रदूषण मुक्त हो देश हमारा।
हम सब की है, ये जिम्मेदारी,
प्रदूषण से मुक्त हो दुनिया हमारी।
पर्यावरण है हम सबकी जान,
इसलिए करें इसका सम्मान।

सरिता रवानी
बी.कॉम. २ (H)

इतने ऊँचे उठे हम



इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन है,
देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से,
संचित करो धरा, समता की भाव पुष्टि से,
जाति भेद की धर्म—वेश की
काले—गोरे रंग द्वेष की
ज्वालाओं से पलते जग में
इतने शीतल बहो कि जितना मलय पवन है।

नए हाथ से वर्तमान का रूप सँवारी
नई तुलिका से चित्रों के रंगों को उभारों,
चाह रहे हम इस धरती को स्वर्ग बनाना,
अगर कही हो स्वर्ण उस धरती पर लाना,
सुरज, चाँद, चाँदनी तारे
सब है, प्रतिफल साथ हमारे।
दो कुरूप को रूप सलोना,
इतने सुंदर बनो कि जितना आकर्षण है,
इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन सारा।

सरिता रवानी
बी.कॉम. २ (H)

अधिकार मनुष्य का

स्कूली दिन थे वे मेरे उत्तर भारत की सर्दियों की सुबह रजाई में दुबका हुआ मैं, बाहर से कुत्ते के नन्हें पिल्लों के चीखने की आवाजें आ रही थी और मुझे लगा ठंड से परेशान वे कह रहे हैं हमें भी जीने का अधिकार है, मुझे याद हैं तब मैंने स्कूल की पत्रिका के लिए कुछ लिखा था, “जीने के इस अधिकार” के बारे में आज अचानक वह सब दिमाग में कौंध—सा गया है, हर मनुष्य को नहीं, हर प्राणी को, जीने का अधिकार है, लेकिन जब बात मनुष्य की हो रही हो तो संदर्भ मनुष्योचित जीवन का होता है, गरिमामय जीवन जीना मनुष्य का अधिकार है।



“सर्वे भवंतु सुखिनः” और “पीर परायी जाणे रे” की कामना वाली मानवता मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाती है, बेहतर जीवन ही बेमानी है यदि उसके साथ जुड़े कर्तव्यों का मनुष्य पालन नहीं करता अथवा नहीं करता पाता। यही वह संलग्न है जिसकी आवश्यकता की पूर्ति कैसे हो ? इसके लिए तन, मन और मस्तिष्क और तीनों का स्वस्थ होना स्वस्थ रहना जरूरी है, यह स्वास्थ्य रोटी, कपड़ा और मकान के आगे की बात है, मनुष्योचित जीवन में धर्म, जाति, वर्ग के लिए कोई स्थान नहीं होती। सबकी बराबरी सबके सुख से कम महत्वपूर्ण नहीं है, इसलिए, जब मानव—अधिकारों की बात होती है तो समता की बात सबसे पहली आती है।

अंजली पांडे
बी.कॉम. २ (E1)

कृती
मराठी
विभाग

जन्मशताब्दी वर्ष

विनम्र अभिवादन



पुरुषोत्तम लक्ष्मण देशपांडे
(जन्म : ८ नोव्हेंबर १९१९
मृत्यू : १२ जून २०००)



गजानन दिगंबर माडगूळकर
(जन्म : १ ऑक्टोबर १९१९
मृत्यू : ४ डिसेंबर १९७७)



अरविंद विष्णू गोखले
(जन्म : १९ फेब्रुवारी १९१९
मृत्यू : २४ ऑक्टोबर १९९२)

भावपूर्ण श्रद्धांजली



गो. मा. पवार
(जन्म : १३ मे १९३२
मृत्यू : १६ एप्रिल २०१९)



राम गणेश गडकरी
(जन्म : २६ मे १८८५
मृत्यू : २३ जानेवारी १९९९)



वंदनीय राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज
(जन्म : ३० एप्रिल १९०९
मृत्यू : ११ ऑक्टोबर १९६८)

गांधी विचारांची आजच्या युगात प्रासंगिकता

(150 व्या जयंती निमित्त)



गांधी विचार आणि आजची तरुणाई :-

आजच्या काळात पुस्तकी ज्ञान, म्हणजेच सर्वस्व असे झालेले आहे. महात्मा गांधीजींनी कृतियुक्त शिक्षणाची कल्पना मांडलेली आपणाला दिसून येते. शिक्षणामध्ये स्वावलंबन महत्त्वाचे आहे. पण आजचा तरुण आळशी बनत चाललेला आहे.

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी यांची जयंती '२ ऑक्टोबर' हा दिवस संयुक्त राष्ट्रसंघाने सुध्दा 'आंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिन' म्हणून घोषित केलेला आहे. महात्मा गांधी यांची जयंती फक्त भारतातच नव्हे जगामध्ये साजरी करण्यात येते. महात्मा गांधी यांच्या विचारांची आजच्या तरुणांना मोठी गरज आहे. महात्मा गांधीजींनी जो विचार मांडला, जी तत्वे त्यांनी अंगिकारली आणि सत्य आणि अहिंसेच्या मार्गाने त्यांनी आपलं जीवन व्यतित केलं, ती तत्वे घेवून आपल्याला पुढे जायचे आहे. गांधी विचार आणि गांधीजींचे जीवन-समजणे आपल्याला खूप महत्त्वपूर्ण आहे. प्रत्येक तरुणाने गांधीजींना वाचले पाहिजे, त्यांच्या कार्य आणि विचाराला समजून घेतले पाहिजे. खर तर आजचा तरुण काही प्रमाणात दिशाहीन बनत चालला आहे. या दिशाहीन बनत चाललेल्या तरुणाला दिशा मिळण्यासाठी गांधी विचार खूप महत्त्वाचे आहेत. ऐहिक आणि भौतिक सुखाला आपण बळी पडत चाललेलो आहोत. सोशल मिडीया आणि इंटरनेटचा मोठ्या प्रमाणात वापर आणि त्याला बळी पडलेला तरुण आपल्याला दिसत आहे. चैनविलासी जीवन प्रवृत्ती मोठ्या प्रमाणात वाढलेली आहे. इंटरनेटच्या विळख्यात मोठ्या प्रमाणात तरुण अडकल्यामुळे त्याला आई-वडिलांशी सुध्दा बोलायला वेळ नाही. पिडझा आणि बर्गरच्या दुनियेत तरुण वावरत आहे. आजच्या काळात पुस्तकी ज्ञान म्हणजेच सर्वस्व असे झालेले आहे.

महात्मा गांधीजींना अपेक्षित असणारा तरुण निर्माण होणे आवश्यक आहे. हस्तोद्योग, 'कुटिरोद्योग, शेतीउद्योग' याला प्राधान्य देणे आवश्यक आहे आणि आजच्या तरुणांनी व्यवसायाभिमुख शिक्षणाच्या माध्यमातून प्रगती साधने आवश्यक आहे. हेच महात्मा गांधीजींना अपेक्षित होते. ते आज मोठ्या प्रमाणात दिसत नाही. व्यवसाय करायला आजचा तरुण घाबरत असतांना तसेच आजच्या तरुणाला शेतीव्यवसायाची लाज वाटत असतांना आपल्याला दिसते. शेती करणे म्हणजे कमीपणाचे असा माणणारा तरुण वर्ग निर्माण होत आहे. देशाच्या प्रगतीच्या दृष्टीकोनातून महात्मा गांधीजींनी जो विचार मांडला तो खूप महत्त्वाचा आहे. 'खेड्याकडे चला'. अशी घोषणा करून महात्मा गांधीजींनी खेड्यांच्या सर्वांगीण विकासाला चालना देण्याचे काम केले.

खेड्यातील 'शेतकरी सुखी तर देश सुखी' अशी विचारधारा मांडून कृषी विकासाला चालना देण्याचे काम महात्मा गांधीजींनी केले. संयम, शांती, आत्मनिर्भरता, विवेकनिष्ठा, शुध्द चारित्र्य निर्मितीसाठी गांधी विचार महत्त्वाचे आहे. हे आजच्या तरुणांनी समजून घेणे महत्त्वाचे आहे. देशालाच नव्हे तर जगाला जर समाज विघातक घटनांपासून वाचवायचे असेल, जगामध्ये शांतता प्रस्थापित करायची असेल तर गांधी विचार आत्मसात करणे आणि त्या विचारांचा आग्रह धरणे आवश्यक आहे. गांधी विचार 'जीवन व कार्यावर तरुणांनी आत्मचिंतन आणि मनन करावे.

आज आपल्या देशामध्ये मोठ्या प्रमाणात समाजविघातक घटना, दहशतवादाचे सावट, दंगली घडून येतांना दिसत आहे. आजचे कट्टरवादी तरुण दहशतवादाचे समर्थन करतांना दिसत आहेत. पण पाठीमागे जाऊन इतिहासाची पाने चाळल्यानंतर आपल्याला लक्षात येईल की, युद्ध, दंगे आणि अशांततेने कुणालाही सफलता प्राप्त झालेली नाही. कुणीही सत्यावर विजय मिळविलेला नाही. म्हणूनच पूर्ण हयातभर गांधीजींनी सत्याचा आग्रह धरून समाजाला दिशा दाखवण्याचे प्रयत्न केलेले आहेत. आणि त्यामध्ये यशस्वीही झालेले आहेत. त्यामुळे प्रत्येकाने गांधी विचारांचे पाईक होवून समाज आणि देशाला पुढे घेवून जाण्याचे कार्य करायचे आहे.

ब्रिटीश शासनाला आव्हान देवून न्याय हक्कासाठी लढा देणारे आणि सर्वामान्यांवर होणाऱ्या अन्यायाविरुद्ध आवाज उठवण्याचे धाडस आणि त्यासाठी कोणतीही शिक्षा भोगण्याची तयारी हे मनाचं धारीष्ट फक्त आणि फक्त गांधी जीवन कार्याचा अभ्यास केल्यानंतर आपल्याला कळेल.

संयम कसा असावा ? शांतीचे महत्त्व काय ? सत्य का आवश्यक आहे ? शुद्ध चारित्र्य निर्मितीसाठी काय आवश्यक आहे ? सर्वसामान्यांच्या विकासासाठी आपण काय करू शकतो ? समाजाला दशहतवादापासून कसे वाचवू शकतो ? या आणि अशा अनेक प्रश्नांच्या उत्तरासाठी गांधीजींना समजून घेणे आवश्यक आहे. आज मोठ्या प्रमाणावर फॅशन वाढलेली आहे. क्षणिक सुखाला, मोहाला तरुण बळी पडतांना दिसत आहे. आजच्या तरुणांना स्वार्थाने ग्रासलेले आहे. हव्यास वाढलेला आहे. अवाढव्य महत्त्वाकांक्षा वाढलेली आहे. या सर्वातून बाहेर पडण्यासाठी आणि त्याग आणि समर्पण वृत्ती काय असते हे समजण्यासाठी गांधीजींना वाचणे आवश्यक आहे. भोगापेक्षा त्याग महत्त्वाचा आहे हे फक्त तुम्हाला गांधी विचारातून समजेल, ही ताकद गांधी विचार आणि कार्यात आहे. शांती आणि संयमाने जशास तसे उत्तर देणे आणि समोरच्याला स्वतःची चूक लक्षात आणून देऊन त्याचे मन परिवर्तन करणे ही खूप मोठी गोष्ट आहे आणि या मनपरिवर्तनासाठी गांधी विचार अंगिकारणे महत्त्वाचे आहे.

वारंवार देशामध्ये घडणारे बॉम्बस्फोट, जाळपोळ, लुटालूट, दरोडे यासारख्या घटना पाहिल्यानंतर वाटते की महात्मा गांधीजींनी जो देशासाठी त्याग केला, प्राणाची आहुती दिली तो यासाठीच का ? त्यांच्या स्वप्नातील भारत असा होता काय ? महात्मा गांधीजींनी शिकविलेला अहिंसेचा मार्ग विसरत चाललो आहोत काय ? महात्मा गांधीजींनी शिकविलेला मार्ग हाच काय ? कुठे गेली धर्मसहिष्णुता ? कुठे गेली धर्मनिरपेक्षता ? किती दिवस देशविघातक कारवाया घडत राहणार ? आम्ही उघड्या डोळ्यांनी नुसतेच बघतच राहणार ? हे अपेक्षित होतं का महात्मा गांधीजींना ? विसरलो काय आम्ही गांधीजींच्या त्यागाला ? देशासाठी दिलेल्या बलीदानाला ? महात्मा गांधीजींनी स्वदेशी वस्तूंचा पुरस्कार करून त्यांचा आग्रह धरला. या आग्रहातूनच खादिचा उगम झाला.

गांधीजींच्या अहिंसा, शांतता, सत्य या मूल्यांचे महत्त्व जगाला पटू लागले आहे. संपूर्ण जग दहशतीच्याखाली वावरत असतांना अफगाणिस्तान, इराण, इराक, म्यानमार या सारख्या देशामध्ये रक्ताचे पाट वाहत असतांना जगाला गांधीजींच्या विचारांचे स्मरण होत आहे. ही आनंदाची गोष्ट आहे. कारण संयुक्त राष्ट्रसंघाने सुध्दा '२ ऑक्टोबर' हा दिवस आंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिन म्हणून घोषित केलेला आहे. गांधीजींना युद्ध नको, शांतता हवी आहे, हिंसा नको, अहिंसा हवी आहे. आज जगाला अहिंसाच तारू शकेल. 'अहिंसा परमो धर्म', युद्ध, हिंसा, दशहतवाद यांनी काहीही साध्य होणार नाही. हे आजच्या दशहतवादाचे समर्थन करणाऱ्या तरुणांनी समजणे आवश्यक आहे. हे आजच्या तरुणांनी समजून घ्यावे.

खऱ्या अर्थाऱे विचार करायला गेला तर मानवी संघर्षाच्या इतिहासात ँका नव्या अस्माचा जन्म गांधीजींच्या रूपाने झाला असे म्हटले जाते. गांधीजींनी त्यांच्या कार्यातून खरे तर लढणाऱ्यांना नवे बळ दिले. तर अन्याय करणाऱ्यांना त्यांच्या सहनशिलतेतून कार्यातून, दृढनिश्चयातून आत्मपरिक्षण करायला लावले. महाराष्ट्रामध्ये महानुभव पंथ, वारकरी संप्रदाय, ज्ञानेश्वर, तुकाराम, नामदेव या सर्व महान संतांनी अहिंसेचा पुरस्कार केलेला आहे हे आपल्याला दिसून येते. गांधीजीचा नेहमी ँक संदेश असाचा तो म्हणजे जुलमाचा प्रतिकार करा. अहिंसेला कमी समजू नका, अहिंसात्मक लोकांना दुर्बल, भेकड समजू नका, अहिंसा ही दुर्बल आणि भेकड लोकांची नाही.

गांधीजींना देशाचे विभाजन मान्य नव्हते, गांधीजींना देशाचे तुकडे करणे पसंत नव्हते. गांधीजी धार्मिक ँकतेच्या तत्वाशी बांधील होते. पण ब. जिना यांच्या आग्रहामुळे आणि इंग्रजांच्या फोडा व राज्य करा' या कुटील नितिमुळे, क्रूर खेळीमुळे देशात विभाजन झाले आणि पाकिस्तानाची निर्मिती झाली. या विभाजनाच्या विरोधात गांधीजी अखेरपर्यंत लढले.

हे सत्य आपल्याला स्विकारावे लागेल. हे सत्य आजच्या तरुणांनी लक्षात घ्यावे. कोणत्याही दिशाभूलीला बळी पडू नये, आशा आहे. हिंसक मनुष्य अहिंसक बनण्याची आणि गांधी विचारांना पुढे घेवून जाण्याची. चला गांधी विचारांचे पाईक होवून अहिंसात्मक लढा मजबूत करू या. शांती आणि प्रेम जगाला अर्पण करू या.

'झाले बहु । आहेत की बहु । होतील बहु । परंतु यासम हो ।।' असे वर्णन त्यांचे करता येईल ते ँक म्हणजे भारताचे राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी. महात्माजींच्या कार्याची थोरवी गातांना प्रसिध्द वैज्ञानिक आईनस्टाईन म्हणाले होते, "आणखी काही पिढ्यांनंतर लोकांचा विश्वासही बसणार नाही की असा कधी कोणी माणूस झाला होता." बापू जे जगले ते इतरांसाठीच. म्हणून कवी मनमोहन म्हणतात, 'चंदनाचे खोड लाजे' हा झिजे त्याहुनही । कोणतेही पद, कोणतेही स्थान, सत्ता त्यांनी स्विकारली नाही. स्वातंत्र्य मिळाले, तेव्हाही ते नौखालीत निर्वासितांसाठी धडपडत होते. असेच कार्यरत असतांना ३० जानेवारी १९४८ रोजी या राष्ट्रपित्याचा ँका माथेफिरुने खून केला. त्यावेळी प्रसिद्ध नाटककार जॉर्ज बर्नार्ड शा म्हणाले होते "या जगात अतिशय चांगले असणेही तितके चांगले नाही."

गांधीजींचा मी जेव्हा विचार करते तेव्हा त्यांनी मांडलेला साधनशुचितेचा विचार मला सर्वात महत्त्वाचा वाटतो. साध्य कितीही चांगलं असेल पण म्हणून कोणत्याही साधनाचा अंगीकार करता कामा नये. साध्याप्रमाणेच साधनही योग्य असायला हवं असं आग्रहाने म्हणणारे गांधीजी आज अधिक समकालीन झाले आहेत. हिंसेचा उद्घोष चहुबाजूंनी होत असतांना अहिंसेचे तत्वज्ञान सांगणारे बापू मला महत्त्वाचे वाटतात. 'An eye for an eye will make the whole world blind' हे त्यांचं सुप्रसिद्ध वाक्य आजच्या युद्धखोरीच्या जमान्यात आवर्जून सांगायला हव.

आज त्यांच्या या विचारांची बेरोजगारीचा भस्मासूर माजलेला असतांना आठवण होते. बापूंनी 3H ही शैक्षणिक संकल्पना मांडली. त्यात Heart, Head and Hand यांचा समावेश होता. या तिन्ही बाबी ँकत्र येऊन जो विकास होईल, तोच व्यक्तिचा आणि राष्ट्राचा विकास, असे ते म्हणत. त्यांची ही शिकवण आज आपण कुठेतरी विसरलो आहोत. त्यांचे शिक्षणविषयक विचार आजच्याच काळाशी सुसंगत आहेत असे नव्हे तर कितीतरी पुढचा विचार करणारे आहेत.

खुशबु डाखोळे

बी.कॉम. २ (M)

(प्रथम पुरस्कार प्राप्त निबंध)

नाटककार पु.ल. देशपांडे

(जन्मशताब्दी वर्षानिमित्त)



पुरुषोत्तम लक्ष्मण देशपांडे
(जन्म : मुंबई, ८ नोव्हेंबर १९१९,
मृत्यू : पुणे, १२ जुन २०००)

हे लोकप्रिय मराठी लेखक, नाटककार, नट, कथाकार व पटकथाकार, दिग्दर्शक आणि संगीत दिग्दर्शक होते. त्यांना महाराष्ट्राचे लाडके व्यक्तित्व असे म्हटले जाते. त्यांच्या आद्याक्षरांवरून महाराष्ट्रात ते प्रेमाने पु.ल. म्हणून ओळखले जायचे. लेखक आणि कवी वामन मंगेश दुभाषी ऊर्फ ऋग्वेदी हे पु.ल. देशपांड्यांचे आजोबा होते. आणि सतीश दुभाषी हे मामेभाऊ आहेत.

गुळाचा गणपती या सबकुछ पु.ल. म्हणून गाजलेल्या चित्रपटात त्यांच्या प्रतिभेच्या विविध पैलूंचे दर्शन घडते. पु.ल. देशपांडे हे शिक्षक, नट, नकलाकार, गायक, नाटककार, विनोदकार, कवी, पेटीवादक, संगीत दिग्दर्शक, वक्ते होते. त्यांनी एकपात्री, बहुपात्री, नाटक, चित्रपट, नभोवाणी, दूरचित्रवाणी अशा सर्व क्षेत्रांत काम केले. पु.ल. देशपांडे यांचे मराठी भाषेवर विलक्षण प्रभुत्व होते. त्यांच्या भाषाप्रभुत्वाचे अनेक किस्से आहेत.

जीवन - देशपांडे यांचा जन्म मुंबईतील गावदेवी भागात झाला. त्यांचे बालपण जोगेश्वरी येथील सारस्वत कॉलनीत गेले. त्यांनी पार्ले टिळक विद्यालयात शालेय शिक्षण घेतले आणि नंतर पुण्याच्या फर्ग्युसन महाविद्यालयात आणि सांगलीच्या विलिंग्डन महाविद्यालयात ते शिकले. १९४० च्या दशकात साहित्य क्षेत्रात पदार्पण करण्यापूर्वी त्यांनी शाळेमध्ये शिक्षक या नात्यानेही काही काळ काम केले. ते १९४६ साली सुनीताबाईंशी विवाहबद्ध झाले.

मराठी साहित्य व संगीतातील योगदानाव्यतिरिक्त पु.ल. यांचे आकाशवाणी, दूरदर्शन, नाट्य व चित्रपट क्षेत्रातील कार्य लक्षणीय आहे. ते उत्तम संवादिनी वादक होते, तसेच त्यांनी काही चित्रपटांचे संगीत दिग्दर्शनही केले. १२ जून, २००० रोजी वयाच्या ८१ व्या वर्षी पुण्यातील प्रयाग रुग्णालयात त्यांचे निधन झाले.

बालपण व शिक्षण

देशपांडे यांचे वडील हे अडवाणी कागद कंपनीत दीडशे रुपये पगारावर फिरते विक्रेते होते. फिरतीवर असतांना जेवण्या खाण्याचा भत्ता मिळे. एकदा कोल्हापूरला असतांना ते बहिणीकडे जेवले. त्यादिवशी त्यांनी भत्ता घेतला नाही अशी आठवण पु.ल. देशपांडे यांनी सांगितली.

देशपांडे लहानपणापासूनच धष्टपुष्ट होते. वयाच्या दुसऱ्या वर्षी ते पाच वर्षांच्या मुलाएवढे दिसायचे. ते हुशार होते. त्यांना स्वस्थ बनण्यासाठी घरचे लोक पैसा देऊ करायचे, पण हे त्यांना जमले नाही. आजोबांनी लिहून दिलेले आणि पु.ल.नी पाठ केलेले दहा पंधरा ओळींचे पहिले भाषण वयाच्या पाचव्या वर्षी त्यांच्या शाळेत हावभावासहित खणखणीत आवाजात म्हणून दाखविले. सात वर्षे अशी भाषणे केल्यानंतर वयाच्या बाराव्या वर्षापासून देशपांडे स्वतःची भाषणे स्वतःच लिहायला लागले आणि इतरांनाही भाषणे आणि संवाद लिहून देऊ लागले.

देशपांडे यांना घरात वाचन करायला आणि रेडिओवरील संगीत ऐकायला मिळाले. त्यांच्या घरी संगीताच्या बैठकाही होत असत. ते घरीच बाजाची पेटी शिकले. एकदा बालगंधर्व आले असतांना पु.ल. नी त्यांना पेटी वाजवून दाखविली. बालगंधर्वानी शाबासकी दिली आणि भावी कलाजीवनासाठी शुभेच्छा दिल्या. लोकांच्या वाक्यातील विसंगती आणि हास्यास्पद गोष्टी हेरून पु.लं. त्या लोकांच्या नकला करायचे, म्हणून घरी कुणी आले असतांना पुरुषोत्तम जवळ नसलेलाच बरा असे आईला वाटे. देशपांड्यांची आई कारवारी, वडील कोल्हापुरचे आणि बहीण कोकणात दिलेली, त्यामुळे घरात भोजनात विविधता असे. यातूनच पु.लं. खाण्याचे शौकीन झाले.

वडिलांच्या मृत्यूनंतर देशपांडे पेटिच्या व अन्य शिकवण्या करू लागले. ते शाळेत असल्यापासूनच भावगीते गायचे आणि गीतांना चाली लावायचे. कॉलेजात असतांना त्यांनी बढीराजा यांच्या 'माझिया माहेरा जा' या कवितेला चाल लावली. आज ते गाणे मराठी भाव संगीतातील अनमोल ठेवा समजला जाते. ग.दि. माडगूळकरांनी लिहिलेल्या आणि भीमसेन जोशींनी गायलेल्या इंद्रायणी काठीला पु.लं. नी चाल लावली होती. हेही गाणे अजरामर झाले.

कॉलेजमध्ये असतांना पु.ल. गायकांना साथ करीत. पु.ल. पेटी वाजवत, त्यांचा भाऊ रमाकांत तबला आणि मधुकर गोळवलकर सारंगी वाजोवीत. मिळालेले १५ रुपये तिघेही वाटून घेत. पार्ले टिळक विद्यालयातून माध्यमिक शिक्षण पूर्ण करून पु.ल. देशपांडे मुंबईतील इस्माईल युसुफ कॉलेजातून इंटर व सरकारी लॉ कॉलेजमधून एल.एल.बी. झाले आणि कलेक्टर व प्राप्तीकर विभागात काही काळ नोकरी करून पुण्याला आले. त्यापूर्वी ते पेट्रोल रेशनिंग ऑफिसमध्ये कारकून आणि ओरिएंटल हायस्कूल मध्ये शिक्षक होते. पुण्याला आल्यावर त्यांनी फर्ग्युसन कॉलेजमधून बी. ए. आणि नंतर एम.ए. केले.

लेखक - अभिनेते - नाटककार म्हणून कारकिर्दीची सुरुवात

१९३७ पासून नभोवाणीवर पु.ल. देशपांडे छोट्या मोठ्या नाटकांत भाग घेऊ लागले. त्यावर्षी त्यांनी अनंत काणेकऱ्यांच्या 'पैजार' या श्रुतीकेत काम केले. १९४४ साली पु.ल. यांनी लिहिलेले पहिले व्यक्तिचित्र. भट्या नागपूरकर 'अभिरुची' या नियतकालिकातून प्रसिद्ध झाले. २०१४ मध्ये प्रकाशित झालेल्या 'बटाट्याची चाळ' हे विनोदी पुस्तक प्रकाशित झाले. फर्ग्युसन महाविद्यालयात असतांना देशपांडे यांनी चिंतामण कोल्हटकरांच्या 'ललित कलाकुंज' व 'नाटय निकेतन' या नाटयसंस्थांच्या नाटकांतून भूमिका करायला सुरुवात केली.

१९४८ साली पु.ल. देशपांडे यांनी 'तुका म्हणे आता' हे नाटक आणि 'बिचारे सौभद्र' हे प्रहसन लिहिले.

१९४७ ते १९५४ या काळात त्यांनी चित्रपटांमध्ये आणि चित्रपटांसाठी काम केले. वंदेमातरम्, दुधभात, आणि गुळाचा गणपती या चित्रपटात त्यांनी अष्टपैलू कामगिरी केली. या चित्रपटांत कथा, पटकथा, काव्य, संगीत, भूमिका आणि दिग्दर्शन सर्वच पु.ल. यांचे होते. १९४७ सालच्या मो.ग. रांगणेकरांच्या कुबेर चित्रपटाला देशपांडे यांनी संगीत दिले आणि चित्रपटातील गाणी देखील गायले. पु.ल. देशपांडे यांचा 'देवबाप्पा' प्रसिद्ध झाला. 'पुढच पाऊल' या चित्रपटात त्यांनी कृष्णा महाराची भूमिका केली. 'नाच रे मोरा' हे गाणे अनेक दशके प्रसिद्धित राहिले.

नभोवाणी आणि दूरचित्रवाणी

१९३७ पासून पु.ल. चा नभोवाणीशी संबंध आलाच होता. १९५५ मध्ये 'आकाशवाणीत' 'ऑल इंडिया रेडिओत' नोकरीला लागले. आकाशवाणीसाठी त्यांनी अनेक श्रुतीका लिहिल्या व भाषणे

दिली. १९५६-१९५७ मध्ये ते आकाशवाणीवर प्रमुख नाट्यनिर्माता झाले. बदलीवर दिल्लीला गेले. १९५८ मध्ये त्यांना आकाशवाणीने युनेस्कोच्या शिष्यवृत्तीवर मीडिया ऑफ मास कम्युनिकेशन या अभ्यासक्रमासाठी लंडनला बीबीसीकडे पाठविले. १९५९ मध्ये पु.ल. देशपांडे भारतातील पहिले दूरचित्रवाणी निर्माते झाले. दिल्ली दूरदर्शन सुरू झाले त्यावेळचा पहिला कार्यक्रम देशपांडे यांनीच निर्माण केला होता. दूरदर्शनवरील बिरजू महाराजांच्या नृत्याचा कार्यक्रम होता. संथ गतीत सुरू झालेल्या नृत्याची लय वाढत चौपट झाली. अश्या वेळी त्या द्रुतगतीतही तबला वाजवून पु.ल. यांनी आपले तबला प्राविण्य दाखवून दिले.

उल्लेखनीय

दूरदर्शनच्या पहिल्यावहिल्या प्रसारणासाठी पंडित नेहरूंची मुलाखत घेणारे पु.ल. देशपांडे हे भारतीय दूरदर्शनचे पहिले मुलाखतकार होते.

साहित्य अकादमी, संगीत नाटक अकादमी या दोहोंच्या पुरस्कारांत पु.ल. यांचा समावेश होतो.

मुंबईच्या 'नॅशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स' (NCPA) या संस्थेत पु.ल.नी अनेक प्रयोग केले. मराठी नाटकाचा आरंभापासूनचा इतिहास त्यांनी अशा जबरदस्त प्रयत्नांनी जमा केला की त्यांच्यावरून स्फूर्ती घेऊन भारतातील अनेक जणांनी त्यांच्या प्रांतांतील कलांचा इतिहास जमा करून नोंदवायची सुरुवात केली. पु.ल. देशपांडे भाषाप्रेमी होते. त्यांना बंगाली, कानडी, येत असल्याने ते त्या त्या समाजातील लोकांत सहज मिसळत. पु.ल. देशपांडे यांच्या जीवनावर महेश मांजरेकरांनी 'भाई व्यक्ती की वल्ली' या नावाचा मराठी चित्रपट काढला आहे. पु.ल. देशपांडे यांच्या साहित्यकृतींवर आजवर बरीच नाटके आणि चित्रपट झाले आहेत. शिवाय त्यांच्या साहित्यावर आधारित 'नमुने' नावाची हिंदी मालिका येत असून, 'सोनी सब या वाहिनीवर ही मालिका प्रसारित होणार आहे. यामध्ये सुबोध भावे आणि इतर काही मराठी आणि हिंदी कलावंतांची फौज आपणास पहावयास मिळेल.

श्रद्धा कळंबे
बी.कॉम. २ (M)

सामर्थ्य

संकटांना कधी कंटाळायचं नसतं,
त्याला समोरचं जायचं असतं ।
कोणी नावे ठेवली तर थांबायचं नसतं,
अफाट चांगले काम करायचं असतं ।
अपमानाने कधी खचायचं नसतं,
जिद्दीने बळ वाढवायचं असतं,
नाराज मुळीच व्हायचं नसतं,
चैतन्य सदा फूलवायचं असतं ।

पाय ओढले म्हणून परत जायचं नसतं,
पुढे आणि पुढे वाढायचं असतं ।
लोक निंदेला कधी घाबरायचं नसतं,
आपल सामर्थ्य दाखवायचं असतं ।
जीवनात खूप आनंदी राहायचं असतं,
आपल फक्त त्याकडे लक्ष नसतं ।
रागान कोणाला बोलायचं नसतं,
प्रेमाने मन जिंकायचं असतं ।

सिमरण टहिल्यानी
बी.कॉम. १ (E2)

विनम्र अभिवादन

नाटककार राम गणेश गडकरी

‘मंगल देशा, पवित्र देशा, महाराष्ट्र देशा।
प्रणाम घ्यावा माझा हा श्री महाराष्ट्र देशा।



असे अप्रतिम काव्य लिहिणारे गोविंदाग्रज, त्यांचा जन्म २६ मे १८८५ रोजी झाला. मुळासकट माणुसकीला, सिंधूसकट संसाराला, सद्गुणासकट सुखाला, जगासकट जगदिश्वराला या सुधाकराच्या नाटककार राम गणेश गडकरी ! बाळकराम या टोपण नावाने विनोदी लेखन करणारे गडकरी। मा. राम गणेश गडकरी म्हणजे मराठी नाट्य-साहित्य क्षेत्रातला चमत्कारच आहे.

गडकरी यांचे शालेय शिक्षण पुण्यातील न्यू इंग्लिश स्कूल व त्यानंतरचे शिक्षण फर्ग्युसन महाविद्यालयात झाले. महाविद्यालयात शिकत असतांना मित्राच्या ओळखिने गडकरी ‘किर्लोस्कर नाटक मंडळीत’ दाखल झाले. या किर्लोस्कर नाटक मंडळीने चालवलेल्या रंगभूमी नावाच्या मासिकातून, तसेच शिवराम महादेव परांजपे यांच्या काळ वृत्तपत्रातून व हरिभाऊ आपट्यांच्या ‘करमणूक’ नियतकालिकातून ते कविता, लेख लिहू लागले. कविता व लेखांसोबत ते नाट्यलेखनही करू लागले. गडकऱ्यांच्या अनेक नाटकांची नावे ही पाच अक्षरीच आहेत. त्यांची नाटके हा आजही अनेकांच्या अभ्यासाचा विषय आहे. भावबंधन, एकच प्याला सारख्या नाटकांची तर आजही एव्हरग्रीन म्हणून जाहिरात केली जाते. वेड्याचा बाजार आणि राजसंन्यास ही त्यांची नाटके मात्र अपूर्ण राहिली. मराठीचे शेक्सपियर असा त्यांचा सार्थ उल्लेख होतो. तो मुख्यत्वे नाटकांसाठी. नुसती नाटकेच नाहित तर त्यांची सुधाकर, सिंधु, तळीराम, धनश्याम, लतिका वगैरे पात्रेही अजरामर झाली आहेत. काळ बदलला, खरे तर गडकऱ्यांनी हाताळलेले दारुबंदी सारखे विषयही कालबाह्य झाले, पण गडकऱ्यांची नाटके सदाहरित राहिली याचे श्रेय त्या देवदुर्लभ अशा लेखणीला द्यायला हवे. राम गणेश गडकरी या नावाने नाटके लिहिणारे गोविंदाग्रज नावाचे काव्यलेखन आणि विनोदी लेखनही केले, सुरुवातीला ‘मनोरंजन’ नावाच्या मासिकेत ‘रिकामपणाची कामगिरी’ सारखे विनोदी लेखन ते करू लागले होते. तेव्हा ते ‘नाटक्या’, ‘सावई नाटक्या’ या टोपण नावांनी लेखन करत असत. ‘संपूर्ण बाळकराम’ या पुस्तकात त्यांचे विनोदी लेखन ते करू लागले हाते.

नाट्यछटेपासून ते संवाद आणि विंडबनापर्यंत विविध प्रकारांतून गडकऱ्यांनी विनोद हाताळला. संपूर्ण बाळकरामचे पानन्पान खरोखरीच उच्च अभिरुचीच्या हास्यरसाची निर्मिती करणारे आहे. पुढे त्यांतील काही लेखांचा संग्रह ‘रिकामपणाची कामगिरी’ ह्या नावाच्या पुस्तकरूपाने प्रसिध्द झाला. राम गणेश गडकरी यांचे २३ जानेवारी १९१९ रोजी निधन झाले.

हार्दिक लाखनकर
बी.कॉम. २



कथाकार, अरविंद विष्णू गोखले

(जन्मशताब्दी वर्षानिमित्त)

अरविंद विष्णू गोखले यांचा जन्म सांगली जिल्ह्यातील इस्लामपूर येथे १९ फेब्रुवारी १९१९ ला झाला, तर मृत्यू २४ ऑक्टोबर १९९२ ला झाला. हे एक मराठी लघुकथा लेखक. त्यांचे शिक्षण पुणे व मुंबई येथे बी.एस.सी. पर्यंत. १९४०-१९४१ मध्ये 'दक्षिण फेलो' होण्याचा बहुमान त्यांना प्राप्त झाला. पुढे त्यांनी दिल्लीच्या 'इंपिरिअल अँग्लिकल्वर रिसर्च इन्स्टिट्यूट' मधून 'सायटी निटिक्सचा अभ्यासक्रम पूर्ण केला.

अमेरिकेतील विस्कॉन्सिन विद्यापीठात तांत्रिक वृत्तपत्रविद्येचा अभ्यास करून त्यांनी 'एम.एस.' ही पदवी मिळविली. १९४३ पासून त्यांनी पुण्याच्या शासकीय कृषी महाविद्यालयात संशोधन आणि अध्यापन केले. १९६३ नंतर ते मुंबईच्या घरमसी कंपनीत नोकरी करीत होते.

'हेअर कटिंग सलून' ही त्यांची पहिली कथा पुण्याच्या सर परशुरामभाऊ महाविद्यालयाच्या नियतकालिकात इ.स. १९३५ मध्ये प्रसिध्द झाली. त्यानंतर त्यांनी साडेतीनशेहून अधिक कथा लिहिल्या. त्यांच्या बऱ्याच कथा 'नजराणा' (१९४४) ते 'हागिना' (१९७२) पर्यंत कथासंग्रहात समाविष्ट करण्यात आलेल्या आहेत. 'कातरवेळ', मंजुळा, रिक्ता, कॅक्टस, विध्वहर्ती ह्या त्यांच्या काही विशेष उल्लेखनीय कथा होत.

अरविंद गोखले यांच्या अनेक कथांचे युरोपीय व भारतीय भाषांतून अनुवाद झालेले आहेत. स्वतंत्र कथालेखनाखेरीज काही वेचक अमेरिकन कथांचे अनुवाद त्यांनी केले आहेत. तसेच ना.सी. फडके, वामन चोरघडे, व्यंकटेश माडगूळकर ह्यांच्या निवडक कथांचे संपादन केले आहे. त्यांनी मराठीतील १९५९ ते १९६३ मधील निवडक कथांची वार्षिके प्रसिध्द केले आहेत. अमेरिकेस पहावे जाऊन हे अरविंद गोखले यांचे प्रवासवर्णनवर पुस्तक आहे. गोखल्यांनी अनेक लेखने केली आहेत. गोखल्यांची कथा ही सतत वाचकांना जगण्याचे बळ देत राहिली. त्यांची बलात्कारित 'जान्हवी' देखील जननिंदेने मोडून पडत नाही किंवा मृत्यूला कवटाळत नाही उलट ती निर्धाराने जागण्याला सामोरी जाते. त्यांच्या 'विध्वहर्ती' तील निपुत्रिक काकू, माणलेल्या मुलाच लग्न मोडू नये म्हणून आपले पती निधनाचे दुःख दडवून सामान्यांमध्ये दडलेल्या असामान्यत्वाचे दर्शन घडवते. समग्र गुंतागुंतीच्या जीवन वास्तवाचे भान ठेऊन अभिव्यक्त होत गेलेल्या त्यांच्या कथा म्हणूनच हिंदी इंग्लिशबरोबरच रशियन, जर्मन भाषांतही अनुवादित होऊन गेल्या. आता बुकर वगैरेसारखे कैक साहित्य पुरस्कार आशियाई लेखकांना मिळताना दिसतात पण चक्क १९५९ साली लंडनच्या 'एन्काउंटर' मासिकाने घेतलेल्या आफ्रिकी, अरबी, आशियाई कथा स्पर्धेचे पारितोषिक गोखल्यांच्या 'गंधवार्ता' या इंग्रजीत अनुवादित कथेने पटकावले होते हे का विसरले जाते ?

अरविंद गोखले यांच्या अनामिका, मिथिला आणि शुभा या तीन कथासंग्रहांना महाराष्ट्र शासनाची पारितोषिके मिळाली आहेत. तसेच त्यांच्या 'गंधवार्ता' ह्या कथेस एनकाउंटर ह्या आंतरराष्ट्रीय दर्जाच्या इंग्रजी मासिकाचे आशियाई अरबी-आफ्रिका कथास्पर्धेचे पारितोषिके मिळाले होते.

अरविंद गोखल्यांच्या 'कथाकृती' अरविंद गोखले हा समीक्षाग्रंथ सिध्द केला. ग्रंथालीने प्रकाशित केलेला हा ग्रंथ 'मराठी' 'राजभाषादिनी' मुंबई मराठी ग्रंथसंग्रहालयाने डॉ. नागनाथ कोत्तापल्ले यांच्या अध्यक्षतेखाली गोखले जन्मशताब्दी प्रारंभ सोहळ्यात प्रकाशित केला. मुख्य म्हणजे कुठल्याही ग्रंथ प्रकाशन सोहळ्यात जेमतेम दहा-बारा प्रती विकल्या जातात. असा प्रकाशकांचा अनुभव असतो. पण त्या सोहळ्यात मात्र ग्रंथालीने सोबत आणलेल्या सर्वच्या सर्व नव्वद प्रतींची विक्री हातोहात होऊन गेली तरी प्रत कुठे मिळेल ? हे लोक विचारतच राहिले. त्याहून विशेष म्हणजे त्या कार्यक्रमापासून प्रेरणा घेऊन उरणपासून ठाण्यापर्यंत गावोगावची नगर वाचनालये, महिला मंडळे गोखल्यांच्या कथांचे वाचन त्यांच्या साहित्यगुणांचा आढावा घेणारी स्थानिक मराठीच्या प्राध्यापकांचे भाषण, चर्चासत्रे अशा विविध प्रकारे गोखले जन्मशताब्दीचा एक तरी कार्यक्रम हरमहा साजरा करीत आहेत.

कु. पुजा इसपांडे
बी.कॉम. २ (M)



मेहनत

प्रत्येकांचं ध्येय असतं, प्रत्येकालाच काही ना काही
बनायचं असतं...

मेहनत घेऊनच तर समोर जायचं असतं.... ।।८।।

प्रत्येकजण म्हणतो मी बनेल डॉक्टर, इंजिनिअर, लॉयर
IPS Officer, तर कुणाला शेतीत मोतीत पिकवायचा असतो,
प्रत्येकाचं ध्येय असतं.... ।।९।।



परिक्षेत टक्के घेणे यावर अवलंबून नसते भविष्य,
मेहनतीला जोर देऊन घडवायचं असते आयुष्य
प्रत्येकाचं ध्येय असतं.... ।।१०।।

आपण किती मोठ्ठ झालो ? यासाठी चटकन उत्तर येत असतं,
पण कसं मोठ्ठ झालो म्हटलं तर डोळ्यातल पाणी
पापणीत साठवत असतं...
प्रत्येकांचं ध्येय असतं.... ।।११।।

मनामध्ये कुठलाही प्रश्न राहो त्याचं समाधान करायचं असतं,
कुणी हसेल म्हणून मागे सरायचं नसतं....
प्रत्येकाचं ध्येय असतं.... ।।१२।।

स्वर्गात जायला तर सर्वाना आवडतं असतं,
परंतु मरायला कुणीच तयार नसतं.
पैसा घरबसल्या येईल असं सर्वाना वाटत असतं
परंतु मेहनत मात्र कुणीच घेत नसतं...
प्रत्येकाचं ध्येय असतं.... ।।१३।।

समीक्षा भूसारी
बी.कॉम. १ (E2)

नाटककार राम गणेश गडकरी

राम गणेश गडकरी यांचे टोपणनाव गोविंदाग्रज आणि बाळकराम हे होते. त्यांचा जन्म २६ मे १८८५ मध्ये गणदेवी, जि. नवसारी, गुजरात येथे झाला. राम गणेश गडकरी यांच्या वडिलांचे नाव गणेश वासुदेव गडकरी होते. आणि आईचे नाव सरस्वतीबाई गणेश गडकरी होते. राम गणेश गडकरी यांच्या प्रथम पत्नीचे नाव सीताबाई गडकरी आणि द्वितीय पत्नीचे नाव रमाबाई गडकरी हे होते.



राम गणेश गडकरी यांच्या वयाच्या ८ व्या वर्षीच त्यांचे वडील गणेश वासुदेव गडकरी निवर्तले. वडिलांच्या मृत्यूनंतर त्यांचा धाकटा भाऊ गोविंदही अकालीच मरण पावला. या कौटुंबिक धक्क्यातून सावरतांना गडकरीचे कुटुंब पुण्यात स्थायिक झाले. गडकऱ्यांचे शालेय शिक्षण पुण्यातील न्यू इंग्लिश स्कूलमध्ये व त्यानंतरचे शिक्षण फर्ग्युसन महाविद्यालयात झाले.

महाविद्यालयात शिकत असतांना मित्रांच्या ओळखीने गडकरी 'किलोस्कर नाटक मंडळीत' दाखल झाले. या किलोस्कर नाटक मंडळीने चालवलेल्या रंगभूमी नावाच्या मासिकातून, तसेच शिवराम महादेव परांजपे यांच्या 'काळ' वृत्तापत्रातून व हरिभाऊ आपट्यांच्या 'करमणूक' नियतकालिकातून ते कविता, लेख लिहू लागले. कविता व लेखांसोबतच ते नाटयलेखनही करू लागले.

राम गणेश गडकरी हे मराठी कवी, नाटककार आणि विनोदी लेखक होते. 'वाग्वैजयंती' हा गडकरींचा एकमेव काव्यसंग्रह आहे. यात मुक्त छंदापासून ते छंदबद्ध कवितेपर्यंत, आणि चार ओळींच्या कवितेपासून ते दहा पाने भरतील एवढ्या दीर्घकवितांपर्यंत अनेक प्रकार त्यांनी त्यात हाताळले आहेत. ते कवितांची पार्श्वभूमी एखाद दुसऱ्या परिच्छेदात सांगून नंतर कविता सादर करीत आपले लहान बालक मृत्युशय्येवर असतानाची मातेची मनःस्थिती 'राजहंस माझा निजला' ह्या कवितेत गडकऱ्यांनी मांडलेली आहे. त्या कवितेच्या प्रस्तावनेचा तो परिच्छेद वाचला की कवितेत शिरण्याची एक विशिष्ट मनःस्थिती तयार होते. कविता लेखनासाठी गडकऱ्यांनी गोविंदाग्रज हे टोपण नाव धारण केले. गोविंदाग्रज ह्या टोपणनावाने त्यांनी सुमारे १५० कविता लिहिल्या.

गडकऱ्यांच्या अनेक नाटकांची नावे ही पाच अक्षरीच आहेत. त्यांची नाटके हा आजही अनेकांच्या अभ्यासाचा विषय आहे. भावबंधन, एकच प्याला यासारख्या नाटकांची तर आजही एव्हरग्रीन म्हणून जाहिरात केली जाते. वेड्याचा बाजार आणि राजसंन्यास ही त्यांची नाटके मात्र अपूर्ण राहिली. गडकरी दीर्घायुषी झाले असते तर ती नाटके पूर्ण झालीच असती पण आणखी काही नव्या नाटकांचीही त्यात भर पडली असती. मराठीचे शेक्सपियर असा त्यांचा सार्थ उल्लेख होतो. तो मुख्यत्वे नाटकांसाठीच. नुसती नाटकेच नाहीत तर त्यांची सुधाकर, सिंधू, तळीराम, घनश्याम लतिका वगैरे पात्रेही अजरामर झाली आहेत. काळ बदलला, खरे तर गडकऱ्यांनी हाताळलेले दारुबंदीसारखे विषयजी कालबाह्य झाले, पण गडकऱ्यांची नाटके सदाहरित राहिली याचे श्रेय त्या देवदुर्लभ अशा लेखनीलाच द्यायला हवे.

गडकऱ्यांचे विनोदी लेखन त्यांच्या संपूर्ण बाळकराम ह्या पुस्तकात एकत्रितपणे मिळते. नाट्यछटेपासून ते संवाद आणि विंडबनापर्यंत विविध प्रकारातून गडकऱ्यांनी विनोद हाताळला. संपूर्ण बाळकरामचे पानन्पान खरोखरीच उच्च अभिरुचीच्या हास्यरसाची निर्मिती करणारे आहे. राम गणेश गडकऱ्यांनी 'मासिक मनोरंजन मध्ये 'बाळकराम' ह्या टोपण नावाने विपूल लेखन केले.

पुढे त्यांतील काही लेखांचा संग्रह 'रिकामपणाची कामगिरी' ह्या नावाच्या पुस्तकरूपाने प्रसिध्द झाला.

नाटके, काव्य आणि विनोदी लेखन ह्या तीन मुख्य प्रकारांच्या बाहेर वर्गीकरण करावे लागेल असे लेखन अन्य साहित्य ह्या विभागात समाविष्ट केले आहे. चिमुकली इसापनीती हे गडकऱ्यांचे सर्वात छोटे म्हणजे जेमतेम दहा पानांचे पुस्तक बालकांसाठी आहे. त्यात मुलांसाठी इसापनीतीतील गोष्टी आहेत या पुस्तकांच्या कथालेखनाचे वैशिष्ट्य असे की, गडकऱ्यांनी जाणीवपूर्वक एकही जोडाक्षर आपल्या ह्या लिखाणात येऊ दिलेले नाही.

राम गणेश गडकरी यांचा मृत्यू २३ जानेवारी १९१९ मध्ये सावनेर जिल्हा नागपूर येथे झाला. राम गणेश गडकरी यांचा अर्धपुतळा पुण्याच्या संभाजी उद्यानात उभा करण्यात आला. २३ जानेवारी १९६२ रोजी आचार्य अत्रे यांच्या हस्ते या पुतळ्याचे अनावरण झाले.

राम गणेश गडकरी यांच्या नावाने महाराष्ट्रात अनेक स्पर्धा आयोजित केल्या जातात. त्यातल्या काही या.

गडकरी करंडक स्पर्धा :- अखिल भारतीय मराठी नाट्य परिषदेची पिंपरी-चिंचवड शाखा ही स्पर्धा भरवते. या करंडकासाठीची १५ वी स्पर्धा चिंचवड येथे २० ते २२ जानेवारी २०१४ या दिवसात झाली.

गडकरी नाट्यलेखन स्पर्धा :- या स्पर्धा देवयानी प्रकाशन, अखिल भारतीय मराठी नाट्य परिषद (नागपूर शाखा) अंकूर वाचनालय, चांदूर (अकोला जिल्हा), अखिल भारतीय मराठी नाट्य परिषद (मुंबई शाखा) वगैरे संस्था घेतात.

राम गणेश गडकरी यांचे अन्य साहित्य

- चिमुकली इसापनीती ■ समाजात नटाची जागा
 - नाट्य कलेची उत्पत्ती ■ गुरु श्रीपाद कृष्ण कोल्हटकर यांना पत्र
- नागपूरमध्ये 'राम गणेश गडकरी' या नावाचा एक साखर कारखाना आहे.

साक्षी आमले
एम.कॉम. २ (E)

आज क्षणभर

का कुणास ठाऊक ?
आज क्षणभर थांबावसं वाटतं.
हरवलं मन,
पुन्हा शोधावसं वाटतं.
अशांत मन
शांत करावसं वाटतं.
होऊन अपेक्षामुक्त
चिंतामुक्त व्हावसं वाटतं.
थांबवून धडपड सारी

आज स्तब्ध व्हावसं वाटतं.
भरल्यापोटी शांत निजावसं
वाटत.
आज जन्म आणि मृत्यू
अंतर विसरावसं वाटतं.
का कुणास ठाऊक ?
थोडसं प्रेम, आज
स्वतःवर करावसं वाटतं ।।

मयुरी शिवनकर
एम.कॉम. १ (M)

जिद्दीचा पंच

“या देवी सर्व भूतेषु शक्तीरूपेणे संस्थिता
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः”



हे वचन सिध्द झाले आहे. स्त्री ही आदिशक्तीचे रूप आहे. तिच्यामध्ये अफाट शक्ती आहे. परमेश्वराने स्त्रीला सहनशिलतेचे सुंदर वरदान दिलेय. त्यामुळे आयुष्यात कितीही कसोटीचे, दुःखाचे प्रसंग आले तरी चटकन सावरणारी, खंबीरपणे उभी राहणारी ही स्त्रीच असते. याचे अतिशय स्फुर्तीदायक उदाहरण म्हणजे मेरी कोम.

माझ्या प्रत्येक पदामागे एक वेगळा संघर्ष आहे. हे मेरीचे वाक्य किती बोलके आहे याची प्रचिती तिच्या जीवनातील प्रवासाच्या प्रत्येक टप्प्यावर नजर टाकतांना येते. एक मुलगी म्हणून बॉक्सिंग खेळण्यावर वडिलांनी घातलेली बंदी. बॉक्सिंगपटू बनण्याच्या तिच्या स्वप्नांची समजाकडून उडवली जाणारी थट्टा, लग्नानंतर आलेल्या मातृत्वाची जबाबदारी या सर्व प्रसंगांना ‘पंचिंग बॅग’ प्रमाणे ठोसे लगावून ती पुढे चालत राहिली. दिल्ली येथे झालेल्या आशियाई स्पर्धेत सहावे सुवर्णपदक जिंकून भारतातील प्रत्येक स्त्रिची गर्वाने मान उंच करणाऱ्या या मेरीने कर्तृत्वाची प्रचीती पुन्हा घडविली.

मेरीचा संपूर्ण जीवनप्रवास ही एक अनोख्या ध्यासाची आणि जिद्दीची कहाणी आहे. ईशान्य भारतातून आलेल्या मेरीने गेल्या दोन दशकांपासून बॉक्सिंगमध्ये आपल्या यशाचे दमदार पंचे लगावले आहेत.

जिंदगी कांटो का सफर है,
हौंसला इसकी पहचान है,
रास्ते पर तो सभी चलते है,
जो रास्ता बनाये वही इन्सान है।

आज कोट्यावधी वडील असतील की ज्यांनी आपल्या मुलीच्या हातात बाहुली न देता बॉक्सिंग ग्लोब्स दिले असतील. मुलींनी अबला न राहता दुर्गा बनाव हा त्यामागचा हेतू आणि हे परिवर्तन आज मेरीकोममुळे शक्य झाले.

स्वप्नांना मुरड घालून संसारात अडकलेल्या प्रत्येक गृहिणीची आज मेरीकोम ही साक्षीदार आहे. तीन मुलांची आई असतांना देखील आपली जबाबदारी योग्यपणे पार पाडून जिद्दीने व चिकाटीने ती तिच्या मुलांची सुपर मॉम बनली आहे. महिलांना सशक्त करण्यासाठी तू वाढविले. वटवृक्ष वाढतच राहणार आहे. आज त्या वटवृक्षाला जागतिक पदकाने पुन्हा खत घातलेस. इतिहासाच्या त्या प्रत्येक पानावर तुझ्या कर्तृत्वाची शाई झळकली.

आज यशाच्या ज्या शिखरावर मेरी जावून स्वतःला बघते तेव्हा ती या संघर्षाच्या मार्गातून मिळालेल्या यशाकडे बघून आनंदाचे अश्रू पाडते. मेरी ही त्या प्रत्येक स्त्रीचे प्रतिभावंतशाली रूप आहे. ज्यांना संसाररूपी गाढ्यातून जातांना अनेक काटेरी नावांच्या मार्गाला सामोरे जावे लागते. मेरी कोम यांना देखील वैयक्तिक आयुष्यात अनेक संकटांचा सामना करावा लागला. मणिपूरमध्ये एका गरीब कुटुंबात जन्माला आलेल्या मेरीला जीवनाच्या कित्येक क्षणामध्ये पंच मिळाले. तरीदेखील आज ती स्वतः सारखी भारतातील १००० मेरी कोम तयार करण्याच स्वप्न बघते आहे.

पाणी वाहत असते

त्यामुळे त्याला वाट सापडत असते

त्याचप्रमाणे जो प्रयत्न करतो

त्याला सुखाचा व यशाचा मार्ग

नक्कीच सापडू शकतो

३४ व्या वर्षी, १७ वर्षांची कारकीर्द, ऑलिम्पिक. सहा जागतिक पदके आणि अनेक आशियाई जेतेपदे तरीही मेरीची जिंकण्याची भूक अजून संपलेली नाही अशा या दृढनिश्चयी मेरी कडून देशाच्या अपेक्षा उंचावत आहेत आणि त्या राहतील.

आचल ठाकरे

बी.कॉम. २ (M)

शब्द

बोलतांना जरा सांभाळून..

शब्दाला तलवारीपेक्षा धार असते

फरक फक्त एवढाच की,

तलवारीने मान तर

शब्दांनी मन कापले जाते

जरी तलवारीच्या जखमेतून रक्त

आणि शब्दांच्या जखमेतून अश्रू...

येत असले तरी

दोघांपासून होणारी वेदना मात्र सारखी असते,

म्हणून म्हणतो शब्द जरा सांभाळून...

शब्दाला तलवारीपेक्षा धार असते

शब्दच माणसाला जोडतात आणि

शब्दच माणसाला तोडतात

हे शब्दच आहेत, ते कधी रामायण

तर कधी महाभारत रचतात

तुझ्या एका शब्दावर माझे सर्वस्व अवलंबून आहे,

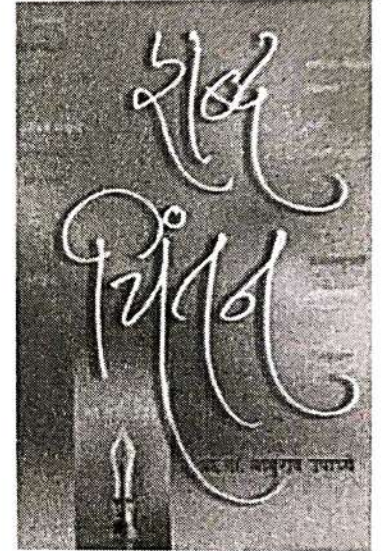
तुझ्या एका शब्दावर माझे हसणे

तर तुझ्या एका शब्दावर माझे रडणे

अवलंबून असते.

म्हणून म्हणते शब्द जरा सांभाळून रे

शब्दाला तलवारीपेक्षा धार असते



पल्लवी निखुरे

बी.कॉम. ३ (M)



पुरूषोत्तम लक्ष्मण देशपांडे यांचे

अष्टपैलू व्यक्तिमत्त्व

काही माणसो जन्मतःच असे
काहीतरी लेण घेऊन येतात की,
त्यांच्यापुढे मी मी
म्हणणारे उगीचच हतबल होतात

असेच प्रभावी व्यक्तिमत्त्व घेऊन जन्मलेले पु.ल. देशपांडे यांचा जन्म मुंबईतील गावदेवी भागात आला. त्यांचे बालपण जोगेश्वरी येथील सारस्वत कॉलनीत गेले. त्यांनी पार्ले टिळक विद्यालयात शालेय शिक्षण घेतले आणि नंतर पुण्याच्या फर्ग्युसन महाविद्यालयात आणि सांगलीच्या विलिंग्डन महाविद्यालयात ते शिकले. १९४० च्या दशकात साहित्यक्षेत्रात पदार्पण करण्यापूर्वी त्यांनी शाळेमध्ये शिक्षक या नात्यानेही काही काळ काम केले. ते १९४६ साली सुनीताबाईशी विवाहबध्द झाले.

मराठी साहित्य व संगीतातील योगदानाव्यतिरिक्त पु.ल. चे आकाशवाणी, दूरदर्शन, नाट्य व चित्रपट क्षेत्रातील कार्य लक्षणीय आहे. ते उत्तम संवादिनी वादक होते, तसेच त्यांनी काही चित्रपटांचे संगीत दिग्दर्शनही केले.

लेखक-अभिनेते-नाटककार-म्हणून कारकिर्दीची सुरुवात : १९३७ पासून नभोवाणीवर पु. ल. देशपांडे छोट्या मोठ्या नाटिकांत भाग घेऊ लागले. त्या वर्षी त्यांनी अनंत काणेकरांच्या 'पैजार' या श्रुतिकेत काम केले. १९४४ साली पु.ल. यांनी लिहिलेले पहिले व्यक्तिचित्र. भट्या नागपूरकर अभिरुची या नियतकालिकातून प्रसिध्द झाले. याच दरम्यान त्यांनी सत्यकथामध्ये 'जिन आणि गंगाकुमारी' ही लघुकथा लिहीली. २०१४ मध्ये प्रकाशित झालेले 'बटाट्याची चाळ' हे त्यांचे विनोदी पुस्तक प्रसिध्द आहे.

फर्ग्युसन महाविद्यालयामध्ये असतांना देशपांडे यांनी चिंतामण कोल्हटकरांच्या 'ललितकलाकुंज' व 'नाट्यनिकेतन' या नाट्यसंस्थांच्या नाटकांतून भूमिका करायला सुरुवात केली.

१९४८ साली पु.ल. देशपांडे यांनी 'तुका म्हणे आता' हे नाटक आणि 'बिचारे सौभद्र' हे प्रहसन लिहिले. सत्याची जाणीव करतांना त्यांनी म्हटले की,

"भरलेला खिसा माणसाला 'जग' दाखवतो.... आणि रिकामा खिसा जगातील 'माणसं दाखवतो'. ज्याला शंभर किलो धान्याचं पोत उचलता येतं, त्याला ते विकत घेता येत नाही आणि ज्याला विकत घेता येतं त्याला उचलता येत नाही. विचित्र आहे पण 'सत्य' आहे.

त्यांनी आपल्या लिहिलेल्या कवितेत एक मौल्यवान संदेश दिला तो असा की, -

कुठेही बोलतांना आपल्या
शब्दांची उंची वाढवा,

आवाजाची उंची नको,

कारण, "पडणाऱ्या पावसामुळेच

शेती पिकते, विजेच्या

कडकडाटामुळे नव्हे."

असे मोलाचे संदेश देत पु.ल. देशपांडे यांनी एक अष्टपैलू व्यक्तिमत्त्व निर्माण केले. दूरदर्शनच्या पहिल्यावहिल्या प्रसारणासाठी पंडित नेहरूंची दूरदर्शनासाठी मुलाखत घेणारे पु. ल. हे भारतीय दूरदर्शनचे पहिले मुलाखतकार होते. साहित्य एकादमी, संगीत, नाटक, अकादमी या दोहोंचा पुरस्कार मिळविणाऱ्या मोजक्या प्रतिभावंतात पुलुं समावेश होतो.

पु.ल. भाषाप्रेमी होते. त्यांना बंगाली, कानडी येत असल्याने ते त्या त्या समाजातील लोकांत सहज मिसळत. पु.ल. देशपांडे यांच्या जीवनावर महेश मांजरेकरांनी 'भाई व्यक्ती की पल्ली' या नावाचा मराठी चित्रपट काढला आहे. पु.ल. देशपांडे यांनी १९४७ ते १९५४ या काळात चित्रपटांमध्ये आणि चित्रपटांसाठी काम केले. व अशा अनेक माध्यमांतून आपले व्यक्तिमत्त्व घडवले. व शेवटी हे अष्टपैलू व्यक्तिमत्त्व असलेले आपले लाडके पुरुषोत्तम लक्ष्मण देशपांडे हे वयाच्या ८१ व्या वर्षी पुण्यात प्रयाग रुग्णालयात असतांना व आपल्या जीवनाचे शेवटचे क्षण बघतांना म्हणतात की ह्या जगात येतांना जसा गुपचुप आलो तसा जातांना देखील आपल्या हातून या जगाला फारसा धक्का न लावता निधून जाण्याची इच्छा बाळगणारा असा मी एक असामी आहे. आणि असे म्हणत २१ जून २००० रोजी त्यांचे निधन झाले.

अवंती सहारे
बी.कॉम. २ (M)

विसरून जा !

किती सोप असत एखाद्याला आपल्या

आयुष्यातून दूर सारणं !

फक्त दोन शब्दात सारे नाते तोडता येतात

किती सहज म्हटल जात विसरून जा मला

का एवढ सोप असत विसरून जाण ?

का एवढ सोप असत आपणचं पुसून टाकण, रेखाटलेल चित्र

हातात हात धरून रात्रीच चांदणं मोजत

तासन् तास तुझ्या डोळ्यात डुंबनं

का एवढ सोप असत विसरून जाण

का एवढ सोप असत

आढवणीच सरण पेटवनं

तुझ्या सहवासातील सुंदर क्षणांना असं पुरून टाकनं

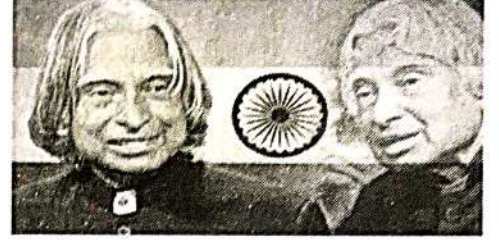


पल्लवी निखुरे
बी.कॉम. ३ (M)

माझे आवडते प्रेरणादायी व्यक्तित्व

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

भारताचे माजी राष्ट्रपती बुद्धिमान, जिज्ञासू, धर्मनिरपेक्षतेचे मूर्तिमंत प्रतिक, जागतिक किर्तीचे अवकाश शास्त्रज्ञ, अणुशक्ती संशोधक, भारताच्या अग्निपंखांना बळ देणारे राष्ट्रपती डॉ. ए.पी.जे. कलाम भारतरत्न पुरस्कृत महान व्यक्ती, मिसाइल मॅन हे माझे प्रेरणास्त्रोत आहे. त्यांना त्रिवार वंदन ! त्यांचा जन्म १५ ऑक्टोबर १९३१ रामेश्वरम या ठिकाणी झाला. त्यांचे पूर्ण नाव अवूल पाकीर



जैनुलाबद्दीन अब्दुल कलाम आहे. त्यांना मिसाइलमॅन या नावाने ओळखल्या जाते. ते भारताचे राष्ट्रपती तसेच त्यांना १९९० या साली पद्मभूषण आणि पद्मविभूषण या पुरस्काराने सन्मानित केले गेले. २००२ ते २००७ पर्यंत सर्वोच्च नागरीक या सन्मानाने भारतरत्न पुरस्कार देण्यात आला. त्यांना लहान मुले खूप आवडायची. भारताच्या विकासाच्या वाटचालीत भरीव योगदान देणारे ते एक अस्सल राष्ट्रप्रेमी शास्त्रज्ञ होते. विचारवंत होते, शिक्षक होते, आणि सर्वात महत्त्वाचे म्हणजे तरुण पिढीचे खऱ्या अर्थाने मित्र होते. भारतीय तरुणांसमोर ते एक रोल मॉडेल बनून राहिले होते. याच तरुण पिढीच्या बळावर २०२० पर्यंत भारत सर्वार्थाने महासत्ता बनू शकतो याचे ठाम गणित त्यांनी मांडले. कलाम यांना उडावेसे वाटत होते. पण ते उद्गार काढले तेव्हात फक्त १० वर्षांचे होते. १९४१ साली कलाम पाचवीत शिकत होते. त्यांना विज्ञान शिकविणारे शिक्षक सुब्रह्मण्यम एकदिवशी वर्गात आले. आणि त्यांना उडणाऱ्या पक्षांचे चित्र काढून पक्षी कसा उडतो, हे मुलांना शिकविले. कलाम यांच्यासाठी हे शिकणे अद्भूत होते. ते म्हणाले त्या दिवशी माझे ध्येय बदलले, मला उडायचे आहे, मी ठरविले. त्यासाठी ते एरोनॉटिकल इंजिनिअर झाले. वैज्ञानिक होण्याचा प्रयत्न केला पण दरवेळी तेथे नऊ जागा असायच्या आणि कलाम यांचा दहावा क्रमांक असायचा. शारीरिक चाचणी त्यांना कधीही पूर्ण करता आली नाही. असे म्हणतात की, काही वेळा आपल्याला हव्या त्या गोष्टी मिळत नाही. त्यांचे स्वप्न विमान उडविण्याचे होते. परंतु ते शक्य झाले नाही. म्हणून त्यांनी मोठ-मोठे मिसाइल्स तयार केले. एसएलवी-३ उपग्रह प्रक्षेपण, पृथ्वी, त्रिशुल, नाग, अग्नी. कलाम नेहमी म्हणत स्वप्न पूर्ण करण्यासाठी स्वप्न पाहावे, त्याला साकार करणे गरजेचे आहे. आपल्या जीवनात एक मोठे लक्ष्य-ध्येय निश्चित करा व त्याला प्राप्त करा. डॉ. कलाम यांची लहानपणीची आर्थिक परिस्थिती, सामाजिक परिस्थिती, शाळेचे जीवन हे अत्यंत हलाखीचे होते. परंतु त्यांचे स्वप्न मात्र खूप मोठे होते. त्यांनी कधीही आपल्या आई-वडिलांना कुठल्याही आर्थिक प्रश्नाचा त्रास दिला नाही. प्रत्येक गोष्टीमध्ये समाधानी होते. कुठल्याही भौतिक गरजांची तक्रार केली नाही. आई-वडिलांच्या क्षमतेनुसार ते जगले व ते समाधानी राहिले. परंतु आता मात्र असे दिसते की, प्रत्येक घरी मुल-मुली, तरुण पीढी आपल्या आई-वडिलांकडे तक्रार करीत असतात. उदा. मला मोबाईल पाहिजे, इत्यादी वगैरे... पण जेव्हा आपल्या जन्मदात्या आई-वडिलांच्या क्षमतेबाहेरच्या त्या गोष्टी असतात तेव्हा ते नकार देतात आणि त्यांचेच मुल-मुली नको त्या अपशब्दाने आई-वडिलांना बोलतात, आपण हा विचार करणे गरजेचे आहे की, आपल्या आई-बाबांनी त्या काळात साधे राहणे, खाणे, पिणे, कपडे-लत्ते या गरजा आणि भौतिक गोष्टीसाठी किती हलाखीच्या या आर्थिक परिस्थितीशी झुंजाव लागलं, तरीही सुद्धा आज ते

आपल्यासाठी, सुखासाठी स्वतःचा जीव ओततात. खूप काही करतात. त्यांच्या जुन्या गोष्टी सांगावयाच्या झाल्या तर मन आभाळासारखे भरुण येणार. तेव्हा त्यांना कसे वाटेल.....

We should thankful

We should not complent

If you think, you are you are...

You are bad, you are bad,

You are good, you are good !!

कुणाल भोयर

एम.कॉम. १ (M)

चकवा

हिंडतांना रानोमाळी चुकलो मी ।

झाला कसा हा चकवा ।।

आज अचानक एकाएकी वाटे मनाला ।

दिवसा-ढवळ्या होतोय फसवा ।।

भरदुपारी फिरता वणवण रानावनात ।

देऊ कुणा मी हाक ।।

येथे सारेच ओसाड अन् सुनं ।

सोबती माझी सावलीच होती फक्त ।।

हिंडतांना रानोमाळी..... ।।१।।

दुपारच्यापारी भन्नाटं अवेळी कानाला ।

ऐकू आला ताशा ।।

त्यात उन्ह कडाक्याची अन् झाडाझुडपातून

निघाल्या मधुमखीच्या माशा ।।

हिंडतांना रानोमाळी... ।।२।।

येथे होतात भास-आभास मनाला ।

हळुच चाहुल लागते अन् हुरहुर जिवाला ।

व्याकुळ होऊन शोधु लागलो पाण्याला ।

येथे कुठेच पानी दिसेना नदी नाल्याला ।।

हिंडतांना रानोमाळी.... ।।३।।

सापडेन का कधी मी कुणाला ।

जरी शोधत येतील ते मला ।।

शोधतो आहे कोण कोणाला ।

समजणार नाही ते जगाला ।।

हिंडतांना रानोमाळी.... ।।४।।

राजेश कुडवे

एम.कॉम. १ (M)

गीतकार ग.दि. माडगूळकर (जन्मशताब्दी वर्षानिमित्त)

महाराष्ट्राच्या लोकजीवनात सुगंधासारखा दखळणारा एक प्रतिभासंपन्न साहित्यिक, कलाकार, मराठी माणूस ज्यांना 'गदिमा' या लाडक्या नावाने ओळखतो, जवळच्या मित्रांचे 'अण्णा' तर आम्हा नातवंडांचे 'पप्पा आजोबा'. गद्य आणि पद्य दोन्ही क्षेत्रांत नामांकित असलेले अर्थातच गीतरामायणकार महाकवी गजानन दिगंबर माडगूळकर यांचा जन्म त्यांच्या आजोळी झाला म्हणजेच शेटफळे सांगली जिल्ह्यात १ ऑक्टोबर १९१९ ला झाला. त्यांच्या वडिलांचे नाव दिगंबर आणि आईचे नाव बनुताई. गदिमाचे वडील औंध संस्थानात कारकून होते, वयाच्या १६-१७ वर्षी त्यांनी मराठी चित्रपट सृष्टीत प्रवेश केला. 'ब्रम्हचारी', 'ब्रॅंडीची वाटली' सारख्या सहाय्यक नटाच्या भूमिका त्यांनी केल्या.



गदिमांबद्दल लिहायचे म्हटले तर, अनेक पाने सुद्धा पुरणार नाहीत असे अष्टपैलू व्यक्तिमत्त्व, "ज्योतीने तेजाची आरती" या युक्ती नुसार वरवर त्यांच्या कार्याचा आढावा हयायचा झाला तर, 'गोरी पान', 'एका तळ्यात होती बदके पिले सुरेख', 'मामाच्या गावाला जाऊया' आणि सर्वांच आवडतं गीत ज्यांपासून लहान मुलांची शिकण्याची आवड निर्माण केली जाते ते म्हणजे 'नाच रे मोरा' यासारख्या बालगितांचा सुद्धा समोवश होतो. चित्रपट गीते म्हटली तर, 'एक धागा सुखाचा', 'जग हे बंदिशाळा', या 'चिमण्यांनो परत फिरा रे', 'फुगडी माझी सांडली गं.', 'इंद्रायणी काठी देवाची आळंदी', 'विठ्ठला तू वेडा कुंभार' यांसारखी हजारो गीते गदिमांनी लिहिली. हिंदी चित्रपट सृष्टीतही २५ पटकथा लिहून गदिमांनी आपला ठसा मात्र या जगावर उमटवला. म्हणतात ना, 'मरापे परी किर्ती रूपे उरावे' प्रत्येक क्षेत्रात ग.दि. माडगूळकरांनी किर्ती मिळविली.

आपल्याला पुस्तक वाचायला आवडतं, आपल्याला गाणं ऐकायला, म्हणायला आवडतं, पण ते का आवडत ? कशामुळे आवडतं याचा शोध घ्यायला उत्सुक करणारी गीत सुद्धा त्यांनी लिहिलेली आहे.

हे राष्ट्र देवतांचे

हे राष्ट्र प्रेषितांचे

आ चंद्रसूर्य नांदो

स्वातंत्र्य भारताचे

या सुंदर अशा स्वातंत्र्य भारताचे माडगूळकर, ज्यांनी मॅट्रीक परीक्षेचा उंबरठा न ओलांडणारा हा माणूस आपल्या प्रतिभा बळावर इतका मोठा झाला, की राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादमीचा पुरस्कार त्यांना मिळाला, विष्णुदास भावे सुवर्ण पदकाचा सन्मान मिळाला, ग्वाल्हेरच्या नाटय संमेलनाचं आणि यवतमाळच्या अखिल भारतीय मराठी साहित्य संमेलनाचं अध्यक्षपद मिळालं. 'पद्मश्री' किताब मिळाला. इतरही अनेक शासकीय-अशासकीय पदांचे आणि गौरवांचे ते मानकारी झाले. अशाप्रकारे ग.दि. माडगूळकरांनी स्वतःचे कार्य मात्र पार पाडले आहे. ग.दि. माडगूळकरांचा मृत्यू १४ डिसेंबर १९७७ ला पुणे मुक्कामी झाला.

माडगळूकरांसाठी मला चार पंक्ती सूचतात त्या अशा,
 "शब्दांच्या आणि छंदांच्या राज्यातील स्वामी तुम्ही,
 ईश्वराचा अंश पडला होता तळ्यात...
 आणि लगेच वाढला पानावरती
 तुम्हाला सुद्धा काव्याची किंमत कळली आणि म्हटलं,
 कुंभारासारखा गुरू नाही रे जगात...
 समाजापासून ते राजकारणापर्यंत असणारे तुम्ही
 आजही आहात प्रत्येकाच्या मनात."

कु. समीक्षा भूसारी
 बी.कॉम. १ (E2)

बहिणाबाई चौधरी

बहिणाईच मन फिरे,
 जसे पक्षी फिरतात रानावतात,
 देवाचं ग देणं तू आणलं ओवीत ।।८।।

अडाणी असूनही आहे तुझ्याजवळ ज्ञानाचा भंडार
 पण जीवनामध्ये गं झाला तुझ्या अंधार, अंधार
 परंतु, क्षणभरही तू थांबली नाही !
 दिला स्वतःचा स्वतःला आधार
 मन केलं गं तू दगडासारखं खंबीर
 आणि अडचणीवरं गं तू केली मात
 देवाचं गं देणं तू आणलं ओवीत ।।९।।



पशु-पक्ष्याला मायेन,
 झाडा वेलीनां फुलवलं
 जात्यावरचं दळण सारं ओवींनी दळलं
 जीवन गं सारं तुझं दुःखाने भरलं
 तरीसुद्धा या नाजूक जीवनाला फुलासारखं फुलवलं,
 या अखंड दुःखाला तू टाकले नभात
 देवाचं गं देणं तू आणलं ओवीत.. ।।१०।।

बहिणाई तू तुझ्या ओवींनी साऱ्या जगाला समजावलं,
 पण मात्र स्वतःच्या डोळ्यातलं पाणी पापणीतच साठवलं,
 पापणीतल्या पाण्याला टाकलं तू वाहत्या नदीत..
 देवाचं गं देणं तू आपणं ओवीत.. ।।११।।

समीक्षा भूसारी
 बी.कॉम. १ (E2)



राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराजांचे

सामाजिक विचार

आत्मानुभवी संतांचे खरे हृदयगत

ज्यांनी या जगात राहून तो अनुभव घेतला, ज्यांनी जगाच्या मुळ तत्वाची अनुभूती मिळविली त्या सर्वांचा एकच उद्देश होता, की जगातले सर्व लोक सुखी व्हावीत. सारा संसार सुखी व्हावा, सर्वांच्या तोंडून समाधानाचे मंगलमय विचार बोलल्या जावे, दुष्ट, दुर्जनांचीही वृत्ती समूळ नष्ट होऊन ते सर्व शहाणे व्हावेत. सर्व लोकांत मित्रता, बंधुभाव नांदावा, कोणास कोठेही कमतरता दिसू नये, जो

कोणी जी मंगल-कामना करील ती त्याची पूर्ण व्हावी मात्र ती न्याय्य असावी, कोणातही कुठे शत्रूभाव, द्वेषभाव राहू नये, कुठेही कलम राहू नये, तसेच ढोंग, हेवेदावे, अत्याचार, स्वैराचार राहू नये. जगाचा भेद नष्ट व्हावा, परस्परातील मते, धर्म, पंथाची जरी स्वतंत्र मते असली तरी ते परस्परांना पूरक व्हावीत व सवोदित सर्वत्र आनंद नांदावा. जगात कोठेही थोर, महापुरुष झाले त्यांच्या मनाची हीच सारखी रात्रंदिवस तळमळ होती. त्यांनी आत्मज्ञान सांगितले तेही लोक सुखी व्हावे, 'आपण तसे सर्व' ही जाणीव प्रत्येकात यावी म्हणून त्यांनी ईश्वर-भजन केले ते सुद्धा चित्त शुद्ध व्हावे म्हणूनच, जेणेकरून सर्व जीव देवाची लेकरे आहेत ही दृष्टी सर्वांना यावी म्हणून त्यांनी त्याग, वैराग्य सांगितले तेही जग हे उपभोगासाठी नसून निष्काम सेवेसाठी आहे व त्याद्वारे आपला भाग्योदय व्हावा यासाठीच भूतदया, परोपकार, दान धर्म, यज्ञ इत्यादी द्वारा रंजल्यागांजल्यांना उणे असेल ते ते देवून त्यांची पूर्ण उन्नती करावी.

समाजाची डोळे झाक व तिचा परिणाम परंतु हे तत्त्व आचरणात न आल्याने मानव विकासहीन राहिला, संतांच्या उच्च ज्ञानाची लोकांनी अवहेलना केली. एकेका संत, विद्वानांची वचने घेऊन परस्परात चर्चा, वितंडवाद करतात परंतु जीवनात उतरविण्यासाठी ज्ञानाला जागा देत नाही. सर्व मानवांची विशाल हृदये व्हावीत, सर्वात समानता यावी म्हणून परस्परांनी सहकार्याने राहावे यासाठी संतांनी ब्रम्हज्ञानाचा उपदेश केला परंतु ते ब्रम्हज्ञान कंठळ तोंडात राहिले व मतलबासाठी आपापला तोरा मिरवू लागले, शेजारी दुःखाने जरी मेला तरी आज त्याची कोणाला चिंता नाही. चर्चेसाठी तत्त्वज्ञान व मौजेसाठी जीवन असा उगाच भिन्नपणा मानवानी घेतला. त्यामुळे संत-ऋषिंचा जनकल्याण उद्देश राहू-केतूने ग्रासला, समुद्र लंघनासाठी रामाने पूल (सेतू) बांधला, रावण वधाचे कार्य आटोपले पण पुलाचे गोटे तसेच राहिले, त्याप्रमाणे संतांचा उपदेश लोकजीवनात न उतरता फक्त तोंडात शब्दरूपाने राहिला. खरा उपाय ग्रामकुटुंब योजनेचे प्रात्यक्षिक यासाठी कोणता तरी उपाय शोधलाच पाहिजे, जेणेकरून जगात सुख, शांती नांदेल आणि संत-महापुरुषांचे समाधान होईल.

माणसाने गावाचा सांभाळ करावा, गावाने देशाला पोषक व्हावे व देशाने जगाचा घटक म्हणून सहाय्यक बनावे असा उन्नतीचा क्रम आहे. मनुष्याचे सर्वस्वी गावच आहे, त्याशिवाय माणसाला दुसरे स्थान तरी कोणते ? मानवाचे वैभव गावाच्या सर्वांगीण उन्नतीत आहे. एकाने गावात माडी बांधली पण इतरांची घरे मोडून पडली असतील तर तितक्याने आमची कीर्ती झाली (वाढली) म्हणजे वेडेपणाचे आहे. तोच खरा निःस्वार्थी म्हणावा, की ज्याच्या व्यवहाराने समाजाचे कल्याण होते, तो जगात कुणाही विषयी परकेपणाची भावना ठेवीत नाही तर 'नाव मोठे पण लक्षण खोटे' असे आजवर चालत आले, म्हणून यापुढे गरीब-श्रीमंत हा भेद मिटून टाकला पाहिजे. आपलाच स्वार्थ मनात ठेवला व इतरांची

बेपर्वा जर केली, तर आपल्या मनाला केव्हाही समाधान लाभणार नाही. म्हणून ज्याला दूरदृष्टी आली आहे. त्याने देवाने हे विश्व सर्वांसाठी समानरूपाने निर्माण केले आहे. ही भाषा बोलावी. आज ज्यांचे जवळ शक्ती आहे, बुद्धी आहे, सत्ता आहे, पैसा आहे तो आपल्याजवळ असलेल्या साधनांनी आपल्या स्वार्थासाठी गावाची पिळवणूक करीत आहे. गावात ज्याच्याजवळ शक्ती, बुद्धी आहे, ती सर्व गावाची ठेव समजावी. असे झाले की, सर्वांच्या आधी-व्याधी नष्ट होतील.

गाव हेच आमचे घर, गावाचा सर्व कारभार सर्वांवर, तसे सर्व कामात सर्वांचे सहकार्य असलेच पाहिजे. कोणी आपला धंदा, कोणी आपली संपत्ती, कोणी नोकरीचा सर्व पगार या (ग्रामकुटुंब) योजनेस अर्पण करावा. नियमित वेळी काम करावे, खेळ खेळावे तसेच वेळ झाल्यावर सर्वांनी नियमित सामु. प्रार्थनेत जावे. तसे तर सामुदायिक जीवन हीच खरी महान प्रार्थना होय, म्हणून गावासाठी सेवाभावनेने झटून कष्ट करावे. आपल्या गावात काय नाही याचा शोध घ्यावा, जे नसेल ते गावात निर्माण करून गावाची पुष्पवाटिका सजवावी. गाव-जीवनाला ज्याची गरज आहे त्या वस्तूंची बाहेरून मागणी करण्याचा प्रसंग येऊ नये, म्हणून सर्वांनी आपल्या श्रमावर आपले जीवन स्वावलंबी करावे. कोणी गावासाठी जोडे तयार करेल, कोणी कपडे शिवून, कोणी लोखंडाच्या वस्तू करून त्या गावाच्या वस्तू भांडारात पाठविल. कोणी कपडा शिवून आणावा, कोणी नवारी, दोर करून, कोणी लाकडाची उत्तम कामे करून आणावे, कोणी वर्षभर शेतीची मशागत करून हंगामावर आलेले सर्व धान्य गाव दरबारात आणावे, कोणी प्रत्येक ऋतू तुरी-बाजरी, तांदूळ पिकवले, ते सर्व सामान आणावे, गावासाठी लागणारी सर्वप्रकारचे धान्य जेवढे लागेल तेवढे सर्वतोपरी गावाने पिकवावे, बाहेरून माधुकरीप्रमाणे धान्य घेण्याची पाळी येणार नाही, हेच उत्तम, आपल्या गावात जे जे निर्माण होते तेच सामान आपल्या घरी उपयोगी आणावे. उरले ते आपल्या शेजारच्या दुसऱ्या गावी विकावे. सर्व गावाचे दुकान एकच असावे, त्या दुकानात सर्वांच्या सहकार्याचे वस्तुप्रदर्शन दिसावे, दुकानात मिळालेल्या फायद्यावर सर्वांची मालकी असावी. गावातील सर्व धन सर्वांचे, तसे उद्योगही सर्वांचे, गाव हेच प्रत्येकाला आपले घर वाटावे म्हणून सर्व उत्पन्न एकत्र आणावे, येत असेल ते त्याचे त्याला काम द्यावे, ज्याला गरज असेल ते त्याने मागून घ्यावे पण त्यापेक्षा जास्तीची आपली मिळकत गाव खजिन्यात द्यावी. अहो ! सर्व वस्तू आपल्याच गावात मिळू लागेल, तर आता पैशाचे काम कशाला ? म्हणून पैशाचे तोंड काळे ! जे मिळत नसेल ते प्रयत्नांच्या जोरावर गावात निर्माण करून घ्यावे. आमच्या गावाचे सर्व धन गावलोकांच्या सुखाची ठेव आहे, आम्ही सर्वांमिळून गावाचा स्वर्ग करू यानंतर जर काही कमी पडले, तर गाव स्वयंपूर्ण करण्यासाठी सरकारकडे मागणी करू, जर गावातील उत्पन्न शिल्लक उरत असेल तर आनंदाने परगावास देऊ. याप्रमाणे या 'ग्रामकुटुंब' योजनेत कल्पांतीही तिळभर फरक होणार नाही.

ग्रामी जरि अधिक उरे। तरि देऊ परगावी संतोषभरे।

यात तिळभरि अंतर न शिरे। कल्पांतीही।।

आधी ग्राम असावे सुखी। कोणी न व्हावे कोणाशी पारखी।

सर्व कामे गावीच निकी। करू आम्ही।।

याच दृष्टीला धरोनि नामी। व्याप्ति करू विश्वाची आम्ही।

लावावचा मानवता कामी। सकळिकांची।।

ज्या ज्या मार्गे ऐसे घडे। तोचि धर्म, तोचि ज्ञान रोकडे।

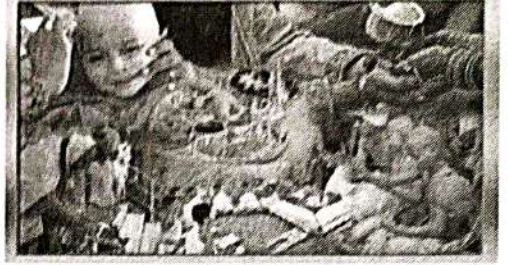
तुकड्या म्हणे, समाधान जोडे। सकळ जनांसि।।

कु. संजीवनी शेंडे

बी.कॉम. १ (E1)

संस्कार

संस्कार म्हणजे काय ? चांगली सवय, वागण्याची, बोलण्याची पध्दत किंवा स्वच्छ व उच्च विचार. आपण कसे आहोत, कसे वागतो आणि कसे जगतो या सर्व गोष्टी आपल्या संस्कारांवर अवलंबून असतात. लहान असतांना प्रत्येकाचे आई वडील आपल्या मुलांना घडवतात, त्यांना चांगले संस्कार देतात म्हणजे नेमक काय करतात तर त्या मुलांचे आचार आणि विचार या दोन्ही गोष्टींची बाजू व्यवस्थित सांभाळत ते मुल मोठ होऊन एक चांगलं माणूस, होईल या सगळ्यांचा विचार ते करतात.



संस्कारांची व्याख्या आपण सगळेच जाणतो, कारण लहानपणापासून घरी आणि बाहेर सगळीकडे आपल्याला तीच शिकवण मिळत असते. पण आपण खरेच संस्कार या शब्दात सामावतो का ? किंवा त्या शब्दाचा अर्थ नीट समजून सुद्धा तसे वागतो का ? तर याच उत्तर नाही असे आहे. आजकाल बरेच लोक अस म्हणतात की चांगलं माणूस व्हा. दुसऱ्यांचा आदर करा, कुणाला त्रास देवू नका, अपमान करू नका पण खर पाहायला गेलो तर अस होत काहीच नाही कारण जो व्यक्ती हे सगळ आपल्याला सांगत असतो तोच या सगळ्यांचा विचार करतो अस नाही.

खर सांगायचा तर संस्कार हा शब्द वाचायला जितका सोपा आहे तितकाच तो आचरणात आणायला फार कठीण आहे. तेव्हा दुसऱ्यांचे संस्कार काढण्यापेक्षा आपण स्वतः किती संस्कारी आहोत ते बघा आणि मग त्याला संस्कार शिकवा.

संस्कारांबद्दल बोलायला खूप काही आहे पण आपण या शब्दाचा अर्थ साधा आणि सोपा शिकूया तर मित्रांनो संस्कार म्हणजे आदर, नम्रता, प्रेम आणि विश्वास या सगळ्यांचा एक घट्ट असा धागा आहे आणि आपण आपल्यावर झालेल्या संस्कारांशी ऐकरूप होऊन प्रत्येकासोबत मायेने आणि प्रेमाने वागूया. मग तो माणूस असो किंवा प्राणी, पशुपक्षी, सगळ्यांना आदर देवूया आणि त्यांचा पण आदर करूया.

कोणताही भेदभाव न करता, कुणालाही न दुखावता, फसवेगिरी न करता, खोटं न बोलता, कुणाचही मन दुखावेल अस काही न करता वागलं तर आपले संस्कार जे आपल्याला या संस्कृतीत जगण्याचा आधार असतात ते सार्थक होतील आणि आई वडील सुद्धा आनंदित होतील की खरच त्यांनी एक चांगला माणूस किंवा एक चांगली स्त्री घडविली आहे.

आपल्यावर झालेल्या संस्कारांची परतफेड आपण आयुष्यभर नाही करू शकत. पण या जगात वावरतांना लोक आपल्या आई वडिलांनी केलेल्या संस्कारांची अब्रू काढतील असं नक्कीच काही आपल्याकडून होणार नाही याची काळजी करू शकतो.

वैष्णवी बेंदरकर

एम.कॉम. Sem IV (E)

सहृदयी अरूणाताई



“मिटवून सुख माझे उभी स्तब्ध आता
अपरिमित कृपेचा रे टिळा लावा माथा
अपरिचित उदासी खोल प्राणात जागो
प्रभु, नव करुणेचा तोप शब्दांदी लागो”...

शब्दांमधील अर्थतरलता आपल्या काव्यातून व्यक्त करीत गेली काही दशके मराठी मानस अधिक भावसमृद्ध करणाऱ्या ज्येष्ठ कवियित्री डॉ. अरूणा ढेरे या ९२ व्या अखिल भारतीय मराठी साहित्य संमेलनाच्या अध्यक्षपदी नऊ दशकांच्या इतिहासाने बहुमान लाभलेल्या पाचव्या महिल्या साहित्यिक ठरल्या आहेत. मोठ्या वृक्षाच्या सावलीत छोटी रोप आपली वाढ हरवून बसतात, अस म्हणतात पण केळीची जनरीतच वेगळी तिच्या गाभ्यातून नवी केळ जन्माला येते तिचच रंगरूप घेऊन अरूणा ढेरे यांच अस्तित्व अस आहे. कवियित्री, कथाकार, ललितकार, संशोधक, समीक्षक, अनुवादक, संपादक आणि वैचारिक लेखिका म्हणून स्वतःचे स्वतंत्र स्थान निर्माण केले.

लोकपरंपरांना समजून घेत नव्या काळात त्याचा अर्थ शोधण्याचा अरूणा ढेरे यांनी सातत्याने प्रयत्न केला. त्यामुळे त्यांच्या साहित्यात प्राचीन आणि आधुनिकेच्या समन्वयाचे अभिजात दर्शन घडते. त्यांच्या कविवेतून त्या स्त्रीत्वाच्या लक्षणीय रूपांचे मनोज्ञ दर्शन घडवितात. मराठी मातीचे गुणधर्म घेऊन भारतीय संस्कृतीचे स्त्रीत्व त्यांच्या कवितांमधून कायम दरवळत राहते. मराठी साहित्यातील काही विस्तृती चित्रावदल जाण देवून त्याकरिता लंडन मध्ये जावून शोध घेवू पाहणाऱ्या या स्त्रीमधून विकोसोन्मुख स्त्रीचे दर्शन घडते. ही स्त्री प्रचंड निर्वधावर कौटुंबिक दडपणाच्या अजस्त्र पंजातून निसटून मोकळा श्वास घेऊ पाहणारी स्वतःकडे व भोवतालच्या समाजाकडे सजगपणे पाहू लागलेली बौद्धिक कर्तव्य मानून आंतरिक तळमळीने सामाजिक सेवेचे व्रत स्वीकारणारी, झेप घेण्याची शक्ती असणारी आणि सहकार्य, संधी, उत्तेजन मिळताच उत्तुंग झेप घेणारी अशा हया अरूणाताई. उंच वाढलेल्या गवाताखाली, ‘मने केले ग्वाही, मैत्रेयी, उर्वशी महाद्वार त्याचप्रमाणे कृष्णकिनारा कथासंग्रह, राधा, कुंती, द्रौपदी त्याची दीर्घ कथा, स्त्री-पुरुषाचे प्रेममय अंतरंग, मानवी नात्याची गुंतागुंत या अथांग, निस्वार्थपणे मराठी साहित्यात केलेल्या दानाकरीता शब्दच अपुरे पडतात. पुस्तकांसाठी त्यांनी लिहिलेल्या विवेचक प्रस्तावना त्यांच्यातील व्यासंगाची साक्ष देतात. २००२-२००३ दरम्यान त्यांनी दूरचित्रवाणीसाठी सांजसावल्या त्या मराठी मालिकेची पटकथा व संवादलेखनाचेही कार्य केले. आजवर अनेक महत्त्वाच्या चाळीसहून अधिक पुरस्कारांनी त्यांचे साहित्य, गौरविण्यात आले. त्यांच्या एकूण लेखनाचे अंत-स्तर तपासले तर त्याही एकप्रकारे आपल्याला इतिहासाकडे, संस्कृतीकडे घेऊन जातात पण ही वाटचाल फुलांच्या पायघड्यांसारखी असते चालून तर होते पण वाट कधी संपली तेच कळत नाही. वयाच्या वीस एकविसाव्या वर्षी अरूणाताई यांनी त्या वाटेवरून वाचकांना घेऊन जायला सुरुवात केली आणि अजून त्या नेतच आहे.

गेली ४० वर्षे सातत्याने मराठी साहित्यात स्वतःला झोकलेले आहे. त्यांचा एकूण काव्यप्रवास हा स्वभानाकडून सम्यक भानाकडे जाणारा आहे. त्यांच्या प्रत्येक कविता या भावभावनांचा मोठा आविष्कार आहे. साहित्य संमेलनाचे अध्यक्षपद एका स्त्रीला मिळणं ही खरच मराठी साहित्यात फार गौरवाची बाब आहे.

मराठी साहित्यातील एक मोती अरूणाताई ढेरे सदैव आपल्या प्रकाशाने मराठी साहित्याला बहरून टाकीत आहे.

‘कधी वाटते वाटते, तुला द्यावे असे काही
ज्यात असेल आकाश, लोपलीत दिशा दाही’

आचल ठाकरे
बी.कॉम. २ (M)

गांधी विचारांची आजच्या युगात प्रासंगिकता

(१५० व्या जयंती निमित्त)

“देदी हमे आजादी बिना खड़ग बिना ढाल
साबरमती के संत तुने कर दिया कमाल”.



२ ऑक्टोबर, १८६९ रोजी जन्म झालेल्या गांधीजींचे स्वातंत्र्यलढ्यातील अनन्य साधारण योगदान पाहून त्यांच्या विषयी आपुलकी व स्वतःमध्ये प्रेरणा निर्माण होते. मोहनदास करमचंद गांधी असे गांधीजींचे पूर्ण नाव पण सगळे त्यांना बापू म्हणत व त्यामुळेच आज ते राष्ट्रपिता म्हणून संबोधले जातात. भारताच्या स्वातंत्र्यसंग्रामाच्या लढ्यात गांधीजींचे खूप मोठे योगदान आहे. त्यांनी केलेल्या कार्यामुळे आज ते ‘अहिंसेचे पुजारी’ म्हणून जगविख्यात आहेत.

आजच्या धावपळीच्या, हेवादावी, भ्रष्टाचारी व वाईट प्रवृत्ती असलेल्या जगात सर्वांना अहिंसावादी विचारांची व बापूंनी दाखविलेल्या मार्गाची अति आवश्यकता आहे. आजच्या काळात मुले-मुली स्वतःची हलकी कामे सुद्धा करू शकत नाही तेच गांधीजी त्यांच्या वृद्धावस्थेपर्यंत स्वतः मेहनत करून आपली कामे करायचे. त्यांनी इतरांना स्वच्छतेचा संदेश दिला पण ते करतांना त्यांनी स्वतः त्या मार्गाचा आधी अवलंब केला. ते कुणालाही उपदेश करत असतील तर त्याआधी ते स्वतः त्या उपदेशाचे पालन करीत. परावलंबी होण्यापेक्षा स्वावलंबी होऊन स्वतंत्रपणे जगावे असे त्यांच्या व्यवहारातून दिसे.

गांधीजींनी शिकविलेल्या स्वच्छतेच्या मार्गाची तर आज नितांत आवश्यकता आहे. जिकडे तिकडे तरुणाई व समाज वाढत्या घन कचऱ्याच्या विळख्यात येत आहे. दुर्गंधी, वाढता घन कचरा, पशु-पक्षी यांची जिवीत हानी, रोगराई, प्रदूषण अशा अनेक समस्या अस्वच्छतेमुळे उद्भवू लागल्या आहेत. त्यामुळे स्वच्छतेचे पाऊल पुढे टाकावे लागत आहे, जेणे करून लोकांमध्ये परिवर्तन घडेल व ते इतरांनाही परिवर्तन घडवून आणण्यास मदत करतील.

आज लोक कायद्याला जुमानत नाहीत. ते आपली मनमर्जी चालवितात. खून, चोरी, बलात्कार, दरोडे, भ्रष्टाचार, देशद्रोह, आतंकवाद अशा कितीतरी समस्या आज उद्भवतात आहेत. या सर्व गोष्टींना लोक मुकाट्याने बघताहेत, कुणामध्येच राजकारणीकांशी मुकाबला करण्याचे सामर्थ्य नाही, जेथे तेथे वाईट, दुःख, अत्याचार घडत आहेत. त्यामुळे सत्याच्या मार्गावर चालणारे, अहिंसेने हिंसेला थांबविणे यासाठी गांधीवादी विचारांची व आचारांची खूप गरज समाजात आज आपल्याला भासते आहे. गांधीजींचे विचार आज २१ व्या शतकात लोकांना हातभार लावू शकेल.

आजही कान, डोळे, तोंड बंद करून बसलेल्या माकडांच्या प्रतिमेला गांधीजींचे तिन बंदर म्हणतात. त्याचा अर्थ असा आहे की कधीही कुणाबद्दल वाईट बोलू नये, वाईट बघू नये व वाईट ऐकू नये, असे कल्याणच आपले वर्तन इतरांना आवडेल अन्यथा आपण दुसऱ्यांच्या नजरेत कमी लेखले जाऊ शकतो.

गांधीजींचे विचार व आचार आज आपल्याला आत्मसात करायला हवे तेव्हाच आपण भविष्यात प्रामाणिक राहू शकतो.

पुनम सरवरे
बी.कॉम. २ (M)

जंगल डोंगरदऱ्यांचा गडचिरोली जिल्हा



महाराष्ट्र राज्यातील गडचिरोली हा एक आदिवासी जिल्हा होय. हा नक्षलग्रस्त जिल्हा म्हणून प्रसिध्द आहे, गडचिरोली जिल्ह्यातील धानोरा, एटापल्ली, अहेरी व सिरीया हे चार तालुके घनदाट जंगलाने व्याप्त आहेत. तसेच भामरागड, टिपागड, पलसखेड व सुरजागड भागात उंच टेकड्या आहेत. जिल्ह्याच्या एकूण जमीनीच्या क्षेत्रापैकी ७५.९६ टक्के भागात जंगल आहे.

या जिल्ह्यातील हेमलकसा येथील लोकबिरादरी प्रकल्प सुप्रिध्द आहे.

गडचिरोली जिल्ह्यातील लोकजीवन - गडचिरोली जिल्ह्याचा बराचसा भाग जंगलांनी व्यापला असल्याने येथील आदिवासींची संख्या तुलनेने जास्त आहे. त्यामुळे गडचिरोली जिल्हा आदिवासी जिल्हा म्हणून ओळखला जातो. आदिवासींच्या घराला 'टीळा' असे म्हणतात. गोंड वस्तीच्या गावांमध्ये गावाच्या मध्यभागी युवागृह असते. याला गोदुल असे म्हणतात. या 'गोदुल' मध्ये तरुण-तरुणी एकमेकांना भेटतात. गावकरी एकत्र येतात. तसेच समुहातील समस्या भांडणेही येथे सोडवली जातात. गोंडी, माडीया, मराठी, हिंदी, तेलगु, बंगाली व छत्तीसगडी या सात भाषा ह्या जिल्ह्यात बोलल्या जातात.

आदिवासी वनांच्या आतल्या भागात राहतात. त्यांच्या देवाचे नाव पिरसा पेण आहे. रेळा व ढील नाच, दिवाळी व होळी हे त्यांचे मुख्य उत्सव आहेत. या जिल्हात एकूण १०० आदिवासी आश्रमशाळा आहेत.

गडचिरोली जिल्हा - धनदाट जंगले, विरळ लोकसंख्या अन त्यामुळे निसर्गरम्यतेबरोबर अतिव शांतता हे गडचिरोली जिल्ह्याचे प्रमुख वैशिष्ट. गडचिरोली जिल्हा आदिवासी जिल्हा म्हणून ओळखला जातो. जिल्ह्यातील बऱ्याचशा ठिकाणी नागरी भागातील माणसांची पावले पोहोचलेली नाहीत. गडचिरोली म्हटल की जंगलाबरोबरच आपल्या डोळ्यासमोर येतो तो आदरणीय बाबा आमटे यांच्या प्रेरणेतून उभा राहिलेला लोकबिरादरी प्रकल्प डॉ. प्रकाश आमटे व त्यांच्या पत्नी सौ. मंदा आमटे हे हा प्रकल्प हेमलकसामधील नागेपल्ली भामरागड येथे गेली ३५ वर्षे चालवत आहेत.

महाराष्ट्रातील दोन जिल्हे दारुबंदी जाहीर केलेले जिल्हे आहेत. एक आहे वर्धा अन् दुसरा जिल्हा आहे गडचिरोली.

गडचिरोली जिल्ह्यातील शेतीव्यवसाय - जिल्ह्यातील सुमारे १५% भाग लागवडीखाली आहे. एकूण १६८९०० हेक्टर लागवडीखालील क्षेत्रापैकी ११३९०० जिरायती तर उर्वरित म्हणजे ५५००० हेक्टर बागायती आहे. तांदुळ हे येथील प्रमुख शेती-उत्पन्न आहे तर ज्वारी, तेलबिया, तुर, गहु ही पीके देखील घेतली जातात. लोकांचा प्रमुख व्यवसाय शेती आहे. गडचिरोली, चामोर्शी, आरमोरी, कुरखेडा व धानोरा हे तालुके भाताच्या उत्पादनाच्या दृष्टीने महत्वाचे आहेत.

जिल्हा बांबू व तेंदु पानांसाठी प्रसिध्द आहे.

गडचिरोली जिल्ह्यातील दळणवळण सोयी - गडचिरोली जिल्ह्यात सर्वात जवळचे विमानतळ नागपूर येथे आहे. जिल्ह्यातील सर्व तालुके राज्य महामार्गांनी जोडले आहेत. चंद्रपूर, गोंदिया हा लोहमार्ग जिल्ह्यातून जातो. परंतु या जिल्ह्यात स्वतःचे असे एकही रेल्वे स्थानक नाही.

सर्वात जवळचे रेल्वे स्थानक चंद्रपूर हे आहे.

गडचिरोली जिल्ह्यातील उद्योग व्यवसाय - येथील लोकांचा प्रमुख व्यवसाय शेती आहे. त्यामुळे शेतीशी निगडित काही उद्योग या जिल्ह्यात केले जातात. वडसा येथे खत उद्योग आहे. त्याचबरोबर भात गिरण्यादेखील आहेत. शासनाने हा जिल्हा उद्योगविरहीत घोषित केल्याने जिल्ह्यात उद्योगांची संख्या अतिशय कमी आहे. तरी वडसा व देसाईगंज येथे औद्योगिक वसाहती आहे.

आरमोरी येथे हातमाग उद्योग असून आरमोरीमधील कोषा कापड (रेशीम) प्रसिध्द आहे. देसाईगंज व आरमोरी येथे कागद गिरण्या आहेत. जिल्ह्यातील आमगाव, कोलाम, इंदाळा इत्यादी ठिकाणी घोंगड्या बनवण्याचा उद्योग चालतो. जिल्ह्याच्या एकूण क्षेत्रफळपैकी ७९.३६% भाग वनांनी व्यापला असल्या कारणाने लाकूडकटाईचा उद्योग इथे मोठ्या प्रमाणावर चालतो.

गडचिरोली जिल्ह्याचा इतिहास - प्राचिन काळात गडचिरोली परिसर नाग व माणवंशीय राज्यांच्या अधिपत्याखाली होता. सध्याच्या आरमोरी तालुक्यातील वैरागड व धानोरा तालुक्यातील टिपागड ही पूर्वीच्या काळातील राजवटीची प्रमुख केंद्रे होती. नागवंशीय, गोंड, माणवंशीय यांच्यासह राष्ट्रकुट यादव व चालुक्य राजांचीही सत्ता चंद्रपूर-गडचिरोलीतील भागांवर होती. १३ व्या शतकात खांडक्य बल्लारशाह या राजाने चंद्रपूरची स्थापना केला.

विविध काळांतील विविध राजवटीनंतर १८५३ पर्यंत हा भाग मराठ्यांच्या अधिपत्याखाली होता. १८५४ मध्ये चंद्रपूर-गडचिरोली हा भाग बेरार प्रांतात होता. याच वेळी 'चंद्रपूर' स्वतंत्र जिल्हा अस्तित्वात आला. १९०५ मध्ये गडचिरोली हा स्वतंत्र तालुका ब्रिटिशांनी निर्माण केला. पुढील काळात प्रशासकीय सोयीसाठी गडचिरोली हा स्वतंत्र जिल्हाच अस्तित्वात आला.

गडचिरोली जिल्ह्याची भौगोलिक माहिती - गडचिरोली जिल्हा २६ ऑगस्ट १९८२ रोजी चंद्रपूर जिल्ह्यापासून वेगळा करण्यात आला. जिल्ह्याचे क्षेत्रफळ १४४४१४ चौ. कि.मी. आहे. या जिल्ह्याची लोकसंख्या ९७०२९४ आहे. जिल्ह्याची एकूण क्षेत्रफळपैकी ७९.३६% भाग वनांनी व्यापला आहे. जिल्ह्यात कडक उन्हाळा व हिवाळा असतो.

रिना कोल्हे

एम.कॉम. Sem II (M)

चुक

क्षणोक्षणी चुका घडतात,
आणि श्रेय हरवून बसतात
आपल्याच रिकाम्या ओंजळी आपल्याला
फार काही शिकवत असतात.
कणभर चुकीलाही
आभाळाएवढी सजा असते,
चुक आणि शिक्षा यांची कधी
ताळेबंदी मांडायची नसते
एक कृती, एक शब्द
एकच निमिष हुकतं-हुकतं



उभ्या जन्माच्या चुकामुकीला
तेवढ एक निमित्त पुरत
अखेर हे सार घडतं केवळ आपण काही
शिकण्यासाठी
आपण मात्र शिकत असतो
पुन्हा पुन्हा चुकण्यासाठी

रोशनी कावडे

एम.कॉम. १ (M)

माझी मेट्रो



माझी मेट्रो ही नागपूर शहरात उभारण्यात येत असणारी मेट्रो प्रणाली आहे. महाराष्ट्र सरकारने मेट्रोच्या बांधणीसाठी २९ जानेवारी २०१४ रोजी मंजूरी दिली. महाराष्ट्रात मुंबई मेट्रो नंतर नागपूर मेट्रो उभारण्यात येत आहे. या प्रकल्पाच्या

बांधकामासाठी ३१ मे २०१५ रोजी सुरुवात करण्यात आली. भारताच्या केंद्रिय मंत्रीमंडळाची मंजूरी मिळाल्यावर मेट्रो रेल्वे अधिनियम १९७८ लागू झाल्यावर २० ऑगस्ट २०१४ रोजी केंद्रिय मंत्रीमंडळाने यास मंजूरी दिली व २१ ऑगस्ट २०१४ रोजी माननीय पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या हस्ते भुमीपूजन करण्यात आले.

नागपूर मेट्रोची रचना

स्थान	:	नागपूर, महाराष्ट्र, भारत
वाहतूक प्रकार	:	मेट्रो नागपूर
मार्ग	:	२
मार्ग लांबी	:	४३ कि.मी.
एकुण स्थानके	:	४२
दैनंदिन प्रवासी संख्या	:	३६३००० (अंदाजित)
सेवा आरंभ	:	सन २०१९ मध्ये अपेक्षित

या प्रकल्पाचा आराखडा दिल्ली मेट्रो रेल्वे कार्पोरेशनने तयार केला होता. यानंतर दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशनने आपला प्रकल्प अहवाल या प्रकल्पाची नोडल एजन्सी असलेल्या नागपूर सुधार प्रन्यासला दि. १२ फेब्रुवारी २०१३ रोजी सादर केला.

मेट्रो प्रकल्पाचा एक सगळ्यात मोठा कायमस्वरूपी फायदा आहे. वेगवान व विनाअडथळा वाहतूक, वायु व ध्वनी प्रदूषणात घट, इंधन बचत, परकीय चलनात बचत, सध्या असलेल्या सार्वजनिक बस वाहतुकीस उत्तम पर्याय आहे.

नागपूरची वाढती लोकसंख्या आणि सार्वजनिक वाहतूकीच्या आवश्यकतेचा विचार करून शहरातील मेट्रो वाहतूक व्यवस्था अधिक सक्षम करणाऱ्या मेट्रो रेलचा प्रकल्प राबविण्यात आला.

कु. नेहा सेलोरे
एम.कॉम. २ (M)

सुविचार

परिस्थिती माणसाला घडवत नसते,
तर ती त्याला प्रकट करते.

जेम्स ॲलन

मयुरी भोयर
एम.कॉम. १ (M)

शेतकरी आणि समाज

भारत हा कृषीप्रधान देश आहे असे संबोधण्यात येते. भारतातील बहुतांश जनता ही शेती आणि शेतीवर आधारीत उद्योग करून आपला उदर निर्वाह करीत असते.



आजचे युग हे आधुनिक युग असून शेतकरी आपली शेत जमीन विकून नव-नविन उद्योगांची निर्मिती करीत आहे. आणि रोजगार निर्मिती मोठ्या प्रमाणात होत आहे.

परंतु शेतकरी शेती न करता शेतजमीन विक्रीस का काढतो ? हा गंभीर प्रश्न निर्माण व्हायला लागला आहे. शेतकऱ्यांने शेत जमीन विकण्याचे अनेक कारणे आहेत.

शेतकऱ्यांची आज अनेक प्रकारे फसवणूक करण्यात येत आहे. आज शेतकऱ्यांना अनेक समस्यांचा सामना करावा लागत आहे. आज पर्यावरण (निसर्ग) ही सर्वात मोठी समस्या शेतकऱ्यांपुढे निर्माण झालेली आहे. तसेच सरकार व व्यापारी वर्ग यांकडून शेतकऱ्यांची मोठ्या प्रमाणात फसवणूक करण्यात येत आहे. आज शेतकरी आत्महत्यांचे प्रमाण मोठ्या प्रमाणात वाढत असल्याचे आढळून येत आहे. याचे मुख्य कारण काय हे शोधून काढणे आवश्यक आहे.

आज समाजामध्ये शेतकऱ्यांचे महत्त्व कमी झालेले आहे. आज समाजातील काही लोक शेतकऱ्यांची खिल्ली उडवित आहे. आज शेतकऱ्यांना 'मी शेतकरी' आहे असे म्हणणे लाजीरवाणे झालेले आहे. शेतकऱ्यांना जणू निच्व दर्जाचे असल्याचे वाटते आहे.

आज बहुतांश मुलींचे लग्न करतेवेळी मुलींचे वडील मुलांकडे शेत जमीन हवी परंतु मुलगा शेतकरी नको अशी अट मांडतात.

परंतु थोडा विचार करावा जर शेतकरी नसला तर आपणांस खायला अन्न कोण देणार ? कापड निर्मितीकरीता लागणारा कापूस कोढून येणार ? दररोज करोडो लीटर लागणारे दूध कोढून येणार ? इत्यादी अनेक प्रश्नांचा विचार करून शेतकऱ्यांकडे बघण्याचा दृष्टीकोण समाजाने बदलविणे गरजेचे आहे व शेतकऱ्यांना मान देणे ही काळाची गरज झालेली आहे. आज शेतकऱ्यांना एका सैनिका इतकाच सन्मान देणे गरजेचे आहे.

“जय जवान ! जय किसान !”

समीरखां पठाण

एम.कॉम. १ (M)

सुविचार

उद्या मरणार आहो असे जगा।

व कधीच मरणार नाही असे शिका।

■ महात्मा गांधी

यशस्वी शिक्षण हे यशस्वी जीवनाचा पाया आहे

■ विनोबा भावे

मयुरी भोयर

एम.कॉम. १ (M)

हिवरे बाजार

हिवरे बाजार हे अहमदनगर जिल्ह्यातील नगर तालुक्यातील एक छोटेसे गाव आहे. हिवरे बाजार हे गाव इतिहासांत घोड्यांच्या जातिच्या, बाजारासाठी प्रसिध्द होते. त्यामुळे बाजार हा शब्द हिवर या गावाला चिकटविण्यात आला तेव्हा पासून हिवरेबाजार हे गाव प्रसिध्द झाले.



१९७२ च्या दृष्काळानंतर ज्वारी आणि बाजरी हिच हिवरे बाजार गावातली मुख्य पिके झाली. ९५% लोक दारिद्र्य रेषेखाली गेलेले होते. गावात पावसाचे प्रमाण २०० ते ४०० मिलीमीटर असून गावातले लोक ४ महिन्यांसाठी स्थलांतर करू लागले. त्यानंतर गावामध्ये सावकारांचे राज्य आले. कालांतराने दुधाची जागा दारूने घेतली. दारूने गावात धिंगाणा, आणि मारामान्या होऊ लागल्या. आणि त्यानंतर मात्र १९८९ पासून हिवरे बाजार या गावाला एक नवी चादिशालना मिळाली.

बाहेर शिकायला गेलेली मंडळी शिकली. मोठी झाली आणि शहरातच स्थिरावली, पण एक ध्येय वेडा तरुण शिकल्यानंतर गावातच काम करायचं या ध्येयाने गावी परत आला. तेच म्हणजे पोपटराव बापुजी पवार होय. त्यांनी गावाचा विकास करायचं ठाणल आणि राजकारणात उतरून ते गावचे सरपंच बनले. औद्योगिक शेती, मुलांचा विकास, गावात वीज, रस्ते, दळणवळण सोयी अशा विविध सोयी सुविधा हिवरे बाजार या गावाला उपलब्ध करून दिल्या.

गावात विवाहापूर्वी मुला-मुलींची एच.आय.व्ही. चाचणी करणे बंधनकारक होती. गुटखा, खर्रा, तंबाखु, सिगरेट विक्रीला बंदी घातली आणि अंमलबजावणी ही केली.

हिवरेबाजार हे एक गाव नाही तर ते परिपूर्ण विकासाच एक आदर्श संकल्पचित्र बनले.

- १) महाराष्ट्र शासनाचा आदर्श गाव पुरस्कार - १९९५
- २) महात्मा गांधी तंटामुक्त ग्राम पुरस्कार - २००८
- ३) राजमाता जिजाऊ पुरस्कार - २०१२
- ४) संत गाडगेबाबा ग्राम स्वच्छता अभियान पुरस्कार - २००७

महाराष्ट्र शासनाने ११ सप्टेंबर २००७ रोजी National Ground Water Congress येथे हिवरेबाजार या गावाला राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान करण्यात आला.

रिना कोल्हे
एम.कॉम. १ (M)

जीवन बदलण्यासाठी वेळ सगळ्यांनाच मिळतो,
पण वेळ बदलण्यासाठी दोन वेळ
जीवन मिळत नाही.
हे जरूर लक्षात असू द्या.

मयुरी भोयर
एम.कॉम. १ (M)

शेतकऱ्याचे हाल



विराट सतरा करोडात गेला
धोनी पंधरा करोडात गेला
जगाचा पोशिंदा मात्र
झाडावर लटकून मेला ॥१॥

भारत कृषीप्रधान की क्रिकेट प्रधान
हाच मोठा प्रश्न पडतो
शेतकरी जगला काय मेला काय
सांगा कुणाला फरक पडतो ॥२॥

अरे एखादी मॅच तुम्ही
वावरात घेऊन पहा
शेतकऱ्याची जिंदगी
एकतरी दिवस जगून पहा ॥३॥

खेळांडूसारखे करोड नको
फक्त पिकमालाला भाव द्या
कृषीरत्न कृषीभूषण नको
फक्त शेतकऱ्याला मान द्या ॥४॥

समीर अजिज खाँ पठाण
एम.कॉम. १ (M)

ध्यास



लावले किती दीप बाबा
दलितांच्या उध्दारासाठी
ज्योत बनून स्वतःच
जळत राहीले गरीब जनतेसाठी
समाजाने किती हेडसाळल
तरी बाबासाहेब दटून होते
शिक्षणानेच माणूस प्रगतिशील
होऊ शकतो
हाच हट्ट धरून होते....
गरीबीतही शिक्षण घेणे
होता एकच ध्यास...
राजकीय सामाजिक आर्थिक
परिस्थितीत
सुधार करणे हा होता
एकच प्रयास....

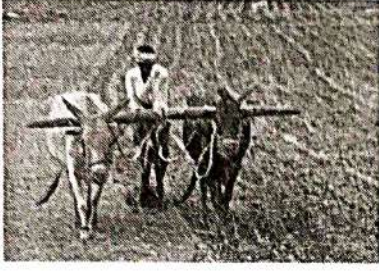
शिवानी मोतिलिंगे
बी.कॉम. ३ (M)

धर्म माणुसकीचा

चुकांवर चुका करणे हा तर, माणसांचा स्वभावच असतो.
पण झालेली चूक स्विकारून, त्या चुका सुधारणे हा तर,
माणसातल्या नष्ट होत चाललेल्या, माणुसकीचा गुणधर्म असतो.

माधुरी वानखेडे
एम.कॉम. १ (M)

ती ही असतात माणसं



जीवन वाटेवर
साथ देतात, मात करतात
हात देतात, घात करतात
ती असतात... माणसं
संधी देतात, संधी साधतात
आदर करतात, भाव खातात
ती ही असतात... माणसं
वेड लावतात, वेडही करतात
घास भरवतात, घास हिरवतात
ती ही असतात... माणसं
पाठीशी असतात, पाठ फिरवतात
वाट दाखवतात, वाट लावतात
ती ही असतात... माणसं
शब्द पाळतात, शब्द फिरवतात
गळ्यात पडतात, गळा कापतात
ती ही असतात... माणसं
काडीन देतात, गाडीनं काढतात
मातीत घालतात, मातीतही जातात
ती असतात... माणसं
दूर राहतात, तरी जवळचीच वाटतात
जवळ राहून देखील, परक्यासारखी
वागतात
ती असतात... माणसं
नाना प्रकारची अशी, नाना माणसं
ओळखायचीच कशी....
सारी असतात आपली
माणस !

माधुरी वानखेडे
एम.कॉम. १ (M)

महाविद्यालयीन जीवन



दर वर्षी वाटते...
अध्याय पाहून मात्र उत्तीर्ण होण्याची
भिती मनात दाटते...
जरी तासीका चालु राहतात
डोळक्यात काहीच जात नाही...
चित्र-विचित्र आंकड्या शिवाय
बोर्ड वर आणखी काहीच दिसत नाही...
तितक्यातच कुठुनतरी घरच्या कार्यक्रमाची
तारीख जवळ येते...
सेमिस्टर मधले काही दिवस नकळत
चोरून नेते...
नंतर अतिरिक्त तासिका घेऊन
भरभरा शिकवत राहतात...
थेरी, प्राबलेम, एक्झांपल सांगून
पाठ्यक्रम लवकर संपवू पाहतात...
पुन्हा-पुन्हा हात चालू लागतात
मन मात्र चालत नाही....
शिक्षकाशिवाय वर्गामध्ये
कुणीच मग बोलत नाही...
तासिका संपून सबमिशनचा
सुरु होतो पुन्हा खेळ..
मात्र असाइनमेंट पूर्ण करण्यामध्ये
फार-फार जातो वेळ...
चक्क डोळ्यांसमोर पाठ्यक्रम
चुटकी सरशी संपून जातो...
विवरण मध्ये वाचून सुध्दा
पेपर का बर वाईट जातो ?

शुभम कानेकर
एम.कॉम. २ (M)

आई



आई साठी काय लिहू
आई साठी कसे लिहू
जीवन हे शेत तर आई म्हणजे विहिर
जीवन हे नौका तर आई म्हणजे तीर
जीवन हे शाळा तर आई म्हणजे पाटी
जीवन हे कामच काम तर आई म्हणजे सुट्टी
आई तू उन्हामधली सावली
आई तू पावसातली छत्री
आई तू थंडीतली शाल
आता यावीत दुःखे खुशाल
आई म्हणजे मंदिराचा उंच कळस
आई म्हणजे अंगणातील पवित्र तुळस
"आई" ... "आई" ... "आई" ... असते..
देऊळ नसते..
देव नसते..
दुधावरची साय नसते..
फुल नसते..
चंद्र, तारा, वारा, चांदण्या, आकाश नसते..
अथांग अथांग सागर नसते..
"आई" .. म्हणजे नक्की काय.. ?
कोणीही सांगू शकणार नाही..
पण तरीही मला वाटते
"आई" ... म्हणजे तीच्या मुलाला..
या जगात तुच "सर्वश्रेष्ठ" आहेस..
असा आत्मविश्वास देणारी..
एक महान...प्रेमळ...व्यक्ती... असते !!!
"आई" "आईच" ... असते !!!!

सागर राऊत
बी.कॉम. २ (E1)

जीवन



काटेरी वाट चालतांना
पद झाले रक्तवंवाळ
भविष्यातील सोनेरी स्वप्न
सांगा कसे साकारणार
कधी अपयश तर कधी यश
यांचा लंपडाव चालू अविरत
कधी जळलेली भाकरी तर कधी पोटाला चीमटा
हेच जीवनातील कटू सत्य

आईची प्रांजळ माया,
'लहान' हृदयातून ओसांडत होती
मनोहराचे मंगल झाले, जागृत गजरभक्ती
प्रत्येक क्षेत्र कवेत घेतांना,
यमकाला कच्चून मिठी मारली, अन
अग्नी दिव्य चमत्कार झाला.
गगनचुंबी उड्डाण घेवून, आदर्शाचा शिरपेच
डोक्यावर आला.

प्रिया संग मनोहर, निरवील सोनल
जीवनाचे वास्तविक सत्य
गडाची प्रत्येक पायरी सर करीत,
कार्य केले भले
विवेकाने आरुढ झाले,
आयुष्याचा वाटेवर
प्रेरणादायी ठरेल सदा,
हे काव्यमनोहर

निकिता बोडेले
बी.कॉम. १ (E2)

बाबा

बाबा तुम्ही म्हणजे नदी
 जी कधीच आटत नाही...
 झरा जिच्या प्रेमाचा
 तो कधीच गोठत नाही...
 तुमच्या मुळे आम्हाला दुध, तुप आणि लोणी
 तुमच्या कष्टापुढे सारी दुनिया छोटी...
 किती दगदग करता बाबा
 पण अश्रु दिसत नाही...
 झरा जिच्या प्रेमाचा
 कधीच गोठत नाही
 कामाशी तुम्ही कधी केली नाही कष्टी
 तुमच्या सुखासाठी बाबा
 कधी घेतली नाही सुष्टी
 किती मरमर करता बाबा
 कधीच दमत नाही...
 झरा जिच्या प्रेमाचा कधीच गोठत नाही...
 पुरी दुःख वेदना सोसून
 तुम्ही देता आम्हा खुशी
 तुमची मांडी बाबा आमच्या साठी उशी...
 तुम्ही निळंकटीचा झरा जो कधीच आटत नाही..
 झरा जिच्या प्रेमाचा जो कधीच गोठत नाही...
 ताई सासरी जातांना तुम्ही
 शांत शांत का झाले... ?
 गुपचुप खोली मध्ये जाऊन
 अंश्रू पिऊन आले...
 किती रडरड रडले
 बाबा काही अश्रु दिसत नाही...
 झरा तिच्या प्रेमाचा कधीच गोठत नाही...
 बाबा तुम्ही म्हणजे नदी जी कधीच आटत नाही...
 झरा जिच्या प्रेमाचा जो कधीच गोठत नाही..



मयुरी शिवनकर
 एम.कॉम. १

आई



कसं सांगु मी तुला तू माझ्यासाठी कोण आहेस,
 कसं सांगु मी तुला तुच माझी देवी तुच माझी
 आत्मा आहेस
 जन्म देणारी तुचं, माझं पालन करणारी तुचं,
 माझ्या श्वासात तूच, माझ्या स्मरणात तुचं
 कसं सांगू मी तुला तू माझ्यासाठी कोण आहेस,
 माझा धर्मही तुचं माझां कर्मही तूच
 माझा रस्ताही तुच माझं वर्मही तूच,
 कसं सांगू मी तुला तू माझ्यासाठी कोण आहेस
 माझा आनंद तूच, माझे सुख तूच
 माझ्या झोपेत तूच, माझ्या स्वप्नात तूच
 कसं सांगू मी तुला तू माझ्यासाठी कोण आहेस
 पूर्वेस तूच पश्चिमेस तूच
 उत्तरेस तूच दक्षिणेसही तूच
 कसं सांगू मी तुला तू माझ्यासाठी कोण आहेस
 दिवसातही तूच रात्रीतही तूच
 माझ्या मनात तूच माझ्या कामातही तूच
 कसं सांगु मी तुला तू माझ्यासाठी कोण आहेस
 कसं सांगू गं आई तुला माझ जीवन आहे
 तू माझे सर्वकाही आहेस.
 कसं सांगु मी तुला तू माझी कोण आहेस
 कसं सांगू मी तुला तूच माझी देवी
 तूच माझी आत्मा आहेस.



विजय कोहळे
 बी.कॉम. २ (M)

आयुष्याला उत्तर द्यावे



असे जगावे दुनियेमध्ये
आव्हानाचे लावून अत्तर
नजर रोखूनी नजरेमध्ये,
आयुष्याला द्यावे उत्तर....

नको गुलामी नक्षत्रांची
भीती आंधळी तान्यांची
आयुष्याला भिडतानाही
चैन करावी स्वप्नांची...

असे दांडगी इच्छा ज्याची
मार्ग तयाला मिळती सत्तर,
नजर रोखूनी नजरेमध्ये,
आयुष्याला द्यावे उत्तर...

पाय असावे जामिनीवरती,
कवेत अंबर घेताना,
हसू असावे ओढांवरती,
काळीज काढून देतांना....

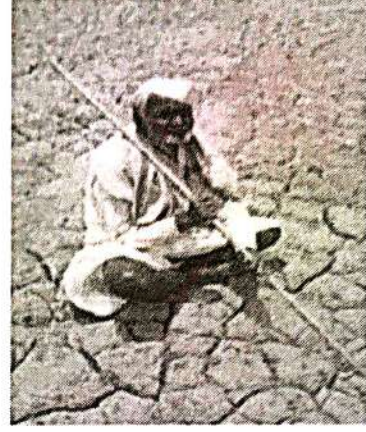
संकटासही ढणकावून सांगावे,
आता ये बेहत्तर
नजर रोखूनी नजरेमध्ये,
आयुष्याला द्यावे उत्तर...

करून जावे असेही काही,
दुनियेतुन या जाताना
गहिवर यावा जगास सान्या
निरोप शेवटचा देतांना...

स्वर कठोर त्या काळाचाही
क्षणभर व्हावा कातर-कातर
नजर रोखूनी नजरेमध्ये
आयुष्याला द्यावे उत्तर

शिवानी मोतिलिंगे
बी.कॉम. ३ (M)

शेतकऱ्याची व्यथा



येणारा पाऊस खूप लहरी
तेव्हा पिक तरी कुठून बहरी
येते पिकाला बिमारी
होते बळीराज्याची उपासमारी ।।१।।

जेव्हा कोसळते संकटे भारी
तेव्हा कामात येते शेतकऱ्याची शिदोरी
कारण शेतकरी करत नाही कुणाची गुलामगिरी
असा हा माझा बळीराजा कष्टकरी ।।२।।

होतो शेतकरी आजारी
येथे अडचण घरी
होते अन्नधान्याची चेंगरी चेंगरी
शेवटी देशाचा पोशिंदा शेतकरी ।।३।।

बौद्धिक मेहनतीला किंमत मोठी भारी
शारीरिक मेहनतीला कोणी न विचारी
म्हणून शेतकरी होतात कर्जबाजारी
आणि चढवतात स्वतःला फासावरी

कुणाल भोयर
एम.कॉम. १ (M)

माझे गुरू

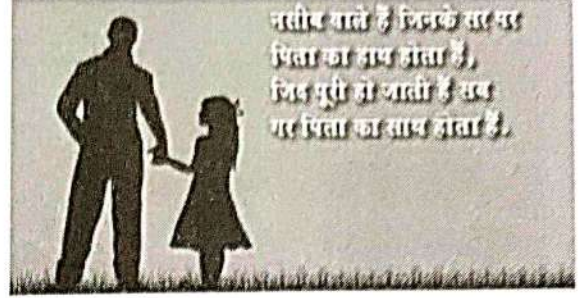


ते अचानक रस्त्याने जातांना दिसले...
 वयापेक्षा थोडे जास्त थकलेले भासले...
 मी धावत जाऊन त्यांना तेथेच थांबवले
 त्यांच्या उपकाराने मला पाठीत वाकवले
 नमस्कारासाठीचे हात त्यांनी मध्येच थांबविले
 मला उभे करून आपल्या गळ्याशी लावले
 किती मोठा झालास तू ? त्यांचे डोळे पाणावले
 तो प्रेमळ स्वर ऐकून माझेही बांध सारे फुटले
 काय करतोस आता गुरूजींनी मला विचारले
 माझी प्रगती ऐकून ते खूपच सुखावले
 शाळेत किती मार खायाचा तू ? ते गमतीने म्हणाले
 "घरी चला" म्हणताच एकदम गोड हसले
 डोक्यावर हात ठेवून पुन्हा येऊन म्हणाले
 माझ्या सारख्याच कुणासाठी तरी ते लगबगीने निघाले
 आयुष्यात त्यांचे स्थान नेहमी आधीच राहिले
 घडविले, ज्यांनी मला त्यांचे ऋण नेहमी राहिले

कुणाल भोयर
 एम.कॉम. १ (M)



नशीब

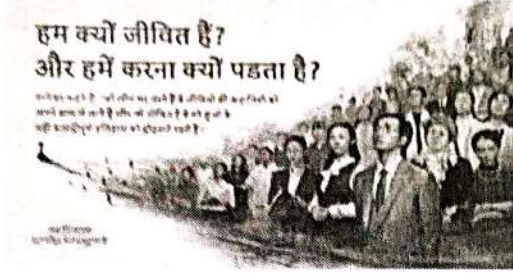


जी माणसं हवीशी वाटतात
 ती कधीही भेटत नाही
 जी माणसं नकोशी वाटतात
 त्यांचा सहवास कधीच संपत नाही
 ज्यांचाकडे जावेसे असे मनाला वाटते
 त्यांच्याकडे जायचं जमत नाही
 ज्यांच्याशी मन कधीच जुळत नाही
 त्यांची साथ कधीच सुटत नाही
 जेव्हा जीवन नकोसे वाटते
 तेव्हा काळ कधी संपत नाही
 जेव्हा जीवनाचा खरा अर्थ कळतो
 तेव्हा काळ कधीच थांबत नाही
 नशीब हे असचं असतं
 त्याचाशी जपून वागावं लागत
 तिथे कोणाचेच चालत नाही
 जिकडे नेईल तिकडे जावचं लागतं
 नशीब हे असचं असतं.

शुभम कानेकर
 एम.कॉम. २ (M)



तृप्ती



आज जीवन एका अशा वळणावर
येऊन थांबलं आहे की,

भूतकाळातील चुकांचा हिशोब
लागता लागेना...

वर्तमानकाळ तर माझ्याकडेच
बघून हसत आहे....

भविष्याचा आराखडा आखायला
घेतला की भूतकाळातील
अपयश हात मागे खेचत आहे.
एक दिवस समुद्राच्या किनारी बसून
सगळं दुःख कवेत घेऊन
असं काही मनमोकळेपणाने रडून घ्यावं
की भविष्यात निर्लज्जपणाने
जगता यावं...

नंदकिशोर गाखरे
एम.कॉम. १ (M)

उपदेश



नको कोणते पाप, करूनी अकुशाय कर्म
कमरा चित्ताची शुध्दता करुनि कुशल कर्म
द्यावे उपदेश बुद्धांचा, हाची बुद्धाचा धम्म
करा धम्माचे आचरण, घेऊनी सुचरित्रवाण
नका बनू दुराचारि, करूनी धम्माचि हेळसांठ
आचरिता धम्म बुद्धांचा प्राप्त होई निर्वाण

नको ती धम्मधर, जो बलि पुष्कळ
जानुन धम्म बुद्धांचा टाळतो तो आचरण
धम्मधर म्हणावे त्यासाठी
जो आचरिता धम्म प्रत्यक्ष

मला नाही कोणते शरणस्थान
बुद्धाचा धम्म माझे श्रेष्ठ अनुसरण
या सत्य वचनाने, होईल माझे कल्याण

रॉकी जिभे
बी.कॉम. १ (E3)

म्हणजे काय ?

सुख म्हणजे काय तर जे आहे दुःखाच्या विरुद्ध,
जीवनातल्या प्रत्येक टप्प्यात
जो देतो आपल्याला एक चित्र विचित्र
ज्ञान म्हणजे काय तर जे आहे अज्ञानाच्या विरुद्ध,
जे मिळाल्याने होते
मानवाचे जग पवित्र

पुण्य म्हणजे काय तर जे आहे पापाच्या विरुद्ध,
माणसाने माणसाशी
केलेला एक छंद

पुनम सरवरे
बी.कॉम. २ (E1)

प्रेम स्वरूप आई



प्रेमस्वरूप आई ! वात्सल्यसिंधु आई !
बोलावुं तूज आता मी कोणत्या उपायीं ?

नाही जगांत झाली आबाळ या जिवाची,
तुझी उणीव चित्तीं आई तरीही नाही
चित्तीं तुझी स्मरेना कांहींच रूपरेखा,
आई हवी म्हणूनी सोडी न जीव हेका

ही भुक पोरक्याची होई न शांत आई,
पाहुनियां दुज्यांचे वात्सल्य लोचनांही
वाटे इथूनि जावें, तुझ्यापुढें निपजावें,
नेत्रीं तुझ्या हसावें, चित्तीं तुझ्या ठेवावे !

वक्षीं तुझ्या परि हें केव्हां स्थिरेल डोंके,
देईल शांतवाया हृदय मंद झोके ?
घे जन्म तूं फिरुनी, येईन मीहि पोटीं,
खोटी ठरो न देवा ही एक आस मोठी !

प्रेमस्वरूप आई ! वात्सल्यसिंधु आई !
बोलावुं तूज आता मी कोणत्या उपायीं ?



अवंती सहारे
बी.कॉम. २ (M)

जी.एस.टी.



आले २१ वे शतक,
भारतीय होते एकजूट
आणि राजकारणाच्या पल्याड,
चालू झाली महालूट

खोटे व बढाई मारून,
राजकारण झाले धंदे
अगाऊ पैशाच्या मागे,
मळतात राजनेत्यांचे खांदे

दलाल पासून ठेकेदार,
लूटत चालले सारे जन
लूटून लूटून जमा केले,
पोटात भरले काळे धन

सर्वांना एकत्र जोडत,
आली GST कराची तार
फूकट चालवलेल्या शोषणावर,
तोड दाबून बुक्यांचा मार

सारे धंदे बंद करून,
दाखवले त्यांचे खरे भाव
योग्य ते तर लादून,
अगाऊंना केले चले जाओ

जी.एस.टी. च्या करामुळे,
राष्ट्र झाले एकत्रीत
आर्थिक स्थितीत सुधारणा,
हातभार लागला प्रगतीत

व्यापार ते कारखानदारी,
सारे आले उदयास
योग्य ते कर आल्याने,
राष्ट्राचा झाला विकास

अश्लेशा जाधव
बी.कॉम. १ (E1)

आयुष्य



आयुष्यात सुख तर कधी दुःखांच्या काट्यांचा फास ।
प्रत्येकाच्याच जीवनात असतोच हा खडतर प्रवास ॥

लहानपणी नसते समज मनाला, तेव्हा घेतला सुखाचा श्वास ।
मित्रांसंगे खेळतात, हसण्यात अन् दंगामस्ती
करण्यात गेला तासन्तास ॥
आयुष्यात सुख तर..... । १ ।।

कॉलेजात गेल्यावर मुलींच्या मागे फिरण्यात
अन् व्यसन करण्यात ।
कॅटीनमध्ये गप्पागोष्टीत झाला वेळेचा अपव्यय
अन् जीवनाचा सत्यानास ॥
आयुष्यात सुख तर... । २ ।।

समज आल्यावर आयुष्यात काहीतरी
करण्याची लागली आस ।
पण तरुणपणी संसारात गेले
सर्व ध्यान ॥
आयुष्यात सुख तर... । ३ ।।

म्हातारपणी आला आयुष्याचा अनुभव
अन् कळले जीवनाचे सार ।
आता रडत हसावे कि हसत रडावे,
आयुष्य एकदाच का ? हा पडला मनाला
कठीण प्रश्न ॥
आयुष्यात सुख तर.... । ४ ।।

राजेश कुडवे
एम.कॉम. १ (M)

**ACTIVITY PHOTOS
&
COMMITTEE REPORTS**

ACTIVITIES OF M. COM. DEPARTMENT



Dr. P. M. Paradkar delivering Lecture on Library Awareness



A session by Prof. A. S. Jain familiarizing the students with Academic Regulations for Autonomous Curriculum



A motivational Lecture for students by Prof. S. S. Kathaley



Students handing over the contribution done for Kerala Disaster Relief Fund forwarded by College through NSS



Tree-plantation by students on the occasion of Teachers Day



Class-room Presentations/Seminar by students of M.Com (Marathi medium)



Class-room Presentations/Seminar by students(English Medium)



Students solving Crossword at Crossword Competition

ACTIVITIES OF M. COM. DEPARTMENT



Team of students presenting Financial News at Financial News Competition



A Seminar by Prof. A. S. Jain on e-filing of GST and TDS returns



A Workshop on "How to Score better in Autonomous/University Examination by DR. S. S. Gadekar



A Workshop by Prof. A. S. Jain on "Statistical Tools for Research"



Winners at Financial News Analysis Competition



Winners of Crossword Competition



M.Com students participating in Swacha Bharat Abhiyan on the occasion of Gandhi Jayanti



Prof. Deepali Randive, successful student (SET- May, 2016) of the cell guiding the students on "How to prepare for NET/SET Examination"

MBA DEPARTMENT



Ms. Anagha Deshmukh, MBA -1st jury award by DNC.



First Prize in virtual trading competition at Tirpude college of Management



Ms. Hemlata Banpela, Ms. Anli Banpela and Mr. Sudip Dhakal - IIIRD Sem. Students won prizes in G. K. Quiz Organised by Shiksha Mandal, Wardha



Guest lecture on Entrepreneurship development : Opportunities and Commitment Mr. Hement Singh



Manthan :- Business plan presentation competition at DMSR.



Kshitij A career conclave for enhancing employability skills of students.



Visit to Hindustan coca-cola Beverages private Ltd. Hyderabad



Visit to Anandwan

MBA DEPARTMENT



Principal, Dr. Khandaik, welcoming Chief Guest Shri Atul Pande, President VIA at Shodh



Students presenting their research paper at Shodh



Intercollegiate business quiz at Management Fervor



Students testing their stock market skills at Management Fervor



Samvidhan and vigilance week celebration, in association with united India Insurance company Ltd.



Students visit Indian Centre for ocean Information, Hyderabad



Students Visit NEERI



Sports' Day at DMSR

ACTIVITIES OF BCCA DEPARTMENT



Aarambh-2018: A welcome programme for Freshers



Guest Lecture on 'Tally'



Seminar Presentation by Students



Students won First Prize in State Level Seminar Competition



Industrial Visit: Value Labs, Hyderabad



Industrial Visit: Bisleri Internationals, Bengaluru



Students at Chamunda Hills, Mysore



Ramoji Studio, Hyderabad

ACTIVITIES OF BCCA DEPARTMENT



Students interaction with Shri Ankit Rao, Manager, Amazon India, Bengaluru



Tech-Pro: 2019



Nostalgia: A Farewell Program



Students and Teachers at Nostalgia-2019

BBA DEPARTMENT



Career Orientation Programme



Demonetisation Report Submission to GST Commissioner



Workshop on CV Writing and Interview Skills



Essay Competition on 'India of my dream' Prize winners

ACTIVITIES OF MCVC DEPARTMENT



Felicitating of Shri Pradeep Lonare, Deputy DVO for 'Kaushalya' event



Felicitating of Shri Shashikant Deshpande, Director, MKCL



Principal Addressing during Kaushalya Inauguration



Exhibition of Models during Kaushalya



Industrial visit to Dinshaw's



Regional Level Model Exhibition

PARENT TEACHER MEET



A Parent expressing his views in the Parent-Teacher Meet



Principal Dr. N. Y. Khandait at Parent-Teacher Meet

JUNIOR FEST & CULTURAL ACTIVITIES



Felicitation of Shri Atul Pande at the hands of Shri Sanjay Bhargava



Felicitation of Shri Ravikant Deshpande



Shri Atul Pande Addressing during Junior Fest



Shri Sanjay Bhargava and Shri Atul Pande with students.



Prize Distribution of Junior Fest



PPT Competition



Quiz Competition



Debate Competition

CULTURAL WEEK OF SENIOR COLLEGE



Principal Dr. N. Y. Khandait lighting the lamp during Inauguration.



Principal Dr. N. Y. Khandait inaugurating the Cultural Week Umang



Mehendi Competition



Cookery Competition



Poster Competition



Judges evaluating the Rangoli Competition .



Singing Competition



Dance Competition

JUNIOR COLLEGE CULTURAL WEEK



One Act Play



Winners of Cultural Programme



Group Dance



Winner of Cultural Week Prize Distribution

DEPT. OF LIFELONG LEARNING & EXTENSION



KARATE Training camp for Girls.



Winners of Poster Competition on the occasion of world literacy Day.



Essay Writing Competition on the occasion of world population Day



Dr. kavita chandak expressing her views on 'Health and hygiene'

PLACEMENT CELL



Total 45 students were placed by the reputed company Concentrix Ltd.



Ms. Vishakha Patel From ICICI Prudential Life Insurance Co.



Mr. Chetan Pathak at Up Healthcare Pvt. Ltd.



Mr. Laxmikant Addressing students during Recruitment Drive by Tally



Principal Dr. N. Y. Khandait addressing at Digital Launch Ceremony of RUSA Projects.



Hon. P. M. Mr. Narendra Modi during the Digital Launch.



Guest Lecturer of Mr. Vivek Narkhede on Career Options.



Group Discussion and Aptitude Test Organised at Seminar Hall.

ACTIVITIES OF COMMERCE STUDY CIRCLE



Orientation Programme on Value Addition Courses



Orientation Programme on Value Addition Courses



Live Screening of Interim Finance Budget 2019



Live Screening of Interim Finance Budget 2019



Interactive Session by Shri. Anand Banerjee from TCS.



Ms. Ishita Chatterjee from TCS.



Mr. Maharshi Wyas interacting with students on the topic of Resume Building



Mock interview session conducted by Mr. Maharshi Wyas.

LITERARY STUDY CIRCLE & SHABD FORUM



Inauguration of Shabd forum wall magazine



Book Exhibition on Hindi Diwas



Poem competition on Hindi Diwas



Prin. Dr. N. Y. Khandait felicitating Shri Dilip Maisalkar



Principal Dr. N.Y. Khandait addressing at 'Wachan Prerna Diwas'



Ms. Pooja Ispande expressing her views on Dr. A.P.J. Abdul Kalam Jayanti



Viva-Voce Exam of CWCS Certificate Course in Hindi



Written Exam of CWCS Certificate Course in Hindi

LIBRARY COMMITTEE ACTIVITIES



Shri Dilip Mhaisalkar addressing during Marathi Bhasha Gaurav Diwas



Prin. Dr. N.Y. Khandait addressing the Students



Dr. P. M. Paradkar addressing the Students



Students at Marathi Bhasha Gaurav Diwas



Book Review Competition Prize



Felicitation of Students



Marathi Bhasha Gaurav Diwas Book Exhibition



Book Exhibition on occasion of Hindi Diwas

DAY CELEBRATION COMMITTEE ACTIVITIES



Mahatma Gandhi & Lal Bahadur Shastri Jayanti



Mahatma Gandhi & Lal Bahadur Shastri Jayanti



Celebrating Independence Day



Donation of Money by NCC



Paying tributes to Sardar Patel on his birth Anniversary



Rally on the occasion of 'Rashtriya Ekta Diwas'



Dr. B. R. Ambedkar Mahaparinirvan Diwas



Celebrating Swami Viveknand Jayanti

DAY CELEBRATION COMMITTEE ACTIVITIES



Prin. Dr. N.Y. Khandait delivering speech on Death Anniversary of Mahatma Gandhi



Patriotic Songs by Students on Mahatma Gandhi Death Anniversary



Mahatma Gandhi Death Anniversary



Poster Making Competition held on 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi



Dr. Babasaheb Ambedkar Mahapariniwan Diwas



Rashtrasant Tukadoji Maharaj Jayanti



Prin. Dr. N.Y. Khandait alongwith Ritesh Pillare & Ram Chhabariya for getting selected at state level Indradhanush Competition by RTMNU Nagpur



Prin. Dr. N.Y. Khandait & Dr. R. Sahu alongwith Ku. Shreya Chakraborty & Mr. Shreshtr Singh for getting 1st prize in elocution Competition at DNC

GS-COMNEX ACTIVITIES



Quiz Competition



Quiz Competition: Winners of quiz competition



Debate Competition: Dr. Pravin Bhagdikar, judge, guiding the students



Winners of Debate Competition



Company Analysis Competition: Principal Dr. N.Y. Khandait



Quiz Competition: : Principal Dr. N.Y. Khandait: sharing his views



Quiz Competition: Prof. Akash Jain, in charge



Debate Competition: Prof. S. S. Kathaley sharing her views with the participants

GS-COMNEXT ACTIVITIES



Guest Shri. Ajit Diwadkar, expressing his views during Inaugural Session



Dr. D. V. Chavan, Convener at Debate Competition



Guest interacting with participants of Commerce Model Competition



Commerce Model Competition



Shri Rakesh Awachat interacting with students at Commerce Model Competition



Students presenting during Company Analysis Competition



Students presenting during Company Analysis Competition



Prof. Sumant Wachasunder, Judge of Company Analysis Competition

FILM SOCIETY ACTIVITIES



International Day of Persons with Disability



Stephen Hawking screened on International Day of persons with Disability



Screening of '101 Dalmatians' in Bajaj Bhawan seminar hall



Students watching 'Dr. Prakash Baba Amte- the Real Hero'

CPBFI ACTIVITIES



HR Workshop : Conducted by Team from Bajaj Finserv



Workshop on self-confidence, attitude Building and Personality Development



Launch of the Batch by Shri Ajay Sathe, Bajaj Finserv.



HR Workshop

NSS ACTIVITIES



Students taking oath under Swachha Bharat Abhiyan Internship



Students awareness session under Swachha Bharat Abhiyan



Shri Raja Bhau Chitnis giving lecture on women empowerment



Old clothes donation programme in Mandva village



Hon. Shri Kundan Hathe (Wild Life Warden at Nagpur)



Cleaning campaign in Nagazari village under 7 days college camp



Mr. Kishor Irpate, Assit. Director (Min. of MSME, Gol) addressing on Entrepreneurship Development



Shri. Keshav Walke, Director, NSS, RTMNU addressing NSS students on Role of Youth in Nation Building

NSS ACTIVITIES



NSS volunteers participated in Nagpur Marathon



NSS volunteers' weekly contribution in I-Clean programme



NSS volunteers' in Intra-Yuvarang



Demonstration programme for the use of EVM & VV PAT Machine



Awareness rally on Lokshahi Niwadnook



Tree plantation programme under SBSI at Botanical Garden, Nagpur



Tree plantation programme under SBSI



Kamdeo Bhoge receiving Best NSS Volunteer Award

NSS ACTIVITIES



Essay competition on the occasion of World Population Day



Voluntary Blood Donation Camp in college campus



Jaldindi for Water conservation conducted by RTMNU



Awareness spreading programme for Mahiti Dut App.

NSS ACTIVITIES JUNIOR COLLEGE



Principal Dr. N.Y. Khandait addressing on Constitution Day



Taking Pledge on Constitution Day



Inauguration of N.S.S. unit 2018-19



Swachhata Abhiyan on Gandhi Jayanti 2nd Oct. 2018

N.C.C. ACTIVITIES



Army training of NCC Cadets



Cleanliness drive by NCC Cadets



NCC Cadets donating blood in Blood Donation Camp



International Yoga Day Yogasanas by NCC Cadets



Republic Day Parade



UD Shruti Bundela Commanding Republic Day Parade



Sgt. Shivam Soni
Best Drill



Under Officer Shruti Bundela
Best Cadet



Under Officer Rakshit Chourasia
Attended All India Advance Leadership
Camp at Gujarat

SPORTS ACTIVITIES



Observation of "International Yoga Day" on 21st June 2018



Inter-departmental Sports Quiz Competition, on the occasion of celebration of National Sports Day on 29th August 2018



Tennis-ball Cricket (Boys) Inter-class Final competition



Tennikoit (Boys) Inter-class Final competition



Tug-of-war (Boys) Inter-class Final competition



Tennis-ball Cricket (Girls) Inter-class Final competition



Volleyball (Girls) Inter-class competition



Throwball (Girls) Inter-class competition

INTERNATIONAL DAY OF PERSONS WITH DISABILITIES



Principal Dr. N.Y. Khandait Felicitating Shri Santosh Choudhary, our Ex. Student



Principal Felicitating Dr. Heena Dhangra



Principal Felicitating Shri Satpute



Principal with M.Com Student Vaibhav Hatwar

FAREWELL PROGRAMME



Farewell to Smt. Pournima Chaurasia on her superannuation



Farewell to Shri A. T. Pohokar on his Superannuation

CA - CPT CELL ACTIVITIES



A Seminar on 'Career opportunities in Commerce' was conducted by ICAI, Nagpur Chapter
L to R : CA Premkanta Daga, CA Jitendra Sangani, Chairman IWCASA, Prof. M. V. Purohit, Co-ordinator
CA Foundation & CS Foundation Guidance Cell, CA Umang Agrawal, Chairman-ICAI Nagpur
& Mr. Kapil Gupta.

ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT CELL



Mr. Neeraj Singh Rathore, International life coach during motivational speech under Entrepreneurship Development Cell

Report of M. Com. Department

It gives me immense pleasure to present the annual report of the department for the academic year 2018-2019.

Objectives:

- 1) To provide Post Graduation Course in Commerce as per the Autonomous Curriculum in English, Marathi and Hindi Mediums.

Participation and Achievement:

1. Many students participated in NSS, Sports and ECA and got honour at college and university level.
2. Many students have participated in all the activities conducted by Shiksha Mandal, Wardha.
3. Students have actively participated in all the activities conducted by various departments and won prizes.
4. Students have actively participated in GS-COMNEXT.
5. Students have actively participated in the activities of Life- long Learning & Extension Department
6. Students have participated in Mission Sahasi & Self- defence Workshop for 3 days.

Activities:

1. **How to Score better in the Semester End Autonomous Examination:** A workshop was conducted by the M.Com. department on October 31, 2018 order to make the students familiar with the pattern of examination under Autonomous syllabus & enable them to understand the style of writing the answer paper in the final examination under autonomous pattern in view of newly introduced said pattern.
The workshop also covered various silly mistakes that are usually made by the students in the examination so that they should not be repeated by the students in the examination so that they can score good marks.
2. **Workshop on "Statistical Tools for Research":** A Workshop was conducted on October 31, 2018 by Prof. Akash Jain for the students of M.Com Semester II in order to enhance the practical applicability of students regarding the knowledge of statistics gained by them in the class.
3. **Seminar by the students on e-filing of GST and TDS returns:** A session for the students was organized by the department on March 22, 2018 in which students were given demonstrations on the e-filing process of GST as well as TDS returns by Prof. Aakash Jain.
4. **Session on awareness about Autonomous Curriculum:** A session was organized on July 20, 2018 to make the students aware about various nitty-gritties of autonomous curriculum like calculation of CGPA, SGPA, allocation of credit points for value-added courses, ECA etc., syllabus and paper pattern.

5. **Motivational Lecture:** - A motivational Lecture was conducted by Prof. Mrs.S.S.Kathaley on January 19,2019 boosting the students to develop a positive and firm attitude towards career framing and goal achievement.

6. **Financial News Analysis Competition:** A Financial News Analysis Competition was organized by the department on March 20,2019. In this competition, students have collected news from financial newspapers (such as Business Standard, Financial Express etc.), and presented various aspects of the news in the form of presentation.

Following were the winners of the competition:

First Prize : Team comprising of Arti Verma & Krishnakant Pandey

Second Prize : Sushmita Das

Third Prize : Team comprising of Apoorva Bhusari & Sakshi Amale

First Consolation: Team comprising of Kartik Kushwaha & Nikhil Tembhurne

Second Consolation: Rajeshwari Sharma

7. **Commerce Crossword :** M.Com. Department organized an activity of Commerce Crosswords for students on 1st October,2018 to enhance the applicability skills of the students related to their curriculum and outside scenario. This activity was conducted by the department as one of its innovative teaching learning method.

Following were the winners of the competition:

First Prize: Team comprising of Piyusha Telang, Chetna Singh, Sakshi Shivhare

Second Prize: Team comprising of Pankaj Ganvir, Sana Sayed, Shiksha Verma &

Team comprising of Shubham Suryawanshi, Shobha Chavhan, Avinash Samarth

Third Prize: Team comprising of Ravina Nikhar, Rashmi Srivastava, Vaishali Rajuke

8. **Library Awareness Lecture:** A Lecture on Library Awareness was conducted by Dr. P. M. Paradkar, Librarian on July 23,2018 in order to make students aware about various facilities provided by the Library such as N-List, J-Gate etc.

9. **Various achievements of the department:**

Performance in various Competitions:

a) Winner at Quiz Competition: - Shubham Suryawanshi, Student of M.Com. Semester IV (English Medium) has won 2nd Prize at Quiz Competition Yuvarang conducted by RTMNU.

b) Winner at Essay Competition: -Piyusha Telang, Student of M.Com. Semester IV (English Medium) has won 1st Prize in Essay Competition "Vedh" conducted by Dr.Ambedkar College on the topic "Women Empowerment through Sports"

c) Winner at G.K.Test : - Abhishek Mishra, Student of M.Com. Semester IV (English Medium) has won 3rd Prize in General Knowledge Test conducted by our Parent Body, Shiksha Mandal, Wardha

- d) Winner at Quiz Competition: - Abhishek Mishra, Student of M.Com.Semester IV (English Medium) has participated as a team member & won 2nd Prize in Quiz competition organized by our Parent Body, Shiksha Mandal, Wardha
- e) Achievement at Gandhi Vichar Exam: - Shubhangi Narekar, Student of M.Com. Semester IV (Marathi Medium) has secured Gold Medal at University Level.
- f) A team of students comprising of Kailesh Jaitwar, Jayant Rane, Raja Sanodiya from M.Com. Sem I has been selected for Zonal Round of RBI Policy Challenge 2019. They have participated at Zonal Round held at Pune and scored 4th Rank out of 7 teams.
- g) Avishkar - 2019: Kailesh Jaitwar from M.Com. Semester I was selected in inter-collegiate level to represent RTM Nagpur University at state Level Research Paper Presentation Competition at Gadchiroli. The Title of his Research Paper – "Digitization of the Indian Agricultural Sector and Its impact on Indian Farming Community".
- h) Winner at Quiz Competition: Shubham Suryawanshi, Student of M.Com. Semester IV (English Medium) has won 1st Prize at Quiz Competition held by MBA Department of G.S. College, Wardha.
- i) Winner at Mock Stock Competition: Shubham Suryawanshi, Student of M.Com. Semester IV (English Medium) has won 3rd Prize at Quiz Competition held by MBA Department of G.S. College, Wardha.
- j) Winner at Quiz Competition: Shubham Suryawanshi, Student of M.Com. Semester IV (English Medium) has won 2nd Prize at Quiz Competition at "Management Fervor" held by MBA Department of G.S. College of Commerce & Economics, Nagpur
Winner at Mind-Manthan Quiz Competition : Jeom comprising of Shubham Suryawanshi, Piyusha Telang, students of M.Com Semester IV (English Medium) has won First Prize at Quiz Competition during GS-conment held at G.S. College of Commerce & Economics, Nagpur.
- k) Winner at Ad-making competition: Team comprising of Ashwini Joshi, Poonam Bhoyar, Raja Sanodiya won 1st prize at Add-making competition at "Management Fervor" held by MBA Department of G.S. College of Commerce & Economics, Nagpur
- l) Winner of Best library User Award: Mainnuiddin Sheikh of M.Com II Semester IV has won the prize for Best Library User.
- m) Best NSS Volunteer Award: -
Pravin Sakhare, Student of M.Com. Semester II (Hindi Medium) has been awarded as Best NSS Volunteer at State Level.
Kamdeo Bhoge, Ex- student of M.Com(2018 batch) has been awarded as Best NSS Volunteer at University Level.

Winner at college level, Cricket Match : The boys cricket team of M.Com I (E), won the college level cricket match and M. Com I (E) girls team was at the runner-up position.

Achievement at NET Examination: -

- Shubham Suryawanshi, Student of M.Com. Semester IV (English Medium) has qualified NET Examination held in December 2018, conducted by National Testing Agency.
- Ravina Nikhar, Student of M.Com. Semester IV (English Medium) has qualified NET Examination held in July 2018, conducted by National Testing Agency.

10. Remarkable Achievements:

Our students have secured merit positions in RTM Nagpur University Merit List as follows:

RTM Nagpur University Merits – Summer 2018:

- Miss. Mrunmayi Kanetkar – 7th Merit Position.
- Miss. Pinki Kumar – 7th Merit Position.
- Miss. Sonika Jana – 8th Merit Position

11. Placements:

- | | |
|-----------------|-------------------------------|
| a. Concentrix-6 | d. Genpact-2 |
| b. Wings up-1 | e. Connect-4 |
| c. ICICI-3 | f. Lata Medical Foundation -5 |

12. Group Discussion taken on current affairs, Sudeko solving by students.

13. Assignment given to all classes.

14. Class test and unit test conducted.

15. Prelim and Viva-Voce conducted.

16. Participation of students in various extra-curricular and co-curricular activities conducted at intra-collegiate and inter-collegiate level.

The department gives special thank to Principal Dr. N. Y. Khandait for his valuable guidance and timely support and also thanks all the staff members for their co-operation and support.

Plan for Session 2018-2019:

- To admit sincere and regular students for the course.
- To provide pro-active teaching and learning resources to them in order to foster their understanding about the subject knowledge.
- To focus on student centric teaching learning approach.
- To encourage students to participate in co-curricular and extra-curricular activities in order to enhance their personality.

Dr. S. D. Morey
Co-ordinator

REPORT OF MBA DEPARTMENT 2018-19

It is a matter of pride and privilege to present the report of Department of Management Sciences & Research (DMSR) for the session 2018-19.

1. ACADEMIC AND ADMINISTRATIVE ACTIVITIES

- ✓ **Facilitation centre:** DMSR served as a DTE authorised facilitation centre for the MBA admission process for the academic year 2018-19. FC commenced its operations on 7th June and concluded on 16th August 2018. At FC, the process of documents verification, uploading and counselling sessions were carried out for MBA aspirants. There were total 1080 walks ins, out of which 415 were issued acknowledgements.
- ✓ **Team building session:** The academic session started with a Team Building session by Mr. Tushar Mulay, Sr. Trainer Advisor from Global Education Ltd, Nagpur. He held an activity based session on 8th September 2018 where students were groomed to identify factors facilitating or hindering group dynamics and understand vital group development parameters for an effective team work.
- ✓ **Manthan:** Manthan, an intra department-Business Plan Presentation Competition was organised on 13th October 2018. "Manthan" helps in enhancing the analytical and communication skills of the students from the business perspective and provides a platform in generating entrepreneurship development ideas.
- ✓ **CET/CMAT Classes:** Month long CET/CMAT classes were conducted by DMSR faculty for all the MBA aspirants of the college from 2nd Jan to 12th Feb 2019. Mock tests were conducted. Total 30 students enrolled for the program.
- ✓ **English Communication activity:** Prof Nadeem Khan, Director, Indian Institute of Mass Communication, Amravati, interacts with the students regularly and has been conducting sessions for improving their English communication skills.

2. EXTRA CURRICULAR AND CO-CURRICULAR ACTIVITIES

- ✓ **LIVE PROJECTS:** Live projects were undertaken by students of DMSR to understand economy and market fluctuations. The details are as follows:-
1. **A study to understand the downfall of Rupee against Dollar.** A total of 16 MBA-1st year students undertook a market research project on the topic, 'The downfall of Rupee against the US dollar.' They carried out this project by interacting with various Economists, Industrialists, Research Scholars, Bankers and Financers. The findings of the report were presented before the Chairman, Shiksha Mandal, Shri Sanjay Bhargava in the form of a power point presentation followed by an interaction session with him.
 2. **MAPRO Internship:** All the MBA –I semester students were selected for the live

project of MAPRO Pvt Ltd, Pune at Retail outlets in Nagpur. The objective of this live project was to analyse the Brand awareness and preference of MAPRO products through Consumer and Retail Survey.

3. **Live project on Branded Vs Non- Branded Savouries:** 59 students actively participated in a exclusive market survey to analyse the demand and acceptance of branded versus non – branded salted savouries. The students worked upon designing of the questionnaire, selecting samples and submitting the report.
- ✓ **Kshitij** –A Career conclave was organised on 20th October, 2018 for enhancing the employability skills of management students. An Industry Institute Interface event held under the placement cell. Corporate experts from Amazon, Hyderabad, MyFm, Nagpur, Marketing Manager, Haldiram's, Nagpur, Cluster business service leader, Relationship & Service Management, YES Bank, Nagpur, and Vice president, Construction Equipments, YES Bank, Nagpur along with Sales head of Auto loans & Super Bikes, YES Bank, Nagpur & Chhattisgarh were the speakers. These corporates interacted with the students and answered questions on industry expectations from a MBA student.
- ✓ **Samvidhan & Vigilance Day:** DMSR, in association with United India Insurance Company Ltd celebrated "Vigilance Week" on 31st October, 2018 to spread awareness and importance of integrity, transparency and accountability amongst students.
- ✓ **Industrial Visit & Tours:** DMSR organises Industrial visits and tours with the purpose of exposing them to the practical learning in an organisation.
 - a. **Visit to NEERI:** Industrial Visit was organised to (NEERI) National Engineering Environmental Research Institute, Nagpur on 12th October, 2018.
 - b. **Visit to ANANDWAN:** MBA II Semester students visited ANAND VAN on 30th November 2018. Students also learned about the concept of social entrepreneurship which inculcates the value and sense of respect of self-less service to humanity.
 - c. **Visit to Hyderabad:** Industrial tour was organised to Hyderabad from 22nd to 26th Jan 2019. A total of 38 students visited HCCB (Hindustan Coco-cola Beverages Private limited) which has attained bench mark in quality products and services and Indian Centre for Ocean Information where students were inducted on Tsunami alarming, Global warming cautions centre, Fishing Reserves and many more satellite based operations which alarms the natural calamities.
- ✓ **Guest Lectures:** A series of guest lectures were organised by the department in order to give students a practical perspective to academic learnings. The details are as follows:

Sr.No.	Date	Name & Designation	Organisation	Topic
1	18/08/2018	Mr. Rishi Chourasia Founder	Vikalp Education	Importance of General Aptitude & Business terminologies in Campus Interview
2	18/08/2018	Mr. Mayank Dehadia Manager- Training & Business Development, J-Gate	J-Gate	J-Gate and conventional benefits academics
3	23/08/2018	Mr. Sushrut Pattiwar Marketing Head	Communix lab Nagpur	Digital Marketing and its scope
4	14/09/2018	Mr. Ravi Prasad Sinha	Resource Person	Universal Human Values and Education
5	30/10/2018	Dr. P.N. Mishra, Professor of Management	Head, School of Economics, Allahabad	Management learnings from Ramayana & Mahabharata"
6	29/01/2019	Mr. Vivek Narkhede Stock Market consultant & Business Coach.	Om Innovations	Stock market Analysis for the MBA students
7	9/02/2019	Mr. Neeraj Singh Rathore PMP certified speaker	PMP Certified	Traits and Innovations in Entrepreneurship Development
8	23/02/2019	Mr. Hemant Singhal	CEO, Aerographic Papers	Entrepreneurship Development Opportunities & Commitment

Campus Placements & Summer Internship Projects

- ✓ Several placement drives were conducted for the students of DMSR. The companies which have picked up students in these drives are HDFC bank, Bajaj Capital, ICICI Prudential, Fly Wheel Academy, and NVCC just to name a few, and many more to come in the coming days. The average package so far has been Rs 3.0lakh.
- ✓ Summer Internship Projects : The companies which hired DMSR students for the Summer Internship Project this year are Gaurang Insurance, Raymond, Axis Bank, Vivo, HDFC Finance, Coca-Cola, etc.

RUNBHOOMI 2019- Sports' Day @DMSR

Department of Management Sciences & Research, G.S.College of Commerce & Economics, Nagpur organised Runbhoomi-Annual Sports' Day for the MBA students on 1th March,2019. An intra departmental event, Sports' Day saw series of Sociable matches being played between MBA- I year and MBA- II year students. The event was inaugurated in the presence of Dr.N.Y.Khandait, Principal, G S College, Dr. Ashwini Purohit, Director, DMSR and Dr Ashwini Sakalkale, Director, Sports Department and Prof Tiwari from Sports department.

MANAGEMENT FESTIVAL

Management festival was held at DMSR, G.S.College of Commerce & Economics from 14th to 16th March 2019. Management festival comprised two major events; SHODH and MANAGEMENT FERVOR.

SHODH:-

Shodh, a national level paper presentation competition –Search for excellence, a forum to address and converse on the issues which desire analysis, address and deliberations. The themes for this year were Aviation sector in India- In an air pocket? Is the new business model bust? E-commerce, Ola/Uber & What ails corporate Governance in India? Cases of ICICI, IL&FS, NPA & Management lessons and cautionary tales from warren buffet. Shodh 2019 was inaugurated by Shri Atul Pande, President VIA, alumnus of G.S.College of Commerce & Economics, Nagpur in the prsence of Dr N Y Khandait, Principal and Dr Ashwini Purohit, Director, DMSR. Judges for the technical sessions were Ms. Renu Kulkarni, CMA, Institute of Accountants of India and Mr. Sameer Deshpande, Director, GIM & Wealth Management Pvt Ltd. The contemporary topics of SHODH this year received encouraging response from colleges all across. Dr Geeta Naidu convened the event.

MANAGEMENT FERVOR:-

Management fervor is a fine amalgamation of various education centric management activities which also makes learning an enjoyable experience. It has Various events like Business Quiz, Mock Stock Simulation games, Debate, and Ad making competitions. The event was inaugurated by Dr. Anant Deshmukh, HOD, Department of Business Management, RTMNagpur University in the presence of Dr N Y Khandait, Principal and Dr Ashwini Purohit, Director, DMSR. Participants won accolades from judges. Esteemed industry and academic professionals like Mr. Rajan Agrawal- Member NVCC, Mr. Abhishek Jha- Director Glocalasia, Dr. Jigisha Naidu, Director- Commerce, Management & Economics, Hislop College, Nagpur and Mr. Neeraj Sanodia -Deputy Sales Manager-MyFm Nagpur graced the occasion with their presence and shared valuable inputs with the participants.

Achievements & Accolades

- ✓ Ms. Ishu Gidwani, 2016-18, stood first in the order of merit in RTMNU's merit list. She is the proud recipient of six gold medals which includes Chancellor's Gold Medal, Late Prin. T. K. Damodaran Memorial Gold Medal & Smt. Rupadevi Gowardhandas Daga Gold Medal for securing highest CGPA. She received it at the hands of Padma Bhushan, Mr. Shiv Nadar, Chairman, HCL Ltd, and Shri Nitin Gadkari, Road, Transport & Highways minister in the presence of Dr.S.P.Kane, Vice-Chancellor RTMNU at RTMNU's recently held 106th convocation ceremony.
- ✓ Ms Simran Chawla, 2016-18, stood sixth in the order of merit. She is the proud recipient of LATE SHRI VASANT ACHYUT TIKE Gold Medal for securing highest C.G.P.A, at the hands of Padma Bhushan, Mr. Shiv Nadar, Chairman of HCL LTD and Shri Nitin Gadkari in the presence of Dr.S.P.Kane, Vice-Chancellor RTMNU at RTMNU's recently held 106th convocation ceremony.
- ✓ Ms. Hemlata Banpela, Ms. Arti Banpela and Mr. Sudip Dhakal , III semester, won prizes at the annual G.K Quiz competition organised by Shiksha Mandal, Wardha on 1st Nov, 2018.
- ✓ DMSR won the "Best College for Management" EDU award by Navabharat in collaboration with Mahindra on 12th August. This award was given away by guardian minister of Nagpur, Chandrakant Bawankule and National Spokesperson of Congress, Ms. Priyanka Chaturvedi.
- ✓ In their Annual B School survey, DMSR has been ranked 62nd by "Business Today" among Top 100 B schools of India. The parameter for assessment was Return on Investment.
- ✓ Business Standard has also rated DMSR as one of the "Best B Schools" of India on the parameters of Affordability, Academic Rigour and Accreditation.
- ✓ Inter department Sports quiz held at G S College to mark the National Sports' Day saw Ankita Verma and Mr. Akash Khope, II year students win 3rd position respectively.
- ✓ Ms. Anagha Deshmukh, MBA-I year, won Jury award for poster competition on Geographic Indicator organised by Dhanwate National College.
- ✓ Mr. Shubham Sahu and Mr. Prathamesh Deshpande won first prize in Virtual Trading competition in Erudition organised by Tirpude College of Management.

Thank You.

Dr Ashwini Purohit
Director, DMSR

ANNUAL REPORT OF BBA DEPARTMENT (For the Academic Session 2018-19)

With immense pleasure I take the opportunity to present the annual report of BBA Department. The activities of the department are classified into two types- Routine Activities and Special Activities

ROUTINE ACTIVITIES OF THE DEPARTMENT

Surprise Tests, Power Point Presentations, Case Studies, Assignments, Sessional and mid-term Exams, Difficulty Sessions and distribution of Question Banks are the routine activities of the department. All these activities have been carried out regularly from time to time.

SPECIAL ACTIVITIES OF THE DEPARTMENT

To enhance the learning experience of our students, we conduct several special activities in our department. Some of these activities are Management Games, Educational videos/ movies, Innovative Techniques of Learning, Group Discussion & Role Play Sessions, Essay Writing Competitions, etc. Some of the activities conducted during this academic session are:

1. Essay Competition on "Population :Boon or Bane"
2. Essay competition was conducted for BBA I on "INDIA OF MY DREAMS" by Dr. Ashwini Purohit.
3. Essay competition was conducted on "Tiger Environment and Protection" by Dr. Afsar Sheikh

WORKSHOPS:

Sr.No.	Topic	Resource Person
1	Workshop on CV Writing and Interview Techniques	Dr. Shabbir Zakerya (Internal Faculty)
2	Career Orientation Programme	Mr. Ashish Thengre, Mr. Ashish Gaidhane

DEPARTMENTAL RESEARCH PROJECTS

1. GST Research Project: An approval for conducting Research Project on GST by Shiksha Mandal was received.
2. Also, submitted the report on the Demonetization Research Project to the Income Tax Commissioner, GST Commissioner, Shiksha Mandal, Wardha and Principal, G S College, Nagpur that we had undertaken during the previous academic session.

PLACEMENTS

Like every year, this year too, the department has been successful in placing the students in reputed companies, a proof that the activities undertaken in the

academic forum help in enhancing the employability quotient of the students. The placement process is still underway.

Sr.No.	Name of the Company	Number of Students
1	ICICI Prudential	8
2	IBM Concentrix	10
	Total	18

STUDENTS' ACHIEVEMENTS

1. Pratiksha R Chorgade won Bronze and gold medal in National level Karate Competition.
2. Kajal Thakur and DevendraShahu represented at All India Inter University Yogasana Competition held at Chennai
3. Ram Chhabria of BBA II SEM participated in Western Group Song State Level Competition held at Nasik.
4. Syed Arzoo Karina Shakiluddin of BBA II got selected for the workshop of "ASPEN" organized by Shiksha Mandal Wardha.
5. Aditya Singh of BBA I Won 3rd prize (Cash prize) in Aqua Video Making competition. This competition was organized by LAD College.
6. SuyashNaktode (BBA Final year) got II Prize and Abhishek Sharma (BBA Final year) got III Prize in GK test which was held by Shiksha Mandal, Wardha.
7. Sameen Fatima of BBA 2nd year volunteered in "NAGPUR FIRST" an entity which appreciates the behavior of Nagpur people towards global goals of sustainable development.It was held by Global Nagpur Summit.
8. Shreya Chakraborty of BBA II Sem won II Prize in Intercollegiate elocution Competition held in Dhanwante National College
9. Syed Arzoo and Minakshi Sahu from BBA II participated in Chess competition Shiksha Mandal
10. Mr Sankalp Paunikar of BBA I performed on Independence Day celebration of the college.
11. Achievements during GS ComNext and Umang 2018:
 - Aliasgher Mitahiwala and Shruti Sharma won the Company Analysis competition.
 - Shreya Chakravorty anchored the Success Stories event.

Dr. Ashwini Purohit
(Co-ordinator, BBA Department)



Report of Vocational Department 2018–2019

The Department started its teaching schedule from July 01, 2018. In the session 2017-18, department delivered 100% result in all streams. 6 students scored above 80% marks in the board examination. In 2018-19, Department conducted on-line admissions as introduced by Government.

The department conducted various activities for students.

This year we conducted our regular 2-day workshop “**Kaushalya: 2018-19**”. The programme was graced by Shri Pradeep Lonare, Deputy DVO, Vocational Education & Training Department, Nagpur as the Chief Guest. In “Kaushalya” students prepared charts and models on current commerce trends. They also prepared PPTs on current issues and gave the presentations. During “Kaushalya”, guest lectures of Shri Shashikant Deshpande, Director, MKCL, Nagpur and Shri Amol O. Pusadkar, Manager, Special Process, TAL Manufacturing Solutions Ltd., Mihan, Nagpur were also conducted.

Also department conducted series of guest lectures for the overall development of students. The department also conducted industry visits. This year students visited Dinshaw's Ice Cream Ltd, Nagpur and Syndicate Bank, Giripeth Branch, Nagpur to gain practical knowledge.

Students also participated in the Regional Level Inter College Model Exhibition Competition organized by District Vocational Education & Training Department, Nagpur and won Second Prize.

The department also conducted the special test series program for the 12th Std. students for betterment of results.

This year our students have done remarkably well in cultural activities, inter-class sports and other college activities and also won prizes.

Shilpa Yadao
HOD, HSC Vocational Department



Report of B. Com. Department

It gives me immense pleasure to present the annual report of the department for the academic year 2018-2019.

Participation and Achievement:

1. Many students participated in NSS and ECA and got honour at college and university level.
2. Many students have participated in all the activities conducted by Shiksha Mandal, Wardha.
3. Students have actively participated in all the activities conducted by various departments and won prizes.
4. Students have participated in Inter and intra collegiate Extra Curricular Activities, NSS, Adult education programme, Sport etc. and won prizes.
5. Students have actively participated in GS-COMNEXT.

Activities:

1. Group Discussion taken on current affairs.
 2. Assignment given to all classes.
 3. Class test and unit test conducted.
 4. Prelim and Viva-Voce conducted.
 5. Bridge course conducted for the subject of Accounts and Economics for non-commerce students.
 6. Remedial classes conducted for the slow learner students.
 7. Role-play session in group on Ethical Dilemmas of HR managers/Marketing Managers/Finance Manager by B.Com. I E1 Students.
 8. Presentation on Professional Ethical Attributes from Ten sectors by all students of B.Com. I E1.
 9. A lecture on self acceptance and Stress Management was conducted.
 10. A lecture on Concentration and Meditation was conducted.
 11. Some students from B.Com. II E1 participated in inter collegiate skit competition in Shri Binzani City College, Nagpur.
 12. The students of B.Com. II E1 served food to homeless people on occasion of Republic day.
 13. As a measure of skill development students undertook various activities in groups.
- The department gives special thanks to Principal Dr. N. Y. Khandait for his valuable guidance and timely support and also thank all the staff members for their co-operation and support.

Dr. Vishal N. Thangan
Co-ordinator

गाँधी विचार संस्कार परीक्षा

महाविद्यालय में दिनांक २९ सितम्बर २०१८ को गाँधी रिसर्च फाउंडेशन, जलगांव के संयुक्त तत्वाधान से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के लिए गाँधी विचार संस्कार परीक्षा का आयोजन किया गया। सत्य, अहिंसा एवं शांति के पुजारी गाँधीजी द्वारा प्रदत्त जीवन मूल्यों का प्रसार करने एवं देश की भावी पीढ़ी में मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता का प्रसार करने हेतु कनिष्ठ व वरिष्ठ महाविद्यालय में इस परीक्षा का आयोजन किया गया।

इस वर्ष परीक्षा में ६९५ विद्यार्थियों (३८६ सीनियर, ३०९ जूनियर, एवं ४ शिक्षकों ने) सहभाग किया। इस वर्ष जिला स्तर पर पदक विजेताओं के नाम निम्न प्रकार से हैं—

१. कु. मानसी सीरिया — ११ वी (स्वर्ण)
२. कु. जयश्री चिचोंडकर — द्वितीय वर्ष (स्वर्ण)
३. कार्तिक जुम्बानी — तृतीय वर्ष (स्वर्ण)
४. कु. शुभांगी नारेकर — एम. कॉम. द्वितीय वर्ष (स्वर्ण)
५. प्रा. सोनाली भगत — प्राध्यापक वर्ग — (स्वर्ण)

परीक्षा के सफल आयोजन हेतु प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत, उपप्राचार्या डॉ. भावना गट्टवार, कनिष्ठ महाविद्यालय की परीक्षा प्रभारी— प्रा. मनीषा चौधरी, समस्त प्राध्यापकों एवं सहभागी विद्यार्थियों का आभार एवं विजेताओं का अभिनन्दन।

डॉ. नेहा कल्याणी
संयोजिका

Report of B.Com. (No-Grant) 2018 – 2019

We run the department with the help of ad-hoc and contributory teachers. The teachers use latest technology in teaching like PPT, Video Lectures etc. The teachers of the department have contributed their efforts in various committees of the college.

We conducted many activities for the overall development of the commerce students. We conduct guest lectures, classroom seminars along with the regular teaching programme. To improve the academic performance of students department conducted various examinations for B.Com. (NG) – I, II and final year students.

The students of the department were selected through placements in various companies which were conducted by placement cell of the college. The students of the department have remarkably done well in GS-SUN programme, Basic Skills, Tally Course and CPBFI. This year, our students have done remarkably well in interclass sports and other college council and cultural activities and won several prizes.

Prof Pravin Yadao
Coordinator,
B.Com.(No-Grants)

Report of B.Com. (Computer Application)/ IT 2018 – 2019

As Every year, the department organized various activities for the overall development of the students like "Aarambh" - A technical welcome function for new students, Teachers Day, "Udaan"- An Industrial Tour, Guest Lectures, **Nostalgia**: A farewell for final year students etc. along with the regular teaching programme. To improve the academic performance of students department conducted various examinations for B.Com. (CA) –I, II and final year students.

The teachers of the department have contributed their efforts to execute the classes of GS-SUN, Computer Awareness Programme, CPBFI and Computerized Accounting "Tally" Programme.

The students of second year and final year conducted a welcome function "Arambh-2018" for the new students. This year, the senior students had prepared their seminars on various technical aspects of **Windows and its operations**. This event provides a great platform for creative output of students.

The department has conducted various guest lectures of alumni's and professionals to enhance the morale and knowledge of the students. They guided the students in their respective subjects, current software updates and also motivated them for their future.

This year, an industrial study tour "**Udaan-2019**" was conducted at state **Telangana** and **Karnataka** for B.Com. (CA) second & final year students. Total 44 students visited three multinational companies which were Value Labs-Hyderabad, Bisleri International-Bengaluru and ACE Electronics-Mysore. Our motive behind this visit was to provide practical knowledge to the students about the industries and their functioning.

The students of first year and second year conducted farewell function **Nostalgia-2019** for the final year students with theme based on retro style.

Participation of students in curricular and extra curricular activities:

1. 25+ students were selected in various companies' through campus placements.
2. Mr. Nitish Mehta and Ms. Ankita Mishra have secured First Price in State Level Seminar held at G S College of Commerce, Wardha.
3. This year our students have done remarkably well in interclass sports and other college council and cultural activities and won several prizes.

Prof Pravin Yadao
Coordinator,
B.Com.(Computer Application) & IT

Report of GS-Comnext for the Session of 2018-2019

It gives me immense pleasure to present the report of GS-COMNEXT, 2018-19 a two-day inter-college mega academic event conducted on February 12 & 13, 2019. Just as every year, this year too we received an overwhelming response from students of commerce and management colleges of Nagpur District. Our Intra Collegiate rounds for Debate, Quiz, Commerce Model and Charts and Company Analysis also saw tremendous response from self-driven and enthusiastic students despite Cultural Events before and examination just after GS-COMNEXT.

Inaugural:

The event was inaugurated on 12th February 2019 at the hands of our alumnus and renowned entrepreneur Shri Ajit Diwadkar, Chief Managing Director, Ajit Bakery and Food Products, Nagpur, in the presence of Principal Dr. N. Y. Khandait, IQAC Coordinator Pravin Yadao and Convenor of the event Dr. Shubhangi Morey. Shri Ajit Diwadkar recalled the fond memories of his alma mater i. e. G. S. College of Commerce & Economics, Nagpur, when he was a student here in the 1960s. He expressed a deep sense of gratitude to his teachers who provided him a strong foundation of academics. He advised the students, to have a firm desire and will to succeed, courage to fight the odds, honesty and ethicality to be successful in life. Principal Dr. N. Y. Khandait motivated the students for participation in various events. The inaugural was conducted by Dr. Mrs. Sonali Gadekar.

G. S. Success Stories : G.S. Success Stories, a chat show was conducted with two of college's successful alumni Shri Taufique Azad, Module Lead, Persistent Systems Ltd Nagpur and CA Shri Pranav Kumar Limaja of Pranav Kumar Limaja & Co, Nagpur. The event unfolded the successful lives of these two dynamic alumni who shared their success mantras with students. They both urged the students to prepare themselves for life by being optimistic, diligent, strong-willed and remaining aware of the current happenings. The program was ably hosted by college's students Mr. Devarchit Srivastav and Ms. Shreya Chakraborty.

Company Analysis : Every year we focus on the most topical and current trends in commerce and industry. This year the companies to be analysed for competition were Sun Pharmaceuticals Industries Limited, Infrastructure leasing and financial services (IL&FS) and Infosys. 5 Teams had registered and the competition was judged by Shri. Rakesh Awachat, Director, Ram Coolers. The team from LAD won the first prize. Dr. N.Z. Hirani and her team worked hard to make this event successful.

Commerce model competition: It was inaugurated at the hands of Shri Ajit Diwadkar. 30 teams including 5 entries from other colleges participated in this competition. All the students presented well and proficiently answered questions put up by eminent judges and our alumni Shri Taufique Azad and CA Shri Pranav Kumar Limaja making the competition really tough. Out of all the participants Kailash Jaitwar (M.COM Semester I) from GS College of Commerce and Economics, Nagpur was awarded first prize for his model on Kisan. Prof. M.V. Purohit and her team efficiently conducted this competition.

Commerce Quiz : Total 16 teams participated in commerce quiz competition and 5 teams were selected for the final rounds for this competition. G. S.College of Commerce and Economics, Nagpur won the first prize. Prof.A.S.Jain and his team together with the quizmasters successfully conducted the quiz. Prize distribution was done at the hands of our Principal Dr.N.Y. Khandait.

Debate Competition : The topic for debate was 'Democracy is failing as a system of Governance'. Total 12 teams expressed their views in the presence of eminent judges Dr. Pravin Bhagdikar from Annasaheb Gundewar College. Hislop College won the first prize. Dr. D. V. Chavan and her team worked efficiently for the success of the event.

I am thankful to the management for giving me the opportunity to conduct this event. I thank Dr N.Y Khandait, Principal of the college and IQAC coordinator Prof. Pravin Yadao for their unstinted support and guidance. I express my gratitude to all the event organisers as Prof. R. Tiwari, Dr. N. Z. Hirani, Dr. R. T. Sahu, Prof. M.V. Purohit, Prof. A. S.Jain , D.V. Chavan and Dr. Dharmadhikari who worked hard to make the event successful. I also thank all the students and staff members of the college for their involvement and support in the successful conduct of the event.

Dr. Shubhangi. D. Morey
Convenor

Report of Certificate Course in Basic Computer Skills

In the session 2018-19, we got tremendous response from the students and total 50 students were enrolled in the course. Basic knowledge of computers is very essential for every student in the present scenario. A certificate course in Basic Skills of Computers is conducted every year in collaboration with the department of information technology of the college. The objective is to acquaint the students of Hindi and Marathi sections with the basic knowledge of computers and on passing the examination a certificate is issued to them.

From this year, we ran the course under Rashtrasant Tukadoji Maharaj, Nagpur University's "Jivan Shikshan Abhiyan" and students will get the certificates from the University.

I express my thanks to Principal Dr. N.Y. Khandait Sir, The Director, Department of Lifelong Learning and Extension, Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur and Prof. Pravin Yadao Sir, HOD IT & and all the members of IT department for extending co-operation to this course.

Prof. Preeti Rangari
Convenor

Report on Day Celebration and Felicitation Committee (2018-19)

Day Celebration Committee has organized programmes to mark the following important days:

1. **Independence Day:** Students presented speeches and songs to celebrate the Independence Day.
2. **Teachers' Day:** Dr. S. Radhakrishnan's Birth anniversary was celebrated as Teachers' Day on 5th September 2018. All the teachers were accorded floral welcome. Students gave speeches on Dr. S. Radhakrishnan and the importance of teachers. They also presented songs for teachers.
3. **Digvijay Diwas:** 11th September, 2018 was celebrated as Digvijay Diwas and two students recited the world famous speech given by Swami Vivekanand in 1893 at Chicago in the World Parliament of Religions to give the message of Universal Brotherhood. Same speech was recited in each class of the college.
4. **Mahatma Gandhi & Shastri Jayanti:** A programme was organized to mark the birth anniversary of Mahatma Gandhi, the Father of Nation and Late Shri Lal Bahadur Shastri on 2nd Oct, 2018. Students presented their views on Shashtriji and Relevance of Gandhiji's thoughts in the present time. It was followed by Shram Daan and cleanliness drive in the college premises.
5. **150th Birth Anniversary Year of Mahatma Gandhi:** The year, 2018-19 is celebrated as 150th Birth Anniversary Year of Mahatma Gandhi and many programmes were organized throughout the year to mark this.
 - Recitation and singing of bhajans of Bapu was done by students on 2nd October, 2018 and 30th January, 2019. Students also gave speeches about Gandhiji and Kasturba Gandhi.
 - Book Exhibition was organized in the library to display the rich literature on Gandhiji.
 - Shram Daan by students and teaching and non-teaching staff was also organized in the college premises.
 - Essay Competition was conducted on the theme Relevance of Gandhiji in the present and views of Gandhiji on Education in which 30 students participated.
 - Poster Competition on the theme "Gandhiji: From South Africa to Hey Ram" was conducted in which 30 students participated. Winners of both the competitions were awarded with prizes.
 - The activities were not limited to college only but Shram Daan was done by students in Nagajhari; village adopted by the college. A guest lecture

by Raja Bhau Chitani was also organized to bring awareness among villagers about the great deeds of Mahatma Gandhi.

- Many students of the college have participated in Gandhi Vichar Sanskar Pariksha.
6. **Tukadoji Maharaj's Death Anniversary:** Floral tributes were paid by the members of teaching and non-teaching staff and students to observe the Death Anniversary of Rashtrasant Tukadoji Maharaj on 11/10/2018 in the staff room.
 7. **A. P. J. Abdul Kalam's Jayanti:** Birth anniversary of A. P. J. Abdul Kalam was celebrated as 'Vaachan Prerna Diwas' on 15/10/2018.
 8. **Sardar Vallabh Bhai Patel's Jayanti:** It was celebrated as Ekta Diwas and Rally was organized on 31/10/2018.
 9. **Late Shri Jamnalal Bajaj's Jayanti:** Staff members of the college offered floral tributes to Shri Jamnalal Bajaj, the founder of Shiksha Mandal, Wardha on the occasion of his birth anniversary on November 4. All the staff gathered at Jamnalal Bajaj Square and Dr. N. Y. Khandait, Principal garlanded the bust of Shri. Jamnalal Bajaj.
 10. **Sanvidhan Diwas:** Indian Constitution Day was celebrated on 26th November, 2018. Students and staff members took oath in the college and also participated in rally organized by RTMNU University Nagpur.
 11. **Dr. Babasaheb Ambedkar's Mahaparinirwan Diwas:** Bharat Ratna Dr. B. R. Ambedkar's Mahaparinirwan Diwas was observed on 6th December, 2018. Students of the college expressed their views on the life and thoughts of Dr. Ambedkar. All the members of teaching and non-teaching staff paid floral tributes to him.
 12. **Savitri Bai Phule's Jayanti:** Floral tributes were paid by members of teaching and non-teaching staff and students to mark Savitri Bai Phule's Jayanti on 3rd January, 2019
 13. **Swami Vivekanand's Jayanti:** Swami Vivekanand's Birth Anniversary was celebrated as National Youth Day on 12 January, 2019. Students expressed their views on this great personality and book exhibition was organized in the library to exhibit the collection of books on Swamiji.
 14. **Republic Day:** Republic Day was celebrated on 26th January, 2019 wherein students presented patriotic songs and gave speeches to present their views on "India-We want."
 15. **Hutatma Diwas:** Gandhiji's death anniversary was observed as Hutatma Diwas on 30/01/2019. All the staff members and students of the college paid tributes to Gandhiji and students presented speeches and bhajans on Gandhiji.

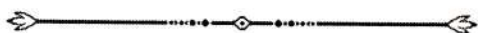
16. **Death Anniversary of Shri Jamnalal Bajaj:** On 11th February, 2019 all the staff members of the college alongwith Dr. N. Y. Khandait, Principal gathered at Bajaj Nagar Square and paid tributes to Shri Jamnalal Bajaj to mark his death anniversary.
17. **Ambedkar Jayanti:** Birth Anniversary of Dr. B.R. Ambedkar was celebrated on 14.04.19.
18. **Tukadoji Maharaj Jayanti:** Jayanti of Rashtrasant Tukadoji Maharaj will be celebrated on 30/4/2019.

● **Report of Felicitation Committee**

We organized programme to give farewell to Mrs. P. Chourasiya from Junior College & Mr. A.T. Pohokar, Superintendent at Bajaj Bhawan. Dr. N. Y. Khandait, Principal, felicitated them and Dr. Ranjana Sahu conducted the proceedings.

I convey my sincere thanks to Principal, Dr. N. Y. Khandait, Prof. P Yadao, IQAC Co-ordinator for the blessings and support and all the members of the committee for conducting the activities of the Cell.

Dr. Ranjana Sahu
Convenor



Report on Competitive Examinations Guidance Cell (2018-19)

Being Commerce graduate or post graduate, it becomes essential to pass some competitive examination (Banking, MPSC, UPSC, SSC etc.) to give a start to the career. This cell is set up as a part of value added program to provide guidance by arranging lectures for the content common to all the competitive examinations: General Awareness, Quantitative and Reasoning Aptitude and English. The main objective is to make the students proficient with the skills necessary for passing various competitive examinations.

Total 30 students enrolled this year and regular classes started from 3rd of August, 2018. Lectures with the use of ICT were also conducted. Mr. Uttam Singh, B. Com III E2 (Batch 2016-17) cleared Examination of Food Corporation of India. The students and the Coordinator are grateful to Prof. S. Wachasunder, Dr. S. Zakeria and Dr. Kirti Saxena for providing valuable guidance and taking the lectures. Students were issued books from the cell to prepare for competitive examinations. We conducted Open Forum where students talked on different topics as impact of GST, top business leaders, current affairs 2018-19 etc. Students were assisted in online submission of forms & test series has been conducted I convey my gratitude to Principal, Dr. N. Y. Khandait for his blessings, support and guidance to the activities of the Cell.

Dr. Ranjana Sahu
Coordinator



Report of Certificate in Accounting Technicians Course For 2018– 2019

Certificate in Accounting Technicians course offered by the Institute of Cost Accountants of India, has been devised to impart practical knowledge in the area of Computerized Accounting and familiarize the student with on-line statutory compliance regime. It will ensure career progression of the student in the field of accounting. After obtaining CAT certification a student can directly pursue intermediate level of Cost & Management Accountant. Our college is a Registered Oral Coaching Center (ROCC) for this CAT Course.

It is my pleasure to announce that 18 students out of 19, from our maiden batch, have cleared the Level 1 examination of this course in flying colours, in January 2019.

I thank and congratulate all the faculty members who have contributed in the smooth conduct and successful completion of the course.

I also thank Principal Dr. N. Y. Khandait for his constant guidance & support, Librarian & the non-teaching staff for providing books & reference facilities to the students.

Prof. Pallavi Shrivastava
Course Co-ordinator

Report on English Proficiency Course 2018-19

The English Proficiency Course was started in the session 2006-2007 and the syllabus is drafted by the in-house members of the department with the following objectives :

1. To improve the listening, speaking, reading, writing skills of the students.
2. As a supplement to the existing subject knowledge and develop interest not as a subject but as a language.
3. To focus on the speaking and listening skills.

The batch has 39 students registered and the six months certificate course is in collaboration with the RTM Nagpur University's Jeewan Shikshan Abhiyan.

Regular classes are held from July to February and at the end of the session written and viva voce examination is conducted and certificates are awarded to students. The English Language Lab is of immense help for improving the speaking skills of the students.

I convey my sincere thanks to all the students for showing interest and putting sincere efforts to learn the language.

Dr. Priya S. Murarkar
Course Co-ordinator
Dept. English

Report of the Students Council Committee 2018-19

It gives me immense pleasure to present the report of Students Council committee for the academic session 2018-19 that Election of Secretary to Students Council is not yet conducted since no intimation and directives were received from RTM Nagpur University Nagpur. Similarly committee conducted the programme of "International Day of Persons with Disabilities on 3.12.2018 in the college as per the directives of RTM Nagpur University and organized the Sports & Cultural Week Celebration during 31.1.2019 to 6.2.2019 and details of the activities are mentioned as under:

Date	Name of the Activities	Name of Winner	Class & Section	Prize
31.1.19	Tennisball Cricket (Boys)	Winner, Runner-up Second, Runner-up	M.Com I (E) B.Com.I(E1) B.Com.I (E3)	--
31.1.19	Tennisball Cricket (Girls)	Winner, Runner-up Second, Runner-up	B.Com III(M), M.Com I(E) BCCA.I	--
1.2.2019	Tug-of-War (Boys)	Winner, Runner-up Second, Runner-up	M.Com I(M), B.Com I(E2) BCCA I	--
1.2.2019	Tug-of-War (Girls)	Winner, Runner-up Second, Runner-up	B.Com I (E3), M.Com I(M) B.Com I (M)	--
4.2.2019	Rangoli	Ms. Apurva Bhushri	M.Com I (E)	I
		Ms. Arti Banpela	MBA II	II
		Ms. Diwa Kishor	B.Com II (E1)	III
4.2.2019	Mehandi	Ms. Vidya Patel	B.Com III (H)	I
		Ms. Sana Sayed	M.Com II (E)	II
		Ms. Muskan Gupta	BBA I	III
4.2.2019	Cookery (Main Course)	Ms. Harsha Vaidya	M.Com I (M)	I
		Ms. Tejaswini Gaidhane	B.Com (E)	II
		Ms. Vaishnavi Shahu	B.Com III (H)	III
	Cookery (Starter)	Mr. Ajay Shende	MBA II	I
		Ms. Rushita Yadav	B.Com I (E2)	II
		Ms. Komal Chauhan	B.Com I (E1)	III
	Cookery (Snacks)	Ms. Snehal Pashine	BCCA III	I
		Ms. Sakshi Gandhi	BBA I	II
		Mr. Viswam M.	B.Com. III	III
	Cookery (Desserts)	Ms. Riya Singh	BBA I	I
		Ms. Bariya Naz	BCCA II	II
		Ms. Neha Sarda	BBA I	III

5.2.2019	Singing	Ms. Shraddha Udawant	B.Com III (E1)	I
		Ms. Kanchan Shetty	B.Com I (H)	II
		Mr. Rahul Kale	MBA II	III
6.2.2019	Dance (Solo)	Mr. Shubham Dubey	B.Com I (E1)	I
		Ms. Nirali Khandait	BCCA I	II
		Mr. Tanay Mishra	B.Com I (E1)	III
6.2.2019	Dance (Group)	Dipali Sahu & Group	B.Com III (H)	I
		Ankit & Vishnu Group	BCCA I	II
		Deepti & Kajal Group	MBA I	III

I extend my sincere thanks to all Students' Council Committee members consisting of Dr. Y. H. Kedar, Dr. A.H. Sakalkale, Dr. M. R. Pandey, Prof. Pallavi S. Shrivastava , Prof. A. J. Tiwari and Dr. Afsar Sheikh and all Co-ordinators of Grant and No-Grant section , Sport Department , Guest & Judges, all faculty members, non teaching staff and all students volunteers for their kind cooperation and also discipline committee for effectively controlling all the events and above all I extend thanks to all teachers in charge of the activities of Rangoli, Mehendi, Cookery, Singing and Dancing and proprietor and workers of Pandal , Decoration and Sound system .

I also extend my sincere thanks and gratitude to our Principal Dr. N. Y. Khandait and Prof. P.J. Yadao, Coordinator IQAC for their timely support and guidance during all events.

Dr. B.M.Chachane
Convenor Students Council



Report of G.S. Film Society for 2018-19

The following activities were conducted in the session 2018– 2019:

1. The G. S. Film Society (Affiliated to FFSI) membership drive for the current year was conducted.
2. Some of the movies screened during the session were – Two Brothers – on International Tiger Day, Dr. Prakash Baba Amte –The Real Hero, 101 Dalmatians, etc.
3. Select short videos were shown to the students comprising of the following -
 - + 'How to start business with no money-story of Wow Momos',
 - + 'Don't let your failures define your success'- story of an entrepreneur who recovered from a 60 lakh debt to a turnover of crores
 - + 'Inspirational success story of Renuka Aradhya'-from rags to riches (A Beggar to Successful Entrepreneur)
 - + Approximately 160 students attended the screening.
4. Our college student was awarded a cash prize of Rs.1,000/- in the **Inter-Collegiate Aqua Video Making Competition** on the topic '**Water Conservation**'. He won the third position in the competition.
5. A student participated in a one day Zumba event organized under the aegis of Indradhanu Cluster of colleges.
6. The following videos were screened on International Day for Persons with Disability, celebrated in the college on 3rd December, 2018
 - + 16 Famous Indians With Disabilities Who Inspire Us Everyday
 - + Stephen Hawking – Biography in Hindi
 - + Stephen Hawking Life Story – A Brief History of Time Motivation

I thank our Principal Dr. N. Y. Khandait, IQAC Co-ordinator Prof. Pravin Yadao for their guidance, all the teaching & non-teaching staff for their timely support and the students for their enthusiastic participation in the activities.

Prof. Pallavi Shrivastava
Prof.- in- charge

CA Foundation & CS Foundation Guidance Cell

It's my proud privilege to inform you that this year in CA-CPT, CA-Foundation & CS Foundation course our students have brought laurels to the college by bringing good results. The names of the students are as under:

- | | |
|--------------------------------------|--|
| 1. Mr. Nikhil Awari | 2. Mr. Jay Thantharate |
| 3. Miss. Hemlata Mankar | 4. Mr. Aditya Jaiswal |
| 5. Mr. Yash Shahu | 6. Miss. Vidhi Kadamdhad |
| 7. Mr. Sagar Parani | 8. Ms. Priyanka Khichi (CS Foundation) |
| 9. Ms. Sameen Fatima (CS Foundation) | |

Activities conducted for the session:

1. Counseling for Senior as well as Junior college students was conducted in the month of June and July.
2. A Seminar on 'Career opportunities in Commerce' was conducted by ICAI, Nagpur Chapter for senior college & CA-Foundation students on 6th October 2018. The Chief Guests for the Seminar were CA Umang Agrawal, Chairman- ICAI Nagpur & CA Jitendra Sanglani, Chairman WICASA. The news coverage for the same was published in Hitvada.
3. Test series was conducted in the month of October for Nov'18 examination.
4. ICAI Commerce Wizard 2018 Test : This test was conducted in two levels. Two Students Mr. Kartik Zambani and Mr. Sagar Parani from our college clear both the levels.
5. National Accounting Talent Search 2018-19: 10 students from our college have registered for this test conducted at national level. Ms. Prathana Bayes secured Centre Topper Award & won gold medal & cash prize. All other students excelled with good marks.

I express my sincere gratitude towards the Management, Principal and faculty members for their persistent patronage.

Prof. Madhuri V. Purohit (CS)
Co-ordinator

A Report of Business English Certificate Exams

It gives me pleasure to present a brief report of the Cambridge English Language Assessment Exams Business English Certificate (BEC) exams which are conducted in our college by Cambridge English.

Our college provides guidance and conducts classes for two levels of BEC exams - BEC preliminary and BEC Vantage.

This year total 30 students enrolled and appeared for the exams. 10 students enrolled for BEC vantage and 20 students for BEC preliminary level.

The BEC programme started with orientation and counselling to students in July-August 2018. Regular classes after enrollment started from August 2018 and continued till March 2019.

The two levels of exams were successfully conducted in college on 14th & 15th March by the officials of British Council, Mumbai, who tested the students in LSRW skills. The successful students will get certificates from Cambridge English, after the results in April.

Prof. S.S. Kalthaley, Dr. Kirti Saxena and Prof. Sonal Bisen took great efforts in Grooming the students for this prestigious international exam. Ample study notes, provision of books, speaking and listening practice was provided in the classes. Students from all the departments at UG & PG level have enrolled for this program.

I express my Sincere Gratitude to our College's Management and Principal Dr. N.Y. Khandait for their support & encouragement. I also express my sincere thanks to my colleagues Dr. A.A. Purohit, Dr. Geeta Naidu, Dr. Kirti Saxena & Prof. Sonal Bisen for their valuable support in the conduct of these exams.

Prof. S.S. Kalthaley
Convenor
BEC Exams

Annual Report of Career Guidance and Placement Cell Academic Year 2018-2019

1. Objectives of Placement Cell :

- To provide placement opportunities to the students by inviting different placement companies of repute.
- To impart guidance on various issues regarding career options to students.
- To invite various Multi National, National and Local companies for recruitment.
- To organize In Campus and off Campus placement drive for students.
- To groom the students to face the interviews by organizing workshops and seminars on personality development.

2. Details of Activities Conducted:

- Online Registration of 515 interested students of final years for the placement through campus.
- Conducted class-wise counseling to final year students for campus placement Drives & those students having Attendance Percentage more than 65 % Above only were allowed to appear for final Interview.
- The Placement Cell has helped the students in preparing Resume by providing Computers with Internet facility.
- Conducted workshop on "How to Appear in Interview" by placement cell.

3. Details of Employability Enhancement & Students Development Seminars :

Sr. No.	Date	Module	Resource Person	Training Hours	No. of Students Present
1.	31.8.2018	Business News Analysis and How to Write Aptitude Test	Mr. Rishi Chourasia	2 Hrs	124
2.	10.01.2019	Stock Market as Career Option and Second Source of Income	Mr Vivek Narkhede	2 Hrs	106
3.	10.01.2019	Smart Aptitude Test	Mr Vivek Narkhede & Team	1 Hrs	65
4.	30.03.2019	Mock Interview Session	Mr. Maharshi Vyas	2 Hrs	95

4. Details of Placement Drives & Pool Campus :

Sr. No.	Date of Campus Drive	Name of the Company	Package (In lacs)	No. of Students Interviewed	No. of Students Selected
1	24.08.2018	Aryan Impex	0.96	30	05
2	30.10.2018	Job Fair by Dist. Skill - Development Center	---	20	--
3	6.12.2018	Concentrix	1.8-3.30	144	45
4	28.12.2018	Lata Medical Research Foundation	0.84	8	05
5	08.01.2019	Wings Up Health Pvt. Ltd.	1.8	40	13
6	02.02.2019	ICICI Prudential Life Insurance Co. Ltd.	2.20	45	12
7	06.03.2019	Tally (Partner Developer)	1.50	40	15
8	18.01.2019	TCS BPS		Aptitude test by 137 students	In Process
9	14.03.2019	Connect T (Pool Campus at S B Jain)	1.50	50	48
10	15.03.2019	Genpact (Pool Campus)	1.6	20	14
11	16.03.2019	Redme (Pool Campus)	1.5	10	10
Total Students Selected in 2018-2019					167

5. Class wise Data of Students Selected :

Sr. No.	Class	Name of the Company	Position / Nature of Job	No. of Students Selected	Total
1	M.Com	Concentrix Lata Medical Foundation Wings Up Health care ICICI Prudential Life Genpact ConneCT	Executives Front Desk Relationship Officer Sales Officer Customer Support Customer Support	06 05 01 03 02 04	21
2	B.Com (E1 +E2 +E3+H)	Aryan Impex Concentrix Wings Up Healthcare ConneQT Redme Tally Partner Developer	Office Assistant Executives Relationship Officer Customer Support Customer support Marketing/back office	05 10 09 15 07 15	61

3	BBA	Concentric ICICI Prudential ConneQT Genpact	Executives Sales Officer Customer Support "	10 08 05 04	27
4	BCCA	Concentric Wings Up Healthcare ICICI Prudential ConneQT Redme Genpact	Executives Relationship Officer Sales Officer Customer Support " "	19 03 01 24 03 08	58
				Total	167

6. Placement Impending :

1. Bajaj Capital in the process to schedule interview in April First Week.
2. Bajaj FinServ will be scheduling Interviews in April Mid week.
3. Oakland System Pvt Ltd. Scheduled Interviews in Last week of March.
4. TCS BPS second round of Interviews have been cleared by 14 students till date.

7. Plans for the session 2019-2020:

- a. To Invite more number of Multinational, National and Local Companies.
- b. To enhance the number of students placement.
- c. To organize more grooming & training sessions for the students.
- d. To motivate students to improve their verbal communication skills.

I Express my sincere thanks & gratitude to Principal Dr. N. Y. Khandait for his support, guidance & motivation. I am grateful to members of my committee Prof. Aakash Jain, Prof. Madhuri Purohit, Prof. Preeti Rangari & Prof. Shabbir Zakeria for extending support and co-operation.

Dr. Sonali Gadekar

Convener

Career Guidance and Placement Cell

Report of NET/SET Guidance Cell 2018-19

It gives me immense pleasure to present the report of NET/SET Guidance Cell. A need was felt to provide guidance to our students for NET/SET course as a part of value addition programme. So, our college took the initiative to launch NET/SET guidance programme from the Academic year 2012- 2013. In the current academic year i.e. 2018- 19 the programme started in the month of September. It aims to inculcate among the students the skills and appropriate attitude/approach needed to clear the exam. The programme provides guidance for Paper I (General Paper), Paper II (Related to commerce) through the team of in-house faculties having expertise in their respective subjects. Course duration is of six months. 13 students consisting of 12 regular and 1 external have been admitted to the course. The batch is oriented towards June, 2019 NET Exam. Test series will be conducted in the month of May 2019.

Details of Activities conducted:

- 1) **Seminar on overview of National Testing Agency and Online registration for NET December 2018 examination:** A seminar was organised on 28th September 2018 to make students understand the exam pattern, mode of conduct of the examination, date for online registration for examination, Precautions to be taken during online registration etc. Prof. Akash Jain guided the students.
- 2) **Workshop on "How to prepare for NET/ SET examination":**
The workshop on "How to prepare for NET/ SET examination" was organised on 13 March 2019 to familiarise the students with the methodology/approach for preparing for the NET SET exam. In the workshop, the successful students of NET/ SET guidance cell Prof. Raunak Shah, Prof. Mahesh Rathod, Prof. Dipawali Randive and Ravina Nikhar Shubham Suryawanshi, students of M.Com who have cleared NET examination interacted with the students sharing their experience which helped in boosting the morale of the aspirants.

Achievements:

Following students have cleared NET/SET Examination in the last academic year:

- 1) Ravina Nikhar Cleared NET examination held in July 2018.
- 2) Raunak Shah Cleared SET Examination held in January 2018

I extend my sincere thanks to our Principal Dr. N. Y. Khandait for his support, motivation and encouragement. My thanks to all faculties for conducting the classes regularly and smoothly.

Dr. Shubhangi Morey
Co-ordinator

A Report of Entrepreneurship Development Cell – 2018-2019

It gives me immense pleasure to present the report of the Entrepreneurship Development Cell for the academic session 2018-2019. This is the first year of this cell. The committee consists of the following members:

- | | |
|------------------------------|----------|
| 1. Dr. M. R. Pandey | Convenor |
| 2. Dr. Archana Dadhe | Member |
| 3. Dr. Satish Shrivastava | Member |
| 4. Dr. Shabbir Zakariya | Member |
| 5. Dr. Nusarat Hirani | Member |
| 6. Prof. Pallavi Shrivastava | Member |

Various programmes were held by the committee during the academic year 2018-2019 for the students of B.Com. (Grant and No-Grant), B.B.A., B.C.C.A., and M.Com.

The following activities were undertaken:

1. Registered all the interested students of final years.
2. Organized a guest lecture on entrepreneurship for interested students.
3. Information provided to students regarding District Skill Development, Employability and Entrepreneurship Guidance Center, which is run by Government of Maharashtra.
4. The cell has organized a workshop on "How to Start Business" for this the cell invited Mr. Neeraj Singh Rathod, an international life coach, motivational speaker, author and entrepreneur from Pune.
5. The cell provided the guidance and information regarding the entrepreneurship opportunities. Some students got the benefit of this information to start their own business and profession.

During the session following students were benefited by the cell:

1. Mr. Amar Mishra, B.Com. III E1 is now providing consultancy regarding filling of return on income, accountancy and GST.
2. Mr. Santosh Sahu is now involved in the business of foods and beverages.
3. Miss Anita Patel a student of B.Com. III Hindi is involved in online selling of handicraft products in International market. (www.astachoice.com)

The cell gives special thanks to Principal Dr. N. Y. Khandait for his valuable guidance and support and also thanks all the staff members and co-ordinators for their kind cooperation.

Dr. M. R. Pandey
Convenor



Report of Extra Curricular Committee 2018-19

It gives me immense pleasure to present the report of Extra Curricular Committee for the session 2018-19. The list of activities organized is as under:

1. We have organized Essay competition on the theme "Increasing Population: Boon or Bane" on the occasion of World Population Day with 120 participants in collaboration with Adult & Continuing Education Committee.
2. We have organized Poster Competition on the topic 'Save Environment and Educate the World' on 8th September, 2018; World Literacy Day in collaboration with Adult & Continuing Education Committee with 31 participants.
3. 3 students participated in ASPEN Workshop at Wardha.
4. We have conducted Elocution Competition on "Gandhian Alternatives for Tomorrow" on 14/12/2019 to select two representatives for National level Kamal Nayan Bajaj Elocution Competition at Shiksha Mandal Wardha.
5. Debate competition was conducted on the topic-"Democracy is failing as a system of governance" and the two winners were selected for Inter-college debate competition, GS-Connex, 2019.
6. More than 180 students have participated in various inter-collegiate competition in different colleges. Total 15 students got 1st Prize, 7 students got 2nd Prize, 7 students got 3rd Prize and 3 Consolation prize.
7. Ritesh Pilare and Shubham Suryawanshi got selected in 'Bizquiz 2019' conducted by Entrepreneurship Cell IIT Madras.
8. Ram Chhabariya reached upto Indradhanush zonal level for Western Singing Competition and Ritesh Pilare got selected for the Indradhanush zonal level quiz competition as University Representatives.
9. Diva Kishore got selected for State-level National Youth Parliament Contest.
10. Mr. Rakshit Chourasiya, Ku. Kiran Shyamnani, Ku. Diva Kishore, Ku. Ankita Mishra, Mr. Nitish Mehta, Mr. Ritesh Pilare, Mr. Ram Chhabariya, Mr. Sankalp Paunekar, Mr. Shubham Suryawanshi, Mr. Ali Asgar, Ku. Shreya Chakraborty, Mr. Shreshth Singh, Ku. Kalyani Sarvare, Ku. Vidya Patel, Ku. Simran Tahilyani Ku. Geeta Ravidas and Ku. Piyusha Telang won prizes in different inter-college competitions and brought laurels to the institution.
11. Ku. Deepali Sahu and group of 8 girls from B. Com II H won 3rd Prize in Group Dance Competition at LAD.

I express my sincere thanks to Principal, Dr. N. Y. Khandait for his support, guidance and motivation. I am grateful to Dr. D. V. Chavan, Dr. N. H. Kalyani, Prof. Akash Jain, Dr. Dharmadhikari, Prof. S. Kathaley and all the staff members of the college for extending support and co-operation.

Dr. Ranjana Sahu
Convenor

Innovation Eco-system, Innovative T/L, Classroom Seminar etc. Cell Session 2018-19

The Innovation Eco-system, Innovative T/L, Classroom Seminar cell has a vision to provide the inputs to the students that help in achieving excellence. Our college has initiated a new project to nurture the spirit of innovation and enterprise among young college students, who also dream of a StartUp. Our college has established an in-house Incubation center. This center is going to promote innovative ideas and innovation Ecosystem. Near about 50 students from various departments enrolled their names.

The convenor, team members and all the faculty members have taken various sessions for the students to impart the latest emerging knowledge in their respective field.

Faculty members have taken sessions on innovative learning skills like motivational videos, PPT presentation on various topics like Basics of Accounting, GST and classroom presentation by students on different sectors of Indian and global Economy and many more.

Apart from this our students participated in following activities:

1. Reserve Bank of India conducts annually a National level competition for students- 'The RBI Policy Challenge'. The competition consists of three rounds regional, Zonal and National. This year the topic was, 'Banking sector in India Challenges and Opportunities' Our team comprising of Mr. Kailesh Jaitwar, Mr. Jayantkumar Rane and Mr. Raja Sanodiya from M.Com. Department were selected as the best entry from the region. They represented the college in the zonal round held at Pune on February 01, 2019 and secured fourth position. The students were assisted by faculty advisor Dr. V.P. Chavhan. Dr. Nusrat Hirani, Prof. Akash Jain and Prof. Pallavi Shrivastav gave valuable inputs to the students.
2. 10 students of our college from different sections visited the exhibition organized by Dharampeth M.P. Deo memorial science college, Nagpur on the occasion of its Golden Jubilee.
3. One of our students from B.Com. III E1 attended workshop on 'Youth Empowerment summit- Startup India' organized by Fortune Foundation, Nagpur.

Dr. V.P. Chavhan
Convenor

Junior College Annual Report : 2018-2019

Visit to various schools

A team of junior college teachers visited various schools for the minority admissions. The team informed them about the online admission process for the minority quota.

Admissions in Std. XI

The online admission process started in the month of June 2018 and classes of Std XI commenced from 1st August, 2018.

Report on activities of various committees is as under:

1. Lecture Series and Debate Competition, Cultural and Extra Curricular Activities Committee :

- ❖ 5th Oct., 2018: Gandhi Vichar Sanskar Pariksha was organized by Gandhi Trust, Jalgaon. Total 309 students and 3 teachers participated in the exam. Ms. Mansi Siriya a student of Std XI and Dr. Sonali Bhagat, faculty member won the Gold Medal at District level.
- ❖ 8th and 9th Dec., 2018: Rotary club Nagpur Vision (RCNV) organized Model United Nations Assembly (MUNA). Total 11 students (delegates) participated in the same. Mast. Vivek Vaswani of Std XI and Mast. Shubhankar Kale of Std XI won the 'Best Delegate' awards.
- ❖ 14th Dec., 2019: Bahujaan Vichar Manch organized an Essay Competition on the topic 'Bharat Ka Samvidhan'. Total 74 students participated in the competition. Ms. Shraddha Singh of Std XI won the second prize of Rs. 31,000/- in district level competition.
- ❖ 18th and 19th Dec., 2018: Santaji Mahavidyalaya organized Unnati 2018-2019, an Inter- Collegiate Competition. Mast. Shubhankar Kale and Mast. Vaibhav Pandey of Std. XI won 1st Prize in Debate Competition. Mast. Nishant Uparkar won second prize in Singing Competition.
- ❖ 18th January, 2019: Bishop Cotton School (BSE) organized 'Born 2 Dance' an Inter-School Dance Competition. Mast. Yash Bahuriya of Std XI won 1st Runner up position with Cash Prize of Rs. 2000.
- ❖ 22nd January, 2019: Shri. Gayatri Shaktipeeth organized 'Bhartiya Sanskriti Gyan Pariksha'. Total 107 students participated. Results are awaited.
- ❖ 4th Feb., and 6th Feb., 2019: Cultural Committee of Junior College organized a Cultural Week consisting Rangoli, Mehendi, Poster, Cookery, Singing and Dance Competition. All the competitions received an overwhelming response from the students.

2. N.S.S. Committee:

- ❖ 21st June 2018: 'Rashtriya Yoga Diwas' was organized on 21/06/2018. Students and teachers participated with zest and fervor in the program.
- ❖ 31st Aug., 2018: Inauguration of N.S.S. unit was held on 31/08/2018 under the

presidentship of Dr.N.Y.Khandait ,Principal, of the college. Dr. Nita Dharmadhikari was the guest of the program.

- ❖ **5th Sept., 2018:** An awareness program on traffic rules and regulations was presented by members of 'Jan Akrosh' organization ,Mr. Ravi Kaskhedikar , Mr. Dilip Mukewar and others. Dr. Bhavana Gattuwar , Vice-Principal, presided over the function.
- ❖ **2nd Oct., 2018:** 'Swachhta Abhiyan' was organized on 2nd Oct., 2018 under the presidentship of, Dr. N.Y.Khandait,Principal ,of the college.
- ❖ **26th Nov., 2018:** 'Constitution Day' was celebrated under the presidentship of Dr. N.Y.Khandait,Principal, of the college. Dr.R.Sahu and Dr.A.B.Patle were the guests. Pledge was read by Mr.V.M. Jawade.
- ❖ **8th Dec.,2018:** Mr. Sanjay kumar Gupta, president of 'Youth Development Alliance' guided the students on the topic 'Healthy and Safe India against Corruption and Crime'. Dr. Bhavana Gattuwar presided over the function.
- ❖ **20th Jan., 2019 to 26th Jan., 2019:** N.S.S. Camp was held at Amgaon –Deoli. Dr. B.K.Gattuwar Vice-Principal, inaugurated the camp. Dr. N.Y. Khandait, Principal, gave a special visit to the camp along with Prof.Yadao, IQAC Co-Ordinator and Mrs. Yadao,HOD of MCVC department.
- ❖ **1st Feb., 2019:** 'Blood Donation Camp' was organized. Dr. N.Y. Khandait, principal, of the college presided over the function. Dr. Tomche and his team guided the students about the importance of blood donation.
- ❖ **From 26th Jan.,2019 to 4th Feb.,2019-** A Cleanliness Drive was held in the college and on the same day Voters' Awareness was also organised.
- ❖ **12th Feb., 2019:** 'Lokshahi Niwadnuk and Sushasan' awareness rally was organized under the guidance of Dr. A.B.Patle and Dr. R.H.Nagarkar.
- ❖ **22nd Feb., 2019:** N.S.S. students participated in "Stree Shakti Jagruti Karyakrum" which was organised by Shrimati Sweta Shelgaokar in Sarvodaya Ashram.

3. Report of CA-CPT Foundation:

- ❖ CA-CPT Foundation Guidance Cell of Junior College has commenced CA-CPT foundation classes from 1st Sept., 2018. Total 25 students have enrolled themselves for academic session 2018-2019.
- ❖ Special Activity: 40 students from Junior college registered for ICAI Commerce Wizard: A Talent search Test 2019, an exam organized by career counselling unit of ICAI. 4 students from Nagpur won consolation Prize, out of which 2 students of our college Ms. **Sakshi Warkhede** and Mast. **Vivek Vaswani** of Std XI won the consolation prize.
- ❖ **International Company secretary's Olympiad Exam:** Total 62 students of Junior college appeared for the exam,out of them 33 students passed the exam. **Ms. Sakshi Warkhede** of Std XI won **Gold Medal** at school level and she also secured **99th Rank** at

national level. Ms. Shreya Hegde of Std XI won silver medal and Ms. Priya Agrawal won bronze medal at school level.

4. IQAC Committee:

- ❖ Inauguration of IQAC committee was held on 4th Sept., 2018 under the chairmanship of Prof. P.J.Yadao, IQAC co-ordinator.
- ❖ General Knowledge Test conducted by Shiksha Mandal Wardha was held on 4th Oct., 2018. Total 1100 students appeared for G.K.Test, Ms.Dimple Dholwani from Std XII E1 bagged the First Prize and Ms.Darshana Gehani from Std XIIE1 bagged the second Prize.
- ❖ Objective Test Series was conducted for Std. XII students from 18th Jan., 2019 to 21st Jan., 2019.

5. Women's Cell:

- ❖ 1st Dec., 2018: All the Students of Junior College and MCVC Department were guided to lead a more purposeful and healthy life. The students were guided in their classes itself. Students were appealed to follow hygiene in their day- to- day life.
- ❖ 14th Dec., 2018: An Inaugural programme and a guest lecture of Mrs. Gayatri Vatsalya, President of SVK Shikshan Sanstha, was organised on the topic 'Know Your Confidence' in Bajaj Bhavan at 04:30 p.m.

6. Library Committee:

Books were provided from library to the economically weak students.

7. Parent Teacher Meet:

- ❖ Parent Teacher Meeting was organized on 6th Oct., 2018 in which Parent- Teacher Association was formed.

8. Career Guidance Cell:

- ❖ 29th Sept., 2018: A guest lecture of Shri. Milind Apte on 'Avenues in Commerce Education' was organized under Career Guidance Cell.
- ❖ 22nd Dec., 2018: A guest lecture of Shri. Rahul Vaidya on 'Approach towards Competitive Exam for Commerce stream' was organized under Career Guidance Cell.

9. Junior Fest Committee:

G. S. College of Commerce & Economics, Nagpur celebrated Junior **Fest – An Inter Collegiate Mega Event**. This event exposes city students to the new and the next in the field of Commerce and Industry through such programs as 'Essay Writing', 'Commerce Model Exhibition', 'PPT Presentation Competition', 'Debate' and 'Quiz' etc. It also helps them in over-all development. The event was presided over by Shri. Sanjay Bhargava, Chairman, Shiksha Mandal, Wardha. Shri. Ravikant Deshpande, Chairman, MS Board Secondary and Higher Secondary Education, Nagpur Division was the Chief Guest while Shri. Atul Pande, President of VIA, Nagpur was the Guest of Honour.

- ❖ **Essay Competition:** The Essay Competition was held on December 20, 2018. The Topic for Essay Writing was "**NAGPUR METRO: A LEAP TOWARDS SMART CITY**". Over 100 students from 18 Schools / Colleges participated in the competition.
- ❖ **Commerce Model Exhibition / Competition:** The Commerce Model Exhibition was held on January 9, 2019. This new competition was added to Junior Fest from this year. There was an overwhelming response and 13 teams participated in this competition.
- ❖ **Quiz Competition:** Quiz Competition was organized on January 9, 2019. The topic for the competition was "**INDIA IN 2018**". 13 teams participated in this competition.
- ❖ **Power Point Presentation Competition:** Power Point Presentation was held on January 9, 2019. The topic for Power Point Presentation Competition was "**ONLINE GAMES AND STUDENTS**". 13 teams participated in this competition.
- ❖ **Debate Competition:** Debate Competition was organized on January 10, 2019. The topic for the Debate Competition was '**SOCIAL MEDIA IS BECOMING "ANTI – SOCIAL"**'. 15 teams from different colleges / schools participated in the competition.

All the competitions were judged by panels of judges and attractive cash prizes were given to the winners for each event along with the mementos and certificates. With a view of motivating students, Consolation prizes along with certificates were distributed. All the participants were given the participation certificates.

Principal Dr. N. Y. Khandait congratulated convener Mrs. Shilpa P. Yadao, Vice Principal Dr. Bhavana K. Gattuwar and all teachers of Junior College / HSVC Vocational Department for the successful conduct of Junior Fest 2018-19.

10. Examination during the session:

- ❖ First Unit Test for Std.XI was conducted from 11th Sept., 2018 till 18th Sept., 2018.
- ❖ First Scholar Exam and First Term Exam were conducted from 9th Oct., 2018 to 16th Oct., 2018.
- ❖ Second Scholar Test and Second Unit Test were conducted from 11th Jan., 2019 to 18th Jan., 2019.
- ❖ Second Term Exam for Std XI were held from 25th March 2019 to 1st April 2019.

Dr. Bhavana Gattuwar
(Vice-Principal)

Report of Computerised Accounting (Tally.ERP9) 2018– 2019

We started the Computerised Accounting 'Tally' course in 2013 to provide the knowledge of tally software. We got overwhelming response of the students every year. This year we admitted 67 students in the course. As per the demand of the students, we have made a MOU with Tally Education Private Limited, Bangalore from last three years.

As per the market requirement we focused more on GST concepts as well as TCS & TDS. All the students performed well in the online examination which was conducted on 27-02-2019 and 28-02-2019 by Tally Education at their own authorised centre. Total 66 students appeared for the examination and 64 cleared the examination successfully.

I express my thanks to Dr. N.Y. Khandait Sir and Prof Pravin Yadao Sir for their continuous support and encouragement. I also give special thanks to Prof. Harish Naringe and entire team of IT department of the college.

Prof. Sushma Gawande

Convener,

Computerised Accounting 'Tally' Course



A Report of GS-SUN (GS-Skills Upgradation Network) 2018-2019

The college has conducted pre-job skills up gradation program (GS-SUN) from 2013. The program was started to groom the students with functional and technical skills required on job and later deputing them for internship at offices of alumni/network Chartered Accountants through CA Jaydeep Shah, Chairman of GS-SUN and former ICAI-President. This year we got an overwhelming response from the students and total 89 students were enrolled in the programme.

In the GS-SUN program, the college conducts a six-month pre-internship grooming session for all enrolled students. The program imparts training for the acquisition of communication skills and proficiency in ICT. After successful completion of the grooming program they will undergo internship at various chartered accountant firms which are integral part of GS-SUN network. The duration of practical training / Internship will be 9 to 12 months spread over two sessions of second and final year. The interns are paid stipends by the CA Firms too.

From the batch of 2016-2017, total 15 students have completed internship successfully in the session 2018-2019. The internship programme of batch 2017-18 and 2018-19 are in the process and students are on training with network of CA firms.

Prof Pravin Yadao

Convenor, GS-SUN



Learning Resource Centre, Nagpur Annual Report 2018-19

It gives us immense pleasure to present the report of the library committee for the academic session 2018-19.

The salient features of the report are as under:

During the session, total two meetings were held for different purposes. The committee took many important decisions regarding the purchase of books, magazines, allocation of funds to the various heads, library extension activities/facilities etc. The library provided the following services/ facilities to its users like lending of books reference service UGC-NRC, Internet access, E-books, Book Bank Scheme etc.

- Lending of books
- Reference Service
- Unlimited Internet Facility
- UGC- NRC
- E-Books/E-Journals availability under N-LIST/J-GATE
- Reading Room
- Reprographic Service
- Book Bank Scheme
- Full Deposit Scheme
- Current Awareness Service
- Over-night issue facility
- Audio Book Reader and Recorder (ABRAR) for 'Divyang' students introduced.
- Additional books to 'Shabd' members & NSS students
- Display of Advertisements on various competitive examinations etc.
- News paper clippings etc.
- Inter Library Loan facility
- Special assistance for the projects of Continuous Adult Education programme
- Various lectures under Jagar Janiv Abhiyan

The following extension activities were carried out during the session.

- Library celebrated birthday of father of library science Dr. S.R. Ranganathan on 9th Aug. 2018. Dr. Shishir Mandalia, University Librarian, S.P. University, Anand, Gujrat delivered guest lecture on the Dr. S.R. Ranganathan's contribution to Library Movement in India.
- Library orientation programme for first year students.
- Book exhibitions on the various occasions like 'Hindi Saptah Book Exhibition', 'Gandhi Jayant Book Exhibition', Swami Vivekanad Jayanti Book Exhibition, Jagtik Marathi Diwas Book Exhibition etc.

- Special programme was organized in collaboration of 'Shabd Forum' on 15th Oct. 2018 on the occasion of 'Wachan Prerna Diwas' birthday anniversary of Dr. A.P.J. Abdul Kalam.
- Book Assessment, Review & Presentation Competition organized.
- Best Library User Award'

The students were given prizes at the hands of Shri. Dilip Mhaisalkar for the optimum uses of library resources for academic pursuits and book review competition. The Prizes were given to the students in the form of books.

We extend sincere thanks to the Principal Dr. N.Y.Khandait for his guidance and constant support in the various activities of the library.

We thank all the members of the library committee and entire library staff who actively participated in different activities of library. Special thanks to NSS volunteers, Shabd members for their active participation in library activities.

The first step in the acquisition of wisdom is silence, the second listening, the third memory, the fourth practice, the fifth teaching others. by Solomon Ibn Gabriol

Dr. P.M. Paradkar
Librarian

पालक-शिक्षक सभा की रिपोर्ट - 2018-19

पालक-शिक्षक समिति द्वारा १३ जनवरी २०१९ को पालक-शिक्षक सभा का आयोजन किया; जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के अनियमित विद्यार्थियों के पालकों को संदेश-एस. एम. एस. एवं दूरभाष द्वारा आमंत्रित किया गया। सभा की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत ने की तथा सभा में आई. क्यू. ए. सी. संयोजक श्री प्रवीण यादव एवं विभिन्न विभागों के समन्वयक मंच पर उपस्थित थे।

लगभग ४१० पालकों ने प्रतिपुष्टि प्रश्नावली एवं मौखिक संवाद के माध्यम से अपने प्रश्नों एवं सुझावों को प्रस्तुत किया। पालकों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण हेतु महाविद्यालय परिवार का अभिनन्दन किया। पूर्व सभाओं में दिये गये सुझावों के क्रियान्वयन एवं प्रश्नों के समाधान हेतु पालकों ने आभार व्यक्त किया। पालकों ने अपने पाल्यों के अनुपस्थिति के कारणों को बताते हुए भविष्य में उनकी उपस्थिति का आश्वासन दिया।

इस समिति द्वारा महाविद्यालय की सुविधाओं, गतिविधियों एवं शैक्षणिक वातावरण का मूल्यांकन करने हेतु विभिन्न विभागों के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों से प्रतिपुष्टि प्रश्नावली भरवाई गई। मैं प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत, आई. क्यू. ए. सी. संयोजक श्री प्रवीण यादव, समस्त प्राध्यापकों, पालकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की आभारी हूँ, जिनके सहयोग से समिति का कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

डॉ. नेहा कल्याणी
संयोजिका

CERTIFICATE PROGRAMME IN BANKING, FINANCE AND INSURANCE

INTRODUCTION:

- Certificate Programme in Banking, Finance & Insurance (CPBFI) is a value-added course conducted by GS College in collaboration with Bajaj Finserv Ltd.
- This course aims at enhancing the employability of commerce and management students by providing intensive training in the areas of banking, insurance, communication skills and computer skills.
- The faculty for this programme are individuals with rich experience, drawn from the college as well as the industry.

IMPORTANT DETAILS/ACTIVITIES AT A GLANCE (2018-19) :

- **Total No. of Students:** 42
- **Drawn from:** Final Year batches of B.B.A., B.Com., B.C.C.A.
- **Course commenced from:** 21st August 2018
- **Total Course Duration:** 120 hrs.
- **Courses (Subjects):** Banking Operations, Insurance, Communication Skills, Computer Skills
- **Launch of the batch:**
 - The batch was launched with a student interaction session on 21st August 2018. Study kits were distributed to all enrolled students by Bajaj Finserv.
- **Workshop on "Self-Confidence, Attitude Building and Personality Development"**
 - A 24- hour Workshop on "Self-Confidence, Attitude Building and Personality Development" was conducted at GS College, Nagpur in the month of December 2018, exclusively for the students of Certificate Programme in Banking, Finance and Insurance (CPBFI). This workshop was organized by Bajaj Finserv Ltd in association with the Institute of Psychological Health (IPH), Pune.
- **HR Workshop by Bajaj Finserv Ltd.:**
 - A special HR Workshop was conducted by Bajaj Finserv on 8th February 2019. A team of actual recruiters from Bajaj Allianz Life Insurance Company Ltd. and Bajaj Allianz General Insurance Company Ltd. had visited our campus to conduct extensive and detailed mock-interviews of the CPBFI students and provide feedback and guidance to them.
 - **Creation of LinkedIn Profiles:** All the students of this batch were made to create LinkedIn Profiles to introduce them to the world of online professional-networking.

- **Exams:** Interim Exams and Final Exams (online mode) were conducted for all subjects at the end of the course.
- **Hello English App:** Hello English is an app based English learning platform. This app was launched in association with CPBFI for students of II year, so that by the time they reach the final year class, they are able to considerably polish their English communication skills. The launch took place on the 26th February for the students of II year of G S College, Nagpur as a part of Pilot Study Project. As against 100 desired, in total 170 students attended this app launch event.

Dr. Ashwini Purohit
CPBFI Co-ordinator

Report on English Language Lab

- The English language lab was set up with the assistance from the University Grants Commission for enriching the language skills of our students.
- The lab was operational from the academic session 2015-2016 on a trial basis and is at present successfully catering to the needs of the learners.
- In the session 2016-2017 the register noted 3000+visits of students and 2017-2018 the lab was open for the students from 04th July 2017 to 19th March 2018 during which 2800+ visits of students were noted.
- The lab started functioning from the 30th July, 2018 and until 22nd February, 2019, 1800+ students visited the lab and further more visits are expected.
- The curriculum aspects are dealt in the classroom teaching and co-curricular aspects like improving the listening and speaking skills are dealt in the lab.
- In the current academic session the lab was visited not only by the students of all UG/PG courses but also by faculty members.
- The lab is well equipped with computers, headphones and latest software.
- We are thankful to the Management, Principal Dr. N.Y. Khandait for setting up of the language lab and all the students for taking the opportunity and visiting the lab.

Thank You !

Dr. Priya S. Murarkar
Department of English

PHYSICAL EDUCATION DEPARTMENT

ANNUAL REPORT 2018-19

It gives me immense pleasure to present the report of Physical Education Department for the session 2018-19.

The salient features of the report are as under:

▲ COLOUR HOLDERS

10 college players got selected in Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University Teams with flying colours.

■ BADMINTON :

- Ms. Bhakti D. Dahasahasra of M.Com. II (E) has been selected in Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University **Badminton** team and participated in **West Zone Inter University Badminton Championship** held at Akola organized by Dr.Panjabrao Deshmukh Krishi Vidyapeeth.

■ ARCHERY :

- Tina S. Menghar, M.Com.I (E)
- Sandhya D.Sharma, B.Com.II (E1)
- Diva N.Kishore, B.Com.II (E1)
- Rahul R.Prasad, B.Com.I (E1)
- Manish S.Bisen, B.Com.I (E2)

All the above students have been selected in Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University **Archery** team and participated in **All India Inter University Archery Championship** held at Bhubaneshwar organized By K.I.I.T. University.

■ BALL BADMINTON:

- Rahul Y. Kohale of B.Com. III (M) has been selected in Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University **Ball Badminton** team and participated in **All India Inter University Ball Badminton Championship** held at Kattankulathur organized by S.R.M. University
- Ashwini V. Choudhary of B.Com. III (M) has been selected in Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University **Ball Badminton** team and participated in **All India Inter University Ball Badminton Championship** held at Vijaywada organized by Krishna University.

■ YOGASANA :

- Devendrakumar M. Shahu, B.B.A.III
- Kajal R.Thakur, B.B.A.III

Both the students have been selected in Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University **Yogasana** team and participated in **All India Inter University Yogasana Championship** held at Chennai organized by University of Madras.

▲ **RASHTRASANT TUKDOJI MAHARAJ NAGPUR UNIVERSITY INTER-COLLEGIATE TOURNAMENTS:**

■ **ATHLETICS:**

- **Aiswarya B. Nair** of B.Com. III (E1) shown spectacular performance in throwing events of Athletics organized by Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University Athletics Tournament:

- Secured **BRONZE MEDAL** in Discus Throw (20.21 mtrs)
- Secured **SILVER MEDAL** in Javelin Throw (24.21 mtrs.)

■ **ARCHERY :**

- **Tina S. Menghar** of M.Com. I (E) secured **TOP** position among all the women participants in Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University Inter-Collegiate Archery Tournament (50 mtrs + 30 mtrs.) with 379 point.

■ **BALL BADMINTON:**

● **RUNNER-UP(Girls)**

- College Ball Badminton Girls team secured **RUNNER-UP** position in Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University Inter-Collegiate Ball Badminton Championship, 2018-19 held at M.P.W.S.College, Nagpur

Following are the names of team members :

- | | |
|--|-----------------------------------|
| 1. Madhur B. Mishra-M.Com. I(E) | 5. Ankita R. Rathod-B.B.A. II |
| 2. Ashwini V. Chaudhari-B.Com. III (M) | 6. Sakshi S.Amale-M.Com.I (E) |
| 3. Pallavi M. Nikhure-B.Com. III (M) | 7. Meenakshi V.Mogre- B.Com.I(E2) |
| 4. Piyusha Telang-M.Com. II(E) | |

● **THIRD PLACE(Boys)**

College Ball Badminton Boys team secured **THIRD PLACE** in Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University Inter-Collegiate Ball Badminton Championship, 2018-19 held at M.P.W.S.College, Nagpur

Following are the names of Winning team members:

- | | |
|--------------------------------|------------------------------|
| 1. Vinesh Lilhare-M.Com. I (H) | 5. Mahesh Sahu-B.Com.III(E1) |
| 2. Tinu Nagpure-M.Com. I (H) | 6. Santosh Sahu-M.Com.II (H) |
| 3. Rahul Kohale-B.Com.III (M) | 7. Rohan Tiwari-B.Com.I (E2) |
| 4. Nitin Kahate-B.Com.III (M) | 8. Mukesh Sharma-B.C.C.A.II |

■ **YOGASANA:**

● **THIRD PLACE (Girls)**

College Yogasana Girls teams secured **THIRD PLACE** in Rashtrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University Inter-Collegiate Yogasana Tournament, 2018-19 held at D.N.C. College, Nagpur

Following are the names of team members :

- | | |
|------------------------------------|---------------------------------------|
| 1. Kajal R. Thakur-B.B.A. III | 4. Nargis Z. Sheikh- B. Com. I (E2) |
| 2. Manisha R. Yadav- B.Com.III (H) | 5. Sujata V. Gupta- B. Com. I (E1) |
| 3. Anjali V. Thakur-B.Com.II (H) | 6. Shrishty R. Mishra- B. Com. I (E2) |

▲ **OTHER ACHIEVEMENTS IN OPEN TOURNAMENTS:**

- **Badminton: Bhakti D. Dahasahasra, M.Com. II (E) -**
- Secured Runner-up position in Women Doubles event in Baramati Taluka Badminton Association State Selection Tournament 2018 organized under the auspices of Maharashtra Badminton Association
- Won Women Doubles and Mixed Doubles events in Maharashtra State Open Badminton Tournament organized in the loving memory of Late Mr. T.R.N.Swamy.

▲ **DEPARTMENT ACTIVITIES :**

- **INTERNATIONAL YOGA DAY:** The Fourth International Yoga Day was observed on 21st June 2018 in G. S. College, Nagpur. On this occasion, Mr. Ravi Ramteke with his team comprising of two national yoga players Master Ajit and Sujit Ghawghawe were invited. Mr. Ravi explained about 'Ashtang Yog' while Ajit and Sujit demonstrated difficult asanas like Purnashalbhasana, Ekpaddpurna dhanurasana, Natrajasana, Purna Mashchhendrasana, Purna Chakkrasana and Hastavrischhikasana. On this occasion IQAC co-ordinator Shri P.J.Yadao, Dr. P.M. Paradkar, N.S.S. incharge Dr. A.B.Patle, N.C.C. incharge Major P. B. Ingle, Sports Director Dr. A.H.Sakalkale and M.B.A. co-ordinator Dr. Ashwini Purohit encouraged the players by their presence and took active part in performing all Asanas. Sports Director Prof. Ashutosh Tiwari compered the programme. About 150 teaching and non-teaching staff and players, N.S.S., N.C.C. students of the college performed Yogic Asanas to make the programme a grand success. Principal Dr. N.Y.Khandait appreciated the efforts of one and all for the successful conduct of programme.
- **NATIONAL SPORTS DAY:** Department celebrated **NATIONAL SPORTS DAY** on Tuesday, 29th August 2018. On this occasion, "Inter-Departmental Sports Quiz Competition" was conducted. Students from department of B.Com.(Grant & NG), B.B.A. B.C.C.A., M.Com. and M.B.A. took part in the competition. The competition was conducted in different rounds like Multiple Choice Questions, Cross-Word and Direct Answer. Students of **B.Com.-Grant** department won the competition while **B.C.C.A.** were the Runners-up. Prizes were distributed to the

Winner and Runner teams. Few videos and clippings of Major Dhyanchand were shown to the audience during the programme. Rahul Kohale, Madhur Mishra and National players Bhakti Dahasahasra, Piyusha Telang conducted the quiz, while Diva Kishor compered the programme. Amar Awasthi highlighted the achievements of Major Dhyanchand. On this occasion, Principal Dr. N. Y. Khandait offered garland and paid tribute to Major Dhyanchand. Dr. P.M. Paradkar, Sports committee members and college staff were present on this occasion. Prof. Akash Jain designed the quiz and handled the technical part of the competition. Dr. A. H. Sakalkale and Prof. A.J.Tiwari, Directors, Department of physical education worked hard for the success of programme.

- **INTER-CLASS COMPETITIONS :** Inter-class competitions were conducted by the Department. Following is the Gamewise list of winners and runners :

Games	Winners	Runner-up	Second Runner-up
Tennisball Cricket (Boys)	M.Com.I (E)	B. Com. I (E1)	B. Com. I (E3)
Tennisball Cricket (Girls)	B. Com. III (M)	M.Com.I (E)	B.C.C.A. I
Throwball (Girls)	B.C.C.A. I	B. COM. III (E3)	B. COM.I (E3)
Volleyball (Boys)	B. COM. I (H)	B. COM. I (E3)	B. COM. II (H)
Volleyball (Girls)	B.B.A. II	B. COM. II (E1)	B. COM. II (H)
Tennikoit (Boys)	B.Com. I (E1)	M.Com.I (H)	B.C.C.A. II
Tennikoit (Girls)	B.C.C.A. I	M.Com.I (E)	B.Com.III (M)

- **PHYSICAL EFFICIENCY TEST & MEDICAL EXAMINATION :** Physical Efficiency Test and Medical Examination were conducted as per schedule.

I take this opportunity to thank Hon'ble Chairman Shiksha Mandal, Shri Sanjay Bhargava and Principal Dr. N. Y. Khandait for their valuable guidance and support. I also extend my gratitude towards all active Sports Committee members. Sincere thanks to all the departmental heads for their consideration, co-operation and help.

Dr. A. H. Sakalkale
Director



Commerce Study Circle & Commerce Lab Annual Report for College Council 2018-2019

1. Details of the Activities Conducted:

The commerce study circle has conducted following activities during the academic session 2018-2019:

- 1) **Recognition by Google Inc.:** Commerce lab has conducted a virtual photoshoot of the college premises in the year 2016 on the onset of NAAC Peer Team Visit. For preparing a virtual tour of the college premises, an official page of commerce Lab was created on Google.

These 360-degree photos of the college were uploaded on Google Maps on official page of Commerce Lab. In this year, these efforts were appreciated by Google Inc. through a formal email on occasion of getting more than 5 lakhs views of these 360-degree photos worldwide.

- 2) **Live Screening of Union Finance Budget 2019:** To acquaint students with the presentation of budget in parliament, Commerce Lab in collaboration with Commerce Study Circle, has organized Live Screening of Union Budget 2019 for faculties and students.
- 3) **Commerce Crossword :** Commerce Lab in coordination with Commerce Study Circle organized an activity of commerce Crosswords for students. Commerce Study Circle has also organized a competition of Commerce Crossword in co-ordination with M.Com. Department.
- 4) **G. S. Quiz Club :** This year Commerce Study Circle has identified the students interested to participate in various quiz competitions and established a "G. S. Quiz Club". A team consisting of members of G. S. Quiz Club has participated and won 2nd Prize in "Yuvarang" - Annual Event of RTM Nagpur University.
- 5) **Workshop on E-filing of Income Tax Returns and use of Statistical Softwares:** Commerce Study Circle and Commerce Lab has organized a workshop on e-filing of income tax returns for students in order to demonstrate the practical procedure of e-filing of income tax and TDS returns. The later part of the session covered use of various statistical softwares (Such as MS-Excel Tool pack, R etc.) in research.
- 6) **Launch of New Value-Added Course:** This year Commerce Study Circle has launched new course of Certifications by National Institute of Securities Markets (NISM). This year we have offered three modules under this course to the students:
 - 1) NISM Series V – A: Mutual Funds Distributor's Certification
 - 2) NISM Series VIII: Equity Derivatives Certification

3) NISM Series XIV – Research Analyst Certification

- 7) **Launch of Online Moodle Course:** Commerce Study Circle in coordination with commerce Lab has launched online Moodle course for two value addition courses viz., TCS-BPS (Finance & Accounts) Program and for NISM Courses. In these online courses, a portal has been made available to students. Students who has enrolled for the courses has been provided with Unique Username and Passwords for accessing the portal. The portal has been used to provide reference eBooks, regulars assignments and activities to the students from time to time.

(URL: <https://commercelabgscen.moodlecloud.com/login/index.php>)

- 8) **Launched of Various Interest Clubs:** Commerce study Circle during the year have officially lunched various interest clubs:

- 1) Quiz Club – Triviatrix
- 2) Investor's Club – Arbitrageurs
- 3) The Economics Society – Arthashastra

- 9) **Academic Blog:** The academic blog published by Commerce Lab has been used in the current academic sessions for providing assignments, notes and model answers, tutorials, important links, RSS feeds (Web Feed) etc. This may help to increase awareness about blogging among the students and make them aware about the practical knowledge.

(URL: <http://justdoitnowsimply.blogspot.in/>)

- 10) **Google Classroom:** As digital innovation initiative, Google Classroom platform has been used by teachers for sharing notes, assignments, tutorials, important links etc. of their respective subjects with the students. This has resulted in fast sharing of information with the students and students also become aware about such online platform.

- 11) **Value Addition Courses :** Students enrolled for various Value Addition Courses during the year as follows:

- 1) National Stock Exchange's Certification in Financial Markets (NCFM) – 06 students
- 2) National Institute of Securities Markets (NISM) Certifications – 10 students
- 3) TCS-BPS (Finance & Accounts) – 31 students

The final course end examinations of these courses are due in the month of May–2019.

12) Interactive Lecture in TCS – BPS (F & A) Class: An interactive session was arranged for the students enrolled for the course of TCS – BPS (F & A).

Details of Resource Person:

Name: Mr. Anand Banerjee

Designation: Senior Manager, TCS

Introduction: He is a certified financial professional carrying an industry experience of more than 12 years. He has completed his Masters in Economics from Calcutta University. In TCS, he is currently taking care of F & A transformation projects.

13) Interactive Session on Resume Building and interview Preparation: A session was organized by Commerce Study Circle in coordination with Placement Cell on “Resume Building” and “Interview Preparation” on 30th March 2019. Mr. Maharshi Vyas was invited for this Guest Lecture. He has introduced students to various nitty gritty of resume building and conducted a mock interview to explain common mistakes made by students during placements.

14) TCS – BPS (F & A) Course End Examination: The TCS – BPS (F & A) Course End Examination was held on 12th April 2019 from 02.00 p.m. to 04.00 p.m. Out of 31 students enrolled for the Course, 24 students have appeared for the exam. The students who will clear the examination will be eligible for the placements which may be due in the month of April - May 2019.

2. Students Involved/Response:

- a. More than 100 students along with faculty members attended Live Screening of Union Budget.
- b. Around 80 students have attended the workshop on E-filing of Income Tax Returns and use of Statistical Softwares.
- c. Near about 50 students have participated in Commerce Crossword Competition.
- d. Near about 40 students have responded well for online Moodle course launched for various value addition courses.
- e. Near about 80 students have participated in a workshop on resume building and interview preparation.
- f. 31 students participated in presentations for TCS-BPS (Finance & Accounts).
- g. 7 students enrolled for NCFM Examinations.
- h. 11 students enrolled for NISM Courses.

3. Outputs/Achievements/Awards:

a. Achievements of The Economics Society – “Arthashastra”:

- i. A team of students (Rishabh Gupta, B.Com. III E1 and Prarthana Bayes, B.Com. III

E1) was been selected for the Final Round of National Young Economist Conclave organized by Department of Economics, New Delhi. The team participated in Campus Round of this competition held at New Delhi on 06th and 7th March 2019.

Topic: "A Study of Premortem Analysis of Potential Financial Distress in NBFCs using Predictive Model – A Case Study of IL & FS"

- ii. Ms. Prarthana Bayes, B.Com. III E1 has won 3rd Prize at National Level Paper Presentation Competition "SHODH" at Department of Management Science and Research, Nagpur

Topic: "A Study of Premortem Analysis of Potential Financial Distress in NBFCs using Predictive Model – A Case Study of IL & FS"

b. Achievements of Quiz Club – "Triviatrix":

- i. A team of Quiz Club Shubham Suryawanshi, M.Com. II and Ritesh Pilare, B.Com. I have won 1st Prize in the event of Quiz Competition in GS-Comnext – 2018-19.
- ii. A team of Quiz Club Shubham Suryawanshi, M.Com. II and Ritesh Pilare, B.Com. I has won 1st Prize in National Level Quiz Competition organised by Department of Advanced Management Science, Wardha.
- iii. A team of Quiz Club Shubham Suryawanshi, M.Com. II and Ritesh Pilare, B.Com. I have won 2nd Prize in Quiz Competition organised by Department of Management Science and Research, Nagpur.
- iv. A team Quiz Club Shubham Suryawanshi, M.Com. II, Prince Kumar, M.Com. I and Ritesh Pilare, B.Com. I has won 2nd Prize at Quiz Competition held in RTMNU Annual Event "Yuvarang".

c. Achievements of Investor's Club – "Arbitrageurs":

- i. A team Shubham Suryawanshi, M.Com. II and Ritesh Pilare, B.Com. I have won 3rd Prize in Mock Stock Market Competition organized by Department of Advanced Management Science, Wardha

I sincerely thank principal Dr. N.Y. Khandait and all committee members for their valuable cooperation.

Prof. A. S. Jain

Convener, Commerce Study Circle,
In-charge, Commerce Lab

राष्ट्रीय सेवा योजना वार्षिक अहवाल

राष्ट्रीय सेवा योजना पथक द्वारा सत्र २०१८-१९ इस शैक्षणिक सत्र में निम्न प्रकार से नियमित कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं।

क्र.	दिनांक	कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ	विद्यार्थियों की संख्या
१	२५/०५/२०१८	आव्हान शिविर में रोहन डोईफोडे और मनीषा पेंदाम का सहभाग	०२
२	२१/०६/२०१८	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में रासेयो स्वयंसेवकों का सहभाग	२०
३	१८/०६/२०१८ से ३१/७/२०१८	भारत सरकार द्वारा निर्देशित स्वच्छ भारत Summer Interenship आयोजित कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यार्थी के द्वारा नागपूर के विविध क्षेत्रों में १०० घंटे कार्य का सहभाग। अ. डॉ. पंजाबराव कृषि विद्यापीठ में काँग्रेस ग्रास निर्मूलन एवं वृक्षारोपण (१७५ वृक्ष) ब. बॉटनीकल गार्डन में काँग्रेस ग्रास निर्मूलन एवं वृक्षारोपण (३५० वृक्ष) स. फुटाला तालाब परिसर में स्वच्छता अभियान।	५२
४	०१/०७/२०१८	राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ द्वारा आयोजित वृक्षदिंडी रैली में रासेयो स्वयंसेवकों का सहभाग।	७५
५	जुलाई २०१८	राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ की नई इमारत के परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभाग।	३०
६	११/०७/२०१८	अन्तर्राष्ट्रीय लोकसंख्या दिवस के अवसर पर रासेयो स्वयंसेवकों का सहभाग।	२५
७	१८/०७/२०१८	दत्तक ग्राम नागाझरी में रासेयो विद्यार्थियों द्वारा समरइंटरशिप कार्यक्रम के अर्न्तगत जनजागृति	१७
८	१९/०७/२०१८	नये प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन एवं संकल्प सभा का आयोजन।	१५०
९	जुलाई - अगस्त	मतदाता जनजागृति एवं नये मतदाताओं के Epic कार्ड बनाने का कार्यक्रम।	१००

90	७/८/२०१८	रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा लॉ कॉलेज चौक पर रस्ता सुरक्षा जनजागृति अभियान	३५
99	१४/०८/२०१८	महाविद्यालय परिसर में श्रमदान एवं स्वच्छता कार्यक्रम	१००
92	१/०८/२०१८	राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ द्वारा आयोजित 'जल ही जीवन है' संवर्धन रैली में सहभाग।	१००
93	३/९/१९ से ८/८/२०१८	अन्ध संस्था को ८५०० रुपये की आर्थिक मदद संकलन का कार्य।	एन.एस. एस. विभाग
98	१२/९/२०१८	राजभवन में श्रमदान एवं स्वच्छ भारत अभियान में सहभाग।	१२५
9५	१३/९/२०१८	स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत महाविद्यालय ग्रंथालय स्वच्छता अभियान।	२५०
9६	१४/०९/२०१८ से २५/०९/२०१८	केरला में अतिवृष्टि द्वारा प्रभावित केरल निवासियों के लिए १६०००/- एवं आवश्यक पुराने कपड़ों का संकलन कार्य	एन.एस. एस. विभाग
9७	सितम्बर २०१८	R.D. कॅम्प चयन के लिए सोलापुर में आयोजित कॅम्प में मोहिता जैतवार एवं आशुतोष कुंटे का सहभाग।	०२
9८	२२ एवं २३ सितम्बर	फुटाला तालाब पर गणपति विसर्जन के अवसर पर निर्माल्य संकलन कार्यक्रम में सहभाग।	१५
9९	२१ सितम्बर से २६ सितम्बर	मातृ संस्था शिक्षा मण्डल वर्धा द्वारा गांधी परिषद गोपुरी वर्धा में खुशबु डाखोळे एवं निखिल राउत का सहभाग।	०२
२०	२७ सितम्बर २०१८	महाविद्यालय में श्री रोजर एस. विल्से पुणे द्वारा मानवाधिकार विषय पर आयोजित कार्यक्रम में सहभाग।	१५०
२१	सितम्बर २०१८	माहिती दूत कार्यक्रम में सहभाग	२०
२२	२/१०/२०१८	गाँधी जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में श्रमदान।	१५०
२३	६/१०/२०१८	सामाजिक कार्यकर्ता श्री संजय कुमार गुप्ता द्वारा रस्तासुरक्षा जनजागृति कार्यक्रम में सहभाग।	२००
२४	१३/१०/२०१८ से २५/१०/२०१८	जलगांव गांधी फाउण्डेशन द्वारा आयोजित लीडरशिप राष्ट्रीय स्तरीय शिविर में रुचिप्रिया दत्ता और अंजलि तिवारी का सहभाग।	०२

२५	२८/१०/१८ से ६/११/२०१९ तक	क्षेत्रीयनिर्देशक खेल मंत्रालय द्वारा हिमाचल प्रदेश में आयोजित साहसी शिविर में खुशबु ढाकोले का सहभाग।	०१
२६	२० नवम्बर २०१८	राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ के नेल्सन मंडेला छात्रवास के स्वच्छता अभियान में सहभाग।	६५
२७	२६/११/२०१८	राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ द्वारा आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में सहभाग।	६५
२८	१/११/२०१८	इन्दिरा गाँधी शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय द्वारा पथक द्वारा आयोजित जागतिक एड्स दिवस के अवसर पर आयोजित रैली में रासेयो स्वयंसेवकों का सहभाग।	३५
२९	२६/११/२०१८ से ४/१२/२०१८	रा.तु. म. नागपूर विद्यापीठ द्वारा आयोजित R.D. परेड चयन शिविर में स्वयंसेवकों का सहभाग।	०४
३०	७/१/२०१९ से १३/१/२०१९ तक	दत्तक ग्राम नागाझरी में सप्तदिवसीय विशेष शिविर के प्रमुख व्याख्यान— १. आई. क्लीन नागपूर द्वारा स्वच्छता पर व्याख्यान। २. श्रीमति नलिनी शेरकुरे — सरपंच ग्रामपंचायत द्वारा ग्रामीण समस्याओं पर व्याख्यान। ३. श्री बल्लूबेहरा, मोहन फाउंडेशन द्वारा अवयव दान विषय पर व्याख्यान। ४. श्री राजाभाउ चिटणीस द्वारा महिला संक्षमीकरण एवं गाँधीजी के कार्यों पर व्याख्यान। ५. श्री कुंदन हाते द्वारा वन्य प्राणी संरक्षण पर व्याख्यान। ६. श्रीमति सीमा पोहने द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा पर। ७. मेक इन इण्डिया लघुकुटीर उद्योग एवं युवाओं की भूमिका विषय पर भारत सरकार के लघुकुटीर उद्योग विभाग के सहायक निर्देशक श्री किशोर इरपाते जी का व्याख्यान। ८. श्री पुरुषोत्तम शेरकुरे— अध्यक्ष आशा फाउंडेशन द्वारा सामाजिक जिम्मेदारी और युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान।	एन. एस. एस. विभाग
३१	१६/०१/२०१९	गाँधीजी की १५० वीं जन्मतिथि 'ग्रामसभा से राष्ट्रसभा तक' इस विषय पर श्री चितरंजनदास सांरगी ओडीसा की सभा में सहभाग।	६०

३२	१९/०१/२०१९	राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ द्वारा आयोजित Youth Parliament स्पर्धा में रासेयो स्वयंसेवकों का सहभाग।	३०
३२	२५/०१/२०१९	राष्ट्रीय मतदार दिवस कार्यक्रम में रासेयो स्वयंसेवकों का सहभाग।	१९०
३३	१४/०१/२०१९ से १४/१/२०१९	लोकशाही पंधरवाडा एवं नये मतदाताओं के Epic कार्ड बनाने का कार्यक्रम।	४२३ कार्ड
३४	२६/१/२०१९	मुम्बई में आयोजित राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस परेड में आशुतोष कुंटे का सहभाग।	०१
३५	१/२/२०१९	स्वेच्छा रक्तदान शिविर का आयोजन।	६३ युनिट
३६	३/२/२०१९	नागपूर मेरॉथन में रासेयो स्वयंसेवकों का सहभाग।	७५
३७	२३/२/२०१८ से २६/२/२०१८	राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ द्वारा आयोजित युवारंग कार्यक्रम में रासेयो स्वयंसेवकों का सहभाग।	२५
३८	१९/२/२०१८ से २५/२/२०१८	श्री लेमदेव पाटिल महाविद्यालय समर्थ युवा समृद्ध भारत संकल्पना पर आधारित राज्यस्तरीय शिविर में रासेयो स्वयंसेवकों का सहभाग।	०८
३९	२३/२/१८ से २७/०२/१८ तक	राज्यस्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण प्रेरणा शिविर, अमरावती में रेबन्त परिहार एवं इरफाना शेख का सहभाग।	०२
४०	१६/०१/२०१९ से २५	राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, बनारस में ०४ स्वयंसेवकों का सहभाग।	०४
४१	प्रत्येक रविवार	आई. क्लीन नागपूर के संयुक्त तत्वाधान में प्रत्येक रविवार को नागपूर के विविध क्षेत्रों में स्वच्छता एवं वाल्मी पेंटिंग के कार्य में सहभाग।	६-८
	विशेष उपलब्धि	१. सत्र २०१७-१८ के लिए उच्च शिक्षा व खेल मंत्रालय महाराष्ट्र शासन द्वारा प्रवीण साखरे का राज्यस्तरीय उत्कृष्ट राष्ट्रीय स्वयंसेवक के लिए चयन। २. सत्र २०१६-१७ के लिए रा.तु.म. नागपूर विद्यापीठ स्तर पर उत्कृष्ट स्वयंसेवक— कामदेव भोंगे को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।	

इन गतिविधियों के सफल आयोजन के लिए प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत, रासेयो समिति के सभी सदस्यों के सहयोग एवं स्वयंसेवकों के उत्साह पूर्ण कार्यों के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ।

डॉ. ए.बी. पटले
कार्यक्रम अधिकारी
एन. एस. एस. विभाग

एन.सी.सी. (नॅशनल कॅडेट कोर)

वार्षिक अहवाल २०१८-१९

राष्ट्रीय कॅडेट कोर (एन.सी.सी.) भारत वर्ष का सबसे विशाल एवं जेष्ठ युवा संगठन है। "एकता और अनुशासन" इस मुलमंत्र तथा उच्च आदर्शों के साथ महाविद्यालय का यह विभाग ४ महाराष्ट्र बटालियन एन.सी.सी. से संलग्न है। इस वर्ष कॅडेट की संख्या १०८ थी। जिसमें कुल लड़के तथा लड़कियाँ कॅडेटस शामिल थे।

देश के युवाओं में चरित्र, सदाचार, अनुशासन, नेतृत्व, प्रशिक्षण, धर्मनिरपेक्षता-दृष्टिकोण, रोमांच तथा निस्वार्थ सेवाभाव का संचार आदि सर्वांगीण विकास हेतु प्रशिक्षित किया जाता है। एवं सशस्त्र सेना में जीविका (कैरियर) बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

इस वर्ष निम्नलिखित गतिविधियों में कॅडेटस ने सहभाग लिया।

१. गुजरात में अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित एडवांस लिडरशीप कैम्प में अंडर ऑफीसर रक्षित चौरसिया ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण हासिल किया।
२. अमरावती में संपन्न हुए बेसिक लिडरशीप कैम्प में कॅडेट अश्विन डोंगरे एवं कॅडेट अंकिता कांबले ने प्रशिक्षण हासिल किया।
३. पुणे में आयोजित इंटर ग्रुप कैम्प (आर.डी.सी) में अंडर ऑफीसर श्रुती बुंदेला, रक्षित चौरसिया, सार्जेंट अनिकेत चौहान, शिवम सोनी, आराधना दामाहे का सहभाग रहा।
४. इस वर्ष चलाए गए भिन्न-भिन्न कैम्प में अपने कुल ४८ लड़के कॅडेट एव: २७ लड़कियाँ कॅडेटस ने सहभाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया।
५. सामाजिक सेवा अंतर्गत प्रतिवर्ष की जानेवाली सर्वोत्तम समाज सेवा रक्तदान शिविर में ५८ कॅडेटस/विद्यार्थी ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। जो कुल मिलाकर २१,४२० मि.ली. हुआ। यह रमा शासकिय डागा प्रसूती अस्पताल में पहुँचाया गया।
६. "पर्यावरण दिवस" के उपलक्ष्य बॉटनीकल गार्डन एव: महाविद्यालय के परिसर में वृक्षारोपन करके पर्यावरण दिवस मनाया गया।
७. "अंतर्राष्ट्रीय योगदिवस" का आयोजन यशवंत स्टेडियम में हुआ। अपने ५४ कॅडेटस ने योगासनों का प्रदर्शन करके योगा दिवस मनाया।
८. स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत कॅडेटस ने महाविद्यालय परिसर एवं महामार्ग की स्वच्छता करके स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत अभियान मनाया।
९. प्रहार समाज जागृती संस्था द्वारा आयोजित क्रॉस कंट्री दौड़ में २८ लड़के कॅडेटस ने सहभाग लिया।
१०. इस वर्ष 'बी' और 'सी' प्रमाणपत्र परीक्षा में ३८ एस.डी. और १५ एस.डब्लू कॅडेटस ने प्रमाणपत्र परीक्षा दी।
११. सावनेर में संपन्न हुए कैम्प में ऑफीसर रक्षित चौरसिया के बेस्ट कॅडेट और अंडर ऑफीसर कु. श्रुती बुंदेला को बेस्ट ड्रिल से सम्मानित किया गया।
१२. विद्यापीठ की ओर से मनाया गया 'गणतंत्र दिवस परेड' की अंडर ऑफसर श्रुती बुंदेला ने परेड को कमांड की ओर उत्तम परेड का संचालन किया।
१३. इस वर्ष के महाविद्यालय के सर्वोत्कृष्ट कॅडेट का सम्मान अंडर ऑफीसर श्रुती बुंदेला को दिया गया।

आजीवन अध्ययन आणि विस्तार विभाग

महाविद्यालय गठीत समितीद्वारे विविध उपक्रम घेण्यात आले.

१. जागतिक लोकसंख्या दिवस – ११ जुलै २०१८ रोजी निबंध स्पर्धा घेण्यात आली. त्यात एकूण १२० विद्यार्थी सहभागी झाले होते.
२. १ सप्टेंबर २०१८ जलदिंडीत १३० विद्यार्थी सहभागी झाले.
३. ८ सप्टेंबर २०१८ आंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पोस्टर स्पर्धेमध्ये ३५ विद्यार्थी सहभागी झाले होते. आणि प्रौढशिक्षणाकरिता शुध्दलेखन व वर्णमाला पुस्तकांचे वितरण करण्यात आले.
४. १३ ऑक्टोबर २०१८ रोजी रा.तु.म. नागपुर विद्यापीठाद्वारे आयोजित केलेल्या प्राध्यापकांचा चर्चासत्रात सहभाग.
५. २५/१०/१८ रोजी विद्यार्थ्यांना 'प्रकल्प कसा करावा' या संदर्भात मार्गदर्शन करण्यात आले.
६. पर्यावरण रक्षण, सौर ऊर्जा शक्ती आणि ज्येष्ठ नागरिक या बाबतीत मार्गदर्शन आणि व्याख्यानाचे आयोजन.
७. २७ सप्टेंबर २०१८ रोजी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महाविद्यालयात 'झिरो गार्बेज मिशन' गृहकारी खत प्रकल्प प्रात्यक्षित कार्यक्रमात १५ विद्यार्थी सहभागी झाले होते.
८. ३ जानेवारी ते ६ जानेवारी २०१९ दरम्यान मिशन साहसी संस्था व महाविद्यालयाद्वारा 'स्वरक्षण' उद्देशाने विद्यार्थीनीकरिता कराटे कार्यशाळेत ९० विद्यार्थीनीचा सहभाग होता.

वरील उपक्रमात प्राचार्य डॉ. एन.वाय. खंडाईत यांचे आणि समितीच्या सदस्यांचे त्यांच्या सहकार्याबद्दल आभार.

डॉ. नेहा एच. कल्याणी
संयोजिका

**भाषा अभ्यास मंडळ (इंग्रजी, हिंदी आणि मराठी)
आणि 'शब्द' फोरम अहवाल २०१८-१९**

विद्यार्थ्यांचा सर्वांगीण विकास व्हावा, नैतिक मूल्य विद्यार्थ्यांमध्ये रुजावीत, साहित्याबद्दलची अभिरुची वाढीस लागावी आणि स्पर्धात्मक परीक्षेसाठी विद्यार्थ्यांना विविध प्रकारची पुस्तके उपलब्ध करून देणे आणि मार्गदर्शन करणे या उद्देशाने २०१८-१९ या सत्रात खालील कार्यक्रम घेण्यात आले.

शब्द फोरम अंतर्गत ३५८ विद्यार्थ्यांनी सभासदत्व स्विकारले आणि ३००० पुस्तकांचे विद्यार्थ्यांनी वाचन केले.

- १) भाषा अभ्यास मंडळाचे उद्घाटन हिंदी दिवसाचे औचित्य साधून दि. १४ सप्टेंबर २०१८ रोजी प्राचार्य डॉ. एन.वाय. खंडाईत यांच्या हस्ते करण्यात आले. ह्याप्रसंगी स्वरचित काव्य स्पर्धेचे आणि ग्रंथप्रदर्शनाचे आयोजन करण्यात आले. काव्यस्पर्धेत दीवा किशोर – प्रथम पुरस्कार, तेजस पटेल आणि अंकिता कळंबळकर द्वितीय पुरस्कार, अंकिता मेश्राम – तृतीय पुरस्कार, स्वप्नील खरबडे आणि लक्ष्मी मिश्रा – चतुर्थ पुरस्कार आणि कल्याणी सरवरे – पाचवा पुरस्कार देण्यात आला.
- २) भाषा अभ्यास मंडळाच्या वतीने २५ ऑगस्ट २०१८ ला विद्यार्थ्यांना 'डॉ. प्रकाश आमटे द रिअल हीरो' हा चित्रपट दाखविण्यात आला.
- ३) राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठाच्या जीवन शिक्षण अभियान अंतर्गत हिंदी विभागाद्वारा त्रैमासिक प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम 'सृजनात्मक लेखन एवं संवाद कौशल्य' चालविण्यात आला. १५ विद्यार्थी त्यात सहभागी झाले.
- ४) दि. १५ ऑक्टोबर २०१८ रोजी भारताचे माजी राष्ट्रपती दिवंगत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम यांचा जन्मदिवस 'वाचन प्रेरणा दिन' म्हणून साजरा करण्यात आला. पुजा इसपांडे, आचल ठाकरे, रितेश पिल्लारे या विद्यार्थ्यांनी कलामांच्या व्यक्तिमत्त्वावर प्रकाश टाकला. अंकीता कळंबळकर, राजीव मिश्रा यांनी कलामांवर कविता सादर केल्या. हिमांशु दीक्षित ह्या विद्यार्थ्याने कलामांच्या शैक्षणिक विचारांचे वाचन केले. गरजू व वाचनाची आवड असलेल्या विद्यार्थ्यांना पूर्व मागणीनुसार मोफत पुस्तके देण्यात आली.
- ५) दि. १५ डिसेंबर २०१८ रोजी श्री. अतुल देशमुख यांच्या मुलाखतीचा कार्यक्रम विद्यार्थ्यांना दाखविण्यात आला. कमी वेळात जास्तीत जास्त शब्द कसे वाचायचे या संदर्भात विद्यार्थ्यांना त्यांनी मार्गदर्शन केले.
- ६) २७ फेब्रुवारी २०१९ रोजी श्री. वि.वा. शिरवाडकर उर्फ कुसुमाग्रज यांच्या जन्मदिन 'मराठी भाषा गौरव दिन' म्हणून साजरा करण्यात आला. विदर्भ साहित्य संघ नागपूर ग्रंथालयाचे ग्रंथपाल श्री. दिलीप म्हैसाळकर प्रमुख पाहुणे म्हणून उपस्थित होते. ग्रंथ समीक्षा स्पर्धा, मराठी म्हणींची स्पर्धा घेण्यात आली आणि विद्यार्थ्यांना ग्रंथरूपात पुरस्कार देण्यात आले. आणि ग्रंथप्रदर्शनाचे आयोजन करण्यात आले.

डॉ. डी.व्ही. चव्हाण
संयोजिका

परीक्षा समिति - २०१८-१९

महाविद्यालय की परीक्षा समिति ने शैक्षणिक सत्र २०१८-१९ में निम्नलिखित परीक्षाएँ आयोजित की।

अंतर्गत मूल्यमापन व परीक्षा :- प्रथम सत्र के विंटर २०१८ के बी.कॉम. सेमेस्टर तृतीय, सेमेस्टर पाँच तथा एम.कॉम. सेमेस्टर द्वितीय में दो यूनिट टेस्ट एवं दो असाईनमेंट्स तथा जाँच परीक्षा संपन्न हुई। इन कक्षाओं का Viva-Voce लिया गया।

इसी प्रकार द्वितीय सत्र में बी.कॉम. सेमेस्टर चतुर्थ, सेमेस्टर छठा तथा एम.कॉम. सेमेस्टर चतुर्थ के लिए दो यूनिट टेस्ट, दो असाईनमेंट तथा ग्रीष्मकालीन २०१९ में जाँच परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गयी। इसका नियमित Viva-Voce प्रस्तावित है।

महाविद्यालय में इस वर्ष से ऑटोनॉमी की पहली बैच बी.कॉम. प्रथम सेमेस्टर के लिए भी उपरोक्त प्रकार से परीक्षाएँ एवं अंतर्गत मूल्यमापन का कार्य किया गया।

बाह्य परीक्षा :- राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ की शीतकालीन एवं ग्रीष्मकालीन परीक्षाएँ महाविद्यालय के परीक्षा केन्द्र में पूर्ण अनुशासित रूप से संपन्न हुई।

गांधी विचार परिषद की सामान्य ज्ञान परीक्षा में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर परीक्षा को सफल बनाया।

परीक्षा समिति को समय-समय पर प्राचार्य डॉ. एन.वाय. खंडाईत का अमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, तद्वहेतु कृतज्ञता. परीक्षा समिति के सदस्य डॉ. बी.एम. चचाणे, डॉ. वी.वी. चव्हाण (नागदिवे), डॉ. पी.एस. मुरारकर, बी.कॉम. ग्रांट समन्वयक डॉ. विशाल ठणगण, एम.कॉम. विभाग समन्वयक डॉ. एस.डी. मोरे के सक्रिय सहयोग के लिए आभार, सभी प्राध्यापकों के सहयोग के बगैर परीक्षा का आयोजन संभव नहीं है अतः सबका आभार.

बी.सी.सी.ए. एवं बी.कॉम नो ग्रांट समन्वयक, सी.ओ.ई. प्रा. पी.जे. यादव के विशेष सहयोग हेतु आभार. बी.बी.ए. अभ्यासक्रम समन्वयक डॉ. अश्विनी पुरोहित को धन्यवाद. परीक्षा संचालन में अथक प्रयास हेतु शिक्षकेत्तर कर्मचारी श्री. मनोज सेलूकर को धन्यवाद. श्री. पंकज बोरकर, राहुल खानोरकर सहित सभी कर्मचारियों को सहयोग हेतु धन्यवाद !

डॉ. आर.एच. नगरकर
संयोजक
परीक्षा समिति

शिक्षा मंडळ कार्यक्रम समिती वार्षिक अहवाल २०१८-१९

मातृसंस्था शिक्षा मंडळ, वर्धा द्वारा महाविद्यालयात घेतलेल्या कार्यक्रमाचा वार्षिक अहवाल आपणासमोर सादर करित आहे.

सामान्य ज्ञान परीक्षा :- दि. ४ ऑक्टोबर २०१८ रोजी सामान्य ज्ञान परिक्षेचे आयोजन करण्यात आले. विद्यार्थ्यांमध्ये सामान्य ज्ञानाची अभिरुची वाढविणे व स्पर्धात्मक परिक्षेकरिता विद्यार्थ्यांना तयार करण्याच्या उद्देशाने ही परीक्षा आयोजित केली जाते. परिक्षेत एकूण २९०० विद्यार्थी सहभागी झालेत. सिनिअर, पी.जी. व ज्युनीअर यामध्ये ९ विद्यार्थ्यांना गुणवत्ता यादीत स्थान प्राप्त झाले.

सहभागी विद्यार्थी

Junior	-	1100
UG	-	1523
M.Com	-	187
MBA	-	90
Total		2,900

List of Prize Winners in G.K. Test Junior Level

No.	Prize (Position)	Name	Class
1	First Rs. 1500/-	Dimple R. Dholwani	XII E1
2	Second Rs. 1000/-	Darshna D. Gehani	XII E1
3	First Rs. 1500/-	Prarthana Bayes	B.Com III (E1)
4	Second Rs. 1000/-	S.U. Naktode	BBA V Sem.
5	Third Rs. 750/-	Abhishek Sharma	BBA V Sem.

Post Graduate Level

No.	Position	Name	Class & Section	Prize
6	First Rs. 1500/-	Hemlata P. Banbela	MBA III Sem.	Rs. 1500/-
7	Second Rs. 1000/-	Aarti P. Banbela	MBA III Sem.	Rs. 1000/-
8	Second	Sudip N. Dhakal	MBA III Sem.	Rs. 1000/-
9	Third	Abhishek Mishra	M.Com II E	Rs. 750/-

परिसंवाद :- २६/१२/२०१८ "कल के लिए गांधीवादी पर्याय" या विषयावर महाविद्यालयात स्पर्धा आयोजित केली. कु. राजेश्वरी शर्मा व तेजस पटेल यांची महाविद्यालयातून स्व. कमलनयन बजाज स्मृती आंतर विश्वविद्यालयीन परिसंवाद स्पर्धेतील आंतरमहाविद्यालयीन (शिक्षा मंडळ अंतर्गत) स्पर्धेकरिता निवड झाली होती.

पुरस्कार वितरण व प्रश्न मंजूषा :- सामान्य ज्ञान परिक्षेत पुरस्कार प्राप्त व स्कॉलर टेस्ट सिरीजचे गुणवत्ता प्राप्त विजेत्यांना पुरस्कार वितरण कार्यक्रम ११ फेब्रुवारी २०१९ रोजी आयोजित करण्यात आला, त्यावेळी झालेल्या प्रश्नमंजूषा स्पर्धेत सुदीप ढकाल व अभिषेक मिश्रा यांच्या चमूला द्वितीय पुरस्कार प्राप्त झाला.

वरील उपक्रमात आम्हांला सर्वांचे सहकार्य लाभले.

धन्यवाद !

डॉ. नीता दि. धर्माधिकारी

Girl's Guidance and Counselling Internal Complaints Committee (ICC) 2018-2019

for Sexual Harassment Girl's / Femals Staff at Work 2018-19

महाविद्यालयात सत्र २०१८-१९ करिता समितीद्वारा खालील उपक्रम राबविण्यात आले.

१. जागतिक लोकसंख्या दिवसानिमित्त ११ जुलै रोजी निबंध स्पर्धा घेण्यात आली. १३५ विद्यार्थी सहभागी झाले होते.
२. ८ सप्टेंबर आंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवसानिमित्त निबंध स्पर्धा घेण्यात आली. व प्रौढांना साक्षर करण्याच्या विद्यार्थिनींना शुध्दलेखन वही, व वर्णमाला पुस्तक वितरीत करण्यात आले.
३. क्रांतीज्योती सावित्रीबाई फुले जन्मदिवशी मिशन साहसी द्वारा दि. ३ जाने. ते ६ जाने. २०१९ रोजी महाविद्यालयात ३ दिवसीय शिबीर आयोजित करण्यात आले. ९० विद्यार्थिनी सहभागी झाल्या होत्या.
४. दि. १९ जानेवारी रोजी श्रीमती कविता चांडक Psychologist Cum Counsellor यांचे 'हाईजीन, व्यक्तिगत देखभाल एवं महाविद्यालयीन जीवन में कौशल्य' या विषयावर मार्गदर्शन पर व्याख्यान आयोजित करण्यात आले. १५० विद्यार्थिनी सहभागी झाल्या होता.
५. वेळोवेळी श्रीमती कविता चांडक Psychologist Cum Counsellor यांनी विद्यार्थिनीच्या व्यक्तिगत समस्यांकरिता मार्गदर्शन केले.
६. २५ जानेवारी २०१९ राष्ट्रीय मतदार दिवसानिमित्त मतदान कार्ड बनविण्याच्या प्रक्रियेत विद्यार्थिनी सहभागी झाल्यात.
७. सर्वोदय आश्रम द्वारा आयोजित कार्यक्रमात विद्यार्थिनींचा सहभाग होता.
८. ८ मार्च २०१९ रोजी आंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम घेण्यात आला.

डॉ. नीता धर्माधिकारी

GS-COMNEXT ACTIVITIES



GS Success Stories: CA Shri Pranavkumar Limaja, Pranavkumar Limaja & Co.



Dr. Shubhangi Morey, Convenor felicitating Shri Rakesh Awachat



GS Success Stories: Shri Taufique Azad, Module Lead, Persistent Systems Ltd.



GS Success Stories: Sri Taufique Azad and Shri Pranavkumar Limaja



Commerce Model Competition: Student explaining the model to the Judges



Commerce Model Competition: Student explaining the model to Principal



Company Analysis Competition



Shri Rakesh Awachat, Director, Ram Coolers addressing the students

GS-COMNEXT ACTIVITIES



Inaugral Session: Principal Dr. N. Y. Khandait felicitating Shri Ajit Diwadkar



Inaugral Session: Scroll of Honour for Shri Diwadkar



Chief Guest, Shri Ajit Diwadkar addressing the audience



Principal Dr. N. Y. Khandait addressing the students



Dr. Shubhangi Morey, Convenor, GS- Comnext giving introductory remarks



Inauguration of Commerce Model Competition



Commerce Model Competition: Students' interaction with Chief Guest



Commerce Model Competition: Students' interaction with Chief Guest